तमिलनाडु के मंत्री के खिलाफ भ्रष्टाचार का केस दर्ज करने का आदेश - 14

एआई से 0.8 प्रतिशत बढ़ेगी वैश्विक वृद्धि मगर नौकरियों के लिए भारी जोखिम भी- 14

असम में बोले अमित शाह देश से सभी घुसपैठियों को बाहर करेंगे - 15

न्यूजीलैंड के बल्लेबाजों का लक्ष्य पाकिस्तानी स्पिनरों को काबू करना- 16

आज का मौसम

23.0⁰ अधिकतम तापमान

13.0⁰ न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 06.46

सूर्यास्त 06.06

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

हल्द्वानी

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

फाल्गुन शुक्ल पक्ष चतुर्थी 01:01 उपरांत पंचमी विक्रम संवत 2082

शनिवार, 21 फरवरी 2026, वर्ष 5, अंक 362, पृष्ठ 16 ■ मूल्य 6 रुपये

ईमानदारी की मिसाल

कबाड व्यापारी ने 15 लाख के गहने असली मालिक को लौटाए

फरीदाबाद, एजेंसी

- छह माह बाद कबाड़ छांटते समय हाजी अख्तर को मिला था 100 ग्राम सोना

हरियाणा के फरीदाबाद में छह महीने पहले जमा किए गए कबाड़ को छांटते समय कबाड़ व्यापारी हाजी अख्तर खान को करीब 100 ग्राम सोना मिला, जिसे उन्होंने पुलिस की मदद से असली मालिक तक पहुंचाकर ईमानदारी की मिसाल पेश की।

अनजाने में कबाड़ में फेंके गए 15 लाख मूल्य के आभूषणों को पाकर शर्मा परिवार की खुशी का ठिकाना नहीं रहा, वहीं खान का असाधारण ईमानदारी भरा कार्य आए दिन सामने आ रहीं बुरी खबरों के बीच राहत देता है। बल्लभगढ़ के सहायक पुलिस आयुक्त जितेश मल्होत्रा ने शुक्रवार को बताया कि अशोक शर्मा और उनके परिवार ने पिछले साल जनवरी में प्रयागराज कुंभ मेले में जाने से पहले गहनों को चोरी से बचाने के लिए घरेलू कबाड़ से भरी बोरी में छिपा दिया था। कुछ महीनों बाद, उन्होंने कबाड़ बेच दिया और छिपे सोने के बारे में पूरी तरह भूल गए थे।

अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट से ट्रंप को झटका, रद्द किए टैरिफ

वाशिंगटन, एजेंसी

- उच्चतम न्यायालय ने 6-3 के बहुमत से सुनाया फैसला, कहा- उन्हें टैरिफ लगाने का अधिकार नहीं

अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रपति ट्रंप को झटका देते हुए उनके द्वारा कई देशों पर थोपे गए टैरिफ के आदेश को शुक्रवार को रद्द कर दिया। कोर्ट ने 6-3 के बहुमत से यह फैसला सुनाया। कोर्ट के इस फैसले से ट्रंप के आर्थिक एजेंडे को बड़ा झटका लगा है। सुनाए गए इस फैसले का केंद्र बिंदु आपातकालीन शक्तियों के कानून के तहत लगाए गए शुल्क हैं, जिनमें लगभग हर दूसरे देश पर लगाए गए व्यापक पारस्परिक शुल्क भी शामिल हैं।

कोर्ट ने पाया कि संविधान बहुत स्पष्ट रूप से कांग्रेस को कर लगाने की शक्ति देता है, जिसमें शुल्क भी शामिल हैं। मुख्य न्यायाधीश जॉन रॉबर्ट्स ने फैसले में लिखा, संविधान निर्माताओं ने कराधान की शक्ति का कोई भी हिस्सा कार्यपालिका शाखा को नहीं सौंपा। न्यायमूर्ति सैमुअल एलिटो, न्यायमूर्ति क्लेरेंस थॉमस और न्यायमूर्ति ब्रेट कावानाघ ने असहमति व्यक्त की। न्यायमूर्ति कावानाघ ने लिखा, यहां जिन शुल्कों पर चर्चा हो रही है, वे नीति के लिहाज से उचित हो सकते हैं या नहीं हो सकते हैं। लेकिन लिखित प्रमाण, इतिहास और पूर्व उदाहरणों के आधार पर, ये स्पष्ट रूप से वैध हैं। शुल्क संबंधी निर्णय से ट्रंप को अन्य कानूनों के तहत शुल्क लगाने से नहीं रोका जा सकता। हालांकि इन प्रावधानों से ट्रंप की कार्रवाइयों पर अधिक सीमाएं लग जाती हैं, फिर भी प्रशासन के शीर्ष अधिकारियों ने कहा है कि वे अन्य अधिकारों के तहत शुल्क ढांचे को यथावत रखने की उम्मीद करते हैं। ट्रंप ने अप्रैल 2025 में ज्यादातर देशों पर पारस्परिक शुल्क लगाए, ताकि व्यापार घाटे को दूर किया जा सके, जिसे उन्होंने राष्ट्रीय आपातकाल घोषित किया था। ये कदम तब उठाए गए जब उन्होंने कनाडा, चीन और मैक्सिको पर शुल्क लगाए, जिसका मकसद मादक पदार्थों की तस्करी की आपात स्थिति से निपटना था। इसके बाद कई मुकदमे दायर किए गए। चुनौती देने वालों ने दलील दी कि आपातकालीन शक्तियों के कानून में शुल्क का उल्लेख तक नहीं है और ट्रंप द्वारा इसका उपयोग कई कानूनी समीक्षाओं में विफल रहता है, जिसमें एक ऐसी समीक्षा भी शामिल है।

जज ने रूसी तेल की खरीद को लेकर भारत पर लगाए टैरिफ का किया जिक्र

न्यूयॉर्क/वाशिंगटन। अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने न्यायमूर्ति ब्रेट केवानॉ ने अपने असहमति वाले फैसले में रूस से तेल खरीदने पर भारत पर लगाए गए शुल्क (टैरिफ) का जिक्र किया। ट्रंप ने भारत पर 25 प्रतिशत का पारस्परिक शुल्क और रूसी तेल खरीदे जाने पर 25 प्रतिशत का अतिरिक्त दंडात्मक टैरिफ लगाया था। हालांकि, उन्होंने पारस्परिक शुल्क को घटाकर 18 प्रतिशत कर दिया, वहीं रूस से तेल खरीदने पर लगाए गए 25 प्रतिशत शुल्क को हटा दिया। ट्रंप ने इस बात का जिक्र किया था कि भारत ने मॉस्को से प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से कच्चे तेल का आयात बंद करने और अमेरिकी ऊर्जा उत्पादों की खरीद करने की प्रतिबद्धता जताई है। न्यायमूर्ति क्लेरेंस थॉमस, न्यायमूर्ति सैमुअल ए. एलिटो जूनियर और न्यायमूर्ति कवानॉ ने असहमति वाला फैसला लिखा। केवानॉ ने मामले में अपने असहमति वाले निर्णय में लिखा, विदेशी आयात पर शुल्क की तरह ही, इस मामले में विचाराधीन आईईईपीए टैरिफ भी विदेश मामलों से संबंधित हैं। उन्होंने लिखा, 6 अगस्त 2025 को राष्ट्रपति ने भारत पर प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से रूसी संघ के तेल का आयात करने के लिए टैरिफ लगाया था।

ब्रीफ न्यूज

जेपी इंफ्राटेक के पूर्व एमडी ने तिहाड़ जेल में किया आत्मसमर्पण

नई दिल्ली। जेपी इंफ्राटेक के पूर्व एमडी मनोज गौर ने तिहाड़ जेल के अधिकारियों के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया। हाल में दिल्ली की एक अदालत ने घर खरीदारों से जुड़े धन शोधन मामले में उनकी नियमित जमानत याचिका खारिज कर दी थी जिसकी जांच प्रवर्तन निदेशालय कर रहा है। अंतरिम जमानत प्राप्त करने वाले गौर ने गुरुवार को आत्मसमर्पण कर दिया और अब वह तिहाड़ जेल में बंद हैं। दिल्ली की कोर्ट ने 17 फरवरी को गौर की नियमित जमानत याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें इस बात पर जोर दिया गया कि उनके खिलाफ लगे आरोपों में आपराधिक विश्वासघात के आरोप शामिल हैं।

दो साल की मासूम का अपहरण, बरामद

हरिद्वार। नगर के तुलसी चौक से गुरुवार आधी रात बच्चा गैंग ने दो साल की बच्ची का अपहरण कर लिया। बच्ची के परिजनों ने इसकी सूचना तुरंत पुलिस को दी। एसएसपी नवनीत सिंह ने बताया कि सूचना मिलते ही तत्काल अभियोग दर्ज कर एएचटीयू, सीआईयू और पुलिस की पांच टीमों का गठन किया गया और पूरे शहर में सघन सर्च ऑपरेशन चलाया गया। अपहृत बच्ची को महज चार घंटे में ऋषिकुल चौक बस स्टॉप के पास लावारिस हालत में बरामद कर लिया गया। एसएसपी ने बताया कि, अब तक जुटाए गए सबूतों को जोड़कर पुलिस टीमें अपहरणकर्ताओं की तलाश में जुटी हुई हैं।

विकसित उत्तराखंड के निर्माण का रोडमैप बनेगा आगामी बजट : धामी

मुख्यमंत्री ने कहा- जनोन्मुखी बजट में सुझावों को मिलेगा नीतियों में स्थान

बजट पूर्व संवाद

- संवाद, सहयोग, सहभागिता और सुझाव ही उत्तराखंड की ताकत

प्रमुख संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार : जनपद पौड़ी के रांसी स्थित बहुउद्देश्यीय भवन में शुक्रवार को मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की उपस्थिति में बजट पूर्व संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रदेश के विभिन्न जनपदों से आए जनप्रतिनिधियों, कृषकों, उद्यमियों, व्यापारियों, महिला समूहों, पर्यटन व्यवसायियों, मत्स्य पालकों, कृषि वैज्ञानिकों, स्थानीय निकाय प्रतिनिधियों एवं विभिन्न क्षेत्रों के हितधारकों ने सहभागिता करते हुए आगामी बजट के लिए अपने सुझाव प्रस्तुत किए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य ऐसा जनहितकारी बजट तैयार करना है, जो प्रदेश की जमीनी आवश्यकताओं, क्षेत्रीय विशेषताओं और जनअपेक्षाओं के अनुरूप हो।

रांसी में बजट पूर्व संवाद करते मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी।

ये सुझाव आए संवाद में

ग्रामीण विकास को गति देने के लिए अनुदान में वृद्धि, पंचायतों को सशक्त बनाने, नगर निकायों के संसाधन बढ़ाने, सोलर सिटी की अवधारणा को बढ़ावा देने, कृषि एवं उद्यान क्षेत्र में पर्वतीय कृषि को प्रोत्साहन, उद्योग एवं एमएसएमई क्षेत्र में पर्वतीय क्षेत्रों में उद्योग स्थापना हेतु पूंजीगत सब्सिडी, ब्याज अनुदान, मशीनरी पर विशेष छूट, सेवा क्षेत्र आधारित उद्योगों को बढ़ावा तथा स्थानीय उत्पादों पर आधारित उद्योगों को प्रोत्साहन की मांग रखी गई। आईटीआई एवं पॉलिटेक्निक संस्थानों को उद्योगों से सीधे जोड़ने, जिससे स्थानीय युवाओं को रोजगार के अवसर मिलें और पलायन रुके, इस पर भी सुझाव दिए गए। महिला सशक्तिकरण के अंतर्गत प्रत्येक जनपद में प्रशिक्षण केंद्र स्थापित करने, पर्यटन क्षेत्र में होमस्टे के लिए रियायती ऋण सुविधा, ऊर्जा नेटवर्क को सुदृढ़ बनाने आदि सुझाव भी प्राप्त हुए।

2047 तक बनेगा आत्मनिर्भर उत्तराखंड

मुख्यमंत्री ने वर्ष 2047 तक उत्तराखंड को आत्मनिर्भर एवं अग्रणी राज्य बनाने के संकल्प को दोहराते हुए कहा कि प्रदेश ने वित्तीय अनुशासन और विकास के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि जनसहभागिता से तैयार होने वाला यह बजट राज्य की विकास यात्रा को और अधिक गति प्रदान करते हुए समृद्ध और सशक्त उत्तराखंड के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

बजट केवल आय-व्यय का दस्तावेज नहीं, बल्कि विकसित उत्तराखंड के निर्माण का रोडमैप है, जिसमें प्रत्येक वर्ग की भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। इस संवाद कार्यक्रम में शामिल होकर अपने महत्वपूर्ण सुझाव देने के लिए सभी का आभार व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारा प्रयास है कि समाज के प्रत्येक वर्ग जैसे पर्यटन व्यवसायियों, व्यापारियों, महिला स्वयं सहायता समूहों, किसानों और उद्यमियों की अपेक्षाएं और आवश्यकताएं बजट में समुचित रूप से परिलक्षित हों। इस संवाद के दौरान अनेक व्यावहारिक और दूरदर्शी सुझाव प्राप्त हुए हैं, जो राज्य के विकास की दिशा तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

सीएम ने कहा कि हमने बजट निर्माण की प्रक्रिया को पारदर्शी, सहभागी और जनोन्मुखी बनाने का संकल्प लिया है। सीमांत क्षेत्रों सहित प्रदेश के विभिन्न स्थानों पर जनता से संवाद कर सुझाव प्राप्त किए जा रहे हैं, ताकि विकास का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे और प्रत्येक वर्ग की भागीदारी इसमें सुनिश्चित हो सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड निरंतर विकास के पथ पर अग्रसर है और व्यापार, उद्योग, पर्यटन, कृषि एवं महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। राज्य में होमस्टे, स्वरोजगार और निवेश के नए अवसर सृजित हुए हैं, जिससे स्थानीय स्तर पर रोजगार को बढ़ावा मिला है। सरकार का लक्ष्य किसानों को उद्यमी के रूप में विकसित करना, महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाना तथा राज्य की अर्थव्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ करना है। कहा कि बजट पूर्व संवाद के दौरान प्राप्त सभी सुझावों का गंभीरता से परीक्षण कर उन्हें आगामी बजट और नीतिगत निर्णयों में यथासंभव शामिल किया जाएगा।

जेई व पत्नी को 33 बच्चों के यौन शोषण में मौत की सजा

कार्यालय संवाददाता, चित्रकूट

- पोर्न साइट पर डालते थे वीडियो, बांदा की विशेष पॉक्सो कोर्ट ने सुनाया फैसला

अमृत विचार : 33 नाबालिग बच्चों से यौन शोषण कर अश्लील वीडियो को पोर्न साइट में अपलोड करने के मामले में बांदा की विशेष पॉक्सो कोर्ट ने चित्रकूट के सिंचाई विभाग के निलंबित जेई (अवर अभियंता) व उसकी पत्नी को फांसी की सजा सुनाई है। सुनवाई के दौरान सीबीआई की टीम भी कोर्ट में मौजूद रही।

मामला सन 2020 का है। सीबीआई को जानकारी मिली थी कि सिंचाई विभाग चित्रकूट में तैनात जेई रामभवन, चाइल्ड पोर्नोग्राफी जैसे संगीन अपराध में लिप्त है। सीबीआई ने रामभवन को एसडीएम कालोनी स्थित किराये के मकान से गिरफ्तार किया था। वहीं साक्ष्य संकलन के दौरान सीबीआई को रामभवन की पत्नी दुर्गावती की भी संलिप्तता मिली थी। इसके बाद दुर्गावती को भी गिरफ्तार किया गया और दोनों को बांदा जेल में निरुद्ध किया गया था। सीबीआई की पूछताछ में रामभवन ने बताया था कि वह पांच से 16 साल के बच्चों को अपना शिकार बनाता था। उन्हें जाल में फंसाने के लिए वह इलेक्ट्रानिक गैजेट्स का लालच देता था। बच्चों के अश्लील फोटो और वीडियो बनाकर ऑनलाइन बेचा करता था। देश-विदेश के कई पोर्न गिरोहों के संपर्क में होने की बात भी उसने स्वीकारी थी। उसने यह भी बताया कि पीड़ित परिवारों को उनके बच्चों के अश्लील फोटो और वीडियो दिखाकर उन्हें ब्लैकमेल करता था और इसके एवज में उनसे पैसे मांगता था। इससे भी उसने अच्छी खासी रकम मिलती थी।

पीड़ित बच्चों को 10-10 लाख देने के आदेश

कोर्ट ने सभी पीड़ित बच्चों को 10- 10 लाख रुपये देने का भी आदेश पारित किया। सजा में किए गए जुर्माने को भी बच्चों को देने का आदेश दिया। कोर्ट ने कहा कि ऐसे अपराध न केवल पीड़ित बच्चों के जीवन को बर्बाद करते हैं, बल्कि समाज की नैतिक नींव को भी हिला देते हैं। यदि ऐसे मामलों में सख्ती नहीं बरती गई तो यह समाज के लिए खतरनाक संदेश होगा। कोर्ट ने पीड़ित बच्चों के पुनर्वास, मनोवैज्ञानिक उपचार और सुरक्षित भविष्य सुनिश्चित करने के लिए राज्य सरकार और संबंधित विभागों को ठोस कदम उठाने के निर्देश दिए। साथ ही पीड़ितों को उचित मुआवजा, काउंसिलिंग और शिक्षा-संबंधी सहायता उपलब्ध कराने के भी आदेश दिए।

सुप्रीम आदेश : बंगाल में एसआईआर की निगरानी करेंगे न्यायिक अधिकारी

नई दिल्ली, एजेंसी

- सेवारत और पूर्व जिला न्यायाधीशों की तैनाती का शीर्ष कोर्ट ने दिया निर्देश

पश्चिम बंगाल सरकार और निर्वाचन आयोग के बीच जारी गतिरोध को लेकर नाखुशी जताते हुए सुप्रीम कोर्ट ने राज्य में विवादों से घिरी मतदाता सूची के एसआईआर प्रक्रिया में निर्वाचन आयोग की सहायता के लिए सेवारत और पूर्व जिला न्यायाधीशों को तैनात करने का शुक्रवार को असाधारण निर्देश दिया। निर्वाचन आयोग और लोकतांत्रिक रूप से चुनी गई तृणमूल कांग्रेस सरकार के बीच दुर्भाग्यपूर्ण आरोप-प्रत्यारोप और विश्वास की कमी पर खेद जताते हुए प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति विपुल एम पंचोली की पीठ ने राज्य में एसआईआर प्रक्रिया को पूरा करने के लिए कई नए निर्देश जारी किए।

पीठ ने तार्किक विसंगति सूची में शामिल तथा मतदाता सूची से नाम हटाए जाने के खतरे का सामना कर रहे व्यक्तियों के दावों और आपत्तियों के निपटारे के लिए न्यायिक अधिकारियों की प्रतिनियुक्ति का आदेश दिया। वर्ष 2002 की मतदाता सूची से संतानों के संबंध में तार्किक विसंगतियों में माता-पिता के नाम का मेल न होना और मतदाता तथा उनके माता-पिता की आयु में 15 वर्ष से कम या 50 वर्ष से अधिक का अंतर होना शामिल है। सुप्रीम कोर्ट ने कलकत्ता हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश सुजॉय पॉल से पश्चिम बंगाल में एसआईआर के काम में सहायता के लिए कुछ न्यायिक अधिकारियों को मुक्त करने और पूर्व न्यायाधीशों को खोजने के लिए कहा।

28 तक मसौदा सूची प्रकाशन की अनुमति

कोर्ट ने निर्वाचन आयोग को 28 फरवरी तक राज्य में मतदाताओं की मसौदा सूची प्रकाशित करने की अनुमति दी और साथ ही निर्वाचन आयोग को बाद में पूरक सूचियां जारी करने की भी अनुमति दी। पीठ ने कहा कि यदि 28 फरवरी के बाद पूरक मतदाता सूचियां जारी की जाती हैं, तो किसी को कोई नुकसान नहीं होगा, क्योंकि मतदाताओं के नाम चुनाव के लिए नामांकन पत्र दाखिल करने की अंतिम तिथि तक शामिल किए जा सकते हैं।

मानहानि मामले में राहुल के बयान दर्ज

संवाददाता, सुलतानपुर

- गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ कथित टिप्पणी से जुड़ा मामला, अगली सुनवाई 9 मार्च को

अमृत विचार: कांग्रेस नेता एवं सांसद राहुल गांधी शुक्रवार को भारी सुरक्षा व्यवस्था के बीच एमपी-एमएलए कोर्ट के मजिस्ट्रेट शुभम वर्मा की कोर्ट में सुबह 10:40 बजे पेश हुए, जहां उन्होंने मानहानि प्रकरण में बयान दर्ज कराया।

उनके साथ उनके अधिवक्ता काशी प्रसाद शुक्ल मौजूद रहे। वहीं, परिवादी विजय मिश्र अपने अधिवक्ता संतोष पांडेय के साथ अदालत में उपस्थित रहे। करीब 45 मिनट चली कार्यवाही में राहुल गांधी ने आठ प्रश्नों के उत्तर देते हुए आरोपों से इंकार करते हुए कहा कि यह मुकदमा सस्ती लोकप्रियता पाने , मेरी व कांग्रेस पार्टी की छवि धूमिल करने के लिए राजनीतिक दुर्भावनावश दायर किया गया है। बयान दर्ज करने के उपरांत मामले मे सफाई साक्ष्य की सुनवाई के लिए अदालत ने अगली तारीख 9 मार्च निर्धारित की है।

कांग्रेस कमजोर विपक्ष, राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा: सीएम

- एआई समिट में विरोध पर मुख्यमंत्री धामी ने कांग्रेस पर बोला तीखा हमला

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कांग्रेस पर तीखा हमलाकर कहा कि एआई इंपैक्ट समिट 2026 जैसे अंतर्राष्ट्रीय मंच पर कांग्रेस के कार्यकर्ताओं द्वारा जिस प्रकार से नाटकीय प्रदर्शन कर भारत की छवि धूमिल करने का प्रयास किया गया, वह बेहद शर्मनाक है। ये सिर्फ विरोध नहीं है बल्कि देश की प्रतिष्ठा पर सीधा हमला है।

मुख्यमंत्री ने आरोप लगाते हुए कहा कि, कांग्रेस अब एक राजनैतिक दल नहीं बल्कि देश विरोधी सोच का प्रतीक बनती जा रही है। जब पूरा विश्व भारत की तकनीकी, आर्थिकी और सामरिक शक्ति को मान रहा है, तब कांग्रेस भ्रम, नकारात्मकता, झूठी अफवाहों का एजेंडा चला रही है। व्यापार समझौतों पर झूठ फैलाना हो या हमारी सेना द्वारा अदम्य साहस और वीरता का परिचय देते हुए ऑपरेशन सिंदूर हो या गलवान के वीर जवानों के पराक्रम पर सवाल उठाना हो, ये सिर्फ बयान नहीं, बल्कि देश के मनोबल पर हमला हैं और देश के सैनिकों का अपमान है।

धामी ने कहा जो दल अपने देश की सेना, सुरक्षा बलों और राष्ट्रीय हितों पर सवाल उठाए, वो सिर्फ कमजोर विपक्ष नहीं होता है, वो राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए भी खतरा बन जाता है। देश के विरोध की राजनीति करने वालों को जनता जवाब देगी। मुख्यमंत्री ने कांग्रेस को नसीहत देते हुए कहा कि, भारत न झुकेगा न रुकेगा और प्रतिष्ठा से खिलवाड़ करने वालों को इतिहास कभी माफ भी नहीं करेगा।

रणनीतिक गठजोड़ एआई समिट में समझौते पर किए गए हस्ताक्षर, महत्वपूर्ण खनिजों और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के लिए एक लचीली आपूर्ति श्रृंखला का निर्माण करना प्राथमिकता

भारत का अमेरिका से समझौता, पैक्स सिलिका का बना हिस्सेदार

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत अमेरिका के नेतृत्व वाले रणनीतिक गठजोड़ पैक्स सिलिका में शामिल हो गया है, जिसका उद्देश्य महत्वपूर्ण खनिजों व कृत्रिम बुद्धिमत्ता के लिए एक लचीली आपूर्ति श्रृंखला का निर्माण करना है। यहां में एआई इम्पैक्ट समिट में आयोजित एक समारोह में गठबंधन में शामिल होने के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए गए।

वहां उपस्थित लोगों में केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव, आर्थिक मामलों के लिए अमेरिकी उप विदेश मंत्री जैकब हेलबर्ग और भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर शामिल थे। यह कदम दोनों पक्षों द्वारा प्रस्तावित व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने और संबंधों में गंभीर तनाव के दौर के बाद द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के लिए कई अन्य पहलों पर आगे बढ़ने के प्रयासों के बीच आया है।

नई दिल्ली में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर के साथ केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव।

गोर ने कहा, व्यापार समझौते से लेकर पैक्स सिलिका और रक्षा सहयोग तक, दोनों देशों की साथ काम करने की संभावनाएं वास्तव में असीमित हैं। अमेरिकी राजदूत ने कहा कि पैक्स सिलिका में भारत का प्रवेश केवल एक प्रतीकात्मक कदम नहीं है, बल्कि एक रणनीतिक कदम है जो द्विपक्षीय संबंधों की समग्र दिशा को और मजबूत करेगा। भारत ऐसा देश है जहां प्रतिभा का भंडार है, जो प्रतिद्वंद्वियों को चुनौती देने के लिए काफी है। भारत की इंजीनियरिंग क्षमता इस महत्वपूर्ण गठबंधन के लिए आवश्यक योग्यताएं प्रदान करती है। प्रतिभा के अलावा, भारत ने महत्वपूर्ण खनिज प्रसंस्करण क्षमता की दिशा में भी उल्लेखनीय प्रगति की है और हम इसमें भी पूरी तरह से सहभागिता कर रहे हैं। गोर ने सुझाव दिया कि अमेरिका पैक्स सिलिका ढांचे के तहत भारत से एआई प्रौद्योगिकियां साझा कर सकता है। अमेरिकी उप विदेश मंत्री हेलबर्ग ने भारत के फैसले की सराहना की और पैक्स सिलिका को आपूर्ति श्रृंखलाओं में दबाव की रणनीति व ब्लैकमेल के खिलाफ पहल बताया, जिसे चीन की ओर एक स्पष्ट इशारा माना जा रहा है।

मोदी ने एआई व डीपटेक स्टार्टअप के सीईओ संग कृषि, शिक्षा में एआई की संभावनाओं पर की चर्चा

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री मोदी ने एआई व डीपटेक स्टार्टअप के सीईओ के साथ शुक्रवार को बैठक की और कृषि, पर्यावरण संरक्षण एवं मातृभाषा में उच्च शिक्षा को बढ़ावा देने जैसे क्षेत्रों में कृत्रिम मेधा (एआई) प्रौद्योगिकी के उपयोग की संभावनाओं पर चर्चा की। प्रधानमंत्री के साथ आयोजित गोलमेज बैठक में 16 एआई एवं डीपटेक स्टार्टअप के सीईओ तथा संस्थापकों ने अपने विचार प्रस्तुत किए। मोदी ने मजबूत 'डेटा गवर्नेंस' की आवश्यकता पर जोर दिया, दुष्प्रचार के प्रति सावधान रहने को कहा और भारत की जरूरतों के अनुरूप समाधान विकसित करने का आह्वान किया। उन्होंने यूपीआई को सरल एवं व्यापक डिजिटल नवाचार का उदाहरण बताते हुए भारतीय कंपनियों पर विश्वास जताया और घरेलू उत्पादों पर भरोसा करने के लिए प्रोत्साहित किया।

स्टेट ब्रीफ

एक लाइसेंस पर दो ठेले, लगाया जुर्माना

हल्द्वानी : नगर निगम ने क्रियाशाला रोड पर एक लाइसेंस पर दो अलग-अलग ठेले लगाने पर ठेला विक्रेता पर पांच सौ रुपये का जुर्माना लगाया। नगर आयुक्त परितोष वर्मा ने बताया कि क्रियाशाला रोड पर तालिब एक लाइसेंस पर दो ठेले चला रहे थे। वारसी कॉलोनी के शहनवाज उनकी ओर से दिखाए गए पते पर व्यवसाय नहीं कर रहे थे। नोटिस के जवाब में संतोषजनक उत्तर नहीं मिलने पर दोनों पर 500 रुपये का जुर्माना लगाया। उन्होंने कहा कि इस तरह की अनियमितता दोबारा मिलने पर संबंधित व्यवसायी का लाइसेंस निरस्त किया जाएगा।

हल्द्वानी में एक सप्ताह में चार डिग्री उछला पारा

हल्द्वानी : शहर में मौसम ने करवट ली है। पिछले एक सप्ताह के भीतर अधिकतम तापमान में करीब चार डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। जहां एक सप्ताह पहले अधिकतम तापमान 24 .5 डिग्री सेल्सियस था, वहीं अब यह बढ़कर 28 .5 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है। मौसम विभाग के अनुसार दिन के समय धूप तेज रहने और आसमान साफ रहने से तापमान में लगातार वृद्धि हो रही है। सुबह और शाम को अभी भी हल्की ठंड बनी हुई है, लेकिन दोपहर में लोगों को गर्म कपड़े उतारने पड़ रहे हैं। न्यूनतम तापमान भी 8 .8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है, जो इस मौसम के लिहाज से सामान्य माना जा रहा है। हालांकि दिन और रात के तापमान में अंतर अधिक होने से लोगों को स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहने की सलाह दी जा रही है।

सनातन संस्कृति की रक्षा व संवर्धन के लिए हो रहे महत्वपूर्ण प्रयास: धामी

रुद्रप्रयाग में मां चंडिका महावन्याथ देवरा यात्रा में बोले मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी

संवाददाता, रुद्रप्रयाग

अमृत विचार: मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश निरंतर विकास के नए आयाम स्थापित कर रहा है। सनातन संस्कृति की रक्षा और संवर्धन के लिए महत्वपूर्ण प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने वर्तमान समय को सांस्कृतिक, सामाजिक और सहयोग की दृष्टि से स्वर्णिम काल बताते हुए कहा कि भारत को विश्व की आध्यात्मिक राजधानी बनाने की दिशा में कार्य हो रहा है तथा वैश्विक स्तर पर भारतीय संस्कृति को विशेष सम्मान प्राप्त हो रहा है।

शुक्रवार को जनपद रुद्रप्रयाग के विकासखंड अगस्त्यमुनि के ग्राम बीरों देवल में आयोजित मां चंडिका महावन्याथ देवरा यात्रा में प्रतिभाग करते मुख्यमंत्री ने राज्य की सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण का संकल्प दोहराया। मुख्यमंत्री ने वर्ष 2013 की आपदा के बाद केदारनाथ मंदिर में हुए व्यापक पुनर्निर्माण कार्यों का उल्लेख करते हुए कहा कि आज दिव्य एवं भव्य केदार का स्वरूप सभी के सामने है। उन्होंने आश्वस्त किया कि राज्य सरकार धार्मिक आयोजनों की सफलता और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण के लिए सदैव प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड को समृद्ध राज्य बनाने हेतु सरकार निरंतर प्रयासरत है और युवाओं के उज्ज्वल भविष्य के लिए पूर्णतः संकल्पित है। देवभूमि के मूल स्वरूप से छेड़छाड़ करने वालों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार द्वारा धर्मांतरण विरोधी कानून, दंगा-निरोधक प्रावधानों सहित विभिन्न सख्त कानूनी उपाय लागू किए गए हैं। राज्यभर में 12 हजार से अधिक भूमि अतिक्रमण से मुक्त कराई गई है, जिसे उन्होंने देवभूमि की पवित्रता की रक्षा का अभियान बताया। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड समूचे राष्ट्र में समान नागरिक संहिता लागू करने वाला अग्रणी राज्य बनकर उभरा है और राज्य सरकार प्रदेश के सर्वांगीण विकास तथा सांस्कृतिक अस्मिता की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। इस अवसर पर विभिन्न विभागों द्वारा विकास योजनाओं से संबंधित स्टॉल स्थापित कर आमजन को राज्य एवं केंद्र सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी प्रदान की गई। इस अवसर पर विधायक केदारनाथ आशा नौटियाल ने क्षेत्र की विभिन्न मांगों के संबंध में मुख्यमंत्री को मांग पत्र सौंपा। मुख्यमंत्री ने उक्त मांगों पर परीक्षण कर आवश्यक कार्यवाही करने का आश्वासन प्रदान किया।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का अभिनंदन करते स्थानीय जनप्रतिनिधि।

फर्जीवाड़े में सीएससी संचालक गिरफ्तार

हरिद्वार: पुलिस ने जनसेवा केंद्र की आड़ में फर्जी दस्तावेज़ तैयार करने के आरोपी युवक को गिरफ्तार कर बड़े फर्जीवाड़े का पर्दाफाश किया है। यह कार्रवाई एसएसपी नवनीत सिंह के निर्देशन में की गई।

पुलिस ने चारमीनार के पीछे स्थित होटल में संचालित शाहिदा मानवाधिकार जनसेवा केन्द्र पर छापेमारी कर भारी मात्रा में कूटरचित जन्म प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, मोहरें, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण तथा मानवाधिकार आयोग का फर्जी पहचान पत्र बरामद किया। पुलिस के अनुसार पकड़े गए आरोपी ने पूछताछ में खुद को बिहार का निवासी बताते हुए मानवाधिकार आयोग का अध्यक्ष होने का दावा किया, लेकिन जांच में यह दावा झूठा निकला और पहचान पत्र भी फर्जी पाया गया। बरामद जन्म प्रमाण पत्रों की जांच में कई प्रमाण पत्रों पर एक ही सीरियल नंबर अंकित मिला और उन्हें नगर निगम रुद्रपुर के लेटर पैड पर जारी दिखाया गया था। संबंधित अधिकारियों से पुष्टि करने पर सभी प्रमाण पत्र फर्जी पाए गए। गिरफ्तार आरोपी शहनवाज (24) पुत्र मोहम्मद प्यारे निवासी ग्राम दाउदपुर थाना साहिबगंज जिला मुजफ्फरपुर बताया गया है। पुलिस ने उसके कब्जे से 45 कूटरचित जन्म प्रमाण पत्र, लैपटॉप, मोबाइल फोन, छह आधार कार्ड, सात अलग-अलग मोहरें तथा फर्जी पहचान पत्र बरामद किए हैं।

एसआईआर के संदर्भ में बैठक लेते सीईओ डॉ. बीवीआरसी पुरुषोत्तम।

नैनीताल, दून व यूडीएन में होगी व्यापक मैपिंग

मुख्य संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार: मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) डॉ. बीवीआरसी पुरुषोत्तम ने शुक्रवार को सचिवालय में आगामी विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआइआर) की तैयारियों के संबंध में सभी जनपदों के ज़िलाधिकारियों के साथ आभासी माध्यम माध्यम से बैठक की और उन्होंने मैपिंग अभियान व्यापक तौर पर चलाने का निर्देश दिया।

सीईओ ने बैठक में आगामी एसआईआर के दृष्टिगत सभी जनपदों की प्रशासनिक तैयारियों की जनपदवार समीक्षा कर विस्तृत जानकारी ली। सीईओ ने कहा कि आगामी अप्रैल माह में उत्तराखंड में एसआईआर प्रस्तावित है। इस लिहाज से जनपद देहरादून, ऊधमसिंह नगर और नैनीताल में मतदाताओं की मैपिंग की प्रगति लक्ष्य के अनुरुप कम है। उन्होंने तीनों जनपदों के जिलाधिकारियों को स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि जिन बूथों पर मैपिंग प्रतिशत कम है, उनमें सम्बंधित ईआरओ और जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाए। उन्होंने कहा कि जो भी अधिकारी एसआईआर के कार्य में लापरवाही करत हुए पाए गए तो उनपर ठोस कार्रवाई की जाएगी। सीईओ ने सभी जनपदों को तय समय सीमा में एसआईआर की तैयारियों के बूथ जागरूकता समूह (बैग) के गठन के निर्देश दिए। कहा एसआईआर हेल्प डेस्क पर जिलों में अविलम्ब अतिरिक्त कार्मिकों की तैनाती की जाए। बैठक में संयुक्त मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रकाश चंद्र, उप मुख्य निर्वाचन अधिकारी किशन सिंह नेगी, सभी जनपदों के जिलाधिकारी, अपर जिलाधिकारी, ईआरओ वर्चुअल रूप से शामिल रहे।

धमकी के बाद हाई कोर्ट में सुरक्षा चौकस

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: नैनीताल के जिला कोर्ट को तीन बार बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद दहशत का माहौल बना हुआ है। इसको देखते हुए पुलिस ने सुरक्षा के लिए दो गेटों पर ताले जड़ दिए हैं और दो गेटों पर मेटल डिटेक्टर के साथ पुलिस तैनात की है।

कोर्ट आने वाले व्यक्तियों की चेकिंग की जा रही है और उनसे कोर्ट में आने का कारण भी पूछा जा रहा है। वहीं, हाई कोर्ट को मिली धमकी के बाद अब एटीएस को तैनात किया गया है। हाई कोर्ट परिसर के बीचों-बीच स्थित सार्वजनिक मार्ग को जनता के लिए बंद कर दिया गया है। इसके अलावा, जो लोग न्यायालय आ रहे हैं उनसे कोर्ट तक जाने और अधिवक्ता चैंबर तक जाने के वैध कारण पूछने के बाद ही उन्हें कोर्ट परिसर में प्रवेश दिया जा रहा है।

● पूछताछ के बाद ही दिया जा रहा कोर्ट परिसर में प्रवेश

बता दें कि 16 और 17 फरवरी को जिला कोर्ट के जिला जज की आधिकारिक ईमेल पर कोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी भरा मेल मिला था। सूचना मिलने के बाद पुलिस ने कोर्ट परिसर में डॉग स्क्वायड और बीडीएस के साथ चेकिंग अभियान चलाया, लेकिन कोई बम या संवेदनशील सामग्री नहीं मिली। धमकी के कारण कोर्ट परिसर, अधिवक्ताओं और वादकारियों में भय का माहौल था।

गुरुवार की सुबह तीसरे मेल ने दहशत और बढ़ा दी, जिससे न्यायिक कार्य बाधित हुए और कई लोगों को दिक्कतों का सामना करना पड़ा। लगातार मिली धमकियों के बाद पुलिस ने शिकायत के आधार पर तीन मुकदमे दर्ज कर दिए हैं। जिला कोर्ट में पुलिस फोर्स तैनात कर दी गई है।

कमिश्नरी और तहसील से आने वाले रास्तों के गेटों को भी ताले लगाकर बंद कर दिया गया है। कोर्ट के दो मुख्य गेटों पर मेटल डिटेक्टर लगाकर आने वालों की चेकिंग की जा रही है और उनसे आने का कारण पूछा जा रहा है।

बार एसोसिएशन के अध्यक्ष भगवत प्रसाद ने बताया कि कोर्ट को बम से उड़ाने की धमकियों के बाद भय का माहौल है। इस दौरान कोर्ट से अपील की गई है कि मामलों में एकपक्षीय कार्रवाई, वारंट या आदेश न किए जाएं। सीओ रविकांत सेमवाल ने बताया कि जिला कोर्ट की सुरक्षा के लिए पुलिस और एलआईयू तैनात हैं। संदिग्धों पर नजर रखी जा रही है। कोर्ट में आने वालों की तलाशी के साथ उनके आने का कारण पूछा जा रहा है। बिना केस या बिना कार्य के लोगों को कोर्ट परिसर में प्रवेश नहीं दिया जा रहा है।

केंद्र से 125 करोड़ की प्रोत्साहन राशि स्वीकृत

देहरादून: राज्य में परिवहन क्षेत्र में किए जा रहे व्यापक सुधारों को केन्द्र सरकार ने सराहते हुए पूंजीगत निवेश योजना 2025-26 के अंतर्गत राज्य को 105.11 करोड़ रुपये की प्रोत्साहन राशि स्वीकृत की है। साथ ही, अप्रैल से पूर्व लागू किए गए सुधारों के लिए 20 करोड़ की अतिरिक्त धनराशि भी स्वीकृत की है। इस प्रकार 125 करोड़ रुपये की प्रोत्साहन राशि परिवहन विभाग, उत्तराखंड को प्राप्त हुई है।

यह उपलब्धि सीएम धामी के नेतृत्व में परिवहन क्षेत्र में लागू की जा रही तकनीक आधारित सुधारात्मक नीतियों का परिणाम मानी जा रही है। इस पर सीएम ने कहा कि उत्तराखंड में परिवहन क्षेत्र में तकनीक आधारित सुधारों को प्राथमिकता दी जा रही है, जिससे सड़क सुरक्षा को सुदृढ़ करने के साथ पारदर्शिता सुनिश्चित हो रही है। इलेक्ट्रॉनिक इंफोर्समेंट एवं वाहन स्क्रैपिंग नीति से राज्य में दुर्घटनाओं में कमी लाने के प्रयास किए जा रहे हैं।

लोक भवन में 27 फरवरी से होगा वसंत उत्सव

मुख्य संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार: राजधानी स्थित लोक भवन में हर वर्ष होने वाला वसंत उत्सव इस वर्ष आगामी 27 फरवरी से शुरू होगा और इसकी थीम "फ्लोरल हीलिंगः नेचर्स पाथ टू वेल बीइंग" पर केंद्रित होगी।

शुक्रवार को राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत) गुरमीत सिंह ने 'कर्टेन रेजर' में बताया कि इस वर्ष विशेष पोस्टल कवर के लिए ''भोजपत्र'' का चयन किया गया है। 27 फरवरी को दोपहर 1.00 बजे से सायं 6.00 बजे तक तथा 28 फरवरी एवं 01 मार्च को प्रातः 09.00 बजे से सायं 6.00 बजे तक वसंतोत्सव और पुष्प प्रदर्शनी जन सामान्य के लिए निःशुल्क खुली रहेगी। राज्यपाल ने कहा कि लोक भवन में आयोजित होने वाला वसंतोत्सव पिछले कुछ वर्षों में राज्य की सांस्कृतिक, आर्थिक और पर्यावरणीय पहचान का महत्वपूर्ण हिस्सा बन गया है।

लोक भवन में वसंतोत्सव के बारे में जानकारी देते राज्यपाल गुरमीत सिंह।

यह उत्सव प्रकृति, परंपरा और प्रगति के संगम का प्रतीक है तथा आमजन, पर्यटकों और प्रकृति प्रेमियों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रहता है।

राज्यपाल ने बताया कि वसंतोत्सव स्थानीय उत्पादों, हस्तशिल्प, पारंपरिक कला और कृषि आधारित उत्पादों को एक सशक्त मंच प्रदान करता है। इस आयोजन के माध्यम से कारीगरों, किसानों, महिला स्वयं सहायता समूहों और युवा उद्यमियों को अपने उत्पादों के प्रदर्शन और विपणन का अवसर मिलता है, जिससे स्वरोजगार को बढ़ावा और स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलती है। कहा कि राज्य में पुष्प उत्पादन के बढ़ते क्षेत्रफल और अनुकूल जलवायु के कारण फ्लोरीकल्चर के क्षेत्र में नई संभावनाएं विकसित हुई हैं। पुष्प प्रसंस्करण और मूल्य संवर्धित उत्पाद किसानों की आय बढ़ाने में सहायक हो रहे हैं, वहीं ऐसे आयोजन पुष्प पर्यटन को भी प्रोत्साहित कर स्थानीय पर्यटन और रोजगार के अवसरों का विस्तार कर रहे हैं। राज्यपाल ने कहा कि भारतीय संस्कृति में पुष्पों का विशेष स्थान है और वसंत ऋतु सृजन एवं नव प्रेरणा का संदेश देती है। पुष्प, कृषि पर्वतीय एवं सीमांत क्षेत्रों में रोजगार और आय के नए अवसर प्रदान कर आत्मनिर्भर अर्थव्यवस्था को बल दे रही है। आध्यात्मिक रूप से पुष्प श्रद्धा, पवित्रता और कृतज्ञता के प्रतीक भी हैं। 'कर्टेन रेजर' में सचिव कृषि एवं कृषक कल्याण एस.एन. पांडेय, अपर सचिव राज्यपाल रीना जोशी, निदेशक उद्यान एसएल सेमवाल, संयुक्त निदेशक सूचना डॉ. नितिन उपाध्याय, संयुक्त निदेशक उद्यान डॉ. रतन कुमार उपस्थित रहे।

रेलवे फाटक टूटा, व्यापारी-गेटमैन में विवाद

संवाददाता, लालकुआं

अमृत विचार: रेलवे फाटक बंद होने के दौरान एक विवाद ने तूल पकड़ लिया जब फाटक क्षतिग्रस्त होने के बाद रेलवे गेटमैन पर व्यापार मंडल के जिला उपाध्यक्ष संजय जोशी के साथ उनके प्रतिष्ठान में मारपीट करने का आरोप लगा।

घटना के बाद गेटमैन मौके से फरार हो गया, जिससे रेलवे फाटक लगभग एक घंटे तक बंद रहा और यातायात पूरी तरह प्रभावित हो गया।प्राप्त जानकारी के अनुसार, आज शाम लगभग 6:15 बजे गौला रोड रेलवे फाटक पर मौजूद गेटमैन ने फाटक के नीचे से गुजर रहे एक व्यापारी के टुक-टुक में अचानक रेलवे बैरियर गिरा दिया, जिससे बैरियर टूट गया। जैसे ही बैरियर टूटा, गेटमैन दौड़कर टुकटुक चालक को पकड़ने लगा।

रेलवे फाटक टूटने के बाद आपस में बहस करते रेल कर्मचारी और व्यापारी।

आसपास मौजूद व्यापारियों का कहना था कि फाटक टूटने का असली कारण गेटमैन की लापरवाही थी। उनका कहना था कि टुकटुक पहले ही निकल चुका था और यदि गेटमैन थोड़ा संयम बरतते तो बैरियर नहीं टूटता। इस दौरान व्यापार नेता संजय जोशी और गेटमैन के बीच तीखी नोक-झोंक हुई, और आरोप है कि मारपीट भी हुई। यह खबर अन्य व्यापारी नेताओं तक पहुंचते ही उद्योग व्यापार मंडल के अध्यक्ष दीवान सिंह बिष्ट और सभासद भुवन पांडे के नेतृत्व में भारी संख्या में व्यापारी मौके पर पहुँच गए और उन्होंने हंगामा किया। व्यापारियों ने आरोप लगाया कि गेटमैन वाहनों को देखे बिना फाटक तेजी से गिरा देते हैं, जिससे दुर्घटना की संभावना रहती है। इस बवाल के दौरान रेलवे फाटक सवा 7 बजे तक बंद रहा। सैकड़ों वाहन लंबी कतार में सड़क के दोनों ओर खड़े हो गए, जिससे कई किमी लंबा जाम लग गया। लगभग एक घंटे बाद जाम खुल सका। अंततः व्यापारियों ने दोनों पक्षों को समझा-बुझाकर स्थिति को शांत कराया।

दो प्राध्यापक को देवभूमि उत्कृष्टता सम्मान मिला

नैनीताल: कुमाऊं विश्वविद्यालय के रसायन विज्ञान विभाग की प्रोफेसर डॉ. गीता तिवारी तथा वनस्पति विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. ललित तिवारी को शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए देवभूमि उत्कृष्टता सम्मान 2026 से सम्मानित किया गया। यह सम्मान प्रदेश के शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत दने प्रदान किया।

प्रो. गीता तिवारी ने शिक्षा एवं शोध के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किया है। उनके अब तक 110 उच्च स्तरीय शोध पत्र प्रकाशित हो चुके हैं तथा उनके निर्देशन में 8 शोधार्थी पीएचडी पूर्ण कर चुके हैं। वहीं, वनस्पति विज्ञान विभागाध्यक्ष प्रो. ललित तिवारी वर्तमान में विजिटिंग प्रोफेसर एवं पूर्व निदेशक शोध भी रह चुके हैं।

सॉफ्टवेयर रखेगा वनाग्नि पर नजर

संवाददाता, रामनगर

अमृत विचार: कार्बेट टाइगर रिजर्व के सभागार में वनाग्नि रोकथाम में आधुनिक तकनीक के उपयोग पर वन विभाग की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक का मुख्य उद्देश्य वन्यजीव संरक्षण एवं वनाग्नि प्रबंधन में तकनीकी सहायता से घटनाओं में कमी लाना व समय पर सूचना प्रणाली को सुदृढ़ करना था। कार्बेट के डायरेक्टर डॉ. साकेत बडोला ने बताया कि वर्ल्ड वाइड फंड फॉर नेचर इंडिया (डब्ल्यूडब्ल्यूएफ) द्वारा विकसित एक अत्याधुनिक सॉफ्टवेयर डैशबोर्ड के माध्यम से वनाग्नि की निगरानी, विश्लेषण और त्वरित प्रतिक्रिया प्रणाली को और प्रभावी बनाया जाएगा। बैठक में यह भी चर्चा हुई कि इस डैशबोर्ड के उपयोग से वनाग्नि की घटनाओं पर नियंत्रण बेहतर होगा और समय पर सटीक सूचनाएं प्राप्त होंगी। इसके साथ ही एक नवीन सैटेलाइट विकसित किया जा रहा है, जो केवल भारत के ऊपर परिक्रमा करेगा और हर एक घंटे में वनाग्नि अलर्ट प्रदान करेगा। इससे तुरंत कार्रवाई संभव होगी और वनाग्नि नियंत्रण में सहायता मिलेगी। डायरेक्टर ने फील्ड कर्मियों को वनाग्नि से जुड़े व्यावहारिक चुनौतियों से अवगत कराया। बैठक में डॉ. साकेत बडोला, राहुल मिश्रा, प्रकाश चन्द्र आर्या, ध्रुव मर्तोलिया, बिन्दर पाल, संदीप गिरी, अंकित बडोला, डॉ. आरेन्द्र, डॉ. अनिल, डॉ. मिराज, विभौर वर्मा, कृष्णा राज, संजय पाण्डे व नवीन चन्द्र पाण्डे आदि रहे।

बैठक में कार्बेट एवं डब्ल्यूडब्ल्यूएफ के अधिकारी। ● अमृत विचार

नैनीताल मोटर्स में ई-विटारा की लॉन्चिंग

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : नैनीताल मोटर्स नेक्सा शोरूम में मारुति सुजुकी की पहली इलेक्ट्रिक एसयूवी-ई विटारा की दमदार लॉन्चिंग जिला पंचायत अध्यक्ष दीपा दरम्वाल व एसएसपी मंजूनाथ टीसी ने की।

नैनीताल मोटर्स के डायरेक्टर भूपेश अग्रवाल, नितिन अग्रवाल ने बताया कि कार की शुरुआती कीमत 10.99 लाख है जो ग्राहकों के लिए आकर्षक विकल्प है। भूपेश अग्रवाल ने बताया कि ई-विटारा बैट्री एज ए सर्विस मॉडल पर उपलब्ध है। इस इलेक्ट्रिक एसयूवी में 49 और 61 केडब्ल्यूएस की दो बैट्री विकल्प उपलब्ध हैं। इस योजना में ग्राहकों के वाहन की बैट्री उपयोग के लिए मात्र 3.99 रुपये प्रति किमी का अलग से भुगतान करना होगा। उन्होंने बताया कि कार एक बार फुल चार्ज होने के बाद वाहन 550 किमी की रेंज देने में सक्षम है।

कार लॉन्चिंग करते एसएसपी मंजूनाथ टीसी, जिपं अध्यक्ष दीपा दरम्वाल व निदेशक भूपेश अग्रवाल।

कंपनी ग्राहक को 50 हजार रुपये मूल्य का होम चार्जर भी फ्री दे रही है। वाहन पर आठ वर्ष की वारंटी, तीन वर्ष बाद 60 प्रतिशत मूल्य पर बायबैक का ऑफर उपलब्ध है। इसके अलावा नैनीताल मोटर्स में हाईस्पीड इलेक्ट्रिक चार्जर का भी अनावरण किया गया। कंपनी ने ई-विटारा की लॉन्चिंग से पूर्व देशभर में चार्जिंग स्टेशन का विस्तृत नेटवर्क तैयार किया है। इस दौरान पूर्व जिपं उपाध्यक्ष आनंद सिंह दरम्वाल, मैनेजर समीर नंदवानी, पुष्कर पाठक, यतेंद्र सुयाल, आशीष लोहाटी, पीडी भट्ट, विनोद कुमार, सुमित पांडे रहे।

जानकारी

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा, उत्तराखंड में फिल्म नीति-24 को प्रभावी रूप से लागू किया गया

फिल्म उद्योग के समग्र विकास के लिए सरकार प्रयासरत

मुख्य संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार: उत्तराखंड सरकार फिल्म उद्योग के समग्र विकास के लिए निरंतर प्रयासरत है। प्राकृतिक सौंदर्य, सुरक्षित वातावरण, सरल प्रक्रियाएं और फिल्म-फ्रेंडली नीति के कारण ही उत्तराखंड देश और विदेश के फिल्म निर्माताओं के लिए आकर्षण का केंद्र बन रहा है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शुक्रवार को कहा कि, आज राज्य में क्षेत्रीय सिनेमा को नए आयाम मिल रहे हैं। फिल्म नीति-2024 पूरी तरह से प्रभावी रही है। उत्तराखंड प्राकृतिक सौंदर्य, विविध भौगोलिक परिस्थितियों, सांस्कृतिक विरासत और शांत वातावरण के कारण फिल्म निर्माण के लिए एक आदर्श राज्य के रूप में उभर रहा है। राज्य सरकार फिल्म उद्योग को प्रोत्साहित करने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड में फिल्म नीति को प्रभावी रूप से लागू किया गया है, जिसके अंतर्गत फिल्म निर्माताओं को सिंगल विंडो सिस्टम के माध्यम से त्वरित अनुमति प्रदान की जा रही है। शूटिंग की अनुमति प्रक्रिया को सरल, पारदर्शी और समयबद्ध बनाया गया है, जिससे फिल्म निर्माताओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। कहा कि फिल्म नीति का उद्देश्य केवल फिल्मों की शूटिंग तक सीमित नहीं है, बल्कि इससे पर्यटन, स्थानीय अर्थव्यवस्था, रोजगार सृजन और राज्य की सांस्कृतिक पहचान को भी मजबूती मिल रही है।

स्थानीय पर बढ़े रोजगार के अवसर

उत्तराखंड फिल्म विकास परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी बंशीधर तिवारी के अनुसार, परिषद द्वारा वर्ष में 2 बार (जुलाई व जनवरी) फिल्मों को अनुदान देने हेतु समिति की बैठक आयोजित की जाती है। वित्तीय वर्ष 2025-26 में 25 फिल्मों को अनुदान धनराशि दी गई है। माह जुलाई, 2025 की बैठक में 12 फिल्मों के प्रस्ताव का परीक्षण अनुदान दिया गया, जबकि माह जनवरी, 2026 में 13 फिल्मों को अनुदान दिया गया है। इस वर्ष रुपये 8 .28 करोड़ धनराशि अनुदान के रूप में 25 फिल्मों को जारी की गई है। सीईओ तिवारी ने बताया कि मुख्यमंत्री धामी के दिशा-निर्देश में परिषद द्वारा फिल्म निर्माता-निर्देशकों को राज्य में फिल्म शूटिंग हेतु अनुकूल वातावरण प्रदान किया जा रहा है। राज्य में फिल्मों की शूटिंग होने से स्थानीय स्तर पर भी रोजगार के अवसर बढ़ रहे है।

राज्य की इन फिल्मों को अनुदान मिला

जोना (गढ़वाली), मीठी मां कु आशीर्वाद (गढ़वाली), मेरे गांव की बाट (जौनसारी), घपरोल (गढ़वाली), द्वी होला जब साथ (गढ़वाली), गढ़-कुमौं (उत्तराखंडी), असग़ार (गढ़वाली), रतब्याण-(गढ़वाली), संस्कार (गढ़वाली), मेरु गौ (गढ़वाली), अजाण (गढ़वाली), बथों सुबेरो घाम -2 (गढ़वाली), धरती म्यर कुमाऊं (कुमाऊंनी), कारा एक प्रथा (गढ़वाली) फिल्में शमिल हैं।

हिन्दी भाषा की इन फिल्मों को अनुदान

विकी विद्या का वह वाला वीडियो (हिन्दी), वेब सीरीज लाइफ हिल गई (हिन्दी), Tanvi the Great (हिंदी/अंग्रेजी), माली (हिन्दी), मैं लड़ेगा (हिंदी) 5th सितम्बर (हिंदी), केसरी चैप्टर-2 (हिंदी), ढाई आखर प्रेम का (हिन्दी), गंगा संग रविदास (हिन्दी), ए वेडिंग स्टोरी-(हिन्दी), Middle Class Love (हिंदी) फिल्मों को अनुदान दिया गया है।

सिटी ब्रीफ

एआई कॉन्सेप्ट की दी जानकारी

हल्द्वानी : मुक्त विश्वविद्यालय में तीन दिवसीय रिसर्च प्रगति समीक्षा कार्यशाला का समापन शुक्रवार को हो गया। प्रथम तकनीकी सत्र में टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज के पूर्व उपाध्यक्ष डॉ. शिवानंद कंवाई ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के कॉन्सेप्ट, उसके विकास और रिसर्च क्षेत्र में उसकी बढ़ती उपयोगिता के बारे में बताया। उन्होंने बताया कि एआई आधारित उपकरण रिसर्च की गुणवत्ता, डेटा विश्लेषण और परिणामों की सटीकता को बढ़ाते हैं। द्वितीय सत्र में जामिया मिल्लिया इस्लामिया के डॉ. रामेश्वर प्रसाद बहुगुणा ने विज्ञान और उसे वैज्ञानिक क्या बनाता है विषय पर व्याख्यान दिया। इस दौरान सहायक शोध निदेशक डॉ. एसएन ओझा रहे।

गौला गेट बंद होने पर की जाए नहरों की खुदाई

हल्द्वानी : गौला खनन मजदूर संघर्ष समिति के जिलाध्यक्ष राजेंद्र सिंह बिष्ट ने सिटी मजिस्ट्रेट एपी बाजपेयी को ज्ञापन सौंपकर कहा कि सेंट थेरेसा स्कूल से हाईडिल तक नहर खुदाई का काम गौला गेट व स्कूल बंद होने के बाद किया जाए। दरअसल, दिन में जब वाहन निकल रहे हो एवं स्कूली बच्चों के वाहन आ रहे हो तो खुदाई होने से जाम लग जाता है। यदि गेट बंद होने के बाद खुदाई होगी तो जाम नहीं लगेगा। इस दौरान पूरन थापा, राजेश बिष्ट, मोहन तिवारी, राकेश आदि मौजूद रहे।

जन शिविर लगाकर सुनीं उपभोक्ताओं की समस्या

हल्द्वानी : ऊर्जा निगम ग्रामीण क्षेत्रों में उपभोक्ताओं की बिजली संबंधी समस्याओं के समाधान के लिए सक्रिय अभियान चला रहा है। निगम की टीम ने शुक्रवार को पनचक्की चौराहा, आदर्श और 33/11 केवी उपसंस्थान फूलचौड़ में शिविर लगाए। इन शिविरों में अधिकारियों ने सीधे जनता से संवाद किया और उनकी शिकायतों को सुना। बड़ी संख्या में ग्रामीण बिजली बिल, मीटर में खराबी, लो-वोल्टेज और नए कनेक्शन से जुड़ी समस्याओं के साथ पहुंचे। अधिकारियों ने कई शिकायतों का मौके पर ही समाधान किया। ग्रामीण खंड के ईई एसके गुप्ता ने बताया कि निगम का उद्देश्य उपभोक्ताओं को बेहतर सेवा देना और उनकी समस्याओं का त्वरित निस्तारण करना है। ऐसे शिविरों से उन लोगों को विशेष लाभ मिल रहा है।

कालाढूंगी क्षेत्र में जानवरों के आतंक को लेकर ज्ञापन देते ग्रामीण।

कालाढूंगी में गुलदार-तेंदुए के आतंक से लोग परेशान

कालाढूंगी : गुलदार और बाघ के लगातार बढ़ते हमलों से ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। इस संबंध में क्षेत्रवासियों ने एसडीएम विपिन चंद्र पंत को वन मंत्री को संबोधित को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में कहा गया है कि रतनपुर, देवीपुर, गुलजारपुर बंकी, रम्पुरा, रतनपुर पश्चिमी और धापला नया गांव समेत कई ग्रामों में गुलदार और बाघ की गतिविधियां बढ़ रही हैं। वन्यजीव पालतू पशुओं को शिकार बना रहे हैं, ग्रामीणों पर भी हमले की घटनाएं सामने आई हैं। शाम होते ही क्षेत्र में भय का वातावरण बन जाता है। आरोप लगाया कि वन विभाग की ओर से पर्याप्त गश्त या सुरक्षा के इंतजाम नहीं किए जा रहे हैं। हिंसक वन्यजीवों को पकड़ कर जंगल में छोड़ने की मांग की। साथ ही नियमित गश्त, पिंजड़े लगाने की भी मांग की। इस दौरान तारादेवी, उमा देवी, चंद्रादेवी, संगीता, गंगा प्रसाद आदि रहे।

मार्च के प्रथम सप्ताह से शुरू होगा काम, गर्मी के पीक सीजन से पहले लो-वोल्टेज और ट्रिपिंग से मिलेगी निजात

धौलाखेड़ा में 65.75 लाख से लगेंगे 11 नए ट्रांसफार्मर

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : धौलाखेड़ा और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले हजारों परिवारों के लिए बिजली आपूर्ति को लेकर अच्छी खबर है। क्षेत्र में पिछले काफी समय से बनी हुई लो-वोल्टेज और बिजली कटौती की समस्या से अब राहत मिलेगी। ऊर्जा निगम की ओर से 65.75 लाख रुपये की लागत से 11 नए ट्रांसफार्मर लगाने की योजना को मंजूरी मिल गई है। इस परियोजना के तहत मार्च के पहले हफ्ते से ही शुरू हो जाएगा। योजना अनुसार, विद्युत लोड को संतुलित करने के लिए क्षेत्र के विभिन्न हिस्सों में अलग-अलग क्षमता के ट्रांसफार्मर स्थापित किए जाएंगे। इनमें मुख्य रूप से धौलाखेड़ा (चैतन्य एकेडमी के पास) में 250 केवीए, जयराम, दुम्का बंगर और दीना में 100-100 केवीए के ट्रांसफार्मर लगेंगे। इसके अलावा हाथीखाल, हिम्मतपुर, पदमपुर देवलिया, मानदेव नवाड, गोपीपुरम, सूफी भगवानपुर और हैड़ा गज्जर में 63-63 केवीए के नए ट्रांसफार्मर लगाए जाएंगे।

धौलाखेड़ा बिजली घर के अंतर्गत आने वाले चिन्हित क्षेत्रों में काम

उपभोक्ताओं को बड़ी राहत

इन नए ट्रांसफार्मरों के लगने से धौलाखेड़ा क्षेत्र के हजारों परिवारों को बड़ी राहत मिलेगी। विशेष रूप से गर्मियों में जब कूलर और एसी का लोड बढ़ता है, तब होने वाले वोल्टेज फ्लक्चुएशन से लोगों को निजात मिलेगी। साथ ही बार-बार होने वाली ट्रिपिंग और फॉल्ट के कारण बिजली गुल होने की समस्या भी छुटकारा मिलेगा।

धौलाखेड़ा और आसपास के क्षेत्रों से लगातार लो-वोल्टेज और ओवरलोडिंग के कारण होने वाली ट्रिपिंग की शिकायतें मिल रही थीं। इसे देखते हुए 65.75 लाख का प्रस्ताव स्वीकृत किया गया है। 11 नए ट्रांसफार्मर लगने से न केवल वोल्टेज की समस्या हल होगी, बल्कि गर्मियों में बिजली की मांग बढ़ने पर भी सिस्टम सुचारू रूप से काम करेगा। हमने निर्देश दिए हैं कि मार्च से काम शुरू कर इसे गर्मी का सीजन पूरी तरह शुरू होने से पहले ही पूरा कर लिया जाए। - **एसके गुप्ता**, अधिशासी अभियंता ऊर्जा निगम ग्रामीण

भूमाफियाओं के आगे हल्द्वानी पुलिस बेबस

लामाचौड़ में वृद्धा की जमीन पर अवैध कब्जे से परिवार परेशान, पीड़ित पक्ष ने कोर्ट से लगाई गुहार तो हुआ केस

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: भूमि कब्जाने और संपत्ति नुकसान पहुंचाने के आरोपियों के ऊपर कार्रवाई करने में पुलिस बेअसर साबित हुई। पीड़ित पक्ष ने जब पुलिस का रवैया देखा तो न्यायालय की शरण ली। न्यायालय ने चार आरोपियों के ऊपर मुकदमा दर्ज करने के आदेश दिए हैं।

पालम सिटी, रामपुर रोड निवासी प्रफुल्ल गुप्ता ने कोर्ट में प्रार्थनापत्र प्रस्तुत कर आरोप लगाया कि एक संगठित गिरोह उनकी माता दुर्गा देवी (70 वर्ष) की ग्राम जयपुर पाडली, लामाचौड़ स्थित 0.670 हेक्टेयर भूमिधरी भूमि पर कब्जा करने का प्रयास कर रहा है। भूमि वर्ष 2005 में विधिवत पंजीकृत बैनामे से खरीदी गई थी। वाद में जागनाथ कॉलोनी दमुवाढूंगा निवासी ललित प्रताप सिंह रावत, जयपुर पाडली निवासी रमेश चंद्र पलड़िया व कन्नू पलड़िया और मुखानी, पीलीकोठी रोड निवासी मयंक शर्मा को नामजद किया गया है। यह भी आरोप है कि ये चारों ही संपत्ति कब्जाने के अन्य कृत्यों में भी शामिल रहे हैं। प्रार्थी का आरोप है कि वर्ष 2018-19 में जेसीबी मशीन से पश्चिमी सीमा की दीवार और कमरे को तोड़ा गया तथा वर्ष 2020 के लॉकडाउन के दौरान आम के आठ बड़े पेड़ काटकर चोरी कर लिए गए। आरोपित पुनः बाउंड्री वॉल तोड़कर कब्जे का प्रयास कर रहे थे, जिस पर पीड़ित पक्ष ने दीवानी वाद दायर किया।

प्रतीकात्मक एआई इमेज।

सिविल न्यायालय ने दिया अतिक्रमण न करने का आदेश

सिविल न्यायालय हल्द्वानी ने 19 जुलाई 2023 को निषेधाज्ञा पारित करते हुए आरोपितों को संपत्ति में किसी प्रकार का अतिक्रमण न करने का आदेश दिया। प्रफुल्ल गुप्ता ने बताया कि संपत्ति की सुरक्षा के लिए लगभग 10-12 लाख रुपये खर्च कर सीसीटीवी कैमरे, लोहे का फ्रेम, टिनशेड, हॉल, टॉयलेट-बाथरूम, किचन आदि का निर्माण कराया गया। साथ ही हजारों सीमेंट ब्रिक्स, लोहे का सामान, गार्डर, एंगल, सरिया, केबल, वाटर टैंक व अन्य सामग्री रखी गई थी। आरोप है कि 27 अगस्त 2024 की शाम स्थल पर पहुंचने पर पाया गया कि पूरा स्ट्रक्चर उखाड़कर चोरी कर लिया गया है। कैमरे, स्टोरेज डिवाइस, फर्नीचर और निर्माण सामग्री भी गायब थी। प्रार्थी ने पुलिस चौकी लामाचौड़ व वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक नैनीताल को भी शिकायत भेजी, लेकिन एफआईआर दर्ज नहीं की गई।

जमीन बेच दी, अब दाखिल खारिज पर दे रहे हैं धमकी

संवाददाता, हल्द्वानी

- पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपी के खिलाफ शुरू की जांच

अमृत विचार : भूमि क्रय-विक्रय से जुड़े विवाद को लेकर तीन लोगों ने एक व्यक्ति पर गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। आरोपी बेची गई भूमि की दाखिल खारिज नहीं कर रहा है।

पुलिस के अनुसार दयाल विहार फेस-2 आरटीओ रोड निवासी गिरिजा भूषण शाही, नन्दपुर कठघरिया निवासी धीरज जोशी और निवारण नगर नवाबी रोड निवासी संजय अधिकारी ने ग्राम आंवला कोट, कोटाबाग में मीना पांडे से भूमि क्रय की थी। प्रार्थियों का कहना है कि भूमि का पूरा भुगतान कर दिया गया है, लेकिन दाखिल-खारिज की प्रक्रिया में आपत्ति लगाए जाने के बाद विवाद की स्थिति बनी हुई है। प्रार्थियों ने आरोप लगाया है कि मीना पांडे का पुत्र नीरज पांडे (निवासी कमलुवागांजा रोड, हरिपुर नायक, हल्द्वानी) पिछले करीब आठ माह से फोन और एसएमएस के माध्यम से गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी दे रहा है।

आरोप है कि 3 सितंबर 2025 की रात लगभग 11 बजे गिरिजा भूषण शाही के आवास पर आकर भी गाली-गलौज व धमकी दी गई, जिसकी सूचना आरटीओ चौकी को दी गई थी। 17 फरवरी की रात करीब 2 बजे पुनः संदेश भेजकर गिरिजा भूषण शाही और संजय अधिकारी को धमकी दी गई। प्रार्थियों ने आरोपित व्यक्ति को आपराधिक प्रवृत्ति का बताते हुए जान-माल का खतरा जताया है। पुलिस ने मामले में मुकदमा दर्जकर जांच शुरू कर दी है।

हल्द्वानी कोर्ट परिसर का निरीक्षण करते डीजे प्रशांत जोशी, डीएम व एसएसपी।

कोर्ट के लिए विशेष सुरक्षा ऑडिट टीम होगी गठित

संवाददाता, हल्द्वानी

- न्यायालय की सुरक्षा पर हाई लेवल एक्शन, संयुक्त ऑडिट से व्यवस्थाओं की कड़ी समीक्षा

अमृत विचार : वर्तमान सुरक्षा परिप्रेक्ष्य को देखते हुए हल्द्वानी न्यायालय परिसर में सुरक्षा व्यवस्थाओं को लेकर उच्च स्तरीय निरीक्षण हुआ । जिला एवं सत्र न्यायाधीश प्रशांत जोशी, जिलाधिकारी ललित मोहन रयाल, एसएसपी नैनीताल डॉ. मंजूनाथ टीसी ने संयुक्त रूप से कोर्ट परिसर का निरीक्षण किया।

इस दौरान कोर्ट परिसर की मौजूदा सुरक्षा व्यवस्थाओं की बारीकी से समीक्षा की। प्रवेश द्वारों की निगरानी, सीसीटीवी व्यवस्था, सुरक्षा उपकरणों की उपलब्धता, तैनात पुलिस बल की संख्या तथा आपसी समन्वय तंत्र पर चर्चा हुई। सुरक्षा मानकों को और अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए जरूरी मैनपॉवर एवं संसाधनों की उपलब्धता पर जोर दिया। सर्वसम्मति से निर्णय लिया कि कोर्ट परिसर की सुरक्षा को और मजबूत करने के लिए एसपी सिटी मनोज कात्याल की अध्यक्षता में एक विशेष सुरक्षा ऑडिट टीम गठित की जाए। इस टीम में कोर्ट परिसर के नामित प्राधिकारी, अभिसूचना इकाई के अधिकारी, स्थानीय थाना पुलिस एवं प्रतिसार निरीक्षक शामिल रहेंगे। एसएसपी ने निर्देश दिए कि सभी अधिकारी उच्च सतर्कता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन सुनिश्चित करें।

कर्मियों को केबिन में किया बंद

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : शहर में स्ट्रीट लाइट की समस्या को लेकर पार्षद ने नगर निगम में खूब हंगामा काटा। पार्षद ने स्ट्रीट लाइट का काम करने वाली निजी फर्म ईईएसएल और नगर निगम स्ट्रीट लाइट के कर्मचारियों को हेल्प डेस्क वाले कमरे में बंद कर दिया। बाद में कार्रवाई के आश्वासन पर धरना समाप्त किया।

वार्पाड -58के पार्षद मनोज जोशी शुक्रवार को नगर निगम पहुंचे और भूतल पर बने हेल्प डेस्क केबिन में पहुंच गए। इस दौरान कंपनी कर्मी से बटन लगाने को लेकर तीखी बहस हुई। उन्होंने आरोप लगाया कि वार्ड में पिछले 6 माह से स्ट्रीट लाइट के ओपन बटन खराब पड़े हैं। कई बार शिकायत और निवेदन के बावजूद केवल आश्वासन ही मिलता रहा। कर्मचारियों के बार-बार टालमटोल किए जाने से वार्ड की जनता में भी नाराजगी है। हाल ही में फायर स्टेशन के पास एक बड़ा हादसा हुआ था, जिसके बाद कुछ दिनों तक लाइटें चालू रहीं, लेकिन फिर से पूरा क्षेत्र अंधेरे में डूब गया।

धरने के दौरान वार्ड के लोगों ने वीडियो कॉल और फोन के माध्यम से मौके पर चल रहे कार्यों की पुष्टि की। बाद में नगर आयुक्त के हस्तक्षेप के बाद पार्षद को धरने से उठाया गया। पार्षद ने कहा कि यदि शीघ्र ही सभी स्ट्रीट लाइट और बटन बदलने का काम पूरा नहीं किया गया तो उग्र आंदोलन किया जाएगा।

नगर निगम में कर्मियों को केबिन में बंद करते वार्ड-58 का पार्षद मनोज जोशी।

- पार्षद ने स्ट्रीट लाइट की मरम्मत नहीं होने पर जताई नाराजगी, प्रदर्शन

बीते सप्ताह ही स्ट्रीट लाइटें लगी हैं। लाइटों में स्विच के पीछे वाला बॉक्स नहीं लगाया गया था। कंपनी को निगम की ओर से यह सामान उपलब्ध कराया जाता है। पार्षद की ओर से इस संबंध में अधिकारिक शिकायत नहीं की गई थी। शिकायत का निस्तारण तीन दिन में नहीं होने पर वेंडर्स पर कार्यवाही की जाती है।
- **दीपक जोशी**, एओ, ईईएसएल

उत्तराखंड बोर्ड की परीक्षाएं आज से

रामनगर : उत्तराखंड बोर्ड ऑफ स्कूल एजुकेशन की हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट परीक्षाएं आज से प्रारंभ हो रही हैं। परीक्षा केंद्रों के बाहर शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए सभी केंद्रों के 100 गज दायरे में बीएनएस की धारा 163 लागू कर दी गई है।

रामनगर एसडीएम गोपाल सिंह चौहान ने बताया कि नकलविहीन परीक्षाएं संपन्न कराने के लिए कदम उठाए गए हैं। परीक्षा केंद्रों के आसपास फोटोस्टेट मशीनों के संचालन पर प्रतिबंध रहेगा। साथ ही 100 गज की परिधि में पांच या अधिक व्यक्तियों के एकत्र होने, हथियार ले जाने तथा डीजे/लाउडस्पीकर के माध्यम से ध्वनि प्रदूषण फैलाने पर रोक रहेगी। 11 परीक्षा केंद्रों तथा तहसीलदार मनीषा मारकाना को 9 परीक्षा केंद्रों के लिए मजिस्ट्रेट नियुक्त किया गया है। बीईओ हवलदार प्रसाद ने बताया कि बोर्ड परीक्षाओं को लेकर सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं।

कालाढूंगी फायरिंग के तीन आरोपी दबोचे

संवाददाता, कालाढूंगी

अमृत विचार: नैनीताल जिले में फायरिंग और गुंडागर्दी की घटना पर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। एसएसपी नैनीताल डॉ. मंजुनाथ टीसी ने मामले का खुलासा किया है। मामले में पुरानी रंजिश होने की बात सामने आ रही है।

एसएसपी मंजूनाथ टीसी ने शुक्रवार को कालाढूंगी थाने में हुई प्रेस कांफ्रेंस में बताया कि बीती 14 फरवरी को बैलपड़ाव चौकी को डायल 112से सूचना मिली कि हल्द्वानी रोड पर बैलपोखरा गांव जाने वाले तिराहे के पास कुछ व्यक्तियों के बीच झगड़ा और फायरिंग हुई है। सूचना पर पुलिस बल मौके पर पहुंचा लेकिन तब तक आरोपी फरार हो चुके थे। पुलिस ने घटनास्थल की वीडियोग्राफी कर 11 खोखे 32 बोर तथा 2 खोखे .22 बोर बरामद किए। 16 फरवरी को बच्ची नगर निवासी बलजीत कौर पत्नी लवप्रीत सिंह एक अज्ञात व तीन नामजद के खिलाफ तहरीर सौंपी। पुलिस ने तीनों आरोपियों गुरप्रीत सिंह निवासी स्वार, रामपुर, रंजीत सिंह निवासी बैलपोखरा और मनदीप सिंह निवासी उदयपुरी निवासी बैलपड़ाव के खिलाफ एफआईआर दर्ज की। शुक्रवार को पुलिस ने गड़प्पू बैरियर के पास से तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। तीनों से एक-एक अवैध तमंचा बरामद हुआ है। पूछताछ में सामने आया कि बलजीत कौर के पति लवप्रीत के मित्र हरभजन की रंजीत सिंह से पुरानी रंजिश थी। घटना की रात हरभजन ने रंजीत सिंह को बुलाया था। तब रंजीत आरोपियों के साथ पहुंचा और गाली-गलौज व मारपीट व फायरिंग की थी।

घटना का खुलासा करते एसएसपी मंजूनाथ टीसी और पुलिस गिरफ्त में आरोपी। ● अमृत विचार

पुलिस टीम में ये रहे शामिल

प्रभारी निरीक्षक अरुण सैनी, वरिष्ठ उनि पंकज जोशी, दीपक बिष्ट, राजवीर सिंह, राजेश जोशी (एसओजी प्रभारी), देवेन्द्र राणा, कान्स्टेबल अखिलेश तिवारी, स्वरुप सिंह, उमेश राम, मिथुन कुमार, संजय दोसाद, प्रीतम सिंह, अमनदीप सिंह रहे।

आंदोलन | जल निगम दफ्तर में प्रदर्शन, राजकीयकरण की भी उठाई मांग

तीन माह के वेतन पर अभियंताओं का धरना

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : लगातार तीन महीने से वेतन न मिलने से परेशान जल निगम के अभियंताओं ने शुक्रवार को पेयजल निगम परिसर में बड़ी संख्या में एकजुट होकर धरना-प्रदर्शन किया। चेतावनी दी कि यदि शीघ्र समाधान नहीं हुआ तो वे पूर्ण हड़ताल पर जाने से भी पीछे नहीं हटेंगे।

नैनीताल रोड स्थित पेजयल निगम दफ्तर पर धरना देते हुए अभियंताओं ने कहा कि तीन माह से वेतन लंबित होने के कारण उनके सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। घर का खर्च, बच्चों की फीस और दैनिक जरूरतें पूरी करना कठिन हो गया है। कई अभियंताओं ने कहा कि अब हालात असहनीय होते जा रहे हैं। आरोप लगाया कि जल निगम एक विशेषज्ञ विभाग है, इसके बावजूद पेयजल और सीवर से जुड़े कार्य अन्य एजेंसियों को दिए जा रहे हैं। इससे विभाग को आर्थिक नुकसान हो रहा है। कर्मचारियों के वेतन पर सीधा असर पड़ रहा है। अभियंताओं ने मांग की कि जल निगम को राजकीय विभाग घोषित किया जाए। जब तक यह निर्णय नहीं होता, तब तक वेतन और पेंशन का भुगतान सीधे कोषागार से किया जाए ताकि हर माह समय पर वेतन मिल सके। अभियंताओं ने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने जल्द ठोस और सकारात्मक निर्णय नहीं लिया तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। हड़ताल की स्थिति में पेयजल आपूर्ति प्रभावित हो सकती है, जिसकी पूरी जिम्मेदारी शासन की होगी। धरना-प्रदर्शन की अध्यक्षता वाईएस रावत ने की, जबकि संचालन विवेक भट्ट ने किया। धरने में ज्योति पालनी, ममता तिवारी, सीएल यादव, जगदीप राणा, पुष्कर आर्या, प्रीति बिष्ट, रचना चौधरी, मनोज कुमार, मीनाक्षी बेलवाल, कमला लोहनी रहीं।

नैनीताल रोड स्थित जल निगम कार्यालय में धरने पर बैठे अभियंता व कर्मचारी। ● अमृत विचार

नुक्कड़ नाटक से समझाए स्मार्ट मीटर के फायदे

हल्द्वानी : विद्युत विभाग ने शुक्रवार को मुख्य अभियंता (वितरण) कार्यालय में स्मार्ट मीटर पखवाड़े का आयोजन किया। इसमें नुक्कड़ नाटक से रोचक अंदाज में स्मार्ट मीटर के फायदे जनता को बताए गए। उन्होंने बताया कि स्मार्ट मीटर लगने से मैनुअल मीटर रीडिंग का झंझट खत्म हो जाएगा, जिससे बिलिंग पूरी तरह सटीक और रियल टाइम होगी। बिजली चोरी व गलत बिलिंग जैसी समस्याओं पर भी लगाम लगेगी। उपभोक्ताओं के मोबाइल में विद्युत स्मार्ट एप डाउनलोड कराई गई। साथ ही बताया गया कि इस एप से प्रतिदिन की बिजली खपत देख सकते हैं। इसमें एसई रवि राजौरा, उपमुख्य लेखाधिकारी मनोज सक्सेना, ईई डीडी पांगती, ईई प्रदीप कुमार, ईई संदीप गुप्ता, ईई सुरेन्द्र सहगल और ईई गोविन्द सिंह कार्की रहे।

फुटपाथ से रोज हटेंगे अवैध कब्जे

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : शहर के फुटपाथ पर अतिक्रमण, ट्रैफिक जाम और बढ़ती दुर्घटनाओं को लेकर शुक्रवार को नगर निगम में नगर आयुक्त परितोष वर्मा, सिटी मजिस्ट्रेट एपी बाजपेयी की संयुक्त बैठक हुई। इसमें निर्णय लिया गया कि पुलिस, प्रशासन और नगर निगम की संयुक्त टीम रोजाना अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई करेगी। अस्थायी अतिक्रमण तत्काल हटाएंगे जबकि स्थायी अतिक्रमण पर नियमानुसार कार्यवाही होगी। व्यावसायिक भवन स्वामियों को केवल जमीन पर रैंप बनाने और फुटपाथ को नुकसान नहीं पहुंचाने के निर्देश दिए हैं। नियमों के उल्लंघन पर जुर्माना वसूलने व अन्य कार्रवाई होगी। जिन सड़कों पर पहले से फुटपाथ बने हैं, उन्हें किसी भी स्थिति में क्षतिग्रस्त नहीं किया जाएगा। फुटपाथ व सड़क घेरकर दुकान बढ़ाने वाले दुकानदारों पर निगम की ओर से चालानी कार्रवाई की जाएगी। इस दौरान लोनिवि ईई प्रत्यूष कुमार, टीआई महेश चंद्रा, गणेश भट्ट, नवल नौटियाल रहे।

बैठक के दौरान मौजूद सिटी मजिस्ट्रेट एपी बाजपेयी, लोनिवि ईई प्रत्यूष कुमार व अन्य।

एप में मिलेगा फुटपाथ अतिक्रमण शिकायत का विकल्प

हल्द्वानी : जिला स्तरीय शिकायत एप को सभी विभागों से जोड़ा जाएगा और उसमें फुटपाथ अतिक्रमण की अलग से शिकायत दर्ज करने का विकल्प होगा ताकि समस्या का त्वरित निस्तारण हो सके। सभी अस्पताल संचालकों को नोटिस जारी कर दो गार्ड तैनात करने के निर्देश दिए जाएंगे, जो वाहनों को रिजर्व पार्किंग में भेजने व वाहनों को सड़क पर खड़े होने से रोकेंगे। फड़-फेरी यूनियनों को नियमावली का सख्ती से पालन कराने के निर्देश दिए गए हैं।

अमृत विचार

हल्द्वानी , शनिवार,21 फरवरी 2026

नैनीताल

सिटी ब्रीफ

लेटीबुंगा में विराट हिन्दू सम्मेलन आज

धानाचूली : मुक्तेश्वर क्षेत्र के लेटीबुंगा स्थित हिमगिरी स्टेडियम में शनिवार सुबह 10 बजे से विराट हिन्दू सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम का आयोजन श्री मुक्तेश्वर महादेव हिन्दू संरक्षण समिति द्वारा किया जा रहा है। आयोजकों ने बताया कि सम्मेलन की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। कार्यक्रम में क्षेत्र सहित आसपास के गांवों से बड़ी संख्या में लोगों के पहुंचने की संभावना है। सम्मेलन में सामाजिक एवं सांस्कृतिक विषयों पर विचार-विमर्श किया जाएगा। समिति पदाधिकारियों ने समस्त हिन्दू समाज से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की है।

डामरीकरण के लिए 7.77 करोड़ स्वीकृत

धानाचूली : रामगढ़ ब्लॉक अंतर्गत श्यामखेत से कुड मोटर मार्ग के सुधार एवं डामरीकरण के लिए 7 करोड़ 77 लाख रुपये की स्वीकृति मिल गई है। विधायक राम सिंह कैड़ा ने बताया कि ग्रामीणों की मांग पर पीएमजीएसवाई फेस-4 के तहत प्रस्ताव भेजा था, जिसे अब मंजूरी मिल गई है। उन्होंने बताया कि टेंडर प्रक्रिया शुरू हो चुकी है और शीघ्र ही सड़क पर सुधार और डामरीकरण का कार्य आरंभ होगा। इस दौरान विधायक कैड़ा ने लोसज्ञानी, भलाड़, धारी, कौल, मटियाल और नथुवाखान सहित अन्य गांवों का दौरा कर ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं।

रक्तदान शिविर आज

भीमताल : भीमताल में 21 फरवरी 2026 को रामलीला मैदान, ब्लॉक रोड में रक्तदान शिविर का आयोजन किया जा रहा है। यह जानकारी वार्ड संख्या 9 के सभासद नीरज रैकुनी ने दी। उन्होंने क्षेत्रवासियों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर रक्तदान करने की अपील की है।

सरकार पूंजीपतियों को दे रही गरीबों की जमीन

लालकुआं : भाकपा (माले) के राज्य सचिव इंद्रेश मैखुरी ने कहा कि बिंदुखत्ता में राजस्व गांव की मांग पर हजारों लोगों की एकजुट रैली जनता के गुस्से और संघर्ष की अभिव्यक्ति है। उन्होंने इसे सत्ता के षड्यंत्रों को विफल करने और भाजपा के बुलडोजर राज को चुनौती देने वाला कदम बताया। मैखुरी ने आरोप लगाया कि भाजपा सत्ता में रहते हुए गरीबों और भूमिहीनों को बेदखल कर अपनी जमीन पूंजीपतियों को दे रही है और डबल इंजन सरकार के एक दशक बाद भी बिंदुखत्ता का सवाल ज्यों का त्यों है। भाकपा माले नैनीताल जिला सचिव डॉ. कैलाश पाण्डेय ने कहा कि 18 फरवरी की रैली ने सुनिश्चित किया कि बिंदुखत्ता को राजस्व गांव बनने से रोका नहीं जा सकता।

मल्लीताल मैदान में आयोजित विराट हिंदू सम्मेलन में उमड़ी भीड़, हिंदुओं से एकजुटता का आह्वान, कहा-आरएसएस के साथ हिंदू सुरक्षित

युवाओं को संस्कारित बनाने में आरएसएस की भूमिका अहमः साध्वी प्राची

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: मां नयना देवी विरासत हिंदू सम्मेलन समिति के तत्वावधान में शुक्रवार को मल्लीताल फील्ड में विराट हिंदू सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन में बड़ी संख्या में हिंदू समाज के लोग शामिल हुए।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता के रूप में विश्व हिंदू परिषद के केंद्रीय मार्गदर्शक मंडल की सदस्य साध्वी प्राची ने अपने विचार प्रकट किए। अपने संबोधन में साध्वी प्राची ने कहा कि हिंदुओं को गर्व होना चाहिए कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ जैसे संगठन के कारण समाज सुरक्षित है। उन्होंने कहा कि संघ ने देश और समाज की रक्षा के लिए निरंतर कार्य किया है और युवाओं को संस्कारित एवं राष्ट्रभक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

साध्वी प्राची को मां नैना देवी की प्रतिमा प्रदान करतीं विधायक सरिता आर्या व प्रो. तिवारी।

साध्वी प्राची ने तथाकथित लव जिहाद, लैंड जिहाद और थूक जिहाद के बढ़ते मामलों पर चिंता जताते हुए कहा कि यदि कोई बच्ची ऐसे मामलों में फंसती है तो उसका प्रभाव पूरे परिवार पर पड़ता है। उन्होंने अभिभावकों से अपील की कि वे अपने बच्चों को सरस्वती शिशु मंदिरों में शिक्षा दिलाएं और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की शाखाओं से जोड़ें, जिससे उनमें अच्छे संस्कार विकसित हों। उन्होंने हिंदू समाज से एकजुट रहने और अपनी बेटियों की सुरक्षा के प्रति सजग रहने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में समाज को संगठित रहने और अपनी संस्कृति एवं परंपराओं की रक्षा के लिए जागरूक रहने की आवश्यकता है। सम्मेलन को आचार्य महामंडलेश्वर चिदानंद ने भी संबोधित किया। उन्होंने भवाली क्षेत्र में एक नाबालिग के साथ हुए दुष्कर्म की घटना का उल्लेख करते हुए पीड़िता को न्याय दिलाने का भरोसा दिया। उन्होंने आश्वासन दिया कि जन्म के बाद बच्चे की जिम्मेदारी उनका आश्रम उठाएगा और उसका पालन-पोषण कर भविष्य संवारने का कार्य करेगा। कार्यक्रम के दौरान साध्वी प्राची के नैनीताल पहुंचने पर हिंदू समाज के लोगों ने उनका जोरदार स्वागत किया। सम्मेलन में विधायक सरिता आर्या, बिमल अधिकारी, प्रकाश आर्य, हेम आर्य, नितिन कार्लो, अरविंद पडियार, भूपेंद्र बिष्ट, संतोष कुमार, पंकज बरगली, आयुष भंडारी, विकी राठौर, तारा राणा, शांति मेहरा सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन प्रगति जैन ने किया। सम्मेलन के दौरान वक्ताओं ने हिंदू समाज की एकता, सांस्कृतिक संरक्षण और सामाजिक जागरुकता पर जोर दिया। आयोजन शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ।

अटल उत्कृष्ट स्कूलों में गृह परीक्षाएं 23 से

भीमताल: अटल उत्कृष्ट विद्यालयों में आगामी 23 फरवरी से गृह परीक्षाओं का आयोजन किया जाएगा। अटल उत्कृष्ट समिति के सचिव आशुतोष साह एवं समन्वयक मनोज गैड़ा ने बताया कि छात्र-छात्राओं के समय का सदुपयोग सुनिश्चित करने के उद्देश्य से ये परीक्षाएं सीबीएसई बोर्ड परीक्षा के मध्य की तिथियों में आयोजित की जा रही हैं। उन्होंने बताया कि परीक्षाओं का आयोजन पूर्णतः सीबीएसई पैटर्न पर किया जाएगा, जिससे विद्यार्थियों को भविष्य की बोर्ड परीक्षाओं के लिए बेहतर अनुभव प्राप्त हो सके। वर्तमान में इस केंद्रीकृत परीक्षा प्रणाली से प्रदेश के 10 जिलों के करीब 100 विद्यालय जुड़े हुए हैं। इस पहल से विद्यालयी कार्यों में समयबद्धता सुनिश्चित होगी।

नैनीताल के बहुउद्देशीय शिविर में 260 लोगों ने उठाया प्रत्यक्ष लाभ

जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार अभियान के तहत शिविर आयोजित

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार अभियान के दूसरे चरण के अंतर्गत शुक्रवार को सीआरएसटी इंटर कॉलेज, नैनीताल में बहुउद्देशीय शिविर का आयोजन किया गया। शिविर की अध्यक्षता विधायक सरिता आर्या ने की, जबकि संचालन उप जिलाधिकारी नवाजिश खालिक ने किया। शिविर में कुल 18 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से अधिकांश का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया। वहीं 260 लोगों ने शिविर का प्रत्यक्ष लाभ उठाया।

शिविर में नगर पालिका क्षेत्र के स्टानले कंपाउंड, रामलीला मैदान, सात नंबर तथा स्टाफ हाउस क्षेत्र में स्ट्रीट लाइट, पेयजल और मार्ग सुधारीकरण की मांग स्थानीय लोगों द्वारा उठाई गई। इस पर उप जिलाधिकारी ने संबंधित विभागों को तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। इसके अतिरिक्त, पुराना घोड़ा स्टैंड क्षेत्र में सड़क चौड़ीकरण के दौरान हटाई गई महिला समूहों की दुकानों के पुनर्निर्माण की मांग भी की गई, जिस पर अधिशासी अधिकारी नगर पालिका को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए गए। पेयजल एवं विद्युत संबंधी समस्याओं के समाधान के लिए भी संबंधित विभागों को निर्देशित किया गया। शिविर में विभिन्न विभागों ने स्टॉल लगाकर योजनाओं की जानकारी दी तथा लाभार्थियों को योजनाओं से जोड़ा। आयुर्वेदिक विभाग ने 102 तथा होम्योपैथिक विभाग ने 40 लोगों का निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण कर दवाएं वितरित कीं। श्रम विभाग ने पांच व्यक्तियों के पंजीकरण आवेदन भरे, जबकि पशुपालन विभाग ने 28 पशुपालकों को योजनाओं से लाभान्वित किया। मत्स्य विभाग ने 56 किसानों से आवेदन प्राप्त किए तथा विद्युत विभाग ने चार विद्युत बिल संबंधी समस्याओं का समाधान किया।

जन-जन की सरकार कार्यक्रम के दौरान लाभार्थियों को महालक्ष्मी किट देतीं विधायक सरिता आर्या।

39 किसानों को बीज, रसायन एवं कृषि यंत्र उपलब्ध कराए गए

कृषि विभाग ने 20 एवं उद्यान विभाग ने 19 किसानों को बीज, रसायन एवं कृषि यंत्र उपलब्ध कराए। उद्योग विभाग ने 32 लोगों को योजनाओं से लाभान्वित किया। बाल विकास विभाग ने आठ लाभार्थियों को मुख्यमंत्री महालक्ष्मी किट प्रदान की, जबकि समाज कल्याण विभाग ने 10 लोगों को विभागीय योजनाओं की जानकारी दी। राजस्व विभाग द्वारा विभिन्न प्रमाणपत्रों से संबंधित जानकारी भी उपलब्ध कराई गई। इस अवसर पर अधिशासी अधिकारी नगर पालिका रोहिताश शर्मा, मंडी परिषद सदस्य मनोज जोशी, भाजपा नगर अध्यक्ष नितिन कार्की, दयाकिशन पोखरिया सहित जनप्रतिनिधि, स्थानीय नागरिक, विभागीय अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

कांग्रेस ने देश की छवि धूमिल की: चंदन बिष्ट

रामनगर : भारतीय जनता युवा मोर्चा ने एआई इंपैक्ट समिट में कांग्रेस द्वारा किए गए प्रदर्शन को दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए इसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश की छवि धूमिल करने वाला कदम करार दिया है।

चंदन बिष्ट।

भाजयुमो जिलाध्यक्ष चंदन बिष्ट ने कहा कि कांग्रेस की इस कार्यशैली की कड़ी भर्त्सना की जानी चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के इशारे पर किया गया यह कृत्य राजनीतिक गैर-जिम्मेदारी का परिचायक है और राष्ट्रहित के विरुद्ध है।

उन्होंने कहा कि जब पूरा विश्व भारत की प्रगति, तकनीकी क्षमता और वैश्विक नेतृत्व की सराहना कर रहा है, तब देश को बदनाम करने का कोई भी प्रयास अस्वीकार्य है। भाजयुमो ने स्पष्ट किया कि राष्ट्रहित, देश की एकता और सम्मान के प्रश्न पर किसी भी प्रकार की राजनीति स्वीकार नहीं की जाएगी। चंदन बिष्ट ने कहा कि राहुल गांधी एवं भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस को राष्ट्र की भावनाओं का सम्मान करते हुए देशवासियों से सार्वजनिक रूप से क्षमा मांगनी चाहिए।

तिब्बती समुदाय ने की विश्व शांति की प्रार्थना

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: तिब्बती नव वर्ष लोसर का पर्व 18 से 20 फरवरी तक उत्साह और पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ मनाया गया। इस वर्ष तिब्बती कैलेंडर के अनुसार तिब्बती राजा वर्ष 2153 प्रारंभ हुआ है, जिसका तत्व अग्नि, प्रतीक चिन्ह घोड़ा तथा लिंग स्त्री माना जाता है। इसे अग्नि स्त्री घोड़ा वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है।लोसर के पहले दिन परिवार के सभी सदस्य घर के मंदिर में एकत्र होकर भगवान, देवी-देवताओं और पूज्य लामाओं को नववर्ष की शुभकामनाएं देते हैं। इस दौरान चुटकी भर सत्तू का भोग हवा में अर्पित किया जाता है तथा मंदिर में खातक चढ़ाकर सुख-समृद्धि और मनोकामनाओं की पूर्ति की कामना की जाती है। परिवार के सदस्य एक-दूसरे को लोसर की बधाई देते हैं। पारंपरिक नाश्ते में तिब्बती मक्खन वाली नमकीन चाय, मीठा चावल 'ड्रेसिल' तथा उबले हुए चांग का सूप ग्रहण किया जाता है और रिश्तेदारों के घर तथा बौद्ध मठों में जाकर लामाओं से आशीर्वाद लेते हैं, जबकि दूसरे दिन से मित्रों व परिचितों के घर बधाई देने और मेहमानों की मेजबानी की परंपरा निभाई जाती है।

लोसर के तीसरे दिन शुक्रवार को सुख निवास स्थित बौद्ध मठ में तिब्बती एवं भोटिया समुदाय द्वारा विश्व शांति, नगर की उन्नति, सुख-समृद्धि और भाईचारे के लिए सामूहिक पूजा आयोजित की गई। इस अवसर पर परम पूज्य दलाई लामा की दीर्घायु एवं उत्तम स्वास्थ्य की कामना भी की गई। पारंपरिक रूप से मठ परिसर में स्थापित विशाल ध्वज को भी बदला गया। लोसर पर्व के चलते तिब्बती एवं भोटिया मार्केट तीन दिनों तक पूर्ण रूप से बंद रहे, जो शनिवार 21 फरवरी से पुनः खुलेंगे। सामूहिक पूजा की अध्यक्षता बौद्ध मठ के मुख्य पुजारी गेशे लोबसांग यांगफेल ने की। इस दौरान बौद्ध समुदाय के लोगों के द्वारा इस दिन मठों, प्रतिष्ठानों समेत विभिन्न स्थानों पर मंत्र लिखें रंग-बिरंगे झंडे लगाए जाते हैं जो कि 5 रंग के होते हैं जिसमें हरा जो हरियाली, लाल अग्नि, सफेद शांति और नीला जल और पीला रंग जमीन को दर्शाता है। माना जाता है कि हवा के बहाव में जितनी बार झंडे लहराएंगे उतनी ही ज्यादा विश्व में सुख-शांति और समृद्धि का संदेश फैलेगा। तुल्कु लांगदोंग रिनपोछे, तिब्बती मार्केट एसोसिएशन के अध्यक्ष येशी थुप्तेन, तिब्बती संघर्ष समिति के सचिव तेनजिन धोनयोए, तेनजिन छिरींग, तिब्बती युवा कांग्रेस के उपाध्यक्ष टाशी तोपग्याल, कुंगा छौडोन, महिला संगठन की अध्यक्ष केलसंग छूकी, सचिव रिंजिन छोएजोम सहित ल्हाकपा गयालपो, पेमा छोमफेल, छिरींग तोपग्याल रहे।

जंगली जानवरों के आतंक से निजात दिलाने की मांग

संवाददाता, भीमताल

अमृत विचार: भीमताल नगर पालिका क्षेत्र के वार्ड संख्या-3 बिलासपुर से सभासद रामपाल सिंह गंगोला ने सिंचाई विभाग के अधिशासी अभियंता को ज्ञापन सौंपकर बिलासपुर नहर की मरम्मत की मांग की है। उन्होंने बताया कि यह नहर भीमताल से नौकुचियाताल तक लगभग पांच गांवों की सिंचाई करती है, लेकिन वर्तमान में नहर की स्थिति काफी खराब हो चुकी है और इसकी तत्काल मरम्मत की आवश्यकता है।उन्होंने कहा कि इस संबंध में कई बार पत्राचार करने के बावजूद अभी तक कोई कार्रवाई नहीं की गई है। इसके अतिरिक्त, उन्होंने वन क्षेत्राधिकारी, भीमताल को भी ज्ञापन सौंपकर क्षेत्र में बाघ, तेंदुए, जंगली सूअर और बंदरों के बढ़ते आतंक से निजात दिलाने की मांग की है। उन्होंने बताया कि वर्तमान में भीमताल क्षेत्र वन्यजीवों की बढ़ती आवाजाही से प्रभावित है। अतः उनकी मूवमेंट पर नजर रखते हुए विभिन्न स्थानों पर पिंजरे लगाए जाने की जरूरत है।

बौद्धिक संपदा अधिकार पर व्याख्यान आयोजित

रामनगर: पीएनजी राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय के बौद्धिक संपदा अधिकार प्रकोष्ठ द्वारा अंडरस्टैंडिंग पेटेंट एंड पेटेंटेबल वर्क विषय पर ऑनलाइन व्याख्यान आयोजित किया गया। मुख्य वक्ता उत्तराखंड आयुर्वेदिक विश्वविद्यालय के बायोकेमिकल साइंस विभाग के प्राध्यापक एवं ऑफिसर इंचार्ज डॉ. दीपक कुमार सेमवाल रहे। उन्होंने अपने पेटेंट्स के बारे में जानकारी साझा की तथा विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों को पेटेंट फाइल करने के लिए जागरूक और प्रेरित किया। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. एमसी पांडे, डॉ. पवन टम्टा, डॉ. शंकर मंडल, डॉ. सुभाष पोखरियाल रहे।

धूमधाम से मनाया गया शहीद सैनिक स्कूल का वार्षिकोत्सव

संवाददाता, हल्दूचौड़

अमृत विचार: कारगिल शहीद सैनिक स्कूल, बेरी पड़ाव मोटाहल्दू का 20वां वार्षिक उत्सव बड़े धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री भगत सिंह कोश्यारी, महालक्ष्मी मंदिर के महामंडलेश्वर सोमेश्वरी जी और भारतीय जनता युवा मोर्चा के प्रदेश महामंत्री दीपेंद्र कोश्यारी ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलन कर किया। पूर्व मुख्यमंत्री कोश्यारी ने शिक्षा को नागरिक कर्तव्यों के पालन और सामाजिक जीवन में सफलता के लिए आवश्यक बताया। उन्होंने कहा कि शिक्षा से ही सर्वांगीण विकास संभव है और बच्चों में अनुशासन, बहादुरी और राष्ट्रभक्ति की भावना विकसित करना आवश्यक है। उन्होंने विश्वास जताया कि भारतीय संस्कृति और भाषा के समृद्ध होने से भारत में राम राज्य की स्थापना अवश्य होगी। महामंडलेश्वर सोमेश्वर यति और दीपेंद्र कोश्यारी ने बच्चों द्वारा प्रस्तुत कार्यक्रमों की सराहना की और संस्कारवान शिक्षा पर जोर दिया। प्रबंधक डॉक्टर उमेश चंदोला ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया। प्रिंसिपल कृष्ण भट्ट चंदोला ने स्कूल के शिक्षा क्षेत्र में किए जा रहे प्रयासों का उल्लेख किया। कार्यक्रम में जिला पंचायत सदस्य दीपा चंदोला, पूर्व जिपंस कमलेश चंदोला, इंदर सिंह बिष्ट, भास्कर भट्ट, जगदीश पांडे, रोहन, मनमोहन पुरोहित रहे।

सांसद ने विकास कार्यों का लिया जायजा

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: सांसद अजय भट्ट ने शुक्रवार को भवाली बाईपास पर लगभग 546.75 लाख रुपये की लागत से बने नव निर्मित पुल का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने कैंचीधाम बाईपास सहित क्षेत्र में चल रहे विभिन्न विकास कार्यों की प्रगति का भी जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान सांसद अजय भट्ट ने कैंचीधाम में करीब 39 करोड़ रुपये की लागत से बन रही बहुमंजिला वाहन पार्किंग एवं अन्य निर्माण कार्यों की जानकारी अधिकारियों से ली। उन्होंने कहा कि मानसखंड मंदिर माला मिशन के अंतर्गत कैंचीधाम में बहुमंजिला पार्किंग बनने से श्रद्धालुओं को बेहतर पार्किंग सुविधा के साथ ही भवाली-अल्मोड़ा हाईवे पर लगने वाले जाम से भी बड़ी राहत मिलेगी। अजय भट्ट ने कार्यदायी संस्था के अधिकारियों को निर्माण कार्य निर्धारित गुणवत्ता और मानकों के अनुरूप पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्थानीय लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने बाबा नीब करौरी महाराज के दर्शन भी किए। चेयरमैन संजय वर्मा, भावना मेहरा, गोपाल रावत, शिवांशु जोशी, प्रकाश आर्या, हिमांशु बिष्ट, आशु चंदोला, अखिलेश सेमवाल, नीरज बिष्ट, शुभम कुमार, वैभव आनंद, धीरज तिवाड़ी, मदन मोहन सिंह कैड़ा, एसडीएम मोनिका, ईई लोनिवि कृष्ण कुमार, रत्नेश सक्सेना रहे।

भवाली में निरीक्षण के दौरान सांसद अजय भट्ट जानकारी देते अधिकारी।

SURAJMAL MEDICAL COLLEGE OF AYURVEDA AND HOSPITAL, KICHHA, U. S NAGAR, UTTARAKHAND

TEACHING REQUIREMENT

The Surjamal Medical College of Ayurved and Hospital, Kichha, Uttarakhand, an Institute of Ayurveda, recognized by National Commission For Indian System of Medicine (NCISM), New Delhi, and Affiliated to Uttarakhand Ayurved University, Dehradun, aspires to achieve excellence in Ayurveda education by using innovative teaching methods, promoting high quality research and practicing sustainable health.

The Institute is looking for dedicated, committed and eligible citizen of India to fill up the following vacancies:-

S.No.	Department	Assistant Professor	Associate Professor	Professor
01	Samhita & Siddhant	2	1	-
02	Agad Tantra & Vidhi Vaidhyaka	1	-	-
03	Prasuti Tantra & Stri Rog	2	1	-
04	Shalakya Tantra	2	-	-
05	Swasthavritta	1	1	-
06	Kayachikitsa	-	-	1
07	Dravyaguna	-	1	-
08	Rognidan	-	1	-
09	Kaumarbhritya(Balrog)	2	-	-
10	Panchkarma	1	-	-
11	Surgery (Shalya Tantra)	1	-	-

★ Qualification and Experiences as Per NCISM, New Delhi Norms.
★ Salary Commensurate With Qualifications and Experience.
Apply - Send Your CV/Resume On
Email- surajmalayurved@gmail.com/2021ayu0546@gmail.com

For More Information,
Call +91-97586 43374/+91-9258205255/+91-9837242760

रामनगर में सहायता राशि के चेक वितरित करते विधायक दीवान सिंह बिष्ट।

जरूरतमंदों को विधायक ने वितरित किए सहायता राशि के चेक

रामनगर : विधायक दीवान सिंह बिष्ट ने मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से स्वीकृत 35 पात्र परिवारों को उपचार हेतु चार लाख तिरानवे हजार रुपये की सहायता राशि के चेक वितरित किए। चेक वितरण कार्यक्रम में पार्टी पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं राजस्व निरीक्षक उपस्थित रहे। विधायक बिष्ट ने कहा कि सरकार अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति तक जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए संकल्पित है। उन्होंने कहा कि जरूरतमंदों की मदद के साथ-साथ क्षेत्र में विकास कार्यों को आगे बढ़ाने के लिए भी सरकार प्रतिबद्ध है। इस अवसर पर ग्रामीण मंडल अध्यक्ष घनश्याम शर्मा, पीरूमदारा मंडल अध्यक्ष बलदेव रावत, पूर्व जिला पंचायत सदस्य किशोरी लाल, भाजपा नेत्री डॉ. धनेश्वरी घिल्डियाल, भगीरथ लाल, भाजपा नेता जगमोहन सिंह बिष्ट, मनमोहन बिष्ट, ग्राम प्रधान इंदर लाल, कपिल रावत, लक्ष्मण सिंह रावत, नरेंद्र बिष्ट, पृथ्वी रावत, विकास अग्रवाल, अनुज कुमार, देवेंद्र सिंह एवं प्रकाश थापा सहित अन्य मौजूद रहे।

अवैध होम स्टे संचालन पर रोक लगाने की मांग

भीमताल: भीमताल नगर के होटल व्यवसायी एवं सामाजिक कार्यकर्ता नितेश बिष्ट ने मुख्य विकास अधिकारी को ज्ञापन देकर पर्यटन सीजन के दौरान उत्पन्न समस्याओं के समाधान की मांग की है। उन्होंने अवगत कराया कि पर्यटन सीजन में रानीबाग पुल, जहां से एक सड़क भीमताल और दूसरी नैनीताल को जाती है, वहां पर्यटक वाहनों को भीमताल का सही पता न बताकर अन्य स्थानों की ओर भेज दिया जाता है, जिससे भीमताल का पर्यटन प्रभावित होता है। बताया भीमताल में अधिकांश होम स्टे का संचालन बाहरी राज्यों के लोग कर रहे हैं, जिससे स्थानीय होम स्टे संचालकों का व्यवसाय प्रभावित हो रहा है।

नितेश बिष्ट।

किशोरी को मुरादाबाद निवासी परिजनों को सौंपते पुलिसकर्मी। ● अमृत विचार

मित्र पुलिस ने दो भटके बच्चों को परिजनों से मिलाया

रामनगर : मित्र पुलिस ने अलग-अलग मामलों में दो बच्चों को उनके परिजनों से मिलाकर उनके चेहरे पर मुस्कान लौटाई है। पहली घटना में मुरादाबाद, उत्तर प्रदेश की 14 वर्षीय छात्रा प्रिया (पुत्री राजकुमार) को कोसी बैराज के समीप देखा गया। गुरुवार रात को कांस्टेबल प्रीतम चौधरी और कांस्टेबल नरेंद्र कुमार की ड्यूटी वहां लगी थी। दोनों सिपाही ने उसे बचाकर रामनगर कोतवाली लाया। पूछताछ पर छात्रा ने अपनी पहचान बताई और कोतवाली पुलिस ने मुरादाबाद स्थित उसके परिवार को सूचना देकर उसे परिजनों के सुपुर्द कर दिया। दूसरे मामले में घर का रास्ता भटक कर पहुंची तीन वर्षीय बच्ची अनबिया को पुलिस ने काफी प्रयास के बाद उसके पिता तक पहुंचाया। बच्ची अपने माता-पिता और टीचर का नाम बता रही थी, लेकिन घर का पता नहीं था। पुलिस ने सोशल मीडिया और परिचितों की मदद से बच्ची के पिता तक संपर्क किया और अंतत: ग्राम पूंछड़ी में पिता से मिलवा दिया। दोनों मामलों में पुलिस की तत्परता और मेहनत की स्थानीय लोगों ने सराहना की।

सिटी ब्रीफ

बकाया बिजली बिल को लेकर 250 कनेक्शन काटे

खटीमा : उत्तराखंड पावर कॉरपोरेशन ने बकाया विद्युत बिलों की शत-प्रतिशत वसूली के लिए अभियान तेज कर दिया है। उपखंड अधिकारी अंबिका यादव ने बताया कि 18 करोड़ रुपये के लक्ष्य के सापेक्ष अब तक 50 प्रतिशत से अधिक की वसूली की जा चुकी है। बकाया भुगतान न करने वाले बड़े बकायदारों पर कड़ी कार्रवाई करते हुए विभाग ने अब तक 250 से अधिक कनेक्शन काट दिए हैं। जेई पवन कुमार उप्रेती के अनुसार, क्षेत्र में प्रतिदिन कैंप लगाकर उपभोक्ताओं की समस्याओं का समाधान और वसूली की जा रही है। विभाग ने उपभोक्ताओं से समय पर बिल जमा कर कानूनी कार्रवाई से बचने और सहयोग करने की अपील की है।

अवैध खनन में चार ट्रैक्टर-ट्रॉलियां सीज

सितारगंज : पुलिस ने ओवरलोड व ओवरस्पीड वाहनों के खिलाफ विशेष अभियान चलाया। बृहस्पतिवार रात को सिडकुल पुलिस ने विशेष अभियान चलाते हुए बिना वैध प्रपत्रों के उप खनिजों का परिवहन कर रहे चार ट्रैक्टर-ट्रॉलियों को सीज कर दिया। वहीं, एसपी सिटी डॉ. उत्तम सिंह नेगी ने सरकड़ा चौकी पुलिस के साथ किच्छा बाईपास हाईवे पर ओवरलोड वाहनों के खिलाफ अभियान चलाया। इस दौरान उन्होंने आरबीएम से भरे एक ओवरलोड ट्रैक्टर-ट्रॉली को सीज कर दिया। उन्होंने बताया कि ओवरलोड व ओवरस्पीड वाहनों से हो रहे हादसे की रोकथाम के लिए पुलिस ने इन वाहनों के खिलाफ विशेष अभियान चलाया है।

खून से लथपथ मिला युवा व्यापारी, सिर पर लगी गोली

ध्रुव की हालत नाजुक, अवैध पिस्टल बरामद, सुसाइड या हत्या का प्रयास, जांच में जुटी पुलिस

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: कोतवाली इलाके के सिविल लाइंस स्थित एक दुकान में खून से लथपथ युवा व्यापारी के पड़े होने का मामला सामने आया है। बताया जा रहा है कि घटना गुरुवार की देर रात्रि की है और व्यापारी की हालत नाजुक बनी हुई है। सुबह होने पर पुलिस और फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल का मौका मुआयना किया और दुकान के अंदर से एक अवैध पिस्टल भी बरामद की। पुलिस सुसाइड या फिर हत्या की कोशिश की दिशा में अपनी तफ्तीश कर रही है।

जानकारी के अनुसार आदर्श कॉलोनी निवासी युवा व्यापारी 25 वर्षीय ध्रुव चावला का सिविल लाइंस स्थित किक्स विला नाम से जूते का शोरूम है। रोज की भांति गुरुवार को भी व्यापारी ने साढ़े 8 बजे अपनी मां से फोन पर बातचीत की और जल्द दुकान बंद कर आने की बात कही थी। काफी देर तक फोन नहीं उठा तो पार्टनर रात्रि सवा 10 बजे दुकान पहुंचा तो देखा कि ध्रुव खून से लथपथ फर्श पर पड़ा था। व्यापारी के सिर में गोली का निशान था और नजदीक ही एक अवैध पिस्टल भी पड़ी हुई थी।

घटनास्थल का मुआयना करती पुलिस। ● अमृत विचार

साक्ष्य एकत्रित करती फॉरेंसिक टीम।

घायल ध्रुव चावला।

सीसीटीवी सुलझाएगी सवालों की गुत्थी

रुद्रपुर : व्यापारी ध्रुव घायल प्रकरण में अनसुलझे सवालों की गुत्थी नजदीक लगे सीसीटीवी कैमरे खोलेंगे। ऐसा मानना कोतवाली पुलिस का है। कारण शू शोरूम के तो कैमरे बंद हो चुके थे, लेकिन सटी दुकानों के सीसीटीवी कैमरे चालू हालत में हैं। अब पुलिस यह जानने की कोशिश कर रही है कि वारदात के वक्त दुकान के अंदर कौन-कौन बाहर निकले। गोली की आवाज किस वक्त आई। घायल व्यापारी को किस वक्त अस्पताल पहुंचाया गया। ध्रुव ज्यादातर किस हाथ का इस्तेमाल करता है। सुसाइड की ठोस वजह और संदिग्ध गोली कांड की वास्तविकता की पोल कैमरे ही खोल सकते हैं।

आनन फानन में व्यापारी को कई प्राइवेट अस्पताल ले जाया गया। जहां नाजुक हालत को देखते हुए डॉक्टरों ने दिल्ली रेफर कर दिया। शुक्रवार की सुबह वारदात की जानकारी मिलते ही एसएसआई केसी आर्य फॉरेंसिक टीम के साथ मौके पर पहुंची और साक्ष्य एकत्रित किए। पुलिस का कहना था कि घटनास्थल पर पड़ी पिस्टल अवैध है। जिसका कोई लाइसेंस सामने नहीं आया है। फिलहाल पुलिस ने सुसाइड या फिर हाफ मर्डर की दिशा में तफ्तीश शुरू कर दी है।

हत्या का प्रयास या सुसाइड: कौन थे दोस्त, कैसे बंद हुए सीसीटीवी

● साढ़े 9 बजे की हो सकती है घटना नीचे कैसे गिरे चार कारतूस

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: व्यापारी ध्रुव चावला प्रकरण में जहां पुलिस ने हत्या की कोशिश या फिर आत्महत्या की दिशा में अपनी तफ्तीश शुरू कर रही है। वहीं एक बड़ा सवाल यह भी उठ रहा है कि जिस वक्त व्यापारी ने अपनी मां से बातचीत की, उसके कुछ ही देर में अचानक सीसीटीवी कैमरे कैसे बंद हो गए। उस वक्त वो कौन दोस्त थे।

पुलिस का दावा यह भी है कि हत्या या फिर सुसाइड की वारदात गुरुवार की देर रात्रि साढ़े 9 बजे के मध्य हुई है। कारण 10 बजे के करीब पार्टनर को व्यापारी खून से लथपथ पड़ा मिला था। प्रारंभिक तफ्तीश में यह भी पता चला है कि व्यापारी परिवार का इकलौता चिराग है और बेहद ही मृदुभाषी भी है। यह भी दावा है कि व्यापारी की किसी से कोई रंजिश भी नहीं है और मानसिक रूप से खुश मिजाज भी है।

युवा व्यापारी के करीबी विजय फुटेला ने बताया कि गुरुवार की रात्रि सवा 9 बजे व्यापारी ने अपनी मां एकता चावला से फोन पर बातचीत करते हुए कहा था कि अभी दुकान पर उसके दोस्त आए हुए हैं और वह जल्द ही दुकान बंद कर घर पहुंचेगा। सवा 10 बजे जब ध्रुव की मां ने फोन किया तो व्यापारी ने फोन नहीं उठाया और सूचना मिलने के बाद ध्रुव का पार्टनर हरजिंदर सिंह दुकान पर आया और अपने पार्टनर को खून से लथपथ हुआ देखा। पुलिस को उस वक्त सबसे बड़ा संदेह हुआ जब पता चला कि साढ़े 8 बजे ही दुकान पर लगे सीसीटीवी कैमरे एकाएक बंद हो गए और सवा 10 बजे व्यापारी के घायल होने की सूचना मिल चुकी थी। इससे साफ है कि व्यापारी के साथ जो घटना घटित हुई है, वह साढ़े 9 बजे के करीब हो सकती है। व्यापारी के व्यवहार के कायल लोगों का मानना था कि उसकी किसी से व्यक्तिगत रंजिश नहीं है और परिवार का इकलौता बेटा भी है। उन्होंने बताया कि आर्थिक रूप से बेहद मजबूत ध्रुव चावला आखिर क्यों अवैध पिस्टल रखेगा।

गोलीकांड की बारीकी से होगी जांच : सीओ

रुद्रपुर : सीओ सदर प्रशांत कुमार ने बताया कि घटनास्थल पर .32 बोर की एक पिस्टल, चार कारतूस, एक इस्तेमाल किया हुआ खोखा बरामद हुआ है। कई के धब्बे कई स्थानों पर मिले हैं। गोली किस परिस्थिति में लगी है। घटना की जानकारी भी काफी देर से मिली है। व्यापारी की सीडीआर, सीसीटीवी कैमरों को खंगाला जा रहा है और पुलिस की एक टीम को गुरुग्राम स्थित हायर सेंटर भी भेजा गया है। पुलिस गोलीकांड प्रकरण की संजीदगी और बारीकी के साथ जांच करेगी और हर पहलुओं को जानने के बाद पर्दाफाश करेगी।

व्यापारी बोले-हकीकत जानना बेहद जरूरी

रुद्रपुर : प्रांतीय उद्योग व्यापार मंडल के महानगर अध्यक्ष संजय जुनेजा ने बताया कि युवा व्यापारी ध्रुव चावला बेहद ही सरल स्वभाव और मृदुभाषी है, जबकि आर्थिक एवं पारिवारिक दृष्टिकोण से भी मानसिक रूप से स्वस्थ है। सिर में गोली लगने की सूचना हैरान करने वाली है। जुनेजा का कहना था कि युवा व्यापारी सुसाइड जैसा कोई भी कदम उठा सकता है, यह कभी सोचा नहीं जा सकता है। यदि किसी ने मारने का प्रयास किया है तो आखिर क्यों। इसका जवाब पुलिस की जांच ही दे सकती है। उन्होंने पुलिस प्रशासन से जल्द ही हकीकत का खुलासा करने का मुद्दा उठाया।

लोक संस्कृति से रूबरू कराता है मेला

● प्राचीन शिव मंदिर रामबाग परिसर में आयोजित आठ दिवसीय मेला

संवाददाता, दिनेशपुर

अमृत विचार: प्राचीन शिव मंदिर रामबाग परिसर में आयोजित आठ दिवसीय मेले के छठे दिन शुक्रवार को श्रद्धालुओं ने पूजा कर जलाभिषेक किया।

प्रदेश अनुसूचित जनजाति आयोग के सदस्य बाबू सिंह तोमर ने कहा कि तराई में बुक्सा जनजाति का प्राचीन शिव मंदिर रामबाग बुक्सा समुदाय की धरोहर है। उन्होंने कहा रामबाग का ऐतिहासिक मेला बुक्साड़ की लोक संस्कृति के संजीव दर्शन करता है। मेले में आए श्रद्धालु अपने संस्कृति को निहारते हैं और जलाभिषेक करते हैं। मेले की सुरक्षा व्यवस्था में प्रशासन ने पर्याप्त फोर्स तैनात की है। शुक्रवार को प्रातः मंदिर के मुख्य पुजारी चंदू सिंह लखचौरसिया व पुजारन मंतो देवी ने पूजा- अर्चना की। तत्पश्चात मेले में आए श्रद्धालुओं ने जलाभिषेक करवाया। मेला कमेटी संरक्षक राकेश सिंह व व्यवस्थापक नित्यानंद मंडल ने मेले में आए श्रद्धालुओं का आभार व्यक्त किया। इस मौके पर सचिव किशोर मलिक, मेला प्रभारी एसआई प्रदीप शर्मा, खटोला पूर्व प्रधान एडवोकेट मुकेश सिंह राणा, रामलीला कमेटी अध्यक्ष अशोक कालड़ा, सुनील बंसल, डॉ गौरव श्रीवास्तव, अमित अग्रवाल, विजय ढाली आदि मौजूद रहे।

दिनेशपुर के प्राचीन शिव मंदिर रामबाग परिसर में लगे मेले में खरीदारी करते लोग।

ऑपरेशन क्रैकडाउन के तहत घर-घर सत्यापन

किच्छा: कोतवाली पुलिस ने 'ऑपरेशन क्रैकडाउन' के तहत बाहरी और संदिग्ध व्यक्तियों की पहचान के लिए सघन चेकिंग अभियान शुरू किया है। प्रभारी निरीक्षक प्रकाश सिंह दानू के नेतृत्व में पुलिस टीम ने बंडिया वार्ड में घर-घर जाकर आधार कार्ड, पहचान पत्र और अन्य दस्तावेजों की बारीकी से जांच की। इस अभियान में पुलिस अत्याधुनिक सोशल मीडिया ऐप का उपयोग कर रही है, जिससे देश के किसी भी कोने के अपराधी का इतिहास तुरंत पता चल जाता है। कोतवाल ने बताया कि डिजिटल नेटवर्क के जरिए अंतरराज्यीय अपराधियों पर नजर रखी जा रही है। उन्होंने भवन स्वामियों से किरायेदारों का अनिवार्य पुलिस वेरिफिकेशन कराने की अपील की है।

हाईकोर्ट को उड़ाने की धमकी पर जारी हुआ अलर्ट

● न्यायालयों में चलाया गया सर्च अभियान, एसएसपी की मौजूदगी में हुई जांच

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: नैनीताल हाईकोर्ट सहित उत्तराखंड की अदालतों को बम से उड़ाने की बार-बार मिल रही धमकियों को लेकर अलर्ट जारी कर दिया गया है। जिसके बाद पुलिस प्रशासन की संयुक्त टीम ने सभी न्यायालयों में सर्च अभियान चलाया और सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। जिसको लेकर एसएसपी ने अधीनस्थों को गाइडलाइन जारी कर दी है।

बताते चलें कि पिछले कुछ दिनों से नैनीताल हाईकोर्ट हो या फिर उत्तराखंड की शांत वादियों में बने न्यायालय हो। जिसको लेकर एक गुमनाम मेल जारी हो रहा है। जिसमें आरडीएक्स लगाकर अदालतों को उड़ाने की धमकियां दी जा रही हैं। प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए पुलिस मुख्यालय ने जनपद पुलिस को अलर्ट रहने का आदेश दिया तो शुक्रवार को एसएसपी अजय गणपति कुंभार ने खुद न्यायालयों की सुरक्षा कमान संभाली।दोपहर के वक्त बम निरोधक दस्ता, डॉग स्क्वायड की टीम के साथ एसएसपी जिला जजी परिसर पहुंचे। जहां आधुनिक तकनीक और मैनुअली सर्च अभियान चलाया गया। साथ ही अधीनस्थों को आदेशित भी किया गया। न्यायालय परिसर के प्रत्येक कोने की बारीकी से तलाशी ली गई और परिसर में आने-जाने वाले प्रत्येक व्यक्ति की गहनता से चेकिंग और फ्रिस्किंग की गई।

जिला जजी परिसर का निरीक्षण करते एसएसपी अजय गणपति कुंभार। ● अमृत विचार

सड़क हादसे में अर्जुन अवॉर्डी मनोज घायल

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: अर्जुन अवार्ड प्राप्त अंतरराष्ट्रीय पैरा-बैडमिंटन खिलाड़ी मनोज सरकार और उनकी साथी खिलाड़ी मनदीप कौर के सड़क हादसे में घायल होने की दुखद सूचना मिली है। हादसा शुक्रवार को उस वक्त हुआ जब मनोज सरकार लखनऊ से रुद्रपुर लौट रहे थे।

संडीला गांव के पास अचानक सड़क पर आई नीलगाय को बचाने के प्रयास में उनकी कार अनियंत्रित होकर टकरा गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार सवार दोनों खिलाड़ी गंभीर रूप से घायल हो गए। आनन-फानन में उन्हें पास के एक निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां मनोज सरकार को आईसीयू में भर्ती किया गया है। अस्पताल सूत्रों के अनुसार, फिलहाल दोनों खिलाड़ियों की हालत स्थिर बनी हुई है। मनोज सरकार के घायल होने की खबर मिलते ही खेल जगत और स्थानीय प्रशासन में चिंता है। प्रशंसकों और खेल प्रेमियों द्वारा उनके शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना की जा रही है।

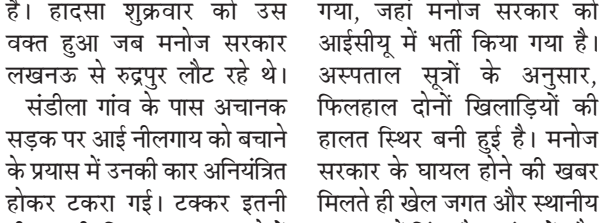

कार्यक्रम को संबोधित करते लाइफ सेट एप के संस्थापक अमृतेश परमार।

लाइफ सेट एप प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए मददगार

रुद्रपुर : एसबीएस महाविद्यालय में प्राचार्य के दिशा निर्देशन में लाइफ सेट के संस्थापक द्वारा एक इंटरएक्टिव सत्र आयोजित किया गया। इस दौरान लाइफ सेट एप के संस्थापक अमृतेश परमार ने एप की विभिन्न उपयोगिताओं की जानकारी साझा की। साथ ही कहा कि प्रत्येक छात्र-छात्राओं के प्रतियोगी परीक्षाओं और जॉब प्लेसमेंट में यह काफी मददगार रहेगी। शुक्रवार को आयोजित सत्र के मध्य में प्राचार्य डॉ .एएन सिंह ने लाइफ सेट एप की उपयोगिता पर प्रकाश डालते हुए छात्र-छात्राओं को इस एप के प्रयोग के लिए प्रोत्साहित किया। जिससे कि विद्यार्थियों को अपने भविष्य निर्धारण में सहायता मिले। इस सत्र में महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं सहित समस्त प्राध्यापक उपस्थित रहे। सत्र के अंत में महाविद्यालय के चीफ प्रॉक्टर डॉ. सर्वजीत सिंह ने धन्यवाद दिया। कार्यक्रम का संचालन महाविद्यालय की लाइफ सेट नोडल अधिकारी डॉ. अंकिता चंदोला ने किया।

बीमा कंपनी को देनी होगी पांच लाख की क्षतिपूर्ति

रुद्रपुर : सड़क हादसा याचिका पर सुनवाई करते हुए स्थायी लोक अदालत ने बीमा कंपनी को पांच लाख रुपये क्षतिपूर्ति देने का फैसला सुनाया। शुक्रवार को स्थायी लोक अदालत के अध्यक्ष बृजेंद्र सिंह ने बताया कि एक व्यक्ति ने दायर याचिका में कहा था कि 20 दिसंबर 2023 को उसका भतीजा वीरेंद्र, अजीत अपने दोस्त रविंद्र के साथ रुद्रपुर से किच्छा बाजार के लिये जा रहे थे। दोपहर डेढ़ बजे के बीच जब वे मुमताज गेट शिमला पिस्तौर के समीप पहुंचे ही थे कि अचानक कार का बाया टायर फट गया और कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर के दूसरे छोर में चली गई। इस दौरान सामने से आ रहे ट्रक ने कार को क्षतिग्रस्त कर दिया। इसकी सूचना फौरन बीमा कंपनी के ग्राहक सेवा केंद्र पर दी गई। जिसके बाद कार को कंपनी गैराज पर छोड़ा गया। क्लेम बीमा फार्म भरकर बीमा कंपनी को भेजा, लेकिन बीमा कंपनी आईसीआईसीआई लोम्बार्ड ने अपनी टिप्पणी में यह दर्शाया कि चालक का लाइसेंस नहीं था और बीमा देने से इंकार कर दिया। प्रकरण की सुनवाई स्थायी लोक अदालत के अध्यक्ष बृजेंद्र सिंह, सदस्य अब्दुल नसीम और सदस्य अर्चना पीयूष पंत ने दोनों पक्षों की बहस सुनी और बीमा कंपनी आईसीआईसीआई को पांच लाख रुपये कार क्षतिपूर्ति देने का आदेश दिया।

पंजाबी परिवारों के जमीनी विवाद का हल निकाला जाए

खटीमा : उत्तरांचल पंजाबी महासभा के प्रदेश सचिव मनोज बाधवा ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को ज्ञापन भेजकर अशोक फॉर्म के परिवारों के मध्य आपसी जमीनी विवाद चल रहा है। जिन पक्षों में जमीनी विवाद चल रहा है वह आपस में एक दूसरे के रिश्तेदार भी है और जो विवाद करीब 10 वर्षों से कोर्ट में भी चल रहा है। उन्होंने कहा विधायक भुवन चंद कापड़ी द्वारा इस विवाद को राजनीतिक रंग देने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि उक्त प्रकरण में सक्षम अधिकारियों के द्वारा विवाद का हल निकालने का प्रयास किया जाए क्योंकि जमीन विवाद के सभी पक्ष आपस में एक दूसरे के रिश्तेदार भी हैं। कुछ गणमान्य व्यक्तियों द्वारा समझौता करने का प्रयास भी किया जा रहा है।

कार्यालय नगर निगम, अल्मोड़ा

पत्रांक : /30-1 (नियमावली) 2025-2026 **सार्वजनिक सूचना** दिनांक : 20-02-2026

नगर निगम अल्मोडा जिला अल्मोडा नगर निगम अधिनियम 1959 की धारा 548 (1) (एफ) तथा (जी) के तहत प्रदत्त अधिकारो का उपयोग करके नगर निगम अल्मोडा के अकेन्द्रियत कर्मचारी पेंशन नियमावली 2026 नगर निगम अल्मोडा के अधिवेशन दिनांक 05-02-2026 के प्रस्ताव संख्या 03 द्वारा तैयार की गई है, जो नगर निगम अधिनियम 1959 की धारा 541 के अन्त्रगत जिन व्यक्तियों को इस नियमावली का प्रभाव पड़ने वाला हो उनसे आपत्ति व सुझाव प्राप्त करने हेतु प्रकाशित की जा रही है। अतः समाचार पत्र नियमावली प्रकाशन की तिथि से 15 दिन तक लिखित सुझाव एंव आपत्तियों नगर आयुक्त, नगर निगम, अल्मोडा के कार्यालय में किसी कार्यदिवस में कार्यावधि के दौरान उपलब्ध करानी होगी समय अवधि पश्चात प्राप्त होने वाली आपत्ति अथवा सुझाव पर किसी भी दशा में विचार नहीं किया जायेगा, जो निम्नवत हैं।

नगर निगम अल्मोड़ा में अकेन्द्रियत कर्मचारी सेवानिवृत्ति सुविधा तथा भविष्य निधि विनिमय 2026

उ०प्र०/ उत्तराखण्ड नगर निगम अधिनियम 1959 की धारा 548 (1) (एफ) और (जी) के अन्तर्गत-

1- यह विनिमय नगर निगम अल्मोडा अकेन्द्रियत कर्मचारी सेवानिवृत्त सुविधा एवं भविष्य निधि विनिमय 2014 होगा।
2- यह विनिमय नगर निगम घोषित होने की तिथि से प्रभावी समझे जायेंगे। और उन कर्मचारियों पर लागू होंगे। जिनकी नियुक्ति नगर निगम / नगर निगम अल्मोड़ा में अकेन्द्रियत सेवा के पद पर हुई है।

परिभाषाएँ:-

जब तक विषय व संदर्भ में कोई प्रतिकूल बात न हो इन विनियमों में

1- अधिनियम अथवा एक्ट से तात्पर्य उत्तराखण्ड नगर निगम अधिनियम 1959 से है।
2- औसत परिलब्धियों से तात्पर्य है सेवानिवृत्ति के दिनांक से पूर्व 10 मास में प्राप्त परिलब्धियों का औसतन । यदि इन दस नासो में छुटटी का समय भी सम्मिलित हो तो उस समय के लिये अगर व छुटटी पर न रहा होता तो स्थायी नियुक्ति के लिये जो परिलब्धियों प्राप्त (एडमिसिविल) होत्ती, वे परिलब्धियों समझी जायेंगी।
प्रतिबन्ध यह है कि अधिनियम की धारा 577 (ड) में वर्णित किसी अधिकारी के विषय में यदि यह नियत दिन के पूर्व स्थाई हो चुका हो तो औसत उपलब्धियों निकालने के नियत दिन से पहले तथा नियत दिन और उसके पश्चात नगर निगम के अन्तर्गत की गयी सारी सेवा के समय स्थाई नियुक्ति का समय तथा इस समय से मिला वेतन स्थाई वेतन माना जायेगा।
3- परिलब्धियों । (एमालूमेन्टस) से तात्पर्य-
(क) पेंशन एंव अन्य सेवानिवृत्तिक लाभों / डेथ ग्रेच्युटी को छोड़कर) की गणना हेतु परिलब्धिों से तात्पर्य उस वेतन से हैं जैसा कि वित्तीय हस्तपुस्तिका खण्ड-2 के भाग-2 से 4 के मूल नियम 9 (21) (1) में परिभाषित है। और जिसे कर्मचारी अपनी सेवानिवृत्ति की तिथि के ठीक पूर्व अथवा मृत्यु के तिथि को प्राप्त कर रहा था।
प्रतिबन्ध यह है कि यदि कोई अधिकारी के सेवानिवृत्ति अथवा मृत्यु जैसी भी दशा हो के समय छुटटी पर हो तो वह परिलब्धियों । (एमालूमेंन्टस) जो उसे प्राप्त होती हैं यदि वह उस समय अवकाश पर न होता परिलब्धियों समझी जायेगी।
(ख) मूल वेतन का आशय वेतन समिति उत्तराखण्ड 2008 के प्रथम प्रतिवेदन में की गयी संस्तुति के अनुक्रम में नगर निगम कर्मचारियों के दिनाक 01-01-2006 से पुनरीक्षित किये गये वेतनमान विषयक शासनादेश संख्या 1190/iv(1)/2009/01(72)/2008 दिनांक 16 अक्टूबर 2009 के अनुसार निर्धारित वेतन वैण्ड में अनुमन्य वेतन तथा लागू ग्रेड वेतन का योग होगा जिसमे विशेष वेतन वैयक्तिक वेतन एवं अनुमन्य अन्य प्रकार का वेतन सम्मिलित नहीं होगा।
(ग) वेतन वेतन का आशय अधिकारी / कर्मचारी द्वारा प्राप्त उस वेतन से है जो उन्हें सेवानिवृत्ति तिथि / मृत्यु तिथि से एकदम पूर्व मूल वेतन महगोंई भत्ता के योग के रुप में प्राप्त हा रहा था।
(4) परिवार में किसी अधिकारी कर्मचारी के नीचे लिखे सम्बन्धी सम्मिलित होगें-
(क) धर्म पत्नी पुरुष अधिकारी के संबंध में
(ख) पति स्त्री अधिकारी के संबंध में (इसमें सौतेले बच्चे और दत्तक पुत्री भी सम्मिलित होगें)।
(ग) पुत्र (इसमें सौतेले बच्चे और दत्तक पुत्री भी सम्मिलित होगें)।
(घ) पिता।
(ड.) माता।
(च) अविवाहित अथवा विधवा पुत्रियों। (इसमें सौतेले बच्चे और दत्तक पुत्री भी सम्मिलित होगें)।
(छ) भ्राता 18 वर्ष से कम आयु का तथा अविवाहित और विधवा बहिनें (जिनमें विभातृ भ्राता तथा विभातृ बहिनें सम्मिलित होंगी)
(ज) विवाहित पुत्रियाँ (जिसमें सौतेली पुत्री एवं दत्तक पुत्री भी सम्मिलित होगीं)।
(झ) पूर्व मृत पुत्र के बच्चे।
(5) अधिकारी एवं कर्मचारी से तात्पर्य है अल्मोड़ा नगर निगम में किसी ऐसे अधिकारी / कर्मचारी से है जो नगर निगम के अन्त्रगत किसी स्थाई सेवानिवृत्ति वेतनीय (पेंशनेबुल) पद पर नियुक्ति हो तथा यह पद उस श्रेणी में आता हो जिसको यह विनिमय लागू हो अथवा उसको ऐसे पद पर धारणाधिकार हो या उसके ऐसे पद पर नियुक्त रहने का धारणाधिकारी हो (यूड होल्ड लियन) यदि उसका वह अधिकारी निलम्बित ना कर दिया गया हो (हैड हिज/हर लियन नाट बिन सस्पेन्डेड)।
(6) निवृत्ति वेतनीय पद पेंशनेबुल पोस्ट से तात्पर्य ऐसे पदों से है। जिसके संबन्ध में निम्नलिखित तीन बातें पूरी होती है।
(1) पद नगर निगम सेवा नियमावली के अन्तर्गत नगर निगम अल्मोडा के किसी संन्द्रभ में हो।
(2) नियोजन मौलिक और स्थाई हो।
(3) सेवा कार्य के लिये भुगतान नगर निगम अल्मोड़ा से किया जाता रहा हो।
(7) अर्हकारी सेवा का तात्पर्य ऐसी सेवा से है कि जो सिविल सर्विस रेगूलेशन के अनुसार सेवानिवृत्त वेतन प्राप्त करने के योग्य बनाती हो।
(8) सेवानिवृत्ति से तात्पर्य है किसी अधिकारी / कर्मचारी का नगर निगम सेवा अवधि पूर्ण करने पर असमर्थ (इन वैलिड) होने पर बाध्य किये जाने पर 20 वर्ष की सेवा पूर्ण करने पर, अथवा सेवा संबधी किसी नियम के अनुसार स्वेच्छा से निवृत्ति ग्रहण करने अथवा स्थाई नियुक्ति वाले पद के टूटने पर उसकी नियुक्ति दूसरे स्थाई पद पर न हो सकने की दशा में सेवा निवृत्ति होने से प्रतिबन्ध यह है कि अधिकारी / कर्मचारी द्वारा 20 वर्ष की सेवा पूर्ण कर ली गयी हो।
3- अधिकारी / कर्मचारी जिन्हें प्रभावी है. यह विनिमय लागू हो :-
(1) उन सभी अधिकारियों / कर्मचारियों पर जिनकी नियुक्ति इन विनियमों के प्रभावी होने के बाद नगर निगम द्वारा अधिनियम की धारा 106 के अन्तर्गत स्थाई रुप से सृजित किये गये पदों पर स्थाई रुप से हो।
(2) (क) उन सभी कर्मचारियों/अधिकारियों पर लागू होगे जो नगर निगम बनने के दिनांक 30-08-2024 को अधिनियम की धारा 577 (ड) के अनुसार स्थाई रूप से नियोजित पद पर निगम के कर्मचारी अधिकारी हो गये। प्रतिबन्ध यह है कि म्युनिसिपल बोर्ड के अधीन की गयी सेवायें इस कार्य के लिये निगम के अन्तर्गत की गयी सेवायें समझी जायेंगी। यदि इन विनियमों को अंगीकार करने वाला कोई कर्मचारी / अधिकारी प्रोविडेन्ट फण्ड में किया गया धन वापस ले चुका हो तो उसे देय अंशदान नगर निगम द्वारा खोले गये निवृत्ति निधि में जमा करना होगा।
(ख) अकेन्द्रीयत सेवा के जो अधिकारी / कर्मचारी इन विनियमों के लागू होने के बाद केन्द्रीय सेवा में जाते हैं वह भी केन्द्रीयत सेवा में जाने के 90 दिन के अन्दर विकल्प द्वारा इन विनियमों को बनाये रख सकते हैं। किन्तु शर्त यह है कि यह विकल्प अन्तिम होगा और केन्द्रीयत सेवा में तैनाती की नगर पालिका परिषद/नगर निगम में उन्हें अपने मूल वेतन और समय - समय पर लागू महंगाई भत्ते पर 12 प्रतिशत की दर से या जो भी दर भविष्य में संशोधित हो की दर से पेंशन अंशदान प्रत्येक माह नगर निगम अल्मोडा को भेजना होगा।

प्रतिबन्ध है कि इस खण्ड के अन्तर्गत किये गये विकल्प (आप्सन) मान्य होंगे जो इन विनियमों के प्रभावी होने के दिनांक के बाद इस हेतु अन्तिम रुप से निर्धारित दिनांक तक चाहे सेवा में रहते हुए या सेवा से निवृत्त होने के बाद किये गये हो यदि कोई अधिकारी / कर्मचारी या उसका आश्रित इन विनियमों के प्रभावी होने में किसी विलम्ब होने के कारण विकल्प (आप्सन) करने के बाद अपना भविष्य निधि नगर निगम अंशदान सहित वापस ले चुका हो तो वह अधिकारी अथवा उसका आश्रित भी उन विनियमों के अन्तर्गत देय सुविधा प्राप्त कर सकेगा। यदि वह उठाये नगर निगम के अंशदान को प्राविडेन्ट फन्ड से वापस लेने के दिनांक से पुनः जमा करने के दिनांक तक डाकखाने में बचत खाते में समय समय पर निर्धारितं व्याज सहित एक बार में निर्धारित तिथि तक जमा कर दें, किन्तु किन्हीं परिस्थितियों में नगर निगम अंशदान का कोई भाग निर्धारित तिथि तक जमा करने से रह जाये, तो वह बाद में मुख्य नगर अधिकारी की स्वीकृति से जमा किया जा सकता है।

स्पष्टीकरण:-

(1) इन विनियमों को अंगीकार करने वाले अधिकारी के भविष्य निधि खाते में जमा धन उसके उपर बकाया अग्रिम तथा उसके बीमा की किश्तों में दिये गये रुपये तथा उस पर जोड़े गये ब्याज को मिलाकर होने वाले धनांक को एक तिहाई भाग नगर निगम / म्युनिसिपल बोर्ड तथा अन्य स्थानीय निकाय या सरकार केन्द्रीय अथवा राज्य सरकार का अनुदान समझा जायेगा यदि किसी अधिकारी / कर्मचारी को इस वितरण में कोई आपत्ति हो तो यह इन विनियमों को अंगीकार करने वाले प्रार्थना पत्र के साथ अपनी आपत्ति मुख्य नगर अधिकारी को भेजा जा सकता है। जो अन्तिम रुप से नगर निगम का अंशदान निश्चित और निर्धारित करेंगें।
(2) यदि किसी अधिकारी / कर्मचारी के न्यूतनम अंशदान (सब किप्सन) से अधिक अंशदान किसी भविष्य निधि में जमा किया हो तो इस प्रकार के अधिक अंशदान का धन उसके सामान्य भविष्य निधि में जमा किया जायेगा तथा शेष धनराशि का 1/3 भाग नगर निगम का अनुदान होगा।

भाग -1

(डैथ कम रिटायरमेन्ट ग्रेच्युटी)

(मृत्यु सम्मिलित सेवा निवृत्ति उपादान)

(1) जिन अधिकारियों / कर्मचारियों पर यह विनिमय लागू होगें, उनकी सेवानिवृत्ति पर उपादान ग्रेच्युटी दिया जायेगा जो उनकी परिलब्धियों के 16 1/2 गुने से अधिक न होकर वह धन होगा जो उनके द्वारा की गयी सेवा के प्रत्येक छमाही अवधि के अन्तिम आहरित उपलब्धियों के 1/4 के बराबर होगी।
2- यदि कोई अधिकारी / कर्मचारी सेवानिवृत्ति के बाद पेंशन केस निस्तारित होने के पूर्व मृत हो जाये जो उसे देय उपादान की धनराशि उनके द्वारा मनोनित किये हुए व्यक्तियों या व्यक्ति को किया जायेगा। यदि कोई व्यक्ति मनोनित न किया गया हो तो इसी विनिमय के उपविनिमय 2 में दी गयी परिभाषा के अनुसार परिवार के सभी सदस्यों को बराबर बराबर देय होगा।
(3) उप नियम (1) और (2) के अन्तर्गत मिलने वाला उपादान 25.00000/- (पच्चीस लाख मात्र) से अधिक नहीं होगा तथा शासन द्वारा राज्य कर्मचारियों के लिये समय समय पर निर्धारित सीमा तक ही उपादान देय होगा।

प्रतिबन्ध यह है कि-

4- सेवानिवृत्ति / डैथ कम ग्रेच्युटी को गणना हेतु सेवानिवृत्ति / मृत्यु की तिथि को अनुमन्य महंगाई भत्ते को सम्मिलित किया जायेगा।
(क) उप विनिमय (1) से (4) तक वर्णित निवृत्ति निवृत्ति उपादान केवल उन्हीं अधिकारियों / कर्मचारियों को अनुमन्य होगा जिन्होंने पाँच वर्ष की अर्हकारी सेवा पूरी कर ली हो उदाहरणार्थ यदि मूल नियम 9 (21) (1) वित्त हस्त पुस्तिका खण्ड द्वितीय भाग-2 से 4 में परिभाषित वेतन रुपया 16050 / और पेंशन अर्ह सेवा 30 वर्ष 6 माह है तो सेवानिवृत्ति उपादान (ग्रेच्युटी) 16050×61/4 = 244762/- रूपया होगी। दरें निम्न प्रकार है।
(ख) मृत्यु ग्रेच्युटी मृत्यु उपादान (ग्रेच्युटी) दरे निम्न प्रकार है।

सेवा अवधि के अनुसार-

1- एक वर्ष से कम परिलब्धियों का दो गुना।
2- एक वर्ष या उससे अधिक किन्तु 5 वर्ष से कम परिलब्धियो का छः गुना।
3- 5 वर्ष से अधिक किन्तु 20 वर्ष से कम परिलकियों का 12 गुना
4- 20 वर्ष या उससे अधिक अर्हकारी सेवा की प्रत्येक पूर्ण छमाही के लिए परिलब्धियों के 1/2 के बराबर होगी जिसकी अधिकतम सीमा अन्तिम आहरित अर्द्ध परिलब्धिों के 33 गुने के बराबर अथवा रुपये 25 लाख जो भी कम हो से अधिक नहीं होगी।

टिप्पणी यह दरें राज्य सरकार द्वारा समय समय पर राज्य कर्मचारियों के लिए संशाधित दरों पर परिवर्तनीय होगी।

नामाकंन (नोमिनेशन)

5- (1) प्रत्येक नगर निगम कर्मचारी जिसे यह विनिमय लागू हो ज्यों ही वह किसी स्थाई सेवानिवृत्ति वेतनीय पद पर धारणाधिकार (लियन) प्राप्त करे उसे एक अथवा अधिक व्यक्तियों को उपादान (ग्रेच्युटी) जिससे विनिमय 4 के उप विनियमों के अनुसार प्राप्त करने के लिए नामांकित करेंगा प्रतिबन्ध यह है कि नामांकन करते समय अधिकारी का परिवार हो तो नामांकन परिवार के किसी एक सदस्य अथवा अधिक सदस्यों का कर सकता है। लेकिन प्रतिबन्ध यह है कि परिवार के सदस्यों के होते हुए परिवार के अतिरिक्त किसी अन्य व्यक्ति को नहीं कर सकता है।
(2) यदि कोई अधिकारी / कर्मचारी को नामांकन में कोई परिर्वतन करना चाहता है तो वह परिर्वतन उस अधिकारी / कर्मचारी द्वारा अपने सेवा काल में ही किया जा सकता है। किन्तु यदि आवश्यक हो तो सेवानिवृत्ति के बाद भी मुख्य नगर अधिकारी की पूर्व स्वीकृति से उसे नामांकन पत्र में अपने पहले किये हुए नामांकन में परिवर्तन अथवा नया नामांकन प्रस्तुत किया जा सकता है।
(3) प्रत्येक अधिकारी कर्मचारी को नामांकन पत्र में निम्नाकित व्यवस्था करनी होगी-
(क) कि किसी निर्दिष्ट नामांकित व्यक्तियों का अधिकारी / कर्मचारी की मृत्यु से पूर्व मृत्यु हो जाने की दशा में उस नामांकित व्यक्ति का अधिकार नामांकन पत्र में दिये हुए किसी निर्दिष्ट व्यक्ति को ही की जावे किन्तु प्रतिबन्ध यह है कि यदि नामांकन करते समय अधिकारी के परिवार में एक से अधिक सदस्य हो तो इस प्रकार निर्दिष्ट किया हुआ व्यक्ति उसके परिवार के किसी सदस्य के अतिरिक्त न हो ।
(ख) कि ऊपर कही हुई परिस्थिति के उत्पन्न होने पर नामांकन निरर्थक हो जायेगा।
(4) किसी अधिकरी / कर्मचारी द्वारा उस समय का किया हुआ नामांकन जैसे परिवार नहीं था अथवा नामांकन में उप नियम (3) के खण्ड (क) के अन्तर्गत की हुयी व्यवस्था अब उसके परिवार में केवल एक ही व्यक्ति था, जैसी भी दशा हो, उस समय निरर्थक हो जायेगी जब उसका परिवार हो जाये अथवा परिवार में कोई अतिरिक्त सदस्य हो जाये।
5(क)प्रत्येक नामांकन (क) से (घ) तक के किसी प्रपत्र में जो भी व्यक्ति विशेष की स्थिति में उचित हो किया जायेगा।
(ख) कोई अधिकारी / कर्मचारी किसी समय अपने नामांकन को मुख्य नगर अधिकारी अथवा उसके द्वारा मनोनित किये गये अधिकारी को लिखित नोटिस भेजकर रदद कर सकता है किन्तु प्रतिबन्ध यह है कि वह अधिकारी कर्मचारी उस नोटिस के बाद एक नया नामांकन पत्र इन विनियमों के अनुसार नोटिस दिये जाने की तिथि से 15 दिन के अन्दर मुख्य नगर अधिकारी को प्रेषित कर दे।
(6) किसी नामांकित व्यक्ति जिसके अधिकार को उसकी मृत्यु के पश्चात दूसरे नामांकित व्यक्ति को पाने की व्यवस्था नामांकन पत्र में उपनियम (3) के खण्ड (क) के अन्तर्गत न की गयी हो तो अथवा किसी ऐसी घटना हो जाने पर जिसके कारण उसका नामांकित उपनियम (3) खण्ड (ख) अथवा उपनियम (4) के अन्तर्गत निरर्थक हो जाता है तो संबंधित अधिकारी / कर्मचारी मुख्य नगर अधिकारी को पूर्व नामांकन को रदद करते हुए इन विनियमों के अनुसार नये नामांकन पत्र के साथ लिखित नोटिस भेजेंगे।
(7) प्रत्येक अधिकारी / कर्मचारी द्वारा इन विनियमों के अन्तर्गत भरे गये अपने नामांकन पत्र अथवा उसको रद्द करने का नोटिस संबंधित अधिकारी द्वारा मुख्य नगर अधिकारी अथवा उनके द्वारा मनोनित किये गये अधिकारी को भेजा जाना चाहिए मुख्य नगर अधिकारी अथवा उसके द्वारा मनोनित अधिकारी नामांकन पत्र प्राप्त करने पर तुरन्त प्राप्ति का दिनांक लिखकर प्रति हस्ताक्षरित करेंगें। तथा अपनी अभिरक्षा में रखेंगे।
(8) किसी अधिकारी / कर्मचारी द्वारा किया गया पूर्व नामांकन अथवा उसको रदद किये जाने का नोटिस जहाँ तक वह अखंडनीय वैलिड हो मुख्य नगर अधिकारी अथवा उसके द्वारा मनोनित अधिकारी द्वारा प्राप्त किये गये दिनांक से प्रभावी होगा।
(9) यदि कोई अधिकारी / कर्मचारी जिसका परिवार हो अपने परिवार के एक अथवा अधिक सदस्यों का मृत्यु सम्मिलित सेवानिवृत्ति उपादान (डैथ कम रिटायरमेन्ट कम ग्रेच्युटी) पाने का नामांकन पत्र द्वारा अधिकार दिये बिना मृत हो जाये तो उपादान ग्रेच्युटी विनिमय (2) के उपनियम (4) में दी हुयी श्रेणी क्रम (क) से (घ) तक में दिये सभी लिखित सदस्यों को (विधवा पुत्रियों को छोड़) समान भाग में वितरित कर दिया जायेगा, यदि इस प्रकार के जीवित सदस्य न हो और एक अथवा अधिक विधवा पुत्रियों हों अथवा अधिकारी / कर्मचारी के परिवार के उपरोक्त उपनियम 2 (4) श्रेणी के कम में (ड) से (झ) तक वर्णित का एक या उससे अधिक सदस्य हो तो उपादान (ग्रेच्युटी) का धन उन सभी व्यक्तियों में बराबर भागों में बाट दिया जायेगा

भाग -2

पारिवारिक पेंशन

6-(क)पारिवारिक पेंशन (1) पारिवारिक पेंशन की दरें निम्न प्रकार होगी-

मूल वेतन का 30 प्रतिशत किन्तु न्यूनतम रुपया 9000 प्रतिमाह। यह दरें राज्य सरकार द्वारा समय-समय पर संशोधित दरों के अनुरुप परिवर्तनीय होगी।

2(क)पारिवारिक पेंशन के लिए परिवार की परिभाषा:-

1- पत्नी / पति
2- मृत्यु के दिन को 25 वर्ष की आयु से कम के पुत्र (सौतेले अथवा सेवानिवृत्ति से पूर्व विधिवत गोद ली गयी सन्तान भी सम्मिलित हैं.) को इस प्रतिबन्ध के साथ यदि वह जीविकोपार्जन करने लगे तो जीविकोपार्जन की तिथि अथवा 25 वर्ष की आयु तक जो भी पहले हो
3- मृत्यु के दिन 25 वर्ष से कम आयु की अविवाहित पुत्रियों को इस प्रतिबन्ध के साथ कि यदि वह जीविकोपार्जन करने लगे या उसका विवाह हो जाये अथवा 25 वर्ष की आयु तक जो भी पहले हो इसमें सौतेली अथवा सेवानिवृत्ति पूर्व विधिवत गोद ली गयी सन्तानें भी सम्मिलित होंगी।

(ख) पारिवारिक पेंशन निम्नलिखित दशाओं में अनुमन्य होगी।-

क- सर्वप्रथम विधवा / विधुर को आजीवन या पुर्नविवाह जो भी पहले हो तक मिलेगा।
ख- विधवा / विधुर की मृत्यु पुर्नविवाह की दशा में ज्येष्ठतम नाबालिग पुत्र को 25 वर्ष की आयु तक मिलेगा।

टिप्पणी जहाँ दो या दो से अधिक विधवाये तो पेंशन ज्येष्ठतम उत्तरजीवी विधवा को देय होगीं। शब्द ज्येष्ठतम का तात्पर्य विवाह के दिनांक के वरिष्ठता से हैं।

ग- इस विनिमय के अधीन दी गयी पेंशन एक ही समय में अधिकारी कर्मचारी के परिवार के एक से अधिक सदस्यों को देय नहीं होगी।
घ- विधवा / विधुर का पुर्नविवाह / मृत्यु हो जाने पर पेंशन उनके अवयस्क संतानों को उनके प्राकृतिक अभिभावक (नैचुरल गार्जियन) के माध्यम से दिया जायेगा किन्तु विवादस्पद मामलों में भुगतान विधिक अभिभावक (लीगल गार्जियन) के माध्यम से दिया जायेगा।
ड- इस संबन्ध में राज्य सरकार द्वारा समय समय पर पेंशन नियमों में संसोधन करने पर संबंधित नियम नगर निगम अल्मोडा कर्मचारी सेवानिवृत्ति सुविधा तथा भविष्य निधि विनिमय 2014 पर भी स्वतः लागू होगें।

भाग -3

सेवा-निवृत्ति पेंशन

(1) अधिवर्षता / सेवानिवृत्ति अशक्त अथवा अन्य प्रकार से निवृत्त वेतन या उपादान से धनराशि उत्तराखण्ड के राज्य कर्मचारियों पर लागू प्रकिया और सूत्र के अनुसार संगणित समुचित धनराशि होगी और वह धनराशि पूरे रूपये में अभिव्यक्त की जायेगी, तथा जहाँ भी नियमानुसार गणना करने पर जारी निवृत्ति वेतन में रूपये से कम कोई धन हो तो वह अगले पूर्ण रूपये में बदल दी जायेगी।
(2) उत्तराखण्ड सरकार के सेवानिवृत्ति राज्य कर्मचारियों अर्थात पेंशनरों को महंगाई या अन्य प्रकार की स्वीकृति की धनराशि के अनुसार नगर निगम अल्मोड़ा में पेंशनरों को देय होगी।
(3) कोई विशिष्ट अतिरिक्त पेंशन स्वीकृत नहीं की जायेगी।
(4) पद अक्षम और प्रतिकर पेशन का वही अर्थ होगा जो सिविल सर्विस रेगुलेशन में उसके लिये दिया गया हों।

रिटायरमेन्ट बेनीफिट रूल्स तथा सिविल सर्विस रेगुलेशन का प्रयोग

8- (1) इन विनियमों में दी गयी स्पष्ट व्यवस्था को छोडकर इन विनियमों के अन्त्रगत देय उपादान निवृत्ति वेतन, जिसमें पारिवारिक सेवानिवृत्ति वेतन भी सम्मिलित है तथा सामान्य भविष्य निधि के सम्बन्ध में उत्तर प्रदेश रिटायरमेंन्टस वेनीफिट रूल्स 1961 तथो समय-समय पर उनके किये गये परिर्वतन तथा इस संबन्ध में जारी किये गये सरकारी आदेश जारी होंगे। यदि किसी विषय में इन विनियमों में स्पष्ट व्यवस्था न हो तो उस संबन्ध में सिविल सर्विस रेगूलेशन के आधार पर मुख्य नगर अधिकारी का निर्णय अन्तिम होगा।
(2) इन विनियमों के अन्तर्गत देय निवृत्ति वेतन (पेंशन) संबन्धित अधिकारी को उनकी मृत्यु के दिन तक दी जायेगी। यदि अधिकारी / कर्मचारी सेवा निवृत्ति होने से पूर्व ही मृत हो जाये तो कोई निवृत्ति वेतन (पेंशन) देय नहीं होगी।

पेंशन आगणन -

(क) पेंशन की धनराशि मूल नियम 9 (21) (1) में परिभाषित सेवा निवृत्ति के अन्तर्गत उस मास के वेतन का 50 प्रतिशत होगी, बशर्ते निगम के अधिकारी कर्मचारी ने 20 वर्ष की अहंकारी सेवा पूर्ण कर ली हो यदि पेंशन अहकारी सेवा की अवधि कम हो तो पेंशन की धनराशि उसी अनुपात में कम हो जायेगी।
(ख) 10 वर्ष से कम अहकारी सेवा होने पर पेंशन अनुमन्य नहीं होगी। तथा ऐसी स्थिति में पूर्व की भाँति केवल सर्विस ग्रेच्युटी अनुमन्य होगी।

उदाहरण यदि कोई अधिकारी कर्मचारी दिनांक 28-02-2013 को 20 वर्ष की सेवा पूर्ण करने पर सेवा निवृत्ति होता है और उसका वेतन उस तिथि में रूपया 10.000 था तो उसकी औसत परिलब्धि निम्न प्रकार होगी।

मूल वेतन 10,000x10 100000-00

औसत वेतन-100000/10=10,000-00

10,000×20/40=5000-00 या अन्तिम आहरित वेतन का 50 फीसदी

यदि उक्त तिथि को उसे 15 वर्ष पूर्ण कर लिये हों तो पेंशन निम्नवत होगी। 10,000×15/40=3750

80 वर्ष या उससे अधिक आयु के पेंशनर्स / पारिवारिक पेंशनर्स को निम्नानुसार अतिरिक्त पेंशन देय होगी।

पेशन / पारिवारिक पेंशनररों की आयु	पेंशन में वृद्धि
80 वर्ष से 85 वर्ष से कम तक	मूल पेंशन एंव पारिवारिक पेंशन का 20 प्रतिशत
85 वर्ष से 90 वर्ष से कम तक	30 प्रतिशत
90 वर्ष से 95 वर्ष से कम तक	40 प्रतिशत
95 वर्ष से 100 वर्ष से कम तक	50 प्रतिशत
100 वर्ष या उससे अधिक	मूल पेंशन एवं पारिवारिक पेंशन का 100 प्रतिशत

(ग) परन्तु न्यूनतम पेंशन की धनराशि रूपया 9000 प्रतिमाह तथा अधिकतम धनराशि राज्य सरकार द्वारा घोषित अधिकतम वेतनमान (01-01-2016) से रूपया 80000/-) के 50 प्रतिशत से अधिक नहीं होगी। यदि कोई सेवक एक से अधिक पेंशन प्राप्त कर रहा है तो समस्त पेंशन की धनराशि को जोड़कर न्यूनतम 9000 / निर्धारित की जायेगी।
(घ) 20 वर्ष या उससे अधिक की सेवा पर अन्तिम माह मे आहरित वेतन या 10 माह का औसत परिलब्धियाँ जो भी कर्मचारी को लाभकारी हो के 50 प्रतिशत के बराबर पेंशन अनुमन्य होगी ।
(ड) 80 वर्ष या उससे अधिक आयु के पेंशनर्स से / पारिवारिक पेंशनर्स के 01-01-2016 से अनुमन्य पेंशन पर नियमानुसार अतिरिक्त पेंशन अनुमन्य करायी जायेगी। यह दरें राज्य सरकार द्वारा समय-समय पर राज्य कर्मचारियों के लिए संसोधित दरों के अनुसार परविर्तनीय होगी।

भाग -4

सरांशिकरण (कम्प्यूटेशन)

प्रत्येक अधिकारी / कर्मचारी जिसे इन विनियमों के विनिमय 7 के अन्तर्गत निवृत्ति वेतन मिलता है, उसे अपने सेवानिवृत्ति वेतन (पेंशन) के धनांक के 40 प्रतिशत भाग तक किसी भाग के सारांशिकरण 'कम्प्यूटेशनर' कराने का अधिकार होगा, तथा इस सम्बन्ध में उत्तर प्रदेश सिविल पेंशन कम्प्यूटेशन रूल्स इस प्रतिबन्ध के साथ लागू होगें, कि उक्त कम्प्यूटेशन रूल्स के नियम 18 के तात्पर्य के लिये मुख्य नगर अधिकारी जिले के मुख्य चिकित्साधिकारी के पास परिक्षण हेतु भेजेगें तथा इस हेतु शासन / मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा निर्धारित शुल्क प्रार्थी द्वारा उनके कार्यालय में जमा किया जायेगा। पेंशन राशिकरण हेतु शासन द्वारा एक तालिका जारी की गयी है, जिसमें दो स्तम्भ (कालम) है। पेंशन पेंशनर की आयु दर्शाता है और दूसरे में राशिकरण की वह दर अंकित है, जो प्रति एक रूपये प्रतिवर्ष की समर्पित पेंशन के लिये देय होती है। राशिकरण के आगरण हेतु किसी पेंशनर से आवेदन पत्र प्राप्त होने पर उसके आगामी जन्म दिवस पर आयु के वर्ष आगणित किये जाते है। आगणित किये जाते हैं। तदोपरान्त उक्त तालिका में इस आयु के सम्मुख अंकित दर को 12 से गुणा किया जाता है एवं इस प्रकार प्राप्त होने वाले गुणनफल को पुनः पेंशनर द्वारा समर्पित पेशन की धनराशि से गुणा किया जाता है। इस प्रकार प्राप्त होने वाले गुणनफल के समतुल्य धनराशि ही पेंशनर को राशिकरण के रूप में देय होती है. यह धनराशि पूर्ण रूपयो में पूर्णांकित की जाती है।

उत्तराखण्ड शासन द्वारा वित वि० आ० - सा नि० अनुभाग 7 संख्या 419 / xxvii (7) 2008 देहरादून दिनांक 27 अक्टूबर 2008 में संलग्न राशिकरण तालिका-

Agr next birthday	Communation value expressed as number of years purchase	Agr next birthday	Commutation value number oyear purchse	Agr next birthday	Communation value expressed as number of years purchase
20	9.188	41	9.075	62	8.093
21	9.187	42	9.059	63	7.982
22	9.186	43	9.040	64	7.862
23	9.185	44	9.019	65	7.731
24	9.184	45	9.996	66	7.691
25	9.183	46	8.971	67	7.431
26	9.182	47	8.943	68	7.262
27	9.180	48	8.913	69	7.083
28	9.178	49	8.881	70	6.897
29	9.176	50	8.846	71	6.703
30	9.173	51	8.808	72	6.502
31	9.169	52	8.768	73	6.296
32	9.164	53	8.724	74	6.085
33	9.159	54	8.678	75	5.872
34	9.152	55	8.627	76	5.657
35	9.145	56	8.575	77	5.443
36	9.136	57	8.512	78	5.229
37	9.126	58	8.446	79	5.018
38	9.116	59	8.371	80	4.812
39	9.103	60	8.287	81	4.611
40	9.090	61	8.194		

सेवानिवृत्ति अथवा पी पी औ की तिथी से एक वर्ष के भीतर राशिकरण आवेदन पत्र प्रस्तुत करने के 40 प्रतिशत भाग के राशिकरण के प्रयोजन हेतु स्वास्थ्य परीक्षा से छूट अनुमन्य होती है। पेंशन के राशिकरण भाग को सेवानिवृत्ति की तिथि से 15 वर्ष अथवा राशिकरण के फलस्वरूप पेंशन की राशि से जब से कमी की गयी हो उसके 15 वर्ष बाद पुर्नस्थापित कर दी जायेगी।

संराशिकरण की गणना: उदाहरण-

अधिकारी कर्मचारी की पेंशन 5000/- रू० निर्धारित होती है अतः राशिकरण की राशि 2000 ×8.194×12=1,96,656.00

राशिकरण स्वीकृति हेतु प्रार्थना पत्र पेंशन स्वीकृति के उपरान्त ही दिया जा सकता है।

2- राशिकरण स्वीकृति उनकी धनराशि कम करने उसे बिना कारण बताये अस्वीकृत करने तथा उस संदर्भ में सूचना मागने का अधिकार मुख्य नगर अधिकारी को है।

(सि० पै० कम्प्यूटेशन नियम संख्या 3 (बी०)

(3) विनिमय संख्या 7 के अनुसार स्वीकृत पेंशन की धनराशि के एक तिहाई भाग तक संराशित कम्प्यूट कराया जा सकता है।
(4)- संराशिकरण की स्वीकृति निम्नांकित प्रयोजन हेतु दी जा सकती है।
क-निवास भवन के निर्माण या क्रय
ख- लिये गये ऋण की अदायगी
ग- बच्चों या आश्रितों की शिक्षा
ध-विवाह व्यय हेतु
ड-व्यापार प्रारम्भ

(सि० पै० कम्प्यूटेशन नियम संख्या 4 बी०)

(5) कोई भी संराशिकरण तब तक स्वीकृत नहीं किया जा सकता जब तक प्रार्थी के स्वास्थ्य तथा संभवित जीवन के संबंध में स्वीकृत करने वाले प्राधिकारी को पूर्ण संतोष न हो जाय कि प्रार्थी द्वारा दिये गये सभी विवरण पूर्णतः सत्य है एवं बची हुयी पेशन प्राथर्थी व उसके परिवार के भरण पोषण के लिए पर्याप्त है। यदि किसी समय स्वीकृत करने वाले प्राधिकारी को यह विश्वास हो जाये कि कोई सूचना प्रार्थी द्वारा असत्त्य दी गयी है या कोई तथ्य छिपाया गया है तो भुगतान से पूर्व भी संराशिकरण की स्वीकृति रदद की जा सकती है।

(सि० पै० कम्प्यूटेशन नियम संख्या 7)

(6) संराशिकरण की धनराशि समय समय सरकारी कर्मचारियों के लिये इस हेतु निर्धारित आधार पर निकाली जायेगी तथा चिकित्सा प्राधिकारी द्वारा निर्धारित आयु जो किसी भी दशा में पंजीकृत आयु से कम न होगी सरकारी कर्मचारियो के लिए निर्धारित आधार पर तालिका इससे पूर्व में दी गयी है।

(सि० पै० कम्प्यूटेशन नियम संख्या 8 बी०)

(7) संराशिकरण हेतु प्रार्थना पत्र विभागीय अधिकारी / दिभागाध्यक्ष जिसके अधीन पेंशनर सेवा निवृत्ति से पूर्व कार्यरत था. के माध्यम से स्वीकृति प्राधिकारी को भेजा जाना चाहिए।

(सि० पै० कम्प्यूटेशन नियम संख्या 14 के आधार पर)

(8) विभागीय अधिकारी / विभागाध्यक्ष को प्रार्थना पत्र में दिये विवरणों की तथा विशेष रूप से यह जाँच करनी कि संराशिकरण प्रार्थी के स्पष्ट और स्थाई हित में है। यदि यह स्थिति से संतुष्ट हो तो उसे प्रार्थी से चिकित्सा प्रमाण पत्र प्राप्त कराकर अपनी स्पष्ट अनुशंसा के साथ-साथ प्रार्थना पत्र तथा चिकित्सा प्रमाण पत्र लेखा अधिकारी को भेजना चाहिए
(9) चिकित्सा प्रमााण पत्र देने के लिए निर्धारित प्राधिकारी जिले के मुख्य चिकित्सा अधिकारी को किया गया है। प्रार्थी शासन द्वारा निर्धारित शुल्क चिकित्सा अधिकारी के कार्यकाल में जमा करके आगे दिये गये पत्र पर चिकित्सा प्रमाण पत्र प्राप्त कर सकेगा। प्रत्येक संराशिकरण के प्रार्थना पत्र के लिए अलग-अलग चिकित्सा प्रमाण प्रत्र आवश्यक होगा। यदि प्रार्थी शुल्क जमा करने के बाद चिकित्सा परीक्षा न कराये तो मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा शुल्क लौटाने की स्वीकृति देने पर शुल्क लौटाया जा सकेगा।

(सिं० पें० कम्प्यूटेंशन रूल्स संख्या 22 के आधार पर)

(10) लेखा अधिकारी आवश्यक जाँच के बाद संराशिकरण की धनराशि तथा संराशिकरण के बाद देय पेंशन की धनराशि निर्धारित करके मुख्य नगर लेखा परीक्षक को आवश्यक जॉच हेतु भेजेंगे, और उनके प्रमाण पत्र के आधार पर संराशिकरण के प्रभावी होने का दिनांक भरकर लेखाधिकारी त्त्वीकृति प्राधिकारी की स्वीकृति प्राप्त करंगे तथा आवश्यक भुगतान तथा निवृत्ति वेतन भुगतान आदेश पत्रिका में तदनुसार उत्ते प्राप्त कर समय से भुगतान कर सके ।
(11) संराशिकरण स्वीकृति आदेश के दिये गये दिनांक से ही प्रभावी होगा। यह दिनांक स्वीकृति आदेश के पारित होने के प्रायः 15 दिन बाद देना उचित है। तथा सारी गणना इसी आधार पर होनी चाहिए। और संराशिकरण का धनांक यथासम्भव उत्सी दिन भुगतान किया जाना चाहिए।

(सिं० पें० कम्प्यूटेंशन रूल्स संख्या 10 व 11 के आधार पर)

(12) प्रार्थी स्वीकृति से पूर्व तक प्रार्थना पत्र वापस ले सकता है। संराशिकरण स्वीकृति हो जाने के बाद संवाशिकरण का धन प्राप्त न करने तथा उसे लौटाने तथा पूरी पेंशन प्राप्त करने का अधिकार प्रार्थी को नहीं होगा और न वह स्वीकृत किया जा सकता है।
(13) यदि संराशिकरण की कार्यवाही पूर्ण हो जाने के दिनांक या उससे बाद बिना संराशिकरण का धन प्राप्त किये पेंशनर मृत हो जाये तो सारा धन उसके उत्तराधिकारियों को भुगतान किया जायेगा।

(सिं० पें० कम्प्यूटेशन रूल्स संख्या -13)

(14) 1-यदि चिकित्सा परीक्षक की राय में किसी ऐसे विशेष परीक्षक की आवश्यकता हो जिसे वह नहीं कर सकता है तो वह परीक्षा प्रार्थी के व्यय पर कारायी जायेगी। संराशिकरण स्वीकृत न होने पर इस प्रकार के व्यय की पूर्ति नगर निगम द्वारा नहीं की जायेगी।

2- किसी पेंशनर के निम्नलिखित के किसी भी रोग से प्रभावित होने पर पेंशन के किसी भाग का संराशिकरण नहीं किया जा सकता है।

रोगों के नाम

1- एन्यूरिजम
2- ट्यूबरक्लोसिस आहफ लंग्स
3- डायोबिटीज
4- हाई ब्लड प्रेशर 200 सिस्टामिक से उपर
5- हाई ब्लड प्रेशर 160 सिस्टामिक से उपर
6- अनकम्पनसटेड कार्डिक डीजीज
7- परनिशस एनिमिया कीयिवा
8- ल्यूकोरिया
9- एनाजिला पेवटाषिस
10- एपोलेक्सी
11- एसीटीज
12- वैरीबेरी
13- कैंसर के ऑपरेशन के बाद
14- मिटल एटोनोसिस
15- इनसैनिटी

(सिं० पें० कम्प्यूटेशन रूल्स संख्या -18)

(15) चिकित्सा प्राधिकारी को निर्धारित प्रपत्र के प्रथम भाग को पेंशनर से अपने सामने भराना चाहिये तथा उसके बाद उसकी पूरी चिकित्सा परीक्षा करके अपनी सम्मति. यह स्पष्ट करते हूए कि प्रार्थी ने कहा तक सही सूचना दी है, देनी चाहिये। चिकित्सा प्राधिकरण को प्रपत्र का भाग प्रार्थी के सामने भर के उसके हस्ताक्षर तथा उसके बाये हाथ का अंगूठा व उंगुलियों के निशान करा लेने चाहिये। प्रार्थी की आवश्यकता के कारणों पर विचार करके अपनी सहमति देनी चाहिए।

(सिं० पें० कम्प्यूटेशन रूल्स संख्या-19)

(16) सि० पे० कम्प्यूटेशन रूल्स के नियम 24 के अनुसार यदि कोई पेंशनर चिकित्सा प्राधिकारी द्वारा निर्धारित अधिक आयु को स्वीकार न करें अथवा जिसे चिकित्सा परीक्षा में संराशिकरण के योग न पाया जाय तो उसे अपने व्यय से चिकित्सा प्राधिकारी के सम्मुख दोबारा उपस्थित होने की अनुमति निम्नांकित शर्तों पर दी जा सकती है।

1- पहली तथा दूसरी चिकित्सा परीक्षा में समय का अन्तर एक वर्ष से अधिक हो।
2- दूसरी चिकित्सा परीक्षा चिकित्सा परिषद द्वारा हो।
3- चिकित्सा प्राधिकारी को पिछली चिकित्सा परीक्षा से एक दर्ष से अधिक लिखित प्रमाण के अतिरिक्त पिछली चिकित्सा परीक्षा की रिपोर्ट की प्रतिलिपि भी भेजी जानी चाहिए।

भाग - 5

विविध

नगर निगम पावतों की वसूल-

10 (1) मुख्य नगर अधिकारी की स्वीकृति से उपादान अथवा स्वीकृति पारिवारिक पेंशन के धनांक से सम्बन्धित अधिकारी / कर्मचारियो द्वारा नगर निगम को देय कोई धन काटा जा सकता है।

बर्खास्तगी का प्रभाव-

(2) यदि कोई अधिकारी / कर्मचारी किसी कारण बर्खास्त कर दिया गया हो अथवा निकाल दिया गया हो साधारणतया उसे अथवा उसके परिवार को कोई उपादान अथवा पेंशन देय ना होगी, किन्तु यदि कार्य कारिणी समिति ऐसा निश्चत करें तो विनिमय 4 के अन्तर्गत प्राप्त हो सकने वाले उपादान के धनांक का आधा दया के आधर पर स्वीकृत कर सकती है।

नियुक्ति वेतन निधि तथा अशंदान

11- इन विनियमों के अन्तर्गत जिन पर यह विनिमय लागू हो, उनके वेतन तथा महंगाई भत्ते के 12 प्रतिशत की दर से अथवा समय समय पर शासन द्वारा संशोधित दरों पर पेंशन अशंदान प्रत्येक मास उत्स तिथि से जिससे उनका वेतन देव हो, निकाल कर सेवानिवृत्त वेतन निधि जमा करेंगे। यह निधि किसी राष्ट्रीयकृत बैंक में जमा की जायेगी। यदि, किसी समय उपरोक्त खाते में सेवानिवृत्त वेतन अथवा उपादान के भुगतान के लिये आवश्यक्तानुसार धन न हो तो मुख्य नगर अधिकारी निगम निधि राज्य वित्त आयोग / अन्द राजकीय अनुदानों से मिलने वाली धनराशि से व्यवस्था कर जमा करेंगे।

निवृत्ति वेतन और उपादान की स्वीकृति विधि12-1 (क) प्रत्येक अधिकारी के सेवा निवृत्ति होने के बाद और प्रत्येक दशा में उसके एक महिने के भीतर उसके विभागीय प्रविष्टियों को सेवा पुस्तिका या सेवा रोल में अधिकृत अधिकारी द्वारा उल्लिखित की जायेगी।

(ख-1) विभागीय अधिकारी द्वारा सारी जाँच आवेषण के प्रकार तथा परिणाम अभिलिखित कर दिये जाने चाहिए।
(ख-2) सेवा की अवच्छिन्नता समानान्तर प्रमाण पर निर्धारित की जानी चाहिए। जहाँ तक सम्भव हो प्रथम वर्ष और अन्तिम तीन वर्षों की सेवा निश्चित रूप से प्रमाणित की जानी चाहिए। प्रथम वर्ष सेवा, यदि वे मिल सके तो सेवा पुस्तिका, स्केल, रजिस्टर एकवेंन्टेस रोल अथवा असली वेतन बिल से की जानी चाहिए। यदि इस प्रकार के लेखा रिकार्ड उपलब्ध न हो, तो प्रथम वर्ष की सेवा के लिए उस अधिकारी जिस पर पेंशन सम्बन्धित पत्रावली तैयार करने का दायित्व हो, का अभिलेख स्वीकार किया जायेगा। विभागीय अधिकारी को प्रथम वर्ष की सेवा के प्रमाणीकरण उपरोक्त आधार पर ही करना चाहिए। यदि पेंशन का आधार समकालीन सहवर्ती प्रमाण पत्र पर आधारित हो, तो उसे स्वीकार कर लेना चाहिए। अन्तिम तीन वर्ष की सेवा का प्रमाणीकरण उपरोक्त आधार पर वास्तविक अभिलेखों द्वारा किया जाना चाहिये इससे पूर्व की सेवाकाल को भी जो सहवर्ती प्रमाण उपलब्ध हो उसके आधार पर स्वीकार कर लेना चाहिये।
(ख-3) यदि किसी सेवाकाल को ख-2 के अन्तर्गत स्वीकार किया जाता हो और उस काल में उपयोग किये गये सवैतनिक अथवा अवैतनिक अवकाशों के प्रमाणित अभिलेख उपलब्ध हो तो उस समय के लिये स्वीकृति सेवा काल निम्न प्रकार निकाला जाये।
(1) उपार्जित अवकाश के लिये यह माना जाना चाहिये कि अधिकारी ने पूरा अवकाश उपयोग किया है। अन्य देय अवकाश के सम्बन्ध में अब तक अन्यथा प्रमाण न हो, तो यह माना जाना चाहिये कि उनका उपयोग किया गया है। यदि अधिकारी ने अदैनिक अवकाश प्रायः लिया हो और उसका पूर्ण विवरण उपलब्ध न हो या शंकाजनक हो तो किसी एक वर्ष में ऐसे अवकाश का अधिकतम काल ही उतना इस प्रकार अवकाश विवरण उपलब्ध न होने वाले या शंकाजनक सेवाकाल के पूरे वर्षों में प्रत्येक वर्ष माना जायेगा।

(2) यदि किसी अधिकारी की सेवापुस्तिका या सेवा रोल अथवा लेखों में उसके बिना वेतन अनुपस्थिति के प्रमाण पाये जाते है और इस प्रकार की अनुपस्थिति के बाद भी अन्य प्रयोजनो के लिये उसकी सेवा लगातार मानी गयी हो तो किसी एक वर्ष में ऐसी अनुपस्थिति का जो अधिकतम काल हो उतनी अनुपस्थिति उसके सेवाकाल से प्रत्येक वर्ष में मानी जायेगी जिसका पूरा विवरण सेवा पुस्तिका या रोल के अभिलिखित नहीं है।

(ख-4) यदि सेवा पुस्तिका या सेवा रोल उपलब्ध है और उसकी प्रविष्टियों की पुष्टि या प्रमाणीकरण न हुआ हो, तो उसमें दिये गये सेवाकाल को व्यक्तिगत पत्रावलियों आदि उपलब्ध अभिलेखों के आधार पर प्रमाणित किया जाना चाहिए। जहां इस प्रकार के अभिलेख उपलब्ध न हो, तो उस काल के लिए अधिकारी सादे कागज पर दो सहवर्ती अधिकारियों द्वारा प्रमाणित अभिलेख प्राप्त करके रखना चाहिये यदि इस प्रकार का प्रमाण स्वीकार करने में कोई कठिनाई प्रतीत हो तो विभागीय अधिकारी द्वारा अपना अभिगत उल्लिखित कर देना चाहिये तथा उसी के अनुसार सेवाकाल स्वीकार किया जाना चाहिये।

(ख-5) पेंशन सम्बन्धी विवरण का आडिट निम्नांकित विधि से किया जायेगा, जब तक कोई विशेष आशंका न हो साधारणतया सारी सेवा के सम्बन्ध की प्रविष्टियों की पुष्टि के लिए निम्नलिखित की विशष जाँच की जानी चाहिए।

(क) स्थायी नियुक्ति की प्रथम वर्ष की सेवा तथा पूर्व की अर्हकारी सेवा।

(ख) अन्तिम तीन वर्षों की अर्हकारी सेवा।

(ग) अकस्मात चुने गये किसी दो या तीन वर्षों की सेवा।

(घ) यदि सेवा पुस्तिका में जन्म तिथि परिवर्तन बर्खास्तगी आदि की प्रविष्टयों हों तो उनकी विशेष जॉच की जानी चाहिये।

(ड) यदि किसी अधिकारी का सेवाकाल 33 वर्ष से अधिक का हो, तो उसकी स्थायी नियुक्ति के प्रथम वर्ष के पूर्व की प्रविष्टियों की जांच आवश्यक नहीं उनकी सेवापुस्तिका तथा सम्बन्धित अन्य विवरणों को प्रपत्र (च) के साथ पूरा करके लेखाधिकारी को भेजेंगे। लेखाधिकारी सेवा निवृत्ति वेतन के धनांक तथा अन्य विवरणों की जाँच करके मुख्य नगर अधिकारी अथवा उनके द्वारा नामित अधिकारी जांच के बाद उपादान या सेवानिवृत्ति वेतन तथा उपादान का धनांक मुख्य नगर अधिकारी अथवा उनके द्वारा नामित अधिकारी द्वारा उनके अधीनस्थ अधिकारियों के विषय में स्वीकृत किया जायेगा तथा लेखाधिकारी द्वारा सेवा निवृत्ति वेतन भुगतान आदेश पत्रिका प्रपत्र छः अधिकारी को भेजी जायेगी।

प्रतिबन्ध यह है कि मुख्य नगर अधिकारी अथवा मुख्य नगर लेखा परीक्षक (अपने अधीनस्थ कर्मचारी के सम्बन्ध में) का यह सन्तोष हो जाय कि किसी अधिकारी के उपादान तथा सेवा निवृत्ति वेतन पेंशन की स्वीकृति में अत्यधिक विलम्ब होगा तो यह सम्बन्धित अधिकारी द्वारा प्रपत्र झ में घोषणा पत्र देने पर अप्रत्याशित मृत्यु सम्मिलित सेवा निवृत्ति उपादान और सेवा निवृत्ति वेतन (पेंशन) का भुगतान स्वीकृत कर सकते हैं। इस प्रकार के भुगतान का धन लेखा अधिकारी द्वारा अत्यधिक सावधानी पूर्वक ऐसे संक्षिप्त परीक्षण, जिसे वह अविलम्ब कर सके, निर्धारित किये गये मृत्यु सम्मिलित सेवा निवृत्ति उपादान और मासिक सेवा निवृत्ति वेतन की धनराशि का 75 प्रतिशत से अधिक देय होगा।

(2) सेवानिवृत्ति वेतन और उपादान के भुगतान की विधि-

सेवानिवृत्ति वेतन लेखा अधिकारी द्वारा भुगतान किया जायेगा। भुगतान चैक द्वारा किया जायेगा। भुगतान के लिये सेवा निवृत्ति वेतन पाने वाले व्यक्तियों को अपनी सेवा निवृत्ति वेतन पुस्तिका तथा प्रपत्र ज में आवश्यक विवरण भरकर लेखाअधिकारी को देना होगा। प्रपत्र ज व निवृत्ति वेतन भुगतान आदेश पाने पर लेखाधिकारी अथवा उनके द्वारा अधिकृत अधिकारी उपस्थिति व जीवित होने के प्रमाण पत्र पर हस्ताक्षर करेगा तदुपरान्त पेंशनर को चैक दी जायेगी। इन विनियमों के अन्तर्गत भुगतान होने वाले उपादान के भुगतान में भी निवृत्ति वेतन के भुगतान की रीति काम में लायी जायेगी।

(3) यदि कोई अधिकारी अपनी सेवा निवृत्ति वेतन का भुगतान डाकघर के मनी आर्डर द्वारा चाहता है। तो यह प्रपत्र ज भरकर उस पर पिछले मास का सेवानिवृत्ति वेतन का भुगतान की नीति और दिनांक लिखकर अपने जीवित होने का किसी राजपत्रित (गजटेड) अधिकारी से मुहर के साथ प्रमाणित कराकर लेखा अधिकारी को भेजेंगे और लेखाधिकारी सेवा निवृत्ति के वेतन के धनांक से मनी आर्डर कमीशन काटकार शेष धन मनीआर्डर से भेजेंगें और किये गये भुगतान की सेवानिवृत्ति वेतन भुगतान आदेश पत्रिका की कार्यालय में प्रविष्ट करेंगे। किसी भी दशा में 12 मास करने से पूर्व अधिकारी / कर्मचारी की सेवानिवृत्ति वेतन भुगतान आदेश पंजिका प्रतिलिपि में लेखा अधिकारी प्रविष्टियां पूरी करेंगे।

(4) पेंशनर्स / पारिवारिक पेंशनर्स के सेवा निवृत्तिक पेंशन/पारिवारिक पेंशन के सुविधाजनक भुगतान हेतु मुख्य नगर अधिकारी अपने विवेक से यथोचित निर्णय लेने हेतु सक्षम होंगे।

पेंशन निधि की स्थापना और भुगतान की प्रकिया-

13- पेशन निधि की स्थापना और भुगतान की प्रक्रिया-

मुख्य नगर अधिकारी के नियंत्रण में एक सामान्य पेंशननिधि स्थापित की जायेगी, जो अल्मोडा नगर निगम पेंशन निधि के नाम से जानी जायेगी। जिसे आगे निधि कहा गया है। नियम 11 के द्वारा नगर निगम द्वारा देय पेंशन सम्बन्धी अंशदान की धनराशि इस निधि में जमा की जायेगी।

14- रोकड़ बही रखना-

निधि में जमा किया जाने वाला समस्त धन और उससे किये जाने वाले समस्त भुगतान की प्रविष्टी मुख्य नगर अधिकारी द्वारा रोकड बही में की जायेगी। इस विनियमावली के संलग्न प्रपत्र अ में रखी जायेगी।

15- पेंशन अंशदान के सम्बन्ध में प्रक्रिया -

पेंशन सम्बन्धी अंशदान की धनराशि प्रतिमास के छठे दिनांक से पूर्व मुख्य नगर अधिकारी द्वारा बैंक में जमा की जायेगी। इस विनियमावली से संलग्न प्रपत्र ट में चालान तैयार किया जायेगा। चालान के साथ एक सूची होगी, जिसमें सेवा के सदस्य का नाम् पदनाम वेतन और अंशदान की धनराशि का पूर्व विवरण दिया जायेगा। यह चालान चार प्रतियों में तैयार किये जायेंगे। चालान की प्रथम और द्वितीय प्रतियों बैंक द्वारा जमा करता को वापस दी जायेंगी और चालानों की तृतीय और चतुर्थ प्रतियों बैंक द्वारा जमाकर्ता को वापस दी जायेगी और चालानों की तृतीय और चतुर्थ प्रतियों सूची के साथ क्रमशः जमाकर्ता और बैंक द्वारा प्रतिमास के दसवें दिनांक तक मुख्य नगर अधिकारी को भेजी जायेंगी। लेखा अधिकारी चालान की इन प्रतियों का मिलान करेगा और रोकड बही में अंशदान की धनराशि की प्रविष्टि करेगा। बालान की प्रतियों लेखापरीक्षा के प्रयोजनार्थ गार्ड फाईल में सुरक्षित रखी जायेगी।

16- लेखा बही का रखा जाना - सम्बद्ध सेवा के सदस्य का खाता भी इन विनियमावली से संलग्न प्रपत्र 'ठ' ने रखा जायेगा। खाता बही में प्रतिमास अधिकारी को भुगतान किये गये वेतन की धनराशि और जमा किये गये अंशदान की धनराशि प्रविष्टि की जायेगी। खाता बही में प्रविष्टियाँ चालानों की प्रतियों से की जायेगी और प्रत्येक मास के अन्त में खाता बही में प्रविष्टि किये गये अंशदान की धनराशि का मिलान रोकड बही में प्रविष्टि की गयी तत्समान धनराशि से किया जायेगा। खाता बही का पुनर्विलोपन यह निश्चित करने के लिये किया जायेगा कि समस्त सेवा के सदस्यों से सम्बनिधत पेंशन सम्बन्धी अंशदान जमा कर दिया गया है या नहीं। यदि किसी मामले में उसे जमा नहीं किया गया है तो उसे तुरन्त जमा कराया जायेगा।

17- पेंशन भुगतान आदेश-

इस विनियमावली के अधीन पेंशन / पारिवारिक पेंशन / उपादान की धनराशि स्वीकृत कर दिये जाने के पश्चात प्रत्येक मामले में स्वीकृत कर दिये जाने के पश्चात प्रत्येक मामले में स्वीकृत की गयी पेंशन पारिवारिक पेशन उपणदान के भुगतान के लिए मुख्य नगर अधिकारी द्वारा इस विनियमावली के संलग्न प्रपत्र छ में पेशन प्रपत्र भुगतान आदेश जारी किया जायेगा। इस आदेश की प्रतियों पेंशन भोगी और उस विभाग को जहाँ से सम्बद्ध सेवा के सदस्य सेवा निवृत्ति हुआ है. को पृष्ठांकित की जायेगी।

18- लेखा परीक्षा जॉच रजिस्टर-

पेशन भोगियों को पेंशन समय पर और ठीक भुगतान सुनिश्चित करने के उददेश्य से प्रपत्र थ में एक लेखा परीक्षा जांच रजिस्टर रखा जायेगा। इस रजिस्टर में प्रत्येक पेंशन भोगी का एक पृथक खाता खोला जायेगा।

सामान्य भविष्य निधि

19- जिन अधिकारियों को यह विनिमय प्रभावी होंगे उन्हें नगर निगम के सामान्य भविष्य निधि खाते का सदस्य होना पड़ेगा और उन्हें अपने 12 पैसे पति रूपये से कम न होते हुए भी 25 पैसा प्रति रूपया प्रतिमाह का अपना अंशदान जमा करना पड़ेगा। अंशदान की दर उन्हें अपनी नियुक्ति के शीघ्र बाद घोषित करना पड़ेगा। जब तक की इसमें किसी परिवर्तन का नोटिस मुख्य नगर अधिकारी अथवा मुख्य नगर लेखा परीक्षक को किसी वर्ष मार्च के प्रथम सप्ताह में न दे अगले वर्ष के लिए वही दर बनी रहेगी तथा वर्ष के बीच अंशदान की पूर्व दर में कोई परिवर्तन स्वीकृत नही किया जायेगा।1

20- भविष्य निधि के अंशदान में काटा गया धन प्रतिमास की 10 तारीख से पहले बैंक में जमा कर दिया जायेगा जिससे उसमें व्याज मिल सके।

21- मुख्य नगर अधिकारी को यह अधिकार होगा कि अधिकारी / कर्मचारी लिखित सहमति से सामान्य भविष्य निधि खाते में जमा धन में से बैंक एफ डी आर/राष्ट्रीय बचत पत्रों में विनियोजित कर दें।

22- प्रत्येक अधिकारी / कर्मचारी को भविष्य निधि का सदस्य होने पर उसकी नृत्यू के उपरान्त उसके खाते में जमा भविष्य निधि धन का भुगतान के लिए नामांकन पत्र विनिमय 6 के अनुसार देना होगा। यह नामाकन पत्र मुख्य नगर अधिकारी अथवा उसके द्वारा अधिकृत अधिकारी द्वारा प्राप्त किये जायेंगे और प्राप्ति की दिनांक लिखकर तथा आवश्यक रजिस्टर में दर्ज करके अपने अभिरक्षा (कस्टडी) में रखे जायेंगें।

23- सामान्य भविष्य निधि में जमा हुए धन में से यदि कोई अधिकारी चाहे तो मुख्य नगर अधिकारी उसे अस्थाई अग्रिम/ऋण स्वीकृत कर सकते है। इन अग्रिमों की स्वीकृति तथा उनकी वसूली की निम्नलिखित विधि अपनाई जायेगी।

(1) साधारणतः अग्रिम की धनराशि सम्बन्धित अधिकारी/कर्मचारी के तीन मास के वेतन से अधिक न होगी। विषन परिस्थितियों में मुख्य नगर अधिकारी अपने स्वविवेक से अधिक धन भी दे सकते है। लेकिन वह धनराशि भविष्य निधि में जमा धनराशि के आधे से अधिक नहीं होगी।

(2) यह ऋण अधिकारियों को प्रायः ऐसे व्यय को वहन करने के लिये दिये जायेंगे जिनका वहन करना उसके सामाजिक तथा धार्मिक बनानों के अन्तर्गत अनिवार्य हो। इन व्ययों में अपने परिवार की शिक्षा, उनकी बिमारी, विवाह अथवा मृत्यु सम्बन्धी व्यय सम्मिलित होंगे।

(3) यह अग्रिम अधिकारी/कर्मचारी से 20 किश्तों में वसूल किये जायेंगे इन ऋणों पर व्याज के रूप में एक अतिरिक्त किश्त देय होगी।

(4) अग्रिम की व्याज सहित वापसी पूरी होने के 12 महीने बाद ही दूसरे अग्रिम साधारण दिया जायेगा। परन्तु विशेष परिस्थितियों में दूसरा अग्रिम 12 मास के पूर्व भी दिया जा सकता है।

24- यदि कोई अधिकारी चाहे तो अपने साधारण भविष्य निधि में जमा धन से पालिसी का प्रिमियम अदा करने के लिये पालिसी को मुख्य नगर अधिकारी के नाम प्रति ग्रहण प्लस कर सकता है और प्लस की हुई पालिसी मुख्य नगर अधिकारी अथवा उनके द्वारा अधिकृत अधिकारी अथवा उनके द्वारा अधिकृत अधिकारी के संरक्षण (कस्टडी) में रहेगी। पॉलिसी की प्रीमियम के लिये अग्रिम को बिमा कारपोरेशन को भुगतान किये जाने के सबूत में कार्पोरेशन की रशीद मुख्य नगर अधिकरी के पास जमा करनी होगी। इस प्रकार की पॉलिसी को चालू रखने की जिम्मेदारी सम्बन्धित अधिकारी की होगी। पॉलिसी परिपक्व (मैच्योर) होने पर उसका रूपया वसूल करणे अधिकारी के भविष्य निधि खाते में जमा कर दिया जायेगा। यदि सम्बन्धित अधिकारी पॉलिसी परिपक्व होने के पूर्व सेवानिवृत्त हो जाये तो मुख्य नगर अधिकारी के हित में पॉलिसी प्रति ग्रहण करके उसे लौटा देंगे।

25- किसी अधिकारी / कर्मचारी के खाते में सामान्य भविष्य निधि में जमा धन उसकी नगर निगम की सेवा में निवृत्ति होने पर उसे लौटा दिया जायेगा।

प्रतिबन्ध यह है कि यदि अधिकारी चाहे तो सामान्य भविष्य निधि में अपने खाते में जमा धन को निम्नलिखित कार्य के लिए प्रत्येक के लिए साथ उल्लिखित प्रतिबन्धों के अनुसार मुख्य नगर अधिकारी की स्वीकृति से सेवानिवृत्ति होने के पूर्व भी निकाल सकता है।

(1) अपने निवास के लिए मकान बनाने कय करने या इस सम्बन्ध में लिये गये ऋण को अदा करने अथवा पुत्र/पुत्री के विवाह करने के लिये अपने और उस पर मिले व्याज के धन को 20 वर्ष की सेवा पूर्ण करने या सेवा अवधि पूर्ण होने से दस वर्ष पूर्व।

(2) अपने आश्रित बच्चों की निम्नलिखित शिक्षा के लिये तीन महिने के वेतन या भविष्य निधि में जमा धन के आधे तक, जो भी कम हो।

(क) विदेश में विद्या (एकेडमिक) औद्योगिक (टैक्नीकल) कला सम्बन्धी प्रोफेशनल) पाठ्यक्रमों ?कोर्सेजर? के लिए।

(ख) भारत में ऐसे चिकित्सा (मेडिकल) अभियान्त्रिक (इन्जीनियर) तथा अन्य औद्योगिक (टैक्नीकल) अथवा विशिष्ट स्पेलाईज्ड पाठ्यक्रमों कोर्सेज के लिए जिनकी पढ़ाई का समय तीन वर्ष से अधिक हो और वह शिक्षा इन्टरमीडिएट के बाद की हो. दोनों की दशाओं में धन निकालने के लिए छः माह के भीतर उसे मुख्य नगर अधिकारी को सन्तोष दिलाना होगा कि धन उस कार्य में जिसके लिए वह निकाला गया था, प्रयोग कर लिया गया। ऐसा न करने पर अग्रिम लिया गया धन, मुख्य नगर अधिकारी को सामान्य भविष्य निधि में उसके खाते में जमा करने के लिए लौटा देना होगा। जब तक कि मुख्य नगर अधिकारी उस धन के प्रयोग का समय बढ़ा न दे।

यदि अधिकारी / कर्मचारी मुख्य नगर अधिकारी को या तो व्यय के विषय सन्तोष दिला सके अथवा बचा हुआ धन लौटाये, तो मुख्य नगर अधिकारी वह धन उसके वेतन से उचित किस्तों में वसूल करने के लिए सक्षम होंगे।

(सीमा विश्वकर्मा)
नगर आयुक्त
नगर निगम, अल्मोड़ा

(अजय वर्मा)
महापौर
नगर निगम, अल्मोड़ा

प्रपत्र (क)
विनिमय-5 (5)
मृत्यु सम्मिलित सेवानिवृत्ति उपादान तथा भविष्य निधि के हेतु नामांकन
(यदि अधिकारी / कर्मचारी के परिवार है और वह उनके किसी एक सदस्य को नामांकित करना चाहता है)

मैं इस प्रमाण पत्र द्वारा निम्नांकित व्यक्तियों को जो मेरे परिवार का सदस्य है, है. नामांकित करता हूँ तथा उसे उस उपादान तथा भविष्य निधि को प्राप्त करने का अधिकार देता हूँ जिसे मेरी निगम की सेवा में रहते मृत्यु होने की दशा में मुख्य नगर अधिकारी स्वीकृत करें तथा मेरी मृत्यु के बाद उसे उपादान तथा भविष्य निधि को भी प्राप्त करने का अधिकार देता हूँ जो मेरे सेवा निवृत्ति होने पर प्राप्त हो और जो मुझे मेरी मृत्यु के समय प्राप्त रह जाये।

नामांकित व्यक्तियों का नाम व पता	अधिकारी / कर्मचारी से सम्बन्ध	आयु	उस व्यक्ति अथवा व्यक्तियें के नाम (यदि कोई हो) और उसका पता तथा सम्बन्ध जिन्हें नामांकित व्यक्ति को दिये गये अधिकार प्राप्त होंगे अथवा नामांकित व्यक्ति के बाद उपादान एंव भविष्य निधि का धन प्राप्त करने के पूर्व मृत्यु होने पर अधिकार प्राप्त होगा।	वे अवस्थायें जिनके उत्पन्न होने पर नामांकन निष्प्रभावी हो जायेगा।	उपादान का धन अथवा भाग का प्रत्येक देय होगा

यह नामांकन पत्र मेरे द्वारा इससे पूर्व दिनांक .... को किये गये नामांकन को रद्द करता है।

टिप्पणी अधिकारी / कर्मचारी के इस प्रपत्र में लिखी गयी अन्तिम पंक्ति से नीचे के खाली स्थान को लकीर खींचकर पिष्प्रयोज्य कर देना उनके हस्ताक्षर करने के बाद इसमे कुछ .... लिखा न जा सके।

प्रपत्र (ख)
विनिमय 5 (5)
मृत्यु सम्मिलित सेवा निवृत्ति उपादान तथा भविष्य निधि के हेतु नामांकन
(जब अधिकारी के परिवार हो तथा वह उसके एक से सदस्य को नामांकित करना चाहे)

मैं इस प्रमाण पत्र द्वारा निम्नाकित व्यक्तियों को, जो मेरे परिवार का सदस्य हो, नामांकित करता हूँ तथा उन्हें निचे लिखे अनुसार उस उपादान तथा भविष्य निधि को प्राप्त करने का अधिकार देता हूँ। जिसे मेरी नगर निगम की सेवा मे रहते मृत्यु होने की दशा में मुख्य नगर अधिकारी स्वीकृत करें, तथा मेरी मृत्यु के बाद उस उपादान तथा भविष्य निधि को भी प्राप्त करने का अधिकार देता हूँ। जो मुझे मेरी मृत्यु के समय प्राप्त रह जाये।

नामांकित व्यक्तियों का नाम व पता	अधिकारी / कर्मचारी से सम्बन्ध	आयु	उपादान तथा भविष्य निधि का धन अथवा भाग जो प्रत्येक को देय होगा।	अवस्थायें, जिनके उत्पन्न होने पर नामांकन निष्प्रभावी हो जायेगा	उस व्यक्ति अथवा व्यक्तियों का नाम (यदि कोई हो) और उसका पता तथा सम्बन्ध जिन्हें नामांकित व्यक्ति की अधिकारी से पूर्व मृत्यु होने पर नामांकित व्यक्ति को दिये गये अधिकार प्राप्त होंगे अथवा नामांकित व्यक्ति अधिकारी की मृत्यु के बाद उपादान तथा भविष्य निधि का धन प्राप्त करने से पूर्व मृत्यु होने पर अधिकार प्राप्त होगा।	उपादान या भविष्य निधि धन के भाग को प्रत्येक को होगा।

यह नामांकन पत्र मेरे द्वारा इससे पूर्व दिनांक .... को किये गये नामांकन को अब रदद करता है।

टिप्पणी अधिकारी के इस प्रपत्र में लिखी गयी अन्तिम पंक्ति के नीचे के खाली स्थान को लकीर खींचकर निष्प्रयोजन कर देना चाहिए जिससे उसके हस्ताक्षर करने के बाद उसमें कुछ लिखा न जा सके।

दिनांक .... माह .... सन .... को .... बजे .... स्थान .... में नामांकन किया।

साक्षी (1)
(2)

अधिकारी के हस्ताक्षर

इस स्तम्भ में भरा गया धन / भाग इस तरह से भरा जाना चाहिए जिससे उपादान तथा भविष्य निधि का पूरा धन /भाग विभाजित हो जाय।

इस स्तम्भ में भरा गया धन / भाग प्रारम्भ में किये गये नामांकित व्यक्तियों को दिये गये समस्त धन / भाग के बराबर हो।

(विभागीय अधिकारी द्वारा भरे जाने को)

.... पद .... कार्यालय .... के द्वारा नामांकित

विभागीय अधिकारी के हस्ताक्षर

प्रपत्र (ग)
विनिमय-5 (5)
मृत्यु सम्मिलित सेवानिवृत्ति उपादान तथा भविष्य निधि हेतु नामांकन
(जब अधिकारी के परिवार न हो और वह किसी व्यक्ति को नामांकन करना चाहे)

मेरे कोई परिवार नहीं है। मैं इस प्रमाण पत्र द्वारा निम्नांकित व्यक्ति को नामांकित करता हूँ तथा उसे उस उपादान अथवा भविष्य निधि को प्राप्त करने का अधिकार देता हूँ जिससे मेरी नगर निगम की सेवा में रहते मृत्यु होने की दशा में मुख्य नगर अधिकारी स्वीकृत करें तथा मेरी मृत्यु के बाद उसे उपादान तथा भविष्य निधि को भी प्राप्त करने का अधिकार देता हूँ। जो मेरी सेवा निवृत्ति होने पर प्राप्त हो और जो मुझे मेरी मृत्यु के समय प्राप्त रह जाये।

नामांकित व्यक्तियों का नाम व पता	अधिकारी / कर्मचारी से सम्बन्ध	आयु	उस व्यक्ति अथवा व्यक्तियें के नाम (यदि कोई हो) और उसका पता तथा सम्बन्ध जिन्हें नामांकित व्यक्ति को दिये गये अधिकार प्राप्त होंगे अथवा नामांकित व्यक्ति के बाद उपादान एंव भविष्य निधि का धन प्राप्त करने के पूर्व मृत्यु होने पर अधिकार प्राप्त होगा।	वे अवस्थायें जिनके उत्पन्न होने पर नामांकन निष्प्रभावी हो जायेगा।	उपादान का धन अथवा भाग का प्रत्येक दय होगा

यह नामांकन पत्र मेरे द्वारा इससे पूर्व दिनांक .... को किये गये नामांकन को अब रदद करता हूँ।

दिनांक .... माह .... सन .... को .... बजे .... स्थान .... में नामांकन किया।

साक्षी (1)
(2)

अधिकारी के हस्ताक्षर

यह स्तम्भ इस प्रकार भरा जायेंगा जिससे उपादान तथा भविष्य निधि का पूरा धन बट जाये।

(विभागीय अधिकारी द्वारा भरे जाने को)

.... पद .... कार्यालय .... के द्वारा नामांकन।

दिनांक ....

विभागीय अधिकारी के हस्ताक्षर
पद

प्रपत्र (घ)
विनिमय-5 (5)
मृत्यु सम्मिलित सेवानिवृत्ति उपादान तथा भविष्य निधि के हेतु नामांकान
(जब अधिकारी के परिवार हो तथा वह उसके एक से सदस्य को नामांकित करन चाहे)

मैं इस प्रमाण पत्र द्वारा निम्नांकित व्यक्तियों को जो मेरे परिवार का सदस्य है, नामांकित करता हूँ तथा उन्हें नीचे लिखे अनुसार उस उपादान तथा भविष्य निधि को प्राप्त करने का अधिकार देता हूँ, जिसे मेरी नगर निगम की सेवा में रहते मृत्यु होने की दशा में मुख्य नगर अधिकारी स्वीकृत करें तथा मेरी मृत्यु के बाद उस उपादान तथा भविष्य निधि को भी प्राप्त करने का अधिकार देता हूँ जो मुझे मेरे सेवा निवृत्ति होने पर प्राप्त हो और मुझे मेरी मृत्यु के समय प्राप्त रह जाये।

नामांकित व्यक्तियों का नाम व पता	अधिकारी / कर्मचारी से सम्बन्ध	आयु	उस व्यक्ति अथवा व्यक्तियें के नाम (यदि कोई हो) और उसका पता तथा सम्बन्ध जिन्हें नामांकित व्यक्ति को दिये गये अधिकार प्राप्त होंगे अथवा नामांकित व्यक्ति के बाद उपादान एंव भविष्य निधि का धन प्राप्त करने के पूर्व मृत्यु होने पर अधिकार प्राप्त होगा।	वे अवस्थायें जिनके उत्पन्न होने पर नामांकन निष्प्रभावी हो जायेगा।	उपादान का धन अथवा भाग का प्रत्येक दय होगा

यह नामांकन पत्र मेरे द्वारा इससे पूर्व दिनांक .... को किये गये नामांकन को अब रदद करता हूँ।

दिनांक .... माह .... सन .... को .... बजे .... स्थान .... में नामांकन किया।

साक्षी (1)
(2)

अधिकारी के हस्ताक्षर

इस स्तम्भ में भरा गया घन / भाग इस तरह से भरा जाना चाहिए जिससे उपादान तथा भविष्य निधि कर पूरा धन / भाग विभाजित हो जाये।

इस स्तम्भ में भरा गया धन / भाग प्रारम्भ में किये गये नामांकित व्यक्तियों को दिये गये समस्त धन/भाग के बराबर हो।

(विभागीय अधिकारी द्वारा भरे जाने को)

.... पद .... कार्यालय .... के द्वारा नामांकन।

दिनांक ....

विभागीय अधिकारी के हस्ताक्षर
पद

प्रपत्र (च)
विनियम-12 (1) (क)

लेखाधिकारी को सेवानिवृत्ति वेतन और उपादान स्वीकृति के लिए विभागीय अधिकारी द्वारा भेजे जाने वाले पत्रों की तालिकन :

1- सेवा निवृत्ति वेतन और उपादान स्वीकृति के लिए प्रार्थना पत्र (मुख्य नगर अधिकारी द्वारा निर्धारित फार्म में)।
2- अशक्तता का प्रमाण पत्र (यदि अंशवतता के कारण पेंन्शन मांगी जाती हो)
3- सेवा पुस्तिका पूरी करके।
4- औसत उपलब्धियों का विवरण।
5- अन्तिम वेतन प्रमाण पत्र।
6- (क) साक्षीकृत दो नमूने के हस्ताक्षर (अटेस्टेड सपेमीमेन सिगनेचर)।
(ख) दो स्लीप जिन पर बाये हाथ के अंगूठे व अंगूलियों के साक्षीकृत चिन्ह हो तथा साक्षीकृत पासपोर्ट साईज फोटो।
7- किसी अन्य पेंशनर व ग्रेज्युटी न पाने का पेंशन्र का घोषणा पत्र।

लेखाधिकारी

उपर दिये हुये कागजात श्री / श्रीमती .... पर को पेंन्शन अथवा और उपादान स्वीकृत करने के लियें भेजे जा रहे हैं। कृपया इन्हें चैक करके आगे की कार्यवाही करें।

विभागीय अधिकारी
नगर निगम अल्मोडा

प्रपत्र (छ)
विनिमय-12 (ख)-5) (3)

सेवा निवृत्ति वेतन भुगतान आदेश पत्रिका संख्या
(सेवानिवृत्ति वेतन वाले अधिकारी के लिए)
बजट मत जिससे देय-
निवृत्ति वेतन प्राप्तकर्ता का नाम-

निवृत्ति वेतन का प्रकार तथा स्वीकृति आदेश की संख्या व दिनांक	जन्म तिथि	जाति	निवास स्थान का पता	मासिक निवृत्ति वेतन का धनांक	टिप्पणी
1	2	3	4	5	6

श्रीमान लेखा अधिकारी
नगर निगम, अल्मोड़ा

आगामी नोटिस तक प्रत्येक मास के समाप्त होने पर आप श्री .... पुत्र श्री .... को .... रू. .... नं. पं. .... इनकमटैक्स काटकर (उनकी सेवा निवृत्ति वेतन एक बार में इस आदेश तथा निर्धारित फार्म पर रसीद प्रस्तुत करने पर भुगतान करें। यह भुगतान दिनांक .... से प्रारम्भ होगा।

हस्ताक्षर ....

मुख्य नगर अधिकारी
नगर निगम, अल्मोड़ा

टिप्पणी- इस आदेश द्वारा देय पेंशन निम्नांकित दशाओं को छोडकर केवल पेंशनर को देय होगी।

(क) उन व्यक्तियों को जिनके लिये मुख्य नगर अधिकारी विशेष रूप से आदेश कर दें।

(ख) उन व्यक्तियों को जो बिमारी अथवा शारीरिक अशक्ति के कारण स्वयं उपस्थित होने में असमर्थ हो।

यदि वे पहले से मुख्य नगर अधिकारी से आदेश प्राप्त कर लें उपरोक्त में से प्रत्येक दशा में भुगतान किसी नगर निगम अधिकारी अथवा अन्य ऐसे व्यक्ति के जिसके लिए मुख्य नगर अधिकारी अपनी स्वीकृति दें, के द्वारा सम्बन्धि पेंशनर के जीवित होने के प्रमाण पत्र पर भुगतान किया जायेगा।

प्रपत्र (ज)
भाग-5 विनिमय-12 (2)
सेवा निवृत्ति वेतन भुगतान

आदेश पत्र का कम संख्या .... बाउचर संख्या ....
दिनांक.............................के लिये प्राप्त सेवा निवृत्ति का मुझे .... सन 1999 के लिये पाप्त सेवा निवृत्ति का .... मैंने प्राप्त किया।
पूरा प्राप्त धन ....
कटौती ....
इनकम टैक्स ....
अन्य .... टिकट ....
पेंशनर के हस्ताक्षर
प्रमाणित किया जाता है कि .... पेंशनर के हस्ताक्षर
जीवित है, वह मेरे सम्मुख आज उपस्थित हुए।
दिनांक.. हस्ताक्षर

(अधिकारी का पूरा नाम)

पूरा पद ....

प्रपत्र (झ)
विनिमय-12 (ख-5) (3)
घोषित पत्र

चूंकि ....यह अग्रिम स्वीकृति करने वाले वैद्य प्राधिकारी का पद लिखिये मुझे श्री .... के नामोदिष्ट व्यक्ति (वैद्य उत्तराधिकारी के रूप में) अंकन रू०.. शब्दों में मृत्यु सम्मिलित सेवा निवृत्ति उपादान और रूपये .... प्रति माह सेवा निवृत्ति वेतन का सही धन निर्धारित किये जाने और आवश्यक जांच की पूर्ति की प्रत्याशा में अग्रिम रूप से अतंकालीन भुगतान करने के लिए सहमत हो गये। अतः में इस लेख द्वारा यह स्वीकार करता हूँ कि उपादान और सेवानिवृत्ति वेतन के मासिक अग्रिम (एडवांस) के ग्रहण करने में मैं पूरी तरह यह समझता हूँ हूँ कि वह मुझे देय मृत्यु सम्मलित सेवा निवृत्ति उपादान और सेवानिवृत्ति वेतन की आवश्यक यथा विधि जॉच पूरी होने पर संसोधनीय है और मैं प्रतिज्ञा करता हूँ कि इस संसोधन में इस आधार पर कोई आपत्ति न करूँगा कि प्रत्याशित मृत्यु सम्मिलित सवा निवृत्ति उपादान या मासिक सेवा निवृत्ति को इस समय मुझे भुगतान किया जा रहा है। उसे मृत्यु सम्मिलित सेवानिवृत्ति उपादान या और मासिक सेवा निवृत्ति वेतन से अधिक है। जो मुझे अग्रिम रूप से स्वीकृत किया जायेगा। मैं यह भी प्रतिज्ञा करता हूँ कि मृत्यु हूँ कि मृत्यु सम्मिलित सेवा निवृत्ति उपादान और मासिक निवृत्ति वेतन का जो धन अग्रिम रूप से स्वीकार किया जायेगा उसमें अधिक जो भी भुगतान मुझे होगा मैं तुरन्त लौटा दूँगा।

हस्ताक्षर के साथ पता सहित
1- ....
2- ....

हस्ताक्षर-
दिनांक-
पदनाम-
(यदि नगर निगम कर्मचारी से)
स्टेशन-
दिनांक-

प्रपत्र (झ)
(निमय-13(4) देखिये)
मृत अधिकारी के विधित उत्तराधिकारी या परिवार के सदस्य द्वारा हस्ताक्षरित किया जायेगा।

चूंकि मुख्य नगर अधिकारी ने श्री.. पदनाम जो दिनांक .... को सेवानिवृत हुए और जिनकी मृत्यु दिनांक .... को हुयी के उपाादान / मृत्यु एवं सेवानिवृत्त उपादान पारिवारिक पेंशन की धनराशि के रूप में मुझे .... की धनराशि स्वीकृत करने की सम्मति दी हैं अतएव मैं एतद्वारा अभिस्वीकार करता हूँ की उक्त धनराशि / धनराशियों को स्वीकार करने में, मैं पूर्णतया समझाता हूँ की यह पेंशन / उपादान, मृत्यु एवं सेवानिवृत्त उपादान/पारिवारिक पेंशन, उस धनराशि से, जिसका मैं नियमों की अधीन हकदार हूँ, अधिक पाये जाने पर पुनरीक्षण के अधीन होगी और मैं वचन देता हूँ की मैं ऐसे पनरीक्षण के लिये कोई आपत्ति नहीं करूँगा। एसी धनराशि को जो मुझे उस धनराशि से जिसका में अंततः हकदार पाया जाऊँ, अधिक भुगतान की गयी हो वापस करने का वचन देता हूँ।

हस्ताक्षर के साथ पता सहित

मृत अधिकारी के विधिक उत्तराधिकारी या परिवार के सदस्य के हस्ताक्षर

हस्ताक्षर के साथ पता सहित

1- ....
2- ....
3- ....

इस घोषणा पत्र के उस नगर, ग्राम या परगना के, जिसमें आवेदक निवास करता है (दो प्रतिष्ठीत व्यक्ति साक्षी होने चाहिये।

अमृत विचार

हल्द्वानी , शनिवार,21 फरवरी 2026

प्रपत्र - ञ
नियम 17 देखिये
रोकड़ बही
आय-पक्ष

दिनांक	उस स्थानीय निकाय का नाम	उस अधिकारी का नाम और पदनाम जिसके लिये अंशदान जमा किया जाय	चालान की संख्या और दिनांक	धनराशि	योग	बैंक में जमा करने का दिनांक	धनराशि
1	2	3	4	5	6	7	8

व्यय-पक्ष

दिनांक	व्यय बाउचर की संख्या	भुगतान का पूर्ण विवरण	धनराशि	योग	उस बैंक का नाम जिससे भुगतान किया जाय
1	2	3	4	5	6

प्रपत्र - ट
नियम 19 देखिये

चलान की संख्या ..... स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया .....
जिला. ..... इस चालान की धनराशि स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया .....
में जमा किया गया।

जिसके द्वारा जमा किया गया	स्थानीय निकाय का नाम	जमा की गई धनराशि का पूर्ण विवरण	धनराशि	लेखाशीर्षक जिसमें धनराशि जमा की जायेगी	बैंक के लिये अनुदेश
1	2	3	4	5	6

कृपया धनराशि प्राप्त करें और उसकी अभिस्वीकृति दें।

योग .....

मुख्य नगर अधिकारी के हस्ताक्षर

धनराशि (शब्दों में) .....

प्राप्त धनराशि (शब्दों में) .....

रोकड़िया — स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया
लेखाकार — स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया
अभिकर्ता — स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया

प्रपत्र - ठ
(नियम 20 देखिये)
पेंशन निधि का बहीखाता
मास का नाम

क्रम सं.	अधिकारी का नाम	अधिकारी का पदनाम	वह मास जिसके लिये वेतन आहरित किया गया
1	2	3	4

जमा किए जाने वाले अंशदान की धनराशि	वास्तव में जमा किए गए अंशदान की धनराशि	चालान की संख्या और उसका दिनांक	उस बैंक का नाम जहां धनराशि जमा की गई
5	6	7	8

नगर निगम, अल्मोड़ा
प्रपत्र-ड विनियमावली भाग 3 के अन्तर्गत
प्रथम भाग

क्रम सं. दिनांक

सेवानिवृत्ति वेतन प्राप्तकर्ता (पेंशन) अथवा उपादान तथा मृत्यु सम्मिलित सेवा निवृत्ति उपादान हेतु प्रार्थना पत्र

1- प्रार्थी का नाम-
2- पिता का नाम (तथा नगर निगम के स्त्री कर्मचारी के सम्बन्ध में पति का नाम भी)
3- धर्म तथा राष्ट्रीयता
4- ग्राम नगर, जिला तथा राज्य दिखाते हुए स्थायी निवास का पता
5- (क) वर्तमान अथवा अन्तिम नियुक्ति स्थापना (स्टेवलिशगेन्ट) के नाम सहित
(ख) वर्तमान अथवा अन्तिम नियुक्ति का पद
6- (क) सेवा के प्रारम्भ का दिनांक
(ख) सेवा समाप्ति का दिनांक
7- रुकावटों (इन्स्टपशन्स) तथा अनर्हकारी ..... वर्ष ..... माह ..... पत्नी ..... दिन ..... (नान-क्वालीफाइंग) सेवा नियमों के विवरण सहित सेवाकाल
8- प्रार्थी सेवानिवृत्ति वेतन (पेंशन) अथवा उपादान का प्रकार तथा प्रार्थना पत्र का कारण
9- औसत उपलब्धियाँ
10- प्रस्तावित पेंशन या उपादान
11- प्रस्तावित मृत्यु सम्मिलित सेवा निवृत्ति उपादान
12- पेंशन प्रारम्भ होने का दिनांक
13- क्या नामांकन प्रस्तुत किया है।
(1) पारिवारिक सेवा निवृत्ति वेतन हतु
(2) मृत्यु सम्मिलित सेवा निवृत्ति उपादान हेतु
14- ईसवी सन के अनुसार प्रार्थी का जन्म दिनांक
15- उचाई (हाइट)
16- (क) पहचान चिन्ह
(ख) बाँये हाथ के अंगूठे और उगलियों के चिन्ह

उत्तराधिकारी/पत्नी का पासपोर्ट साइज फोटो

पत्नी

अंगूठा तर्जनी मध्यमा अनामिका कनिष्ठका

17- प्रार्थी द्वारा पेंशन / उपादान हेतु प्रार्थना पत्र प्रेषित करने का दिनांक
18- यदि प्रार्थी अंशदानी (कंटीव्यूटरी) भविष्य निधि का सदस्य हो तो कृपया उसकी लेखा संख्या दीजिए।

प्रार्थी के हस्ताक्षर

विभागीय अधिकारी
विभागाध्यक्ष के हस्ताक्षर

उपादान अथवा सेवानिवृत्ति वेतन (पेंशन) का प्रकार .....
स्वीकृति कर्ता प्राधिकारी .....
उपादान का स्वीकृति धनांक .....
सेवानिवृत्ति वेतन (पेशन) का धनांक .....
भुगतान के प्रारम्भ का दिनांक .....
स्वीकृति का दिनांक ..... सेवानिवृत्ति वेतन भुगतान आदेश सं. ..... निर्गत किया

हस्ताक्षर
लेखाधिकारी

द्वितीय भाग

सेवाकाल की बाधाओं का उल्लेख करते हुए सेवा का इतिहास
जन्म का दिनांक

स्थापना	नियुक्ति	वेतन	स्थानापन्न वेतन	आरम्भ का दिनांक	समाप्ति का दिनांक	सेवा माना गया समय	सेवा न माना गया समय	टिप्पणी	सत्यापन किस प्रकार किया गया	लेखा अधिकारी की टिप्पणी	मुख्य नगर लेखा परीक्षक की टिप्पणी
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12

सेवाकाल का कुल समय ..... वर्ष ..... मास ..... दिन

विभागीय अधिकारी/विभागाध्यक्ष के हस्ताक्षर

संक्षेपांकी (डाकेट)
सेवानिवृत्ति वेतन (पेंशन) अथवा उपादान हेतु प्रार्थना पत्र

प्रार्थना पत्र का दिनांक
प्रार्थी का नाम
अन्तिम नियुक्ति
मृत्यु सम्मिलित सेवानिवृत्ति

हस्ताक्षर .....
स्वीकृतिकर्ता प्राधिकारी का पद.....

द्वितीय भाग

(क) विभागीय अधिकारी / विभागाध्यक्ष की टिप्पणी

1. पार्थी के चरित्र और पिछले आचरण के विषय में
2. यदि कोई निलंबन अथवा पदावनति हो तो उसका विवरण
3. प्रार्थी द्वारा पहले प्राप्त उपादान अथवा पेंशन
यदि कोई हो तो उसका विवरण
4. अन्य टिप्पणी यदि कोई हो
5- अभ्यर्थी सेवा में संस्थित होने तथा उसके स्वीकार/अस्वीकार किए जाने के विषय में विभागीय अधिकारी/विभागाध्यक्ष का निश्चित मत (स्पेसिफिक ओपीनियन) (देखिए कि रा० रेगुलेशन आर्टिक 917(1)

विभागीय अधिकारी विभागाध्यक्ष हस्ताक्षर

(ख) लेखा विभाग की टिप्पणी

क्रम संख्या : ..... दिनांक : .....

पृष्ठ संख्या (1) व (2) पर दिये विवरण की जाँच सेवा पुस्तिका सेवा सूची (सर्विस रोल) के लेखों से की गई।

अर्हकारी सेवा निम्न प्रकार निकलती है। ..... वर्ष ..... मास ..... दिन
(1) मृत्यु सम्मलित सेवा निवृत्ति उपादान हेतु
(2) सेवा निवृत्ति वेतन (पेंशन) हेतु,
तथा उपरोक्त के लिये धन निम्न प्रकार निकालते हैं-
(1) मृत्यु सम्मलित सेवानिवृत्ति
उपादान ..... (रु०) .....
(2) सेवा निवृत्ति वेतन (पेशन) (रुपया .....)
और पेशन दिनांक ..... से देय है।

लेखा अधिकारी

(ग) लेखा परीक्षा विभाग

क्रम संख्या : ..... दिनांक : .....

श्री ..... पद ..... के मृत्यु सम्मलित सेवा नियुक्ति उपदान तथा सेवानिवृत्ति वेतन (पेंशन) के मामले जिनका विवरण इस प्रपत्र में दिया हुआ है, की मैने जांच की। मृत्यु सम्मलित सेवा निवृत्ति वेतन (पेंशन) के धन रूपया ..... (रूपया .....) निकलता है। तथा सेवानिवृत्ति वेतन (पेंशन) के धन रूपया ..... प्रतिमास होता है, जिसका भुगतान दिनांक ..... से प्रारम्भ होगा।

चतुर्थ भाग

क्रम संख्या : .....

(घ) सेवा निवृत्ति (पेंशन) स्वीकृत करने वाले प्राधिकारी के आदेश .....
अधोहस्ताक्षरी ने अपने आपको संतुष्ट कर लिया है कि श्री..... द्वारा की गयी मृत्यु पूर्णरूप से संतोषजनक रही है तथा इस आदेश द्वारा रू० ..... पूरा मृत्यु सम्मिलित सेवानिवृति उपादान और सेवानिवृत्ति वेतन (पेंशन) जिसका धनांक रू० ..... स्वीकार करता हूँ, इस पेंशन का भुगतान दिनांक से प्रारम्भ होगा।

अथवा

अधोहस्ताक्षरी ने अपने आपको संतुष्ट कर लिया है कि श्री ..... द्वारा की गयी सेवा पूर्ण रूप से संतोषजनक नहीं रही है तथा आदेश दिया जाता है कि इन विनियमों के अनुसार देय सेवानिवृति (पेंशन) मृत्यु (यहां या तो निश्चित सम्मिलित सेवा निवृति उपादान का पूरा धनांक रुपये ..... (यहाँ या तो निश्चित धन दीजिए अथवा प्रतिशत लिखिए) से कम कर दिया जावे। इस पेंशन का भुगतान दिनांक से प्रारम्भ होगा।

यह आदेश इस प्रतिबन्ध के साथ दिया जाता है कि यदि भविष्य में किसी समय पेंशन का धनांक सेवानिवृति अधिकारी की देय पेंशन से धनांक से अधिक पाया जाये तो उसे इस प्रकार पाया गया अधिक भुगतान का धन वापस लौटाना पड़ेगा। सेवानिवृति अधिकारी से इस प्रतिबन्ध को स्वीकार करते हुए घोषणा पत्र प्राप्त कर लिया गया है तथा इस आदेश के साथ संलग्न है।

हस्ताक्षर
मुख्य नगर अधिकारी। मुख्य नगर लेखा परीक्षक
नगर निगम, अल्मोड़ा

संक्षेपांकी (डाकेट)
सेवानिवृत्ति वेतन (पेंशन) अथवा उपादान हेतु प्रार्थना पत्र

प्रार्थना पत्र का दिनांक
प्रार्थी का नाम
अन्तिम नियुक्ति
मृत्यु सम्मिलित सेवानिवृत्ति

हस्ताक्षर .....
स्वीकृतिकर्ता प्राधिकारी का पद .....

प्रपत्र - ढ
विनियमावली के भाग 2 के अन्तर्गत

श्री ..... भूतपूर्व .....कार्यालय विभाग के परिवार के लिए भूतपूर्व पारिवारिक सेवा निवृत्ति (फैमली पेन्शन) हेतु प्रार्थना पत्र-

1- प्रार्थी का नाम-
2- मृत अधिकारी / सेवा निवृत्ति वेतन प्राप्तकर्ता (पेंशनर) के सम्बन्ध (रिलेशनशिप)
3- यदि मृतक सेवानिवृत्ति वेतन प्राप्तकर्ता (पेन्शनर) था तो उसकी सेवा निवृत्ति की दिनांक
4- अधिकारी / सेवा निवृत्ति वेतन प्राप्तकर्ता (पेंन्शनर) की मृत्यु दिनांक (किन्डर्ड)
5- मृतक के उत्तरजीवि रक्त सम्बन्धियों के नाम तथा अवस्थाएं।

	नाम	ई०के अनुसार जन्म का दिनांक
(क) धर्म पत्नी / पति, पुत्र अविवाहित पुत्रियाँ, विधवा पुत्रियाँ	सौतेले बच्चों तथा गोद लिये बच्चों को सम्मलित करते हुऐ-	
	नाम	ई०के अनुसार जन्म का दिनांक
(ख) पिता सगे भाई अविवाहित सगी बहिनें विधवा सगी बहिनें	सौतेले भाईयों और सौतेले बहिनों को सम्मलित करते हुए	माता

6- प्रार्थी का दिवरण पंजी (डिसमष्टिव रोल)
(1) ईसवी सन के अनुसार जन्म दिनांक
(2) ऊँचाई
(3) चेहरे आदि का वैयक्तिक चिन्ह (यदि कोई हो)
(4) हस्ताक्षर अथवा बांयें हाथ के अंगूठे तथा अंगुलियों के चिन्ह

कनिष्टका अनामिका मध्यमा तर्जनी अंगूठा

टिप्पणी- यदि उपरोक्त में से कोई धनांक अथवा दिनांक लेखाधिकारी द्वारा दिये गये धनाकों अथवा दिनांक से भिन्न हो तो उसकी भिन्नता के स्पष्टीकरण अलग लेख में दिये जाने चाहिए।

मुख्य नगर लेखा निरीक्षक
नगर निगम अल्मोडा

7) निम्नलिखित द्वारा अप्रमाणित — निम्नलिखित द्वारा सक्षीवृत हस्ताक्षर

(1) ..... (1) .....
(2) ..... (2) .....

टिप्पणी

(1) पारिवारिक पेंशन के साथ भेजी गयी विवरण तथा हस्ताक्षर / अगूठा / और अंगूलियों के चिन्ह दो प्रतियों में तथा उस नगर गाम या परगना जिससे प्रार्थी निवास करता हो के दो या अधिक प्रतिष्ठित व्यक्तियों द्वारा प्रमाणित होने चाहिए।
(2) यदि प्रार्थी उपर के कम संख्या 6 (ख) दो श्रेणी में आता हो तो उसे मृत अधिकारी / सेवानिवृत्ति वेतन प्राप्तकर्ता (पेंशनर) अवयस्क सगा भाई हो तो उसकी पुष्टि के लियें अ का असली प्रमाण पत्र (दो प्रमाणित प्रतिलियों सहित) जिसमें प्रार्थी का जन्म दिनांक दिया हो, लगाना चाहिए। आवश्यक सत्यापन बाद असली प्रमाण पत्र प्रार्थी को लौटा दिया जायेगा।

प्रपत्र-त
नगर निगम, अल्मोड़ा
विनियमावली के भाग 2 के अन्तर्गत

श्री ..... भूतपूर्व ..... कार्यालय/विभाग के परिवार के लिए मृत्यु सम्मिलित सेवा - निवृत्ति उपादान (डेथ कम रिटायरमेन्ट ग्रेच्यूटी / अवशेष उपादान (ग्रेच्यूटी) स्वीकृत हेतु

प्रार्थना पत्र

1- प्रार्थी का नाम -
2- मृत अधिकारी / सेवा निवृत्ति वेतन प्राप्तकर्ता (पेंशनर) से सम्बन्ध (रिलेशनशिप)
3- जन्म दिनांक
4- यदि मृतक सेवानिवृत्ति वेतन प्राप्तकर्ता (पेंशनर) था तो उसका सेवानिवृत्ति का दिनांक
5- अधिकारी सेवानिवृत्ति वेतन प्राप्तकर्ता (पेंशनर) वी मृत्यु दिनांक
6- प्रार्थी का पूरा पता
7 प्रार्थी के हस्ताक्षर अथवा अंगूठे का चिहन
8- (1).....
(2) ..... द्वारा
.....प्रमाणित (अटेस्टेड किया गया।
9- (1).....
(2).....

मुख्य नगर अधिकारी
नगर निगम अल्मोड़ा

प्रपत्र- थ
(नियम 25 देखिये)
लेखा परीक्षा जांच रजिस्टर
स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया में देय पेंशन

पेंशन भुगतान आदेश संख्या	पेंशन भोगी का नाम	जन्म दिनांक	अन्तिम आहरित वेतन	पेंशन का वर्ग	पेंशन की मासिक धनराशि	प्रारम्भ का दिनांक	अभ्युक्ति
1	2	3	4	5	6	7	8

पेंशन के भुगतान का दिनांक

मास	वर्ष	लेखाधिकारी के हस्ताक्षर	वर्ष	लेखाधिकारी के हस्ताक्षर	वर्ष	लेखाधिकारी के हस्ताक्षर
1	2	3	4	5	6	7
जनवरी						
फरवरी						
मार्च						
अप्रैल						
मई						
जून						
जुलाई						
अगस्त						
सितम्बर						
अक्टूबर						
नवम्बर						
दिसम्बर						

भाग 3
(सेवा निवृत्ति वेतन पाने वाले अधिकारी / कर्मचारी द्वारा हस्ताक्षर करने हेतु)

चूंकि ..... (यहां सेवा निवृति वेतन (पेंशन) सेवा निवृत्ति उपादान / मृत्यु सम्मिलित सेवानिवृत्ति उपादान स्वीकृत करने वाले प्राधिकारी का पद नाम लिखिये) ने रु०..... प्रतिमाह मेरा पेंशन के रूप में तथा (अथवा रू० ..... निवृति उपादान के रूप में भुगतान करना स्वीकार कर लिया है।

अतः मैं इस लेख द्वारा यह अंगीकार करता हूँ कि उपरोक्त कथित धन को स्वीकार करने में मैं पूर्णरूप से यह समझता हूँ कि पेंशन / उपादान मृत्यु सम्मिलित सेवा निवृति उपादान जो मुझे विनियमों के अन्तर्गत देय हो, उससे अधिक होने की दशा में संशोधनीय (सबजेक्ट टू रिवीजन) है तथा मैं वचन देता हूँ कि इस प्रकार के संशोधन (रिवीजन में मुझे कोई आपति न होगी।

मैं यह भी वचन देता हूँ कि मैं उस धनांक से जिसका में अन्तिम रूप से अधिकारी होऊ, अधिक भुगतान किया गया धन मैं लौटा दूंगा। मैं इस लेख द्वारा यह भी घोषणा करता हूँ और वचन देता हूँ कि नगर निगम, रुद्रपुर कर्मचारियों के सेवा निवृत सुविधा तथा सामान्य भविष्य निधि विनियम 2014 के विनियम 3 के उपविनियम 2 (क) तथा 2 (ख) के अनुसार भविष्य निधि के मेरे भाग धन में आगे चलकर पाए गए अधिक भुगतान के धन को भी मैं लौटा दूंगा तथा मुख्य नगर अधिकारी को मैं यह अधिकार देता हूँ कि वे इस प्रकार के अधिक भुगतान किये धन का भविष्य में मुझे देय पेंशन अथवा मेरे उत्तराधिकारियों को देय मेरी पेंशन से काट लें।

1- साक्षी के हस्ताक्षर
पता व पेशा
2- साक्षी के हस्ताक्षर
पता व पेशा

नोटः- इस घोषणा पत्र पर प्रार्थी के निवास स्थान का पता लिखें।

नगर निगम अल्मोडा
विनियमावली के भाग-2 व 3 का संलग्नक
नगर निगम अल्मोडा के मृत अधिकारी कर्मचारी के वैध उत्तराधिकारी
अथवा परिवार के सदस्यों द्वारा हस्ताक्षर हेतु)

चूंकि ..... (यहां पारिवारिक सेवा निवृत्ति वेतन) व पेंशन) / मृत्यु सम्मिलित सेवा निवृत्ति उपादान / पेंशन या उपादान का बकाया धन स्वीकृत करने वाले पदाधिकारी का नाम लिखिए) ने (रुपया .....) जो मृत्यु सम्मिलित सेवा निवृत्ति उपादान / बकाया पेंशन या उपादान यहां नगर निगम के मृत अधिकारी/कर्मचारी का नाम व पदनाम जो श्री / श्रीमती ..... लिखित) का देय धन है मुझे भुगतान करना स्वीकार कर लिया है।

अतः मैं इस लेख द्वारा अंगीकार करता हूँ कि उपरोक्त कथित दिए धन। धनों के स्वीकार करने मैं पूर्ण रूप से यह समझता हूँ कि मुझे देय पारिवारिक सेवा निवृत्ति वेतन । पेंशन और मृत्यु सम्मिलित सेवा निवृति उपादान / मृत श्री / श्रीमती ..... को देय बकाया पेंशन या उपादान का धन विनियमों और नियमों के अन्तर्गत मुझे देय धन के वास्तविक धनांक से अधिक पाये जाने पर संशोधनीय है। मैं वचन देता हूँ कि इस प्रकार संशोधन रिवीजन) में मुझे कोई आपत्ति न होगी। मैं यह भी वचन देता हूँ कि उस धनांक से जिसका मैं अन्तिम रूप से अधिकारी पाया जांऊ अधिक भुगतान किए गए कुल धन को मैं लौटा दूंगा।

मैं इस विलेख द्वारा यह भी घोषणा करता हूँ और वचन देता हूँ कि रुद्रपुर नगर निगम के कर्मचारियों के सेवा निवृति वेतन तथा सामान्य भविष्य निधि विनियम 2014 के विनियम 3 के उप विनियम 2. क) के अनुसार भविष्य निधि के भाग / धन में आगे चलकर पाये गए अधिक भुगतान के धन को भी लौटा दूंगा तथा मुख्य नगर अधिकारी को मैं अधिकार देता हूँ कि वे इस प्रकार के अधिक किए गए धन के भुगतान को भविष्य में मुझे देय पेंशन में से काट लें।

साक्षी के हस्ताक्षर — हस्ताक्षर व पता
पेशा — लाभार्थी (वेनिफिशियरी)

नोट :-
1. प्रत्येक लाभार्थी को अलग घोषणा पत्र देना चाहिए।
2. 2 प्रार्थी के निवास गांव या परगना के दो या अधिक प्रतिष्ठित व्यक्तियों द्वारा घोषणा पत्र का साक्षी होना चाहिए।

प्रपत्र-द
विनियमावली के भाग-4 के अन्तर्गत
नगर निगम अल्मोडा
पेंशन राशिकरण के लिए प्रार्थना-पत्र

सेवा में,
मुख्य नगर अधिकारी
नगर निगम, अल्मोड़ा

महोदय,

मेरा विवरण निम्नवत् है, मुझे पेंशन राशिकरण स्वीकृत करने की कृपा करें।

1. नाम .....
2. पिता/पति का नाम .....
3. सेवा निवृति के पश्चात् पता-
(क) स्थायी पता .....
(ख) पत्र व्यवहार का पता .....
4. जन्मतिथि .....
5. सेवा प्रारम्भ करने की तिथि .....
6. सेवा निवृत्ति तिथि .....
7. अन्तिम पद (जहाँ से सेवानिवृत्ति हुए) का पदनाम .....
तथा कार्यालय / विभाग का नाम .....
8. मृत्यु होने की दशा में नॉमिनी का नाम एवं पता जिसे जीवनकालीन अवशेष का भुगतान किया जाय .....
.....
9. पेंशन का भाग या पेंशन की धनराशि जिसका राशिकरण अपेक्षित .....
10. भुगतान किस बैंक से आहरित करना चाहते हैं .....
11. राशिकरण का उद्देश्य — अनुमानित व्यय
(1) निवास भवन के निर्माण। क्रय .....
(2) लिए गए ऋण की अदायगी .....
(3) बच्चो या आश्रितों की शिक्षा .....
(4) विवाह व्यय हेतु .....
(5) व्यापार प्रारम्भ हेतु .....

प्रार्थी का हस्ताक्षर

मुख्य नगर अधिकारी
नगर निगम, अल्मोड़ा

125 एकड़ फसल को उजाड़ने के विरोध में सड़कों पर उतरे किसान

खटीमा में महापंचायतः किसान, जनप्रतिनिधियों ने निकाला जुलूस, किया प्रदर्शन

संवाददाता, खटीमा

खटीमा में हाथों में तख्तियां लेकर जुलूस निकालते किसान और जनप्रतिनिधियों के साथ विधायक कापड़ी।

अमृत विचार: खटीमा में बिना किसी वैधानिक आदेश के पुलिस प्रशासन की मौजूदगी में करीब 125 एकड़ कृषि भूमि पर खड़ी फसलों को ट्रैक्टर से नष्ट किए जाने के विरोध में शुक्रवार को जन आक्रोश फूट पड़ा। पीड़ित किसान परिवारों के समर्थन में आयोजित महापंचायत के बाद सैकड़ों किसानों और जनप्रतिनिधियों ने मेलाघाट रोड से तहसील परिसर तक विशाल जुलूस निकाला। हाथों में तख्तियां लिए प्रदर्शनकारियों ने शासन-प्रशासन और भू-माफियाओं की कथित सांठगांठ के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

विधायक भुवन कापड़ी ने किसानों का समर्थन करते हुए सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में अब "खेती माफिया" सक्रिय हो गए हैं, जो पुलिस के संरक्षण में किसानों की मेहनत उजाड़ रहे हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि दोषी अधिकारियों और भू-माफियाओं पर कठोर कार्रवाई नहीं हुई, तो यह गलत परंपरा पूरे क्षेत्र के किसानों के लिए खतरा बन जाएगी। किसानों ने प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन सौंपकर उच्चस्तरीय जांच, भूमि को तत्काल मुक्त कराने और फसल के नुकसान की भरपाई की मांग की है। महापंचायत में स्पष्ट किया गया कि न्याय मिलने तक आंदोलन जारी रहेगा। जुलूस प्रदर्शन में पीड़ित किसान युवराज, कांग्रेस प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य उमेश राठौर बॉबी, महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष रेखा सोनकर, मनोज कोहली, कुंवर सिंह खनका, नरेंद्र आर्य, दीपक मुंडेला, राहुल कुमार, अमरीक सिंह, सतनाम सिंह, बलदेव सिंह, गुरपवान सिंह, परमजीत सिंह, कमान सिंह अन्ना मौजूद रहे।

खड़ी फसल को रौंदना गैर कानूनी : विधायक राणा

खटीमा : नानकमता के विधायक गोपाल सिंह राणा ने कहा कि अशोक फार्म के आपसी विवाद में मामला कोर्ट में हो अथवा फैसला हुआ हो लेकिन खड़ी फसल को काटना, रौंदना पूरी तरह से गैर कानूनी है। उन्होंने कहा पीड़ित किसान के न्याय नहीं मिला तो आंदोलन तेज होगा।

दो ग्रामीण सड़क के निर्माण को मिली स्वीकृति

सितारगंज : शासन ने सितारगंज विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत दो ग्रामीण सड़कों के चौड़ीकरण और सुदृढ़ीकरण के लिए 190.93 लाख रुपये की वित्तीय और प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की है। शासन ने सड़क निर्माण के लिए बीस हजार रुपये की टोकन राशि को भी जारी कर दिया है।

संयुक्त सचिव राजेंद्र सिंह पतियाल ने पत्र जारी कर बताया कि राज्य योजना से सितारगंज विधानसभा के अंतर्गत शक्तिफार्म-सिरसा में स्थित गांव शहदौरा में आंतरिक मार्ग व वन चेक पोस्ट की ओर मार्ग का इंटरलॉकिंग टाइल करीब 1.4 किमी के लिए 95.73 लाख और एनएच-125 बटेशर की चक्की से गांव तुर्कातिसौर व कैलाशपुरी, नहर पुलिया होते हुए गगनपुर तक करीब चार किमी सड़क निर्माण के लिए 95.20 लाख रुपए की वित्तीय स्वीकृति प्रदान की है।

बताया कि सड़क निर्माण के लिए लोक निर्माण विभाग को कार्यदायी संस्था नामित किया है। जेई सत्यपाल सिंह ने बताया कि सड़क की टेंडर प्रक्रिया को पूरा कर जल्द ही सड़क निर्माण का कार्य शुरू कर दिया जाएगा।

सैनिक की मां की हत्या में अज्ञात पर मुकदमा

खटीमा में एसडीएम को ज्ञापन सौंपते उक्रांद कार्यकर्ता। ● अमृत विचार

संवाददाता, खटीमा

अमृत विचार: सितारगंज रोड स्थित देवभूमि कॉलोनी में बुधवार को हुई सैनिक की वृद्ध माता जानकी चंद (60) की हत्या के मामले में 48 घंटे बीत जाने के बाद भी पुलिस के हाथ खाली हैं। हालांकि पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कर लिया है। उधर, हत्या को लेकर स्थानीय निवासियों और पूर्व सैनिकों में भारी आक्रोश है।

बुधवार देर शाम जानकी चंद का शव उनके घर के प्रथम तल पर खून से लथपथ मिला था। हमलावरों ने हत्या के बाद घर के चैनल गेट पर बाहर से ताला लगा दिया था। शुक्रवार को मृतका के पुत्र सूरज चंद के खटीमा पहुंचने के बाद पुलिस को औपचारिक तहरीर सौंपी गई।

उक्रांद ने उठाए सुरक्षा पर सवाल

खटीमा : इस घटना के विरोध में शुक्रवार को उत्तराखंड क्रांति दल (उक्रांद) के पूर्व सैनिक प्रकोष्ठ और पूर्व सैनिक संगठन ने उपजिलाधिकारी तुषार सैनी को ज्ञापन सौंपा। प्रदेश अध्यक्ष धन बहादुर चंद और संगठन अध्यक्ष गंभीर सिंह धामी के नेतृत्व में पूर्व सैनिकों ने कहा कि क्षेत्र में वरिष्ठ नागरिक और सैनिक परिवार असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। उन्होंने पुलिस प्रशासन से सीनियर सिटीजन की सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने और हत्यारों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की। कोतवाल विजेंद्र शाह और सीओ विमल रावत ने पूर्व सैनिकों को आश्वस्त किया है कि पुलिस की कई टीमें अलग-अलग बिंदुओं पर जांच कर रही हैं।

मनरेगा के भुगतान को लेकर परेशान जनप्रतिनिधि

खटीमा: विकासखंड में वर्ष 2024-25 में मनरेगा योजना के तहत कराए गए कार्यों का अभी तक भुगतान नहीं होने से निवर्तमान ग्राम प्रधान और क्षेत्र समिति सदस्य गंभीर संकट का सामना कर रहे हैं। वह खंड विकास अधिकारी, जिला प्रशासन सहित विधायक, सांसद एवं मुख्यमंत्री दरबार तक चक्कर लगा रहे हैं लेकिन अभी तक भुगतान नहीं हो सका है।

ग्राम पंचायत बिरिया के निवर्तमान ग्राम प्रधान ने अपना वीडियो वायरल कर भुगतान न मिलने पर आत्महत्या की धमकी तक दी थी। वर्ष 2024-25 के दौरान विकासखंड क्षेत्र के ग्रामीण जनप्रतिनिधि ने भारत सरकार की मनरेगा योजना के तहत खुरली, बकरी, मुर्गी वाडे, संपर्क मार्ग, पशु चारा नॉद आदि विकास कार्य संपन्न कराए थे। लेकिन इनका लगभग 8 करोड़ से अधिक का भुगतान अभी तक नहीं हो सका है। मनरेगा के भुगतान को लेकर ग्राम प्रधानों का एक शिष्टमंडल शासन प्रशासन सहित सांसद अजय भट्ट से हल्द्वानी मिल चुका है। ग्रामीण जनप्रतिनिधि रहे कई लोगों ने यह भी बताया कि उनके द्वारा भुगतान को लेकर मामला सीएम पोर्टल पर भी भेजा गया है। खंड विकास अधिकारी संजय कुमार गांधी ने बताया कि बीते दिवस यहां पहुंचे कृषि मंत्री गणेश जोशी सहित जिला प्रशासन के समक्ष वार्ता हुई है।

ओवरलोड वाहनों पर लगाम लगाने की मांग

● छात्रसंघ अध्यक्ष रजविंदर कौर ने ज्ञापन सौंपा

संवाददाता सितारगंज

ओवरलोड वाहनों पर लगाम लगाने के लिए ज्ञापन देते छात्र। ● अमृत विचार

अमृत विचार : ओवरस्पीड व ओवरलोड वाहनों पर लगाम लगाने के लिए छात्रसंघ अध्यक्ष रजविंदर कौर ने एसडीएम के पेशकार को ज्ञापन सौंपा है।

शुक्रवार को दिए ज्ञापन में छात्रसंघ अध्यक्ष रजविंदर कौर ने कहा कि उनके राजकीय पीजी महाविद्यालय की रोड पर कई स्टोन क्रशर स्थित हैं। इसके अलावा सिडकुल भी इसी रोड पर है। जहां से दिनभर कई ओवरलोड व ओवरस्पीड वाहन गुजरते हैं। इससे छात्रों, स्थानीय निवासी एवं राहगीरों को हमेशा सड़क दुर्घटना होने की आशंका बनी रहती है। उन्होंने मांग की कि महाविद्यालय के सामने से गुजरने वाले ओवरलोड व ओवरस्पीड वाहनों पर सख्त कार्रवाई कर उनका चालान किया जाए। इसके अलावा महाविद्यालय के आसपास नियमित पुलिसिंग की जाए। उन्होंने स्टोन क्रशर के मालिकों व सिडकुल के अधिकारियों के साथ बैठक कर वाहनों की आवागमन के समय को निर्धारित करने की मांग की। इसके अलावा इन भारी वाहनों के कारण उत्पन्न होने वाली धूल को नियंत्रित करने के लिए नियमित पानी का छिड़काव एवं आवश्यक प्रबंध करने की मांग की। इस मौके पर पूर्व छात्रसंघ कोषाध्यक्ष तुषार शर्मा, बिट्टू सिंह साजिद आदि मौजूद रहे।

वरिष्ठ किसान साधू सिंह का निधन

साधू सिंह (फाइल)।

किच्छा: नगर निवासी मीडिया कर्मी रणजीत सिंह मानकिया के बड़े भाई एवं वरिष्ठ किसान सरदार साधू सिंह का आकस्मिक निधन हो गया। नगर के बाईपास स्थित सत्यपथ धाम पर सैकड़ों लोगों की मौजूदगी में उन्हें अंतिम विदाई दी गई। नगर के वरिष्ठ पत्रकार रणजीत सिंह के बड़े भाई किच्छा के आवास विकास निवासी 69 वर्षीय साधू सिंह का लंबे समय से स्वास्थ्य खराब चल रहा था। साधू सिंह की पत्नी का पूर्व में निधन हो चुका है। इस मौके पर क्षेत्रीय विधायक तिलक राज बेहड़, पूर्व पालिका अध्यक्ष दर्शन कोहली, कांग्रेस नगर अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी बबलू ने शोक जताया है।

दादा-दादी के आशीर्वाद से हमें मिलती है सफलता

● शांतिपुरी में ग्रैंड पैरेंट्स डे पर बच्चों ने कार्यक्रम पेश किए

संवाददाता, शांतिपुरी

संस्कृत इंटरनेशनल एकेडमी शांतिपुरी में आयोजित ग्रैंड पैरेंट्स डे पर सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करते स्कूली बच्चे।

अमृत विचार: शांतिपुरी नंबर दो ढाकानी संस्कृत इंटरनेशनल एकेडमी स्कूल में आयोजित ग्रैंड पैरेंट्स डे का शुभारंभ कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व विधायक राजेश शुक्ला एवं विशिष्ट अतिथि बार एसोसिएशन के अध्यक्ष भूपेश दुम्का ने संयुक्त रूप से किया।

विद्यालय मैनेजमेंट की ओर से चयनित बुजुर्ग दादा दादी को सम्मानित करते हुए मुख्य अतिथि शुक्ला ने कहा कि दादा-दादी के आशीर्वाद से हमें जीवन में सफलता मिलती है। इसलिए हमें हमेशा उनका सम्मान करना चाहिए। विशिष्ट अतिथि अध्यक्ष बार एसोसिएशन भूपेश दुम्का ने छात्र-छात्राओं से अच्छी सफलता प्राप्ति के लिए लक्ष्य आधारित शिक्षा ग्रहण करने की अपील की। प्रबंध निदेशक राम सिंह कोरंगा ने अतिथियों का स्वागत अभिवादन किया। इस दौरान स्कूली छात्र-छात्राओं ने दादा-दादी के सम्मान में विभिन्न प्रकार की बोली, भाषा एवं संस्कृति पर आधारित रंगारंग प्रस्तुतियां देकर दर्शकों को मंत्र-मुग्ध कर दिया। इस अवसर पर विद्यालय के मेधावी छात्र-छात्राओं को भी सम्मानित किया। कार्यक्रम में हरीश कोरंगा, कल्याण सिंह मटियानी, हरीश चंद्र जोशी, मण्डल महामंत्री टीकम कोरंगा, कुशल सिंह कोरंगा, प्रबंधक ईश्वर सिंह कोरंगा, प्रधानाचार्या उर्मिला कोरंगा, नेत्र सिंह देउपा आदि मौजूद रहे।

सिटी कॉन्वेंट स्कूल में विजेताओं को सम्मानित करते प्रबंधक। ● अमृत विचार

सिटी कॉन्वेंट में खेलकूद प्रतियोगिता का आगाज

खटीमा : सिटी कॉन्वेंट स्कूल में दो दिवसीय वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का भव्य आगाज हुआ। विद्यालय के संस्थापक मोहन चंद्र उपाध्याय ने खेल मशाल प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस दौरान विभिन्न हाउसों के छात्र-छात्राओं ने शानदार मार्च पास्ट किया और रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी। प्रतियोगिता के पहले दिन नर्सरी से कक्षा 2 तक के बच्चों के लिए लेमन रेस, बैलेंस रेस और बॉल कलेक्शन जैसी रोचक स्पर्धाएं आयोजित की गईं। संस्थापक उपाध्याय ने कहा कि खेल सर्वांगीण विकास के लिए आवश्यक हैं। प्रधानाचार्य शुभ्रा सक्सेना ने सफल आयोजन के लिए अभिभावकों का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर रमेश चौहान, ललित मोहन जोशी, रमेश महर, नरेंद्र भट्ट, विद्यालय प्रबंधक प्रवीण उपाध्याय, एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर तिलक उपाध्याय, एडमिन ऑफिसर राजेश जोशी आदि मौजूद रहे।

नृत्य में नेशनल स्कूल रुद्रपुर की टीम अव्वल

● विद्यालयी शिक्षा विभाग की ओर से आयोजित हुई प्रतियोगिता

● रुद्रपुर, गदरपुर और सितारगंज के विभिन्न विद्यालयों की 15 टीमों ने किया प्रतिभाग

संवाददाता, रुद्रपुर

नृत्य प्रतियोगिता में प्रस्तुति देतीं स्कूली छात्राएं। ● अमृत विचार

अमृत विचार: गांधी पार्क में सरस आजीविका मेले में सातवें दिन शुक्रवार को विद्यालयी शिक्षा विभाग की नृत्य प्रतियोगिता आयोजित की गयी। समूह नृत्य प्रतियोगिता में विकासखंड रुद्रपुर, गदरपुर और सितारगंज के विभिन्न विद्यालयों की 15 टीमों ने प्रतिभाग किया।

शुक्रवार को सरस आजीविका मेले में विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने नृत्य प्रतियोगिता के दौरान देशभक्ति गीत, प्रेरणा गीत और लोक गीतों पर उत्कृष्ट समूह नृत्य का प्रदर्शन किया। नृत्य प्रतियोगिता में नेशनल पब्लिक स्कूल रुद्रपुर की टीम प्रथम, सनातन धर्म कन्या इंटर कॉलेज रुद्रपुर की टीम ने द्वितीय और इएलपीएस रुद्रपुर व पुलिस मॉर्डन स्कूल टीमों ने संयुक्त रूप से तृतीय स्थान प्राप्त किया। समूह नृत्य प्रतियोगिता की निर्णायक सुमन ब्यास ने सभी टीमों को शुभकामनाएं दीं।

प्रतियोगिता के बाद टीमों को पुरस्कृत किया गया। साथ ही छात्र-छात्राओं को प्रमाण पत्र वितरित किए गए। इस अवसर पर पीडी हिमांशु जोशी, सहायक निदेशक मत्स्य संजय कुमार छिम्वाल, खंड विकास अधिकारी शेखर चंद्र जोशी, प्रतियोगिता के कार्यक्रम समन्वयक मोहन उपाध्याय सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित रहे। प्रतियोगिता का संचालन संयुक्त रूप से विभु कृष्णा, हरीश दनाई एवं संजीव बुधौरी ने किया।

पड़ोसी ने घर में घुसकर किया दुष्कर्म का प्रयास

संवाददाता सितारगंज

अमृत विचार : पड़ोसी ने एक महिला के घर में घुसकर उससे जबरन दुष्कर्म करने का प्रयास किया। उसके कपड़े फाड़ दिए। साथ ही, धारदार हथियार से हमला कर उसे घायल कर दिया। मामले में पुलिस ने न्यायालय के आदेश पर आरोपी युवक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है।

सितारगंज के एक गांव निवासी महिला ने बताया कि वह शादीशुदा है। 7 दिसंबर की दोपहर को उसका पड़ोसी अनिल कुमार उसके घर में घुस आया और उसके साथ छेड़छाड़ करने लगा। विरोध करने पर उसने धारदार हथियार से उसके हाथ, छाती, पीठ और जांघ पर हमला कर दिया। इससे वह बुरी तरह घायल हो गई। आरोप लगाया कि आरोपी ने उसके कपड़े फाड़ दिए। मदद के लिए चीखने-चिल्लाने पर उसका मुंह भी बंद कर दिया। किसी तरह उसने आरोपी के चंगुल से निकलकर अपनी जान बचाई। आरोप लगाया कि अनिल ने उसे व उसके परिवार को जान से मारने की धमकी दी है। 2010 में कोतवाली सितारगंज में उसके ख़िलाफ़ प्राथमिकी दर्ज की गई थी। जिसमें न्यायिक मजिस्ट्रेट खटीमा ने उसे 26 मार्च 2016 को दोषसिद्ध किया था। बताया कि 7 दिसंबर को उप जिला अस्पताल, सितारगंज में मेडिकल परीक्षण करने के बाद कोतवाली सितारगंज में शिकायत की थी।

आरोप | हथियार तस्करी कांड में विधायक बोले-शुक्ला का करीबी है हथियार सप्लायर

पूर्व विधायक के करीबी ने रची हत्या की साजिश : बेहड़

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचारः किच्छा विधायक तिलकराज बेहड़ ने बरेली पुलिस द्वारा पकड़े गए एक हथियार सप्लायर के मामले में पूर्व विधायक राजेश शुक्ला पर तीखा हमला बोला है। शुक्रवार को प्रेस वार्ता में बेहड़ ने दावा किया कि यूपी पुलिस द्वारा बरामद अवैध पिस्टल और कारतूसों की खेप पूर्व विधायक के "राइट हैंड" माने जाने वाले प्रधान पति गफ्फार खान के लिए मंगवाई गई थी। उन्होंने आशंका जताई कि इन हथियारों का इस्तेमाल उनकी या कांग्रेस नेता सरवर यार खान की हत्या के लिए किया जा सकता था।

विधायक बेहड़ ने आरोप लगाया कि किच्छा पुलिस हिस्ट्रीशीटर गफ्फार खान के खिलाफ कार्रवाई करने के बजाय मौन है। उन्होंने कहा कि अपराधी सरेआम पुलिस कार्यालयों में बैठकर भूमि कब्जाने की योजना बनाते हैं। बेहड़ ने सीधे तौर पर राजेश शुक्ला से सवाल किया कि यदि वे "पाक-साफ" हैं, तो सार्वजनिक रूप से गफ्फार के साथ अपने रिश्तों को स्पष्ट करें। उन्होंने यह भी याद दिलाया कि पंचायत चुनाव के दौरान भी हथियारों के बल पर बीडीसी सदस्यों को डराया गया था, जिसका वीडियो साक्ष्य पुलिस को दिया जा चुका है।

पुलिस की कार्यप्रणाली पर उठाए सवाल

बेहड़ ने जनपद पुलिस पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कहा कि उनके द्वारा डीजीपी और एसएसपी को लिखे गए पत्रों की अनदेखी की जा रही है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि बरेली पुलिस की जांच में नामजद अभियुक्त के खिलाफ जल्द कार्रवाई नहीं हुई, तो वे पुलिस के खिलाफ मोर्चा खोलेंगे। उन्होंने नए एसएसपी से मांग की कि तराई में सक्रिय 100 से अधिक चिन्हित अपराधियों के खिलाफ तत्काल सख्त कदम उठाए जाएं, अन्यथा क्षेत्र में कभी भी कोई बड़ी वारदात हो सकती है।

गफ्फार ने बेहड़ के आरोपों को बताया निराधार

किच्छा : कांग्रेस विधायक तिलक राज बेहड़ द्वारा ग्राम दरऊ के प्रधान पति एवं भाजपा नेता गफ्फार खान पर अवैध हथियारों की खरीद फरोख्त में शामिल होने का आरोप लगाए जाने के बाद गफ्फार खान ने मीडिया के सामने आकर आरोपों को निराधार बताया। भाजपा नेता गफ्फार खान ने कहा कि उनके खिलाफ छह मुकदमे दर्ज थे जो कि सभी खत्म हो चुके हैं। उन्होंने कहा कि एसआईटी पुलिस टीम द्वारा ग्राम दरऊ में एक युवक के निवास पर अवैध हथियारों के शक में छापामार कार्यवाही की गई थी। एसएसपी बरेली द्वारा प्रेस वार्ता में उनका नाम विधायक बेहड़ के इशारे पर लेकर उन्हें झूठा फंसाने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने एसएससी बरेली से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की मांग करते हुए आरोप लगाया कि 2027 के विधानसभा चुनाव में अपनी हार को देखकर विधायक बेहड़ द्वारा उन्हें साजिशन फंसाने की साजिश रची जा रही है।

बौखला गए हैं किच्छा विधायक बेहड़: शुक्ला

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: किच्छा विधायक तिलकराज बेहड़ द्वारा लगाए गए सनसनीखेज आरोपों पर पूर्व विधायक राजेश शुक्ला ने तीखा पलटवार किया है। शुक्रवार को पत्रकारों से वार्ता करते हुए शुक्ला ने कहा कि बेहड़ अपनी राजनीतिक जमीन खिसकती देख बौखला गए हैं और झूठ का सहारा ले रहे हैं।

राजेश शुक्ला।

शुक्ला ने कहा कि बरेली पुलिस ने अभी जांच शुरू ही की है, लेकिन बेहड़ ने पहले ही उनके करीबी को अपराधी घोषित कर दुष्प्रचार शुरू कर दिया। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि मुस्लिम मतदाताओं का भाजपा के प्रति झुकाव देखकर बेहड़ भयभीत हैं। शुक्ला ने चुनौती दी कि यदि जांच में ''प्रधान पति'' निर्दोष साबित हुए, तो क्या बेहड़ सार्वजनिक रूप से माफी मांगेंगे?

पूर्व विधायक ने बेहड़ पर भाजपा नेता सुरेश कोली के खिलाफ अशोभनीय टिप्पणी कर कोली समाज का अपमान करने का भी आरोप लगाया। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि बेहड़ ने इस पर माफी नहीं मांगी, तो कोली समाज के साथ मिलकर आंदोलन किया जाएगा।

मारपीट करने के मामले में चार लोग नामजद

खटीमा : पुलिस ने बयाना के पैसे वापस गए युवक के साथ एक राय होकर मारपीट करने वाल चार लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। चन्देली निवासी हरचरण सिंह पुत्र दलवीर सिंह ने पुलिस को सौंपी तहरीर में कहा है कि उसने भुजिया नंबर तीन निवासी बसन्त गिरी को राजेन्द्र सिंह की भूमि बिक्री का सौदा कराया था लेकिन राजेन्द्र सिंह सौदे से मुकर गया। यह भी कहा है कि 18 फरवरी को करीब साढ़े दस बजे जब वह बकाया की एक लाख की राशि लेने राजेन्द्र सिंह के घर गया और बयाने के वापस मांगे तो राजेन्द्र सिंह ने अपने पुत्रों बलराज सिंह, युगराज सिंह और मनप्रीत सिंह पुत्र रविन्द्र सिंह को बुला लिया और सभी एकराय होकर प्रार्थी के साथ गाली गलौज एवं मारपीट की जिसमें उसके सिर पर चोट आई। हल्ला गुल्ला देख बचाव को कई लोग आ गए तो वह लोग जान से मारने की धमकी देते हुए चले गए।

पारदर्शी जांच की उम्मीद

महाराष्ट्र के वरिष्ठ नेता अजित पवार की विमान दुर्घटना में हुई असामयिक मृत्यु ने राज्य ही नहीं, राष्ट्रीय स्तर पर भी गहरी संवेदना और सवालों का वातावरण निर्मित किया। किसी भी हाई-प्रोफाइल दुर्घटना के बाद स्वाभाविक रूप से संशय और आशंकाएं जन्म लेती हैं। ऐसे में यक्ष प्रश्न यही है कि क्या दुर्घटना के वास्तविक कारण निष्पक्षता और पारदर्शिता के साथ सामने आ पाएंगे। इस संदर्भ में केंद्र सरकार और नागरिक उड्डयन मंत्रालय का रुख भरोसा जगाने वाला है।

दुर्घटना की जांच का दायित्व 'एयरक्राफ्ट एक्सीडेंट इन्वेस्टिगेशन ब्यूरो' यानी एएआईबी को सौंपा गया है, जो अंतर्राष्ट्रीय नागरिक उड्डयन संगठन आईसीएओ के मानकों के अनुरूप कार्य करता है। मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि जांच पूरी तरह तकनीकी, साक्ष्य-आधारित और राजनीतिक हस्तक्षेप से मुक्त होगी। यह घोषणा स्वयं इस बात का संकेत है कि सरकार इस मामले को औपचारिक प्रक्रिया के रूप में नहीं, बल्कि संस्थागत विश्वसनीयता की कसौटी के रूप में देख रही है। तकनीकी स्तर पर हुई प्रगति इस प्रतिबद्धता को और सुदृढ़ करती है। नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने पुष्टि की है कि डिजिटल फ्लाइट डेटा रिकॉर्डर या डीएफडीआर से डेटा सफलतापूर्वक डाउनलोड कर लिया गया है। यह डेटा विमान की गति, ऊंचाई, इंजन की स्थिति और पायलट के तकनीकी इनपुट्स का विस्तृत रिकॉर्ड प्रस्तुत करता है। इस आधार पर एएआईबी ने 30 दिनों के भीतर प्रारंभिक जांच रिपोर्ट जारी करने की घोषणा की है। समयबद्ध रिपोर्टिंग की यह सार्वजनिक प्रतिबद्धता पारदर्शिता और जवाबदेही की दिशा में महत्वपूर्ण कदम मानी जा सकती है, हालांकि कॉकपिट वॉयस रिकॉर्डर यानी सीवीआर से डेटा निकालने में तकनीकी चुनौतियां सामने आई हैं, विशेषकर दुर्घटना के बाद लगी आग के कारण। इसके बावजूद सरकार ने स्पष्ट किया है कि विशेषज्ञों और निर्माता कंपनी की सहायता ली जा रही है, ताकि उपलब्ध प्रत्येक तकनीकी स्रोत का उपयोग किया जा सके। यह दृष्टिकोण इस बात को रेखांकित करता है कि जांच एजेंसियां किसी भी तथ्य को अधूरा छोड़ने के पक्ष में नहीं हैं। इस बीच विपक्ष की ओर से, विशेषकर एनसीपी (एसपी) की नेता सुप्रिया सुले द्वारा पारदर्शी और औपचारिक जांच की मांग की गई है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में ऐसी मांगें स्वाभाविक हैं। उल्लेखनीय यह है कि सरकार ने इन आवाज़ों को प्रतिरोध के रूप में नहीं देखा, बल्कि जांच की निष्पक्षता और विधिक प्रक्रिया को दोहराते हुए सकारात्मक प्रतिक्रिया दी है। इससे यह संकेत मिलता है कि इस मामले को राजनीतिक विवाद के बजाय सार्वजनिक विश्वास के प्रश्न के रूप में लिया जा रहा है। सरकार द्वारा संबंधित विमानन संचालन और रख-रखाव प्रक्रियाओं की समीक्षा तथा आवश्यक ऑडिट की पहल भी की गई है।

कुल मिलाकर अजित पवार विमान दुर्घटना की जांच तकनीकी संस्थाओं की क्षमता और सरकार की नीयत दोनों की परीक्षा है। अब तक के संकेत, डेटा रिकवरी, समयबद्ध रिपोर्ट की घोषणा और विशेषज्ञ सहयोग, यह दर्शाते हैं कि प्रक्रिया को गंभीरता और विधिक अनुशासन के साथ आगे बढ़ाया जा रहा है। यह जांच न केवल सत्य को सामने लाएगी, बल्कि सार्वजनिक विश्वास को भी सुदृढ़ करेगी।

प्रसंगवश

इतिहास के गर्त में समाती मातृभाषाएं

दुनिया भर में अंग्रेजी भाषा के पसरते पांव और मिल रहे संरक्षण ने विश्व में बोली जाने वाली उन सैकड़ों लोक भाषाओं के अस्तित्व पर संकट खड़ा कर दिया है, जो सदियों से बोली जाती रही हैं। इस परिप्रेक्ष्य में चौकानें वाला तथ्य यह है कि विलुप्त हो रही भाषाओं में भारत के तकरीबन 196 भाषाओं का अस्तित्व भी खतरे में है। गत वर्ष पहले 'भाषा रिसर्च एंड पब्लिकेशन सेंटर' द्वारा किए गए 'भारतीय भाषाओं के लोक संरक्षण' की रिपोर्ट से उजागर हुआ था कि विगत 50 वर्षों में भारत में बोली जाने वाली 850 भाषाओं में तकरीबन 250 भाषाएं विलुप्त हो चुकी हैं। इनमें भी 130 से अधिक भाषाओं का अस्तित्व तो पूरी तरह खतरे में है। इस शोध के मुताबिक असम की 55, ओडिसा की 47, त्रिपुरा की 10, महाराष्ट्र एवं गुजरात की 50, मेघालय की 31, मणिपुर की 28, नागालैंड की 17 और त्रिपुरा की 10 भाषाएं मरने यानी खत्म होने के कगार पर हैं। इन्हें बोलने वालों की संख्या लगातार घट रही है। उदाहरण के तौर पर सिक्किम में माझी बोलने वालों की संख्या सिर्फ चार रह गई है। इसी तरह कई अन्य लोक भाषाओं के बोलने वालों की तादाद ऊंगली पर है।

अरविंद जयतिलक
लेखक

गौर करें तो यह लोक भाषाओं के अस्तित्व के लिए गंभीर चुनौती है। चूंकि भारत भाषायी विविधता से समृद्ध देश है और लोक भाषाएं लोक संस्कृति का प्रतिनिधित्व करती हैं, ऐसे में उनका संरक्षण और भी अधिक जरूरी हो जाता है, लेकिन विडंबना है कि भाषाओं के प्रति संवेदनशीलता बढ़ने के बजाए उदासीनता ज्यादा है। गौर करें तो भारत ही नहीं वैश्विक स्तर पर भी लोक भाषाएं तेजी से विलुप्त हो रही हैं। गत वर्ष पहले मैक्सिको की पुरानतम भाषाओं में से एक अयापनेको के विलुप्त होने की खबर अच्छी खासी चर्चा में रही, इसलिए कि अयापनेको भाषा को जानने और बोलने वाले लोगों की संख्या विश्व में महज दो रह गई है। दुर्भाग्यपूर्ण यह है कि इन शेष दो लोगों ने भी ठान लिया है कि वह आपस में इस भाषा के जरिए वार्तालाप नहीं करेंगे। मतलब साफ है कि अयापनेको भाषा का अस्तित्व मिटने जा रहा है।

विश्व की हर भाषा की अपनी ऐतिहासिकता और गरिमा होती है। प्रत्येक समाज अपनी भाषा पर गर्व करता है। अयापनेको भाषा की भी अपना एक विलक्षण इतिहास रहा है। इस भाषा को मैक्सिको पर स्पेनिश विजय का गवाह माना जाता है, लेकिन विडंबना है कि जिस अयापनेको भाषा को युद्ध, क्रांतियां, सूखा और बाढ़ लील नहीं पाया वह आज अपने ही लोगों की संवेदनहीनता के कारण अस्तित्व के दौर से गुजरने को मजबूर है। इन सबके बीच सुखद बात यह है कि इंडियाना विश्वविद्यालय के भाषायी नृविज्ञानी अयापनेको भाषा का शब्दकोष बनाकर उसे विलुप्त होने से बचाने की जुगत कर रहे हैं। पर देखा जाए तो भाषाओं के विलुप्त होने की समस्या सिर्फ अयापनेको तक ही सीमित नहीं है। विश्व के तमाम देशों में बोली जाने वाली अन्य स्थानीय भाषाएं भी दम तोड़ रही हैं।

दुनियाभर में तकरीबन 6900 भाषाएं बोली जाती हैं। इनमें से 2500 से अधिक भाषाओं के अस्तित्व पर संकट मंडरा रहा है। नतीजा इन्हें 'भाषाओं की चिंताजनक स्थिति वाली भाषाओं की सूची' में रखने के लिए मजबूर होना पड़ा है। गत वर्ष पहले संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा कराए गए एक तुलनात्मक अध्ययन से खुलासा हुआ कि 2001 में विलुप्तप्राय: भाषाओं की संख्या जो 900 के आसपास थी, वह आज बढ़कर तीन गुना के पार पहुंच चुकी है।

(यह लेखक के निजी विचार हैं।)

नरक क्या है? मेरा मानना है कि यह प्रेम करने में असमर्थ होने का दुख है।
–फ्योदोर दोस्तोवस्की, रूसी साहित्यकार

प्रमाणन की होड़ में दम तोड़ती अकादमिक गुणवत्ता

डॉ. प्रियंका सौरभ
लेखिका

गलगोटिया यूनिवर्सिटी में रोबोडॉग के प्रदर्शन से जुड़ा हालिया विवाद सोशल और मुख्यधारा मीडिया में व्यापक चर्चा का विषय बना हुआ है। सतह पर यह मामला उपयुक्तता, प्राथमिकताओं या कैंपस संस्कृति से जुड़ा प्रतीत होता है, लेकिन वास्तविकता में यह भारत की उच्च शिक्षा व्यवस्था में वर्षों से पनप रहे एक गहरे और संरचनात्मक संकट का केवल एक लक्षण है। समस्या रोबोडॉग नहीं है। समस्या यह है कि हमारे विश्वविद्यालय धीरे-धीरे क्या बनते चले गए हैं।

पिछले दो दशकों में भारत में उच्च शिक्षा का अभूतपूर्व विस्तार हुआ है। निजी विश्वविद्यालयों, स्ववित्तपोषित कॉलेजों और डिग्री संस्थानों की संख्या तेज़ी से बढ़ी है। इस विस्तार को अक्सर 'शिक्षा तक पहुंच बढ़ने' और 'जनसांख्यिकीय लाभ' के रूप में प्रस्तुत किया गया, लेकिन जब यह विस्तार समानांतर नियमन, अकादमिक कठोरता और जवाबदेही के बिना हुआ, तो इसकी क़ीमत गुणवत्ता को चुकानी पड़ी। परिणाम यह हुआ कि मात्रा बढ़ी, पर गुणवत्ता गिरती चली गई।

आज देश के अधिकांश (हालांकि सभी नही) निजी विश्वविद्यालय और डिग्री कॉलेज शिक्षा के केंद्र कम और डिग्री वितरण केंद्र अधिक बन गए हैं। शिक्षा एक बौद्धिक प्रक्रिया नहीं, बल्कि लेन-देन बनती जा रही है। पैसे के बदले डिग्री। उपस्थिति, अकादमिक भागीदारी, प्रयोगशाला कार्य और बौद्धिक अनुशासन जैसी बातें अब अनिवार्य नहीं रहीं, बल्कि समझौते के दायरे में आ गई हैं। जो कभी उच्च शिक्षा में गैर-समझौतावादी हुआ करता था, वह अब लचीला, कमजोर और विकृत हो चुका है।

यह गिरावट विशेष रूप से उन विषयों में चिंताजनक है, जहां कठोरता अनिवार्य है। सैद्धांतिक पढ़ाई का कमजोर होना एक बात है, लेकिन विज्ञान शिक्षा का खोखला हो जाना कहीं अधिक गंभीर है। आज स्थिति यह है कि छात्र बिना नियमित कक्षाओं में गए और बिना प्रयोगशाला में व्यावहारिक प्रशिक्षण लिए विज्ञान जैसे विषयों में स्नातक और परास्नातक डिग्रियां प्राप्त कर रहे हैं। प्रयोगात्मक कार्य, जो कभी वैज्ञानिक प्रशिक्षण की रीढ़ हुआ करता था, अब औपचारिकता बनकर रह गया है। डिग्रियां तो दी जा रही हैं, लेकिन दक्षता सुनिश्चित नहीं की जा रही।

इस खोखलेपन के परिणाम तब स्पष्ट होते हैं, जब छात्र नौकरी के लिए सामने आते हैं। रसायन विज्ञान में परास्नातक छात्र बुनियादी वैज्ञानिक अवधारणाएं नहीं समझा पाता। कॉमर्स स्नातक डेबिट और क्रेडिट की मूल अवधारणा स्पष्ट नहीं कर पाता। प्रबंधन की डिग्री रखने वाला छात्र समस्या-समाधान और आलोचनात्मक सोच में कमजोर दिखाई देता है। ये कोई इक्का-दुक्का उदाहरण नहीं, बल्कि उद्योग जगत द्वारा बार-बार देखी जा रही सामान्य प्रवृत्तियां हैं। स्वाभाविक रूप से इससे छात्रों और अभिभावकों में निराशा पैदा होती है। वर्षों की पढ़ाई और भारी आर्थिक निवेश के बावजूद जब रोजगार नहीं मिलता, तो सवाल उठते हैं। माता-पिता यह पूछने में बिल्कुल सही होते हैं कि पढ़ाई के बाद भी बच्चा बेरोज़गार क्यों है? रोजगार सृजन एक नीतिगत चुनौती है, लेकिन यह विमर्श एक असहज सच्चाई को नज़रअंदाज़ कर देता है कि बड़ी संख्या में स्नातक वास्तव में रोजगार-योग्य ही नहीं हैं।

यहीं से मूल प्रश्न जन्म लेता है। यदि छात्रों में आवश्यक ज्ञान और कौशल नहीं है, तो उन्हें योग्य घोषित करने वाली डिग्रियां उन्हें कैसे मिल गईं? ऐसी संस्थाओं को बिना अकादमिक गुणवत्ता सुनिश्चित किए प्रमाणपत्र बांटने की अनुमति किसने दी? इसका उत्तर हमें उच्च शिक्षा के नियामक ढांचे में मिलता है। भारत में उच्च शिक्षा की देखरेख कई मंत्रालयों, विभागों और नियामक संस्थाओं द्वारा की जाती है, जिनका घोषित उद्देश्य मानकों की रक्षा, गुणवत्ता सुनिश्चित करना और अकादमिक ईमानदारी बनाए रखना है।

मान्यता प्रणालियां, निरीक्षण, मूल्यांकन और अकादमिक ऑडिट इसी उद्देश्य से बनाए गए थे, लेकिन व्यवहार में ये प्रक्रियाएं अक्सर वास्तविक मूल्यांकन के बजाय औपचारिक अनुष्ठान बनकर रह गई हैं। निरीक्षण प्रायः पूर्व-निर्धारित होते हैं। दस्तावेज़ औपचारिकताओं को पूरा करने के लिए सजाए जाते हैं। इमारतों और बुनियादी ढांचे को शिक्षण गुणवत्ता पर प्राथमिकता दी जाती है। अनुपालन को सीखने के परिणामों से ऊपर रखा जाता है। छात्रों का वास्तविक अकादमिक अनुभव, शिक्षण की गुणवत्ता, परीक्षा की कठोरता और जिज्ञासा की संस्कृति, इन पर गंभीर और निरंतर निगरानी शायद ही होती है। नतीजतन, संस्थान शिक्षा सुधारने के बजाय नियामकों को 'मैनेज' करना सीख लेते हैं।

इस नियामक शिथिलता ने एक दुष्चक्र को जन्म दिया है। संस्थान न्यूनतम अकादमिक जवाबदेही के साथ चलते रहते हैं, नियामक निगरानी का आभास बनाए रखते हैं और डिग्रियां लगातार जारी होती रहती हैं। इस व्यवस्था की क़ीमत न तो संस्थान चुकाते हैं, न ही नियामक बल्कि छात्र, नियोक्ता और समाज चुकाता है। विडंबना यह है कि एक ओर उद्योग जगत योग्य मानव संसाधन की कमी की शिकायत करता है, वहीं दूसरी ओर देश शिक्षित बेरोज़गारी के गंभीर संकट से जूझ रहा है। यह कोई विरोधाभास नहीं, बल्कि उस व्यवस्था का स्वाभाविक परिणाम है, जहां प्रमाणपत्र को क्षमता से ऊपर रखा गया है। कंपनियां नए कर्मचारियों को फिर से प्रशिक्षित करने पर भारी ख़र्च करने को मजबूर हैं, जबकि युवा पेशेवर आत्मविश्वास की कमी और करियर ठहराव से जूझते हैं। इस व्यवस्था का सबसे बड़ा शिकार वे ईमानदार और प्रतिभाशाली छात्र हैं, जो अक्सर विकल्पों की कमी या भ्रामक ब्रांडिंग के कारण औसत संस्थानों में दाख़िला ले लेते हैं। वे मेहनत करते हैं, सीखना चाहते हैं, लेकिन अंततः उन्हें अपनी काबिलियत से ज़्यादा अपनी मार्कशीट पर दर्ज संस्थान के नाम का बोझ उठाना पड़ता है। उनकी व्यक्तिगत योग्यता संस्थागत विश्वसनीयता की कमी में दब जाती है।

(यह लेखक के निजी विचार हैं।)

> गलगोटिया यूनिवर्सिटी में रोबोडॉग के प्रदर्शन से जुड़ा विवाद की उच्च शिक्षा व्यवस्था में वर्षों से पनप रहे एक गहरे और संरचनात्मक संकट का केवल एक लक्षण है।

आमने-सामने

आमने

रमजान के नाम पर बेवजह लाउडस्पीकर बजाकर बच्चों की पढ़ाई और बीमार लोगों की सेहत से खिलवाड़ नहीं करना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट के दिशा-निर्देशों और सरकारों की ओर से बनाए गए कानून का पालन करना चाहिए। मुझे अजान से दिक्कत नहीं है।
–बालमुकुंद आचार्य
बीजेपी विधायक, राजस्थान

बीजेपी विधायक खुद ही एक लाउडस्पीकर हैं, जो हमेशा नफरती बोल बोलते रहते हैं। इन्हें दूसरों से क्या परेशानी होगी, ये तो खुद सड़क से लेकर विधानसभा सदन तक लोगों के लिए परेशानी का सबब बने हुए हैं। आचार्य बीजेपी की ही भाषा बोल रहे हैं।
–घनश्याम महर
कांग्रेस विधायक
राजस्थान

सामने

राज्यों के चुनाव और भाजपा की स्थिति

डॉ. विकास शुक्ला
चिकित्सक

इस साल केरल, असम, पश्चिम बंगाल, पुडुचेरी और तमिलनाडु में विधानसभा चुनाव होने हैं। असम में भाजपा की सरकार है तो पुडुचेरी में भाजपा के नेतृत्व वाला एनडीए सत्ता में है। भाजपा इन राज्यों की सत्ता में पुनः वापसी करने की भरपूर कोशिश कर रही है, तो पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस के हाथों से सत्ता छीन कर वहां पहली बार सरकार बनाने का सपना संजोए हुए है। पार्टी को उम्मीद है कि वह केरल और तमिलनाडु में मजबूत स्थिति में उभरेगी। इन राज्यों के चुनाव भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन के लिए भी चुनौती हैं, क्योंकि उनकी ताजपोशी के बाद पहला चुनाव होने जा रहा है। इन चुनावों में उनके रणनीतिक कौशल का भी प्रदर्शन होगा।

बिहार में मिली अभूतपूर्व सफलता से भाजपा उत्साहित है। पार्टी के रणनीतिकारों को लगता है कि इस बार वे पश्चिम बंगाल की सत्ता पर काबिज हो जाएंगे। माना जा रहा है कि बड़े पैमाने पर बांग्लादेशी घुसपैठियों के नाम मतदाता सूची से बाहर हुए हैं। पार्टी वहां मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर मुस्लिम तुष्टीकरण के आरोप भी लगाती रही है। इसी को मुद्दा बनाकर भाजपा ने वहां मतदाताओं को अपने पक्ष में लामबंद करने के प्रयास शुरू किए हैं।

तृणमूल कांग्रेस को लगता है कि वह जनकल्याणकारी योजनाओं के दम पर पुनः सत्ता पा लेगी, हालांकि वहां भाजपा की निगाहें अभी कांग्रेस और वामपंथी दलों के कदम पर टिकी हुई हैं। कांग्रेस अभी ममता बनर्जी के साथ भी गठजोड़ करने को आतुर दिख रही है, लेकिन अभी उसे कोई भाव नहीं मिला है। कांग्रेस चाहेगी कि इस चुनाव में अपनी दमदार उपस्थिति दर्ज कराए, पर यह तभी संभव है, जब उसका वामपंथी दलों या ममता की पार्टी के साथ गठजोड़ हो।

भाजपा को भी पार्टी के आतंरिक कलह को खत्म करना होगा। ऐसे कई वरिष्ठ नेता हैं, जो नाराज हैं। उन्हें लगता है कि दूसरे दलों से आए नेताओं को भाव ज्यादा मिल रहा है और उन्हें किनारे किया जा रहा है। इसका लाभ ममता बनर्जी को पिछले चुनाव में मिला था। आतंरिक कलह खत्म हो, इसके लिए भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के रणनीतिकार पूरी शिद्दत से काम कर रहे हैं। यह आंतरिक कलह ही बड़ी चुनौती है। 2021 के विधानसभा चुनाव में तृणमूल कांग्रेस ने 213 सीटें जीतीं थीं, जबकि भाजपा को 77 सीटों से संतोष करना पड़ा था। भाजपा यहां कांग्रेस के मतदाताओं पर भी निगाह लगाए हुए है।

बात अगर असम की करें, तो यहां की सत्ता में भाजपा की तीसरी बार वापसी हो सकती है। मुख्यमंत्री हिमंता विश्व सर्मा के आक्रामक हिंदुत्व वाले दांव से विरोधी परेशान हैं। 2021 में 75 सीटें जीतने वाले बीजेपी गठबंधन को इस बार और अधिक सीटें मिलने की उम्मीद है। यहां पार्टी एकजुट नजर आती है, लेकिन कांग्रेस को लगता है कि वह सत्ता विरोधी लहर का लाभ उठा सकती है, इसीलिए वहां प्रियंका गांधी और राहुल गांधी अभी से सक्रिय हो गए हैं। कांग्रेस यहां गौरव गोगोई के नेतृत्व में चुनाव लड़ने को तैयार है, तो हिमंता लगातार गौरव गोगोई को भारत विरोधी सिद्ध करने में लगे हुए हैं।

मुस्लिम वोटों के दम पर वहां मजबूती से डटी एआईयूडीएफ अल्पसंख्यकों के उत्पीड़न का मुद्दा उठाकर भाजपा को घेर रही है। भाजपा को लगता है कि यह मुद्दा जितना दमदारी से उठेगा, उसे सत्ता वापसी करने में उतनी ही आसानी होगी। भाजपा अध्यक्ष नितिन नबीन जल्द ही इस राज्य का दौरा कर सकते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह के कई दौरे यहां हो चुके हैं।

तमिलनाडु में एमके स्टालिन के नेतृत्व में डीएमके की सरकार है। भाजपा यहां अन्नाद्रमुक के साथ उन्हें सत्ता से हटाने के लिए लड़ रही है। डीएमके का कांग्रेस से गठजोड़ है। उम्मीद लगाई जा रही है कि यह गठबंधन टूट जाएगा। यदि ऐसा होता है, तो भाजपा और अन्नाद्रमुक के लिए बड़ा फायदा होगा। यहां बेरोजगारी सबसे बड़ा मुद्दा है। इस मुद्दे को भाजपा और उसके सहयोगी दल उभार रहे हैं, तो सबसे बड़ी चुनौती अभिनेता विजय की पार्टी टीवीके भी पेश कर रही है। कांग्रेस इस चुनाव में अभिनेता विजय के साथ मैदान में उतरना चाहती है। यहां भाजपा हिंदुत्व के मुद्दे को उभार रही है।

केरल में लेफ्ट डेमोक्रेटिक फ्रंट सत्ता में है। इस फ्रंट ने 2021 में 99 सीटें जीतीं थीं। यहां मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन के लिए कांग्रेस के नेतृत्व वाला गठबंधन बड़ी चुनौती है, लेकिन भाजपा मुकाबले को त्रिकोणीय बनाने में जुटी है। यहां भी भाजपा हिंदुत्व के सहारे है, तो पुडुचेरी में भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार में ऑल इंडिया एनआर कांग्रेस के मुखिया एन. रंगासामी मुख्यमंत्री हैं। भाजपा को यहां यकीन है कि वह पुनः सत्ता में वापसी करेगी, हालांकि इस राज्य में मुद्दा हिंदुत्व नहीं, बल्कि विकास का है और इसी मुद्दे पर भाजपा और उसके सहयोगी दल मैदान में हैं।

(यह लेखक के निजी विचार हैं।)

> इस साल होने वाले पश्चिम बंगाल के चुनाव में बीजेपी जीत का परचम लहराना चाहती है, लेकिन यहां पार्टी का अंतर्कलह उसके लिए सर दर्द है।

सोशल फोरम

फागुन पूर्णिमा का बसंतोत्सव

फागुन का महीना हिंदी भाषी प्रदेशों में होली की मस्ती लेकर आता है। ठंड की विदाई की घोषणा होली के दिन के साथ ही मानी जाती है। रंगों और फूलों के इस मौसम से भला गुरुदेव रवींद्रनाथ का स्वप्न-संसार शांति निकेतन कैसे अछूता रहता। स्वयं गुरुदेव ने बसंत का स्वागत करने के लिए आश्रम के निवासियों के लिए बसंतोत्सव का आरंभ किया। हर साल यह फाल्गुन पूर्णिमा के दिन मनाया जाता है।

सुधा सिंह
शिक्षाविद्

गुरुदेव ने अपने संस्मरण में लिखा है, 'शांति निकेतन आकर ही मैं अपने जीवन में पहले पहल विश्व-प्रकृति के बीच उन्मुक्त हो सका था।' शांति निकेतन में प्रकृति अपने स्वच्छंद रूप में दिखती है, लेकिन यह उन्मुक्तता यहां अपने संपूर्ण रूप में बसंतोत्सव के दिन मुखरित दिखाई देती है।

बसंतोत्सव की प्रतीक्षा अन्य सभी आश्रमवासियों की तरह मुझे भी होती थी। इस समय सारा वातावरण ही तरह-तरह के फूलों और पत्तों से मह-मह करता है। मेरे अत्यंत पुराने और उसी अनुपात जर्जर दो तल्ले के घर, जिसका नाम 'प्राक्तनी' था, के सामने एक बहुत बड़ा बागान था। इसमें कई तरह के पेड़-पौधे लगे हुए थे- आम, शरीफा, बेर, अमरूद, जामुन आदि के पेड़ तथा रातरानी, छातिम, कचनार, रक्तजवा आदि फूलों के पौधे थे।

प्रवेशद्वार पर लोहे के फाटक के ठीक दोनों तरफ दो पलाश के बड़े-बड़े पेड़ थे, जो फागुन के महीने में लाल-लाल दहक कर पूरे परिवेश पर अपना वर्चस्व क़ायम कर लेते थे। सड़क के उस पार ठीक सामने उतने ही बड़े बागान के बीच बना छोटा-सा सादा और सुंदर अमृता सेन (अमर्त्य सेन की मां) का घर 'प्रतीची' है।

बसंतोत्सव की उद्घोषणा के पंद्रह-बीस रोज पहले से मेरे घर के लोहे के फाटक के दोनों ओर लगे इस पेड़ की पहरेदारी जैसी करनी पड़ती थी। सारे प्रयत्नों के बाद भी दोल या बसंतोत्सव के दिन सुबह-सुबह उठने पर एक ही नजारा हुआ करता था, बेचारे पलाश वृंतच्युत हो चुके होते थे। नंगी डालियां और जमीन पर नुचे-गिरे कुछ पलाश के फूल अमूमन यही दृश्य होता था। ऐसा इसलिए होता था कि कालिदास की शकुंतला की तरह या पुरा-मिथकों की अप्सराओं-किन्नरियों की तरह रूपसी शांति निकेतनी बालाओं का साज-सिंगार बसंतोत्सव के दिन लाल पलाश के फूल ही होते थे। उनकी बासंती रंग की साड़ी और शांति निकेतनी उत्तरीय के साथ हाथ, गले, कान और केश-सभी में गहनों का स्थानापन्न पलाश के फूल बनते थे। इस कारण बाजार में इनकी मांग बढ़ जाती थी। **-फेसबुक वॉल से**

सामयिकी

कदम-कदम पर पहचान के लिए लड़ती स्त्री

हर शाम जब वह अपने दफ़्तर से लौटकर घर का दरवाज़ा खोलती है, तो केवल ताला नहीं खुलता, बल्कि समाज की संदेहभरी निगाहें भी उसके साथ भीतर प्रवेश कर जाती हैं। वह शिक्षित, आत्मनिर्भर और आत्मविश्वास से भरी एक आधुनिक महिला है, जो अपनी गाड़ी स्वयं चलाती है। किताबों में सुकून तलाशती है और अपने सपनों की दुनिया खुद गढ़ती है, लेकिन समाज की नजर में उसकी यह सफलता सम्मान का कारण नहीं बनती, बल्कि उसे 'समस्या' का रूप दे देती है। आज लाखों महिलाएं अविवाहित, तलाकशुदा या विधवा होकर आत्मसम्मान से जी रही हैं, फिर भी उन्हें अधूरा मान लिया जाता है। मानो विवाह ही स्त्री के अस्तित्व की अंतिम स्वीकृति हो। यही सीमित सोच उन्हें सराहना के बजाय संदेह और सवालों के कटघरे में खड़ा कर देती है।

यह मानसिकता अचानक उत्पन्न नहीं हुई, बल्कि सदियों पुरानी परंपराओं की गहराइयों से निकली है। समाज ने स्त्री को सदैव किसी न किसी पुरुष की छाया में देखने की आदत बना ली है। पिता, पति और पुत्र, इन्हीं के माध्यम से उसके जीवन की पहचान तय कर दी गई। आज भी अनेक परिवार विवाह को ही स्त्री की सबसे बड़ी उपलब्धि मानते हैं। नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे के अनुसार शहरो में अविवाहित महिलाओं की संख्या निरंतर बढ़ रही है, फिर भी सामाजिक सोच अब तक पिछड़ेपन से मुक्त नहीं हो सकी है। स्वतंत्र और आत्मनिर्भर महिला को व्यवस्था के लिए खतरा माना जाता है, क्योंकि वह पारंपरिक सत्ता संरचना को चुनौती देती है और स्थापित मान्यताओं को प्रश्नों के कटघरे में खड़ा कर देती है।

कृति जैन
लेखिका

इस भय का सबसे गहरा प्रभाव महिलाओं के रोज़मर्रा के जीवन में स्पष्ट रूप से दिखाई देता है। मकान मालिक उन्हें किराए पर घर देने से हिचकिचाते हैं, पड़ोसी कानाफूसी करते हैं और रिश्तेदार बार-बार विवाह की याद दिलाकर मानसिक दबाव बढ़ाते हैं। कार्यस्थल पर भी उन्हें अलग दृष्टि से देखा जाता है, मानो उनकी योग्यता नहीं, बल्कि उनका वैवाहिक दर्जा ही उनकी पहचान हो। पुरुषों का अविवाहित रहना सामान्य माना जाता है, किंतु किसी महिला का अकेले रहना उसके चरित्र पर प्रश्नचिह्न लगा देता है। ग्रामीण क्षेत्रों में यह स्थिति और भी गंभीर हो जाती है, जहां अविवाहित या विधवा महिलाओं को सामाजिक बहिष्कार और उपेक्षा का सामना करना पड़ता है। यह दोहरा मापदंड धीरे-धीरे महिलाओं की आत्मविश्वास और मानसिक शक्ति को कमजोर करने का माध्यम बन जाता है।

अकेली महिलाओं की कठिनाइयां केवल सामाजिक स्तर तक सीमित नहीं हैं, बल्कि संस्थागत ढांचों में भी गहराई से समाई हुई हैं। संपत्ति अधिकार, बैंक ऋण, बीमा योजनाएं और अनेक सरकारी सुविधाएं आज भी विवाहितों को प्राथमिकता देती हैं। व्यवस्था अब तक यही मानकर चलती है कि महिला का जीवन किसी पुरुष के सहारे ही पूर्ण होता है। जब वह अपने बल पर आगे बढ़ती है, तो उसे अपवाद की तरह देखा जाता है। यह मानसिकता वास्तव में पितृसत्ता की असुरक्षा को उजागर करती है। पुरुष-प्रधान व्यवस्था को भय है कि यदि महिलाएं बिना किसी सहारे के सफल हो गईं, तो नियंत्रण और प्रभुत्व की दीवारें स्वतः ढह जाएंगी। इसी कारण अविवाहित रहना आज केवल निजी पसंद नहीं, बल्कि एक सशक्त सामाजिक विद्रोह बन चुका है। जब कोई महिला स्पष्ट कहती है कि उसे अभी या कभी विवाह नहीं करना, तो वह परंपराओं को सीधी चुनौती देती है। वह यह सिद्ध करती है कि पहचान केवल पत्नी या मां बनकर ही नहीं बनती। यह विद्रोह दहेज, घरेलू हिंसा और भावनात्मक शोषण जैसी कुरीतियों के विरुद्ध भी आवाज़ है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं मकान नं.197/1, समता आश्रम गली, रामपुर रोड, हल्द्वानी, जिला नैनीताल, उत्तराखंड-263139 से प्रकाशित। संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक - अमित शर्मा* 05946292618 (कार्यालय), ईमेल-editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UTTHIN/2021/79698, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र नैनीताल होगा)।

समुद्र का सौंदर्यपूर्ण संगम

मुरुदेश्वर

मुरुदेश्वर कर्नाटक राज्य में अरब सागर के किनारे स्थित भटकल नगर से 13 किमी दूर स्थित उत्तर कन्नड़ जिले का एक धार्मिक और पर्यटन के लिए प्रसिद्ध नगर है। यहां विश्व की दूसरी सबसे बड़ी 123 फिट ऊंची भगवान शिव की मूर्ति स्थापित है। इसे अरब सागर में बहुत दूर से देखा जा सकता है। इस मूर्ति को इस तरह बनाया गया है कि सूरज की किरणें पड़ने से यह चमकती रहे। इसे बनाने में दो साल लगे थे और शिवमोग्गा के काशीनाथ और अन्य मूर्तिकारों ने बनाया था।

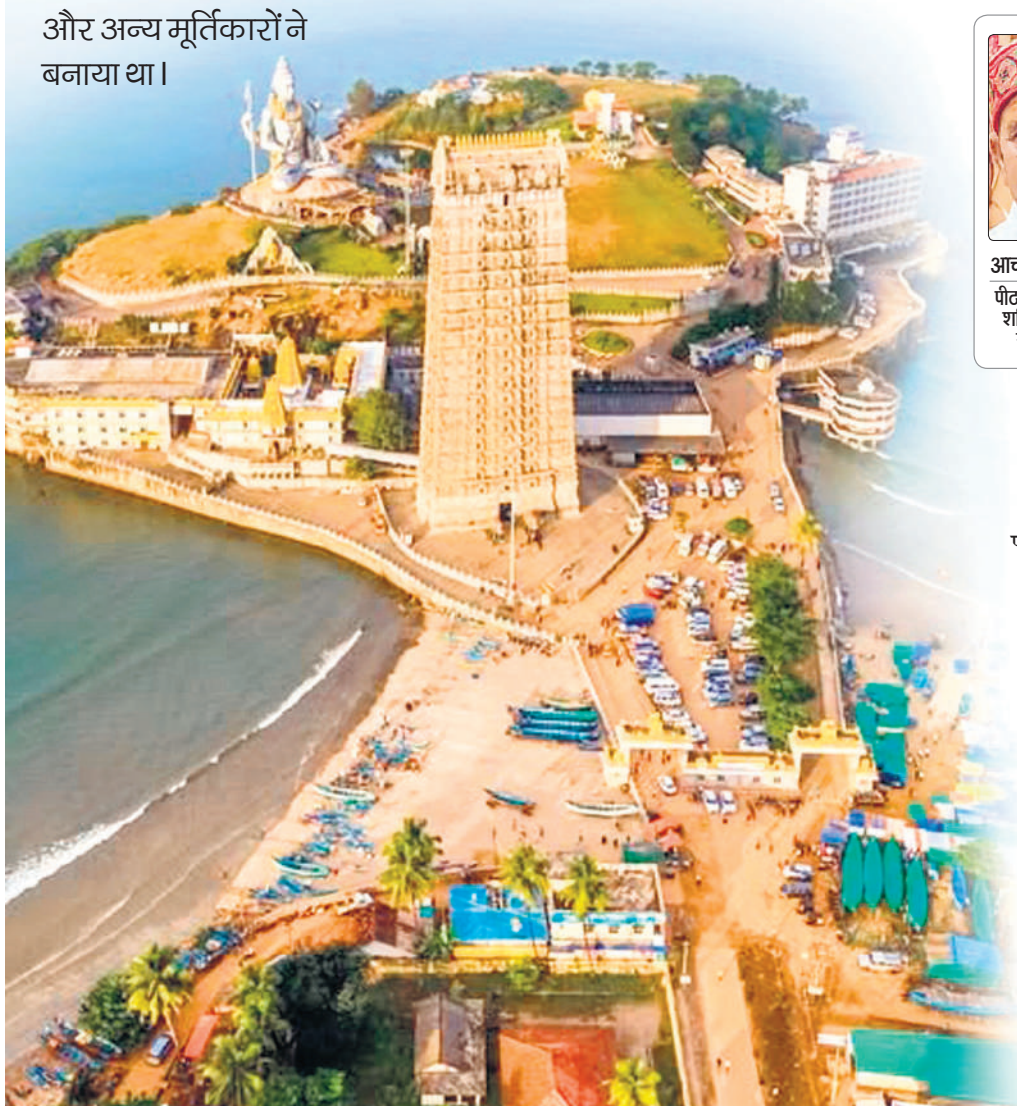

आचार्य अमरेश मिश्र
पीठाधीश्वर शकुंतला शक्ति पीठ विकास नगर, कानपुर

बेंगलुरु से मुरुदेश्वर पहुंचने के लिए हमने ट्रेन का चुनाव किया। रोज शाम 6.50 बजे बेंगलुरु से चलने वाली पंचगंगा एक्सप्रेस दूसरे दिन सुबह छह बजे मुरुदेश्वर पहुंचा देती है। मंदिर स्टेशन के पास ही स्थित है, लेकिन हमने पहले होटल पहुंचने का निश्चय किया। मुरुदेश्वर का सागरतट काफी खूबसूरत माना जाता है। पर्यटकों को यहां धार्मिक स्थल के साथ प्राकृतिक सुंदरता का आनंद भी मिलता है। कंदुका पहाड़ी पर, तीन ओर से पानी से घिरा मुरुदेश्वर मंदिर भगवान शिव को समर्पित है। यहां भगवान शिव का आत्मलिंग स्थापित है। यहां का राजा गोपुरा या राज गोपुरम विश्व में सब से ऊंचा गोपुरा माना जाता है। यह 20 मंजिल के बराबर करीब 249 फीट ऊंचा है। इस विशाल मीनार जैसे गोपुरम में लिफ्ट लगी है, जिसके ऊपर से अरब सागर और भगवान शिव की प्रतिमा का अद्भुत नजारा नजर आता है। इस गोपुरम को एक स्थानीय व्यवसायी ने बनवाया था। द्वार पर दोनों तरफ सजीव हाथी के बराबर ऊंची हाथी की मूर्तियां बनी हैं। मंदिर में दर्शन के लिए जींस-टीशर्ट की मनाही है। मुरुदेश्वर मंदिर हिंदू स्थापत्य शैली (द्रविड़ शैली) में बना है, जिसमें चालुक्य और काम्बा राजवंश की मूर्तिकला-शैली और ग्रेनाइट निर्माण देखने योग्य है। यहां अब पर्यटकों की बढ़ती संख्या देखते हुए स्कूबा डाइवंग और वॉटर स्पोर्टस के भी इंतजाम किए गए हैं।

पौराणिक कथा

मुरुदेश्वर मंदिर में भगवान शिव का आत्मलिंग स्थापित है। पौराणिक कथाओं के अनुसार, रावण ने अमरता का वरदान पाने के लिए भगवान शिव की कठिन तपस्या की। इससे प्रसन्न भगवान शिव ने उसे एक शिवलिंग दिया, जिसे 'आत्मलिंग' कहा जाता है। शिव ने कहा कि अगर तुम अमर होना चाहते हो, तो इसे लंका ले जाकर स्थापित कर देना, लेकिन एक बात ध्यान रखना कि इसे जिस स्थान पर रख दोगे, ये वहीं स्थापित हो जाएगा। रावण के अजेय होकर पृथ्वी को नष्ट करने की आशंका से भयभीत होकर नारद तुरंत गणेश जी के पास पहुंचे और एक योजना बनी। रावण संध्याकाल में विशेष उपासना करता था। जब वह गोकर्ण के पास था, तब भगवान विष्णु ने अपनी शक्ति से संध्याकाल का भ्रम उत्पन्न किया। गणेश जी ब्राह्मण बालक के रूप में रावण के सामने पहुंचे। रावण ने उनसे प्रार्थना समाप्त होने तक आत्मलिंग को थामे रखने का अनुरोध किया, लेकिन गणेश जी ने आत्मलिंग को धरती पर रख दिया। इसी बीच विष्णु ने अपना सुदर्शन चक्र हटा लिया, जिससे रावण ने सूर्य का प्रकाश देखा और खुद को ठगा हुआ महसूस किया। उसने आत्मलिंग को हटाने का बहुत प्रयास किया पर वह स्थापित हो चुका था।

पास ही में घूम सकते हैं फोर्ट

मुरुदेश्वर मंदिर के बाद मुरुदेश्वर फोर्ट घूमने जा सकते हैं। मंदिर के पास होने के कारण बड़ी संख्या में सैलानी यहां जाते हैं। इस फोर्ट के ऊपर से सामने सिर्फ नीले रंग का पानी ही पानी दिखाई देता है। इस फोर्ट का इतिहास विजयनगर साम्राज्य के राजाओं से जोड़ा जाता है। कहा जाता है कि टीपू सुल्तान के बाद किसी ने भी मुरुदेश्वर फोर्ट का जीर्णोद्धार नहीं कराया। फोर्ट का कुछ हिस्सा अब खंडहर में तब्दील हो चुका है।

कैसे पहुंचें

मुरुदेश्वर से मंगलुरु अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा 165 किलोमीटर दूर स्थित है। हवाई अड्डे से टैक्सी या बस से मुरुदेश्वर जा सकते हैं। रास्ते में हरे-भरे वातावरण और तटीय परिदृश्यों के मनोरम दृश्य देखने को मिलते हैं। मुरुदेश्वर में रेलवे स्टेशन भी है, जो मंगलुरु, बेंगलुरु और मुंबई से जुड़ा है। रेलवे स्टेशन से ऑटो-रिक्शा से मंदिर पहुंच सकते हैं। मुरुदेश्वर के लिए मंगलुरु, उडुपी और बेंगलुरु जैसे शहरों से नियमित बस सेवाएं

उपलब्ध हैं। कार से यात्रा करने पर एनएच-66 से सफर करते हुए अरब सागर के किनारे मनोरम दृश्यों का आनंद उठा सकते हैं।

जॉब का पहला दिन

जब सपना बना सकारात्मक परिवर्तन का संकल्प

मेरा बचपन से ही शिक्षक बनने का सपना था। विद्यालय के दिनों में जब मैं अपने गुरुओं को श्रद्धा और सम्मान के साथ देखता, तो मन में यही आकांक्षा जन्म लेती कि एक दिन मैं भी ज्ञान का दीप प्रज्वलित करूंगा। वह स्वप्न 4 जुलाई 1994 को साकार हुआ, जब मैंने अपने शिक्षकीय जीवन की पहली पारी शुरू की। वह दिन आज भी स्मृतियों में उसी ताजगी के साथ अंकित है।

कृष्ण कुमार मिश्र
प्रधानाचार्य, अयोध्या

पहले दिन मैं ऊर्जा, उत्साह और हल्की-सी घबराहट के मिश्रित भावों से भरा विद्यालय पहुंचा। परिसर में प्रवेश करते ही बच्चों की चहचहाहट और प्रार्थना की धुन ने मन को अद्भुत सुकून दिया। प्रार्थना सभा में जब मेरा परिचय समस्त विद्यार्थियों और शिक्षकों से कराया गया, तो हृदय गर्व से भर उठा। उसी क्षण मुझे कक्षा अध्यापक का दायित्व भी सौंपा गया। यह विश्वास मेरे लिए सम्मान के साथ-साथ उत्तरदायित्व का संकेत था।

सभा के उपरांत शिक्षा अधिकारी श्री जीपी वंतू ने मुझे अपने कक्ष में बुलाया। उन्होंने मुस्कुराते हुए मेरी शक्तियों और कमजोरियों के बारे में पूछा। मैंने निस्संकोच कहा कि अनुशासन और नैतिक मूल्यों के प्रति मेरी दृढ़ आस्था मेरी सबसे बड़ी शक्ति है। साथ ही स्वीकार किया कि कभी-कभी शीघ्र क्रोध आ जाना मेरी कमजोरी रही है, पर मैं स्वयं को निरंतर सुधारने का प्रयास करता रहूंगा। मेरी स्पष्टवादिता से वे संतुष्ट दिखे और मुझे शुभकामनाएं दीं। पहली बार जब मैं

अपनी कक्षा में पहुंचा, तो उत्सुक निगाहें मुझे देख रही थीं। मैंने औपचारिकता छोड़कर संवाद का रास्ता चुना। बच्चों से उनके सपनों, रुचियों और खेलकूद के बारे में बात की। खेल मेरा प्रिय क्षेत्र रहा है और इसी माध्यम से विद्यार्थियों से आत्मीय संबंध स्थापित करने की शुरुआत हुई। मुझे लगा कि शिक्षक का दायित्व केवल पाठ्यपुस्तकों तक सीमित नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास, चरित्र निर्माण और जीवन मूल्यों के संवर्धन से भी गहराई से जुड़ा है। उस दिन घर लौटते समय मन में संतोष और संकल्प दोनों थे।

संतोष इस बात का कि मेरा स्वप्न साकार हुआ और संकल्प इस बात का कि मैं अपने विद्यार्थियों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन का कारण बनूंगा। रात को देर तक मैं उसी दिन की घटनाओं को याद करता रहा और भविष्य की योजनाएं बनाता रहा। सचमुच, वह पहला दिन मेरे जीवन की दिशा तय करने वाला अविस्मरणीय अध्याय बन गया।

बैगपाइप: पहाड़ों की सांसों में बसा सुर

आप पहाड़ की शांत सुरम्य वादियों में हों और दूर कहीं कोई छोटा सा गांव बसा हो। अचानक वहां से सुरीली सी स्वर लहरियां आकर हवा में बिखरने लगें, तो सोचिए कितना सुंदर अनुभव होगा। ऐसा ही अनुभव होता है बैगपाइप को सुनकर यानी हमारी भाषा में मशक बीन या जिसे बीन बाजा भी कहते हैं। मशक बीन जैसे ही अपने स्वर बिखेरती है, तो पहाड़ जीवंत होने लगते हैं, पत्ता-पत्ता मुस्कराने लगता है और फूलों में निखार आ जाता है। अंग्रेज भारत आए और अपने साथ ग्रेट ब्रिटेन के उत्तरी भाग में स्थित स्कॉटलैंड का वाद्य यंत्र बैगपाइप भी साथ लाए। फिर ब्रिटिश आर्मी के बैंड में इसे इस्तेमाल किया गया। आर्मी में शामिल भारतीय सैनिकों को भी इसे सीखने का अवसर मिला।

अमृता पांडे
स्वतंत्र लेखिका, हल्द्वानी

प्रथम और द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान भी भारतीय सैनिकों ने इसका खूब अभ्यास किया। यह बैगपाइप भारत का खासकर कुमाऊं और गढ़वाल का होकर रह गया, शायद इसलिए कि स्कॉटलैंड की आबोहवा और प्रकृति उत्तराखंड के सुरम्य वातावरण से काफी हद तक मेल खाती है। संगीत यूं भी भौगोलिक सीमाओं और सात समंदर की दूरियों को नहीं जानता। हमारे लोक संगीत के साथ इसका अटूट नाता बन गया। मशक बीन का साथ मिला, तो लोकगीतों की ध्वनि मशक बीन के माध्यम से निकालने लगी। यह इतना लोकप्रिय हुआ कि इसने यहां के कई परंपरागत वाद्य यंत्रों को पीछे छोड़ दिया। इसे मशक बीन का नाम दिया गया।

मशक यानी पानी की थैली। बचपन में मैदानी क्षेत्रों में भिश्ती को मशक लेकर नालियों को साफ करते देखा था। इस यंत्र की थैली भी बिल्कुल वैसी ही होती हैं। भिश्ती शब्द फारसी शब्द से लिया गया है। पुराने समय में मशक में पानी लेकर युद्ध क्षेत्र में सैनिकों को पानी पिलाकर सेवा करना भिश्ती का ही काम होता था। पांच पाइपों वाला यह एक वायु वाद्य है, जिसे बांसुरी या शहनाई जैसे अन्य वाद्य यंत्रों की तरह ही फूंक मारकर बजाया जाता है। इटली, फ्रांस, इंग्लैंड से होता हुआ यह एशिया की सैर करने आ पहुंचा।

कई पड़ोसी देशों जैसे पाकिस्तान, अफगानिस्तान और नेपाल में भी लोकप्रिय हो गया और पाकिस्तान के सियालकोट और भारत के जालंधर शहर में बनाया जाने लगा। बैगपाइप यानी मशक बीन में चमड़े की थैली में चार छेद होते हैं, जिनमें से एक पाइप नीचे की तरफ और तीन ऊपर की तरफ लगे होते हैं। एक पाइप बैग से जुड़ा रहता है, जिसमें वादक फूंक मारता है और दूसरे पाइप को अपनी उंगलियों से नियंत्रित करता है और ऊपर की तरफ निकलने वाले तीन पाइप जो कंधे पर टिकाए गए होते हैं, उनके माध्यम से सुरीले स्वर निकलते हैं।

बैगपाइप का जिक्र आने पर सबसे पहले स्कॉटलैंड का ग्रेट हाइलैंड बैगपाइप का ही ध्यान आता है, क्योंकि 15 वीं शताब्दी से ही यह वहां के कबीले की संस्कृति में शामिल था। इसकी शुरुआत अक्सर ग्रामीण जीवन के साथ जोड़कर देखी जाती है। ऊब और थकान से बचने के लिए चरवाहे जानवर चराते समय इसे बजाकर मनोरंजन किया करते थे। इसे बनाने के लिए मरे हुए जानवरों का चमड़ा और बांस भी उन्हें जंगल और चारागाह में आसानी से उपलब्ध हो जाता होगा। समय के साथ-साथ इसे मशाल इंस्ट्रूमेंट के तौर पर विकसित किया गया।

आज के समय में दुनियाभर में लकड़ी और ब्रास से बनाए गए सौ से ज्यादा तरह के बैगपाइप प्रचलन में हैं। पारंपरिक रूप में यह बकरी या भेड़ की खाल को सुखाकर बनाया जाता है और इसमें इस्तेमाल किए जाने वाले पाइप, जिन्हें चेंटर भी कहते हैं, बांसुरी की ही तरह बांस के होते हैं। 1947 में अंग्रेज चले गए पर मशक बीन भारतीय सैनिकों के दिलों दिमाग में रच बस गया।

धीरे-धीरे न जाने कैसे यह हमारे संस्कृतिक समारोहों और वैवाहिक उत्सवों में शरीक हो गया। यह भारतीय सेना का भी अनिवार्य हिस्सा बन गया।

कुमाऊं रेजीमेंट के अभ्यास और कार्यक्रम के दौरान मशक बीन के सुरीले स्वर वातावरण में मिठास खोल देते हैं। चाहे रानीखेत का सोमनाथ ग्राउंड हो या अल्मोड़ा का कैंट एरिया। पूर्व सैनिक तो इस पर स्कॉटिश धुन बजाने में भी माहिर हैं। गणतंत्र दिवस समारोह के अवसर पर राजपथ में होने वाले आयोजन में, जिसमें देसी-विदेशी मेहमानों की उपस्थिति में विशेष परिधान में सजी-धजी सेना की टुकड़ियां इस वाद्य यंत्र के साथ धुन निकालते हुए कदमताल करती हैं। यह धुन इतनी असरकारी है कि पूरा वातावरण तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज जाता है। इसी तरह सार्वजनिक उत्सवों में अगर ढोल-दमाऊ के साथ मशक बीन की संगत न हो, तो रंगत फीकी सी लगती है। बेडू पाको बारो मासा और कैलै बाजे मुरूली जैसे गीत और मशक बीन एक दूसरे के पर्याय हैं। इन गीतों की धुन मशक बीन पर सुनते ही पैर खुद-ब-खुद थिरकने लगते हैं।

कुमाऊं के छोलिया नृत्य और गढ़वाल के पौणा नृत्य के दौरान मशक बीन की उपस्थिति पैरों की थिरकन और हृदय की धड़कन दोनों को बढ़ा देती है। लोक गीतों के अलावा देश भक्ति गीत, मार्शल म्यूजिक, पश्चिमी धुन, जैज, रॉक, क्लासिकल, फिल्मी गीत सभी बैगपाइप के मदद से बड़ी शान से बजाते हैं। कॉमनवेल्थ और एशियन गेम्स में भी इसका जलवा है। इसे बजाना बहुत मेहनत और लगन का काम है। चूंकि यह पाइप में मुंह से हवा भर के बजाया जाता है, तो फेफड़ों की बढ़िया एक्सरसाइज हो जाती है। इसमें धुन तभी निकलती है, जब बैग में हवा भरी हो।

आनुभूति

जन्मदिन: जीवन के सफर का उत्सव

प्रिंस श्रेयश
शिक्षक

बचपन में जन्मदिन किसी त्योहार से कम नहीं होता था। सुबह से ही घर में हलचल शुरू हो जाती थी। मां रसोई में कुछ खास बनाती थीं, पिताजी मुस्कुराते हुए आशीर्वाद देते थे, रिश्तेदार फोन करते थे या घर आकर गले लगाते थे। एक छोटा-सा केक, कुछ मोमबत्तियां और ढेर सारा स्नेह, बस इतना ही तो चाहिए था खुश होने के लिए। उस समय जन्मदिन केवल तारीख नहीं, बल्कि अपने होने का उत्सव था। फिर समय बदला। बड़े हुए तो जन्मदिन का अर्थ बदल गया। दोस्तों के साथ पार्टी, हंसी-मजाक, देर रात तक जश्न यह सब जन्मदिन की पहचान बन गया। परिवार की जगह दोस्तों का दायरा बढ़ गया। खुशी वही थी, पर रूप अलग था। उस उम्र में लगता था कि यही असली जीवन है।

फिर विवाह हुआ। अब लोग सालगिरह याद रखने लगे और जन्मदिन धीरे-धीरे परिवार तक सीमित हो गया। जिम्मेदारियां बढ़ीं, प्राथमिकताएं बदलीं। जीवन की दौड़ में तारीखें कैलेंडर के पन्नों में सिमटने लगीं। जन्मदिन अब उतना शोर-शराबे वाला नहीं रहा, बल्कि एक शांत-सा दिन बन गया, जिसमें कुछ संदेश, कुछ औपचारिक शुभकामनाएं और सामान्य दिनचर्या शामिल हो गई। धीरे-धीरे अपने बच्चे हुए। अब घर में फिर से जन्मदिन मनाया जाने लगा, पर इस बार अपने बच्चों का। उनके लिए केक, सजावट, उपहार और उत्साह। उनकी आंखों की चमक में हम अपना बचपन तलाशने लगे, लेकिन इसी बीच कहीं हमारा अपना जन्मदिन पीछे छूट गया। कभी-कभी तो चुपचाप गुजर भी जाता है। तब मन में एक विचार उठता है, जब हमारे माता-पिता हमारा जन्मदिन इतने प्रेम से मनाते थे, क्या उस समय उनका अपना जन्मदिन भुला दिया गया था?

शायद यही दुनिया की रीति है। समय के साथ केंद्र बदलता रहता है। बचपन में हम केंद्र में होते हैं, युवावस्था में मित्र, फिर परिवार और अंत में बच्चे। जीवन का चक्र ऐसे ही चलता है। एक पीढ़ी उत्सव मनाती है, दूसरी पीढ़ी उत्सव का कारण बनती है, लेकिन क्या इसका अर्थ यह है कि जन्मदिन की कोई कीमत नहीं रही? नहीं। जन्मदिन केवल केक या पार्टी का नाम नहीं है। यह उस जीवन का उत्सव है, जो हम जी रहे हैं, उन संघर्षों का सम्मान है, जिन्हें हमने पार किया है और उन सपनों का स्मरण है, जो अब भी हमारे भीतर जीवित हैं। आज के बदलते समाज में एक अच्छी बात भी दिखती है कि कई बच्चे अपने माता-पिता का जन्मदिन मनाने लगे हैं। वे उन्हें दो पल की खुशी देते हैं, उनके बचपन और युवावस्था को याद करने का अवसर देते हैं। यह केवल उत्सव नहीं, बल्कि कृतज्ञता की अभिव्यक्ति है।

अमृत विचार

हल्द्वानी , शनिवार, 21 फरवरी 2026

सिटी ब्रीफ

विजय पथ पूर्व सैनिक संगठन का कार्यकाल हुआ पूर्ण

काशीपुर : फरवरी माह में विजय पथ पूर्व सैनिक संगठन का कार्यकाल पूर्ण हो गया। वर्तमान अध्यक्ष ने पूर्व कार्यकारिणी को भंग कर दिया है। शुक्रवार को विजय पथ पूर्व सैनिक संगठन के अध्यक्ष बीएस नेगी ने प्रेस विज्ञप्ति जारी की। जिसमें कहा कि वर्तमान कार्यकारिणी का कार्यकाल पूर्ण हो चुका है। आगामी 1 मार्च को नई कार्यकारिणी का गठन किया जाएगा। उन्होंने संगठन से जुड़े सदस्यों और सेवानिवृत सैनिकों से अपील की है, कि वह अपना नामांकन कर चुनाव में सहभागिता करें।

15 लीटर कच्ची शराब के साथ एक युवक गिरफ्तार

काशीपुर : कोतवाली पुलिस ने क्षेत्र में गश्त के दौरान एक व्यक्ति को अवैध कच्ची शराब के साथ गिरफ्तार किया है। एसआई सौरभ भारती के नेतृत्व में पुलिस टीम जब हेमपुर एन्क्लेव के पास गश्त कर रही थी, तब गिरजा विहार जाने वाले रास्ते पर एक संदिग्ध व्यक्ति को रोककर पूछताछ की गई। पकड़े गए आरोपी ने अपना नाम सोनू सिंह, निवासी ग्राम गोपीपुरा बताया। पुलिस द्वारा ली गई तलाशी में उसके कब्जे से कच्ची शराब के 45 पाउच (लगभग 15 लीटर) बरामद हुए। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आबकारी अधिनियम की धारा 60 के तहत मुकदमा पंजीकृत कर उसे गिरफ्तार कर लिया है।

अवैध कच्ची शराब के साथ महिला गिरफ्तार

बाजपुर : दोराहा चौकी पुलिस ने अवैध नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत एक महिला को भारी मात्रा में कच्ची शराब के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस टीम जब हरलालपुर मार्ग पर गश्त कर रही थी, तब मुखबिर की सूचना पर फिश प्लांट के पास दबिश दी गई।मौके पर पुलिस को देखकर भागने का प्रयास कर रही महिला अमरजीत कौर (निवासी महेशपुरा) को हिरासत में लिया गया। तलाशी लेने पर उसके पास मौजूद प्लास्टिक के कट्टे से कच्ची शराब के 56 पाउच (लगभग 25 लीटर) बरामद हुए। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आबकारी अधिनियम की धारा 60(1) के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया है।

संदिग्ध परिस्थितियों में एक अधेड़ की मौत

काशीपुर : संदिग्ध परिस्थितियों में एक अधेड़ व्यक्ति ने जहरीले पदार्थ का सेवन कर लिया। कुंडा निवासी कुलवीर की जहरीले पदार्थ से हालत बिगड़ गई। परिजनों ने उन्हें एलडी भट्ट राजकीय उप जिला चिकित्सालय पहुंचाया। चिकित्सक ने हायर सेंटर रेफर कर दिया।

सहरी में मिलेगा तीन बजे से पानी

जसपुर : रमजान महीने के दौरान जल संस्थान ने रोजेदारों को पानी के लिए शेड्यूल तय कर दिया है। जानकारी देते हुए जेई केके टम्टा ने बताया कि सुबह सहरी में ढाई बजे एवं दोपहर बाद तीन बजे से पानी उपलब्ध करा दिया जाएगा। रमजान के प्रत्येक जुमे को दोपहर 12 बजे से एक बजे तक पानी उपलब्ध रहेगा।

मां-बेटे पर जानलेवा हमला और लूट

बाजपुर : वार्ड-6 केशवनगर में एक युवक द्वारा अपने ही साथी के साथ मारपीट, लूट और जानलेवा हमले का सनसनीखेज मामला सामने आया है। पीड़िता अनिता ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 19 फरवरी को उसका पुत्र अरुण जब फैक्ट्री जा रहा था, तब साथी युवक ने उसके पैसे छीन लिए और चलती बाइक पर बेल्ट से उसका गला घोंटने का प्रयास किया। आरोप है कि इसके बाद आरोपी ने घर में घुसकर दरांती और लोहे की रॉड से मां-बेटे पर हमला कर दिया। स्थानीय लोगों के बीच-बचाव के बाद आरोपी वहां से हटा, लेकिन शुक्रवार सुबह उसने दोबारा घर में घुसकर जान से मारने की धमकी दी।

एसआईआर मैपिंग कार्य में हो रही देरी को लेकर स्पष्टीकरण मांगा

सहायक मुख्य निर्वाचन अधिकारी मस्तू दास ने की एसआईआर कार्यों की समीक्षा

संवाददाता रुद्रपुर

अमृत विचार : सहायक मुख्य निर्वाचन अधिकारी मस्तू दास ने शुक्रवार को जिला मुख्यालय स्थित डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम सभागार में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्यों की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में उन्होंने एसआईआर मैपिंग कार्य में हो रही देरी पर कड़ा रुख अपनाते हुए संबंधित बीएलओ से स्पष्टीकरण मांगा और लंबित कार्यों को शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए।

सहायक मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने जोर देकर कहा कि मतदाता सूची पुनरीक्षण का कार्य अत्यंत संवेदनशील और महत्वपूर्ण है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि निर्वाचन संबंधी सभी प्रपत्र और दस्तावेज सुव्यवस्थित रखे जाएं ताकि किसी भी आपत्ति का त्वरित निस्तारण किया जा सके। नाम विलोपन (हटाने) की प्रक्रिया पर उन्होंने सख्त हिदायत दी कि संबंधित मतदाता को अपना पक्ष रखने का पर्याप्त अवसर दिया जाए, जिससे किसी भी नागरिक के मताधिकार का हनन न हो।

बैठक को संबोधित करते सहायक मुख्य निर्वाचन अधिकारी मस्तू दास। ● अमृत विचार

दो स्थानों पर नाम दर्ज होने पर एक स्थान से नाम विधिवत हटाया जाए

रुद्रपुर : सहायक मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि यदि किसी व्यक्ति का नाम दो अलग-अलग स्थानों पर दर्ज पाया जाता है तो नियमानुसार यह तय किया जाए कि एक स्थान से नाम विधिवत हटाया गया हो। जिससे मतदाता सूची की शुद्धता एवं विश्वसनीयता बनी रहे। उन्होंने यह भी निर्देशित किया कि जिन मतदाताओं की मैपिंग अब तक नहीं हो सकी है, उनके संबंध में स्पष्ट टिप्पणी दर्ज की जाए कि मैपिंग न होने का कारण क्या है। बिना कारण अंकित किए कोई भी प्रविष्टि अधूरी न छोड़ी जाए।

एक ही परिवार के सभी सदस्यों की मैपिंग हो एक बूथ पर

रुद्रपुर : सहायक मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि एक ही परिवार के सभी सदस्यों की मैपिंग एक ही बूथ पर करने के निर्देश दिए। साथ ही कहा कि यदि किसी कारणवश परिवार के सदस्य अलग-अलग बूथों पर दर्ज है तो आवश्यक प्रक्रिया पूर्ण कर उन्हें संबंधित सही बूथ पर स्थानांतरित किया जाए। ताकि मतदान के समय किसी प्रकार की असुविधा न हो। उन्होंने सभी विधानसभा क्षेत्रों में बीएलए की नियुक्ति करने के भी निर्देश दिए। बीएलओ से मैपिंग संबंधी आ रही व्यावहारिक कठिनाइयों के बारे में विस्तार से चर्चा कर उनका मार्गदर्शन किया।

उन्होंने सभी बीएलओ और पर्यवेक्षकों को निष्पक्षता और विधि-सम्मत प्रक्रिया का पालन करने का निर्देश दिया ताकि एक त्रुटिरहित मतदाता सूची तैयार हो सके। बैठक में अपर जिलाधिकारी कौस्तुभ मिश्र, उपजिलाधिकारी अमृता शर्मा, गौरव पांडेय आदि उपस्थित रहे।

कॉलेज प्रबंधन ने प्रधानाचार्य को नहीं कराया कार्यभार ग्रहण

काशीपुर: पंडित जीबी पंत इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य अजय शंकर कौशिक ने कॉलेज प्रबंधन पर कार्यभार ग्रहण न कराने का आरोप लगाया है। आरोपों को नकारते हुए प्रबंधन ने सीईओ द्वारा मांगे गए स्पष्टीकरण का जवाब देते हुए 25 फरवरी बुधवार को प्रधानाचार्य को मांगे गए सभी अभिलेखों के साथ कॉलेज में उपस्थित होने को कहा है।

जीबी पंत कॉलेज के प्रधानाचार्य अजय शंकर कौशिक ने सीईओ कुंवर सिंह रावत को भेजे पत्र में बताया कि कि सीईओ के आदेश पर वो 19 फरवरी गुरुवार को विद्यालय में कार्यभार ग्रहण करने गए थे। जहां मौजूद राजनीति विज्ञान के प्रवक्ता अमित नारंग द्वारा यह कहते हुए विद्यालय में प्रवेश नहीं करने दिया कि प्रबंधक द्वारा उन्हें कार्यभार ग्रहण करने को मना किया गया है। उनकी शिकायत पर कार्यवाही करते हुए सीईओ ने प्रबंधन से आदेश की अवहेलना का जिक्र करते हुए इस मामले में स्पष्टीकरण मांगा। इस बारे में कॉलेज प्रबंधन ने बताया कि सीईओ के पत्र के अनुपालन में प्रधानाचार्य अजय कौशिक को 25 फरवरी बुधवार को दोपहर दो बजे कार्यभार ग्रहण कराने हेतु पत्र प्रेषित किया है।

कांग्रेस के खिलाफ भाजयुमो का प्रदर्शन

बाजपुर में बेरिया मोड़ पर राहुल गांधी का पुतला दहन करते भाजयुमो कार्यकर्ता।

संवाददाता, बाजपुर

अमृत विचार: इंडिया एआई इम्पेक्ट समिट 2026 के अंतरराष्ट्रीय महासम्मेलन के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा कथित रूप से किए गए अमर्यादित प्रदर्शन के विरोध में शुक्रवार को बाजपुर में भारतीय जनता युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने जोरदार प्रदर्शन किया।

भाजयुमो कार्यकर्ताओं ने शाम को श्रीरामलीला मैदान बाजपुर से जुलूस निकालते हुए बेरिया मोड़ तक मार्च किया। वहां उन्होंने कांग्रेस और उसके नेतृत्व के खिलाफ नारेबाजी करते हुए राहुल गांधी का पुतला दहन किया। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि अंतरराष्ट्रीय मंच पर इस तरह की कथित अराजकता देश की छवि को नुकसान पहुंचाने वाली है। उन्होंने कहा कि विदेशी मेहमानों के सामने इस प्रकार का व्यवहार कांग्रेस की तथाकथित 'मोहब्बत की दुकान' का असली चेहरा उजागर करता है। भाजयुमो नेताओं ने कहा कि विकास के महाकुंभ जैसे आयोजनों में अव्यवस्था फैलाना अब कांग्रेस का एकमात्र उद्देश्य रह गया है। इससे देश के प्रति उनकी निष्ठा पर गंभीर सवाल खड़े होते हैं। भाजयुमो कार्यकर्ताओं ने चेतावनी दी कि यदि भविष्य में इस तरह की घटनाएं दोहराई गईं, तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। इस मौके पर भाजयुमो मंडल अध्यक्ष शुभम पांडेय, युवा व्यापारी नेता उशांत सब्बरवाल, विक्की राजहंस, भाजपा नेता गौरव शर्मा, मंडल मीडिया प्रभारी अमन भारद्वाज, राहुल सैनी, दीपांशु पटेल, ऋषांक द्विवेदी, अंकित पांडेय, उत्कर्ष, विवेक, गौरव, रुद्र ठाकुर आदि मौजूद रहे।

जसपुर कोतवाली में एसएसआई से जानकारी लेते ग्रामीण। ● अमृत विचार

बाबा साहब पर अभद्र टिप्पणी से आक्रोश, आरोपी गिरफ्तार

जसपुर : सोशल मीडिया पर संविधान निर्माता बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर के खिलाफ अभद्र टिप्पणी और गाली-गलौज का वीडियो वायरल होने से क्षेत्र में भारी तनाव फैल गया। घटना से आक्रोशित धर्मपुर और उमरपुर के ग्रामीणों ने चौकी का घेराव कर हंगामा किया। मामले की गंभीरता को देखते हुए कनिष्ठ प्रमुख विमल सिंह ने आरोपी अनिकेत चौहान (निवासी ग्राम उमरपुर) के खिलाफ पुलिस को तहरीर सौंपी। शुक्रवार को बड़ी संख्या में लोगों ने कोतवाली पहुंचकर आरोपी की गिरफ्तारी की मांग की। कोतवाल राजेंद्र सिंह डांगी ने बताया कि आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में केस दर्ज कर उसे हिरासत में ले लिया गया है। पुलिस ने आरोपी के सोशल मीडिया हैंडल से विवादित पोस्ट को भी हटवा दिया है और स्थिति नियंत्रण में है।

जसपुर में विकास कार्य का लोकार्पण करते विधायक आदेश चौहान। ● अमृत विचार

जसपुर में विधायक ने विकास कार्यों का किया लोकार्पण

जसपुर : विधायक आदेश चौहान ने ग्रामीण क्षेत्रों में हुए विकास कार्यों का शुक्रवार को ग्रामीणों संग लोकार्पण किया। ग्राम मुरलीवाला में सीसी टाइल्स रोड, ग्राम मंझरा में दो टाइल्स रोड के साथ चामुंडा मन्दिर परिसर में टिन शेड का निर्माण, ग्राम बगीची के ओखलो वाले मंदिर में टिन शेड तथा ग्राम भगवंतपुर स्थित कब्रिस्तान की चहारदीवारी का निर्माण कार्य पूरा कर उसे जनता को समर्पित किया गया। 40 लाख रुपये की कुल लागत से बने इन निर्माण कार्यों से ग्रामीणों को कीचड़, जलभराव और सार्वजनिक कार्यक्रमों में होने वाली असुविधाओं से निजात मिलेगी। इस दौरान ग्राम प्रधान मुरलीवाला अनुज कुमार मोती, विल्ला, ललित, गजेन्द्र सिंह, मुजाहिद, मंसूर अली, करतार सिंह, देवेंद्र, राजकुमार, हरपाल, सर्वेश चौहान, नौबहार सिंह, तीरथ सिंह आदि मौजूद रहे।

विधायक ने प्रशासन को सीमांकन की दी चुनौती

गदरपुर: उत्तराखंड के पूर्व मंत्री और विधायक अरविंद पांडेय एक बार फिर चर्चा में हैं। गूलरभोज स्थित उनके कैंप कार्यालय पर प्रशासन द्वारा अतिक्रमण का नोटिस दिए जाने के बाद मामला अब नया मोड़ ले चुका है। नोटिस की अवधि बीतने के बावजूद कार्रवाई न होने पर विधायक ने खुद मोर्चा संभाल लिया है। पांडेय ने प्रशासन को पत्र लिखकर स्पष्ट किया है कि उनकी मौजूदगी में कार्यालय का सीमांकन कराया जाए। उन्होंने घोषणा की कि यदि भूमि सरकारी पाई जाती है, तो प्रशासन उसे तत्काल कब्जे में ले ले, इसमें उन्हें या उनके वारिसों को कोई आपत्ति नहीं होगी। राजनीतिक विश्लेषक इसे 2027 चुनाव से पहले विरोधियों को दिया गया एक बड़ा नैतिक जवाब मान रहे हैं।

स्कूली बच्चे लेकर जा रहा ई-रिक्शा पलटा

- 12 से अधिक बच्चे कीचड़ में गिरे दो शिक्षिकाएं घायल

संवाददाता, शक्तिफार्म

अमृत विचार: क्षेत्र के देवनगर-गुरुग्राम सीमा पर शुक्रवार सुबह एक हृदयविदारक हादसा होते-होते बचा। बैकुंठपुर स्थित एक निजी विद्यालय के क्षमता से अधिक बच्चों को भरकर ले जा रहा एक तेज रफ्तार ई-रिक्शा (टुक-टुक) अनियंत्रित होकर नहर में जा गिरा। इस दुर्घटना में ई-रिक्शा में सवार करीब एक दर्जन बच्चे कीचड़ में सन गए, जबकि उनके साथ सवार दो शिक्षिकाओं को गंभीर चोटें आई हैं।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, विद्यालय के प्रबंधक स्वयं ई-रिक्शा चलाकर गुरुग्राम से बच्चों को स्कूल ले जा रहे थे। वाहन की रफ्तार इतनी अधिक थी कि अनियंत्रित होते ही बच्चे छिटककर नहर में जा गिरे। चीख-पुकार सुनकर दौड़े स्थानीय ग्रामीणों ने तत्परता दिखाते हुए बच्चों को सकुशल बाहर निकाला। सूचना मिलते ही डरे-सहमे अभिभावक मौके पर पहुंचे और बच्चों को अपने साथ ले गए।

घटनास्थल पर मौजूद बच्चों के परिजन व दुर्घटनाग्रस्त ई-रिक्शा। ● अमृत विचार

मानकों की धज्जियां उड़ा रहे निजी स्कूल: यह घटना क्षेत्र के निजी विद्यालयों में सुरक्षा मानकों की घोर अनदेखी को उजागर करती है। शक्तिफार्म के अधिकांश स्कूलों में दिल्ली जैसे महानगरों से हटाए गए जर्जर और डग्गामार वाहनों का उपयोग हो रहा है। इन वाहनों के न तो वैध दस्तावेज हैं और न ही फिटनेस। हद तो यह है कि बिना ड्राइविंग लाइसेंस वाले चालक इन वाहनों में बच्चों को 'ठूस-ठूस' कर भर रहे हैं, जिससे मासूमों की जान हर वक्त खतरे में रहती है।

विशेष अभियान चलेगा

हादसे के बाद परिवहन विभाग ने कड़ा रुख अपनाया है। एआरटीओ नवीन सिंह ने स्पष्ट किया कि बच्चों की जान के साथ खिलवाड़ एक गंभीर अपराध है। उन्होंने घोषणा की है कि जल्द ही क्षेत्र के स्कूलों में संचालित अनफिट और डग्गामार वाहनों के खिलाफ विशेष अभियान चलाकर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

एनएसएस शिविर में कार्यक्रमों की धूम

संवाददाता, काशीपुर

अमृत विचार: चंद्रावती तिवारी कन्या महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के सात दिवसीय विशेष शिविर के सातवें दिन लाइफ सेट एप्लीकेशन के फाउंडर अमृतेश पार्थ द्वारा कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस विषय के अंतर्गत स्वयंसेवियों को ऐप डाउनलोड एवं रजिस्ट्रेशन, प्लेसमेंट, सोशल मीडिया, इवेंट, अलर्ट सिस्टम, इंटर्नशिप आदि की जानकारी दी गई।

सात दिवसीय विशेष शिविर का समापन मुख्य अतिथि डॉ. सिद्धांत माथुर, मानसिक रोग विशेषज्ञ, हाइटेक हॉस्पिटल, काशीपुर ने किया। शिविर समापन में स्वयंसेवियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों में सरस्वती वंदना, स्वागत गीत, सड़क सुरक्षा पर आधारित नुक्कड़ नाटक, कुमाऊनी, गढ़वाली हरियाणवी, शास्त्रीय नृत्य, एवं लक्ष्य गीत आदि प्रस्तुत किये। कार्यक्रम के अंत में डॉ. सिद्धांत माथुर, मानसिक रोग विशेषज्ञ द्वारा स्वयंसेवियों से मोटिवेशनल टॉक के माध्यम से टीमवर्क, एकाग्रता, ध्यानभ्रमित एवं मानसिक तनाव के कारण और उनका समाधान करने की जानकारी दी एवं शारीरिक स्वास्थ्य के साथ मानसिक स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए प्रेरित किया।

इस अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. कीर्ति पन्त ने मुख्य अतिथि को स्मृति चिन्ह भेंट किया। संचालन वंदना सिंह ने किया। कार्यक्रम में एसोसिएट प्रोफेसर डॉ दीपिका गुड़िया आत्रेय, डॉ रमा अरोरा, कार्यक्रम अधिकारी डॉ गीता मेहरा, डॉ रंजना मौजूद रहे।

काशीपुर में चंद्रावती डिग्री कॉलेज में एनएसएस शिविर के समापन पर मौजूद अतिथि।

एससी गुड़िया आईएमटी के दो छात्रों का हुआ प्लेसमेंट

संवाददाता, काशीपुर

अमृत विचार: बाजपुर रोड स्थित सत्येंद्र चंद्र गुड़िया इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड लॉ कॉलेज के दो छात्रों का गुरुग्राम एवं काशीपुर की कंपनी में चयन हुआ है।

संस्थान की प्राचार्य डॉक्टर निमिषा अग्रवाल ने बताया कि संस्थान के ट्रेनिंग एवं प्लेसमेंट अधिकारी शलआनंद सिंह के प्रयासों से एमबीए फाइनल सेमेस्टर के छात्र संस्कार महेश्वरी का कुमाऊं की प्रसिद्ध एग्रोन रेमेडीज प्राइवेट लिमिटेड, काशीपुर में एचआर एग्जीक्यूटिव के पद पर चयन हुआ है, वही बीसीए फाइनल सेमेस्टर के छात्र अंगद सिंह का लॉजिस्टिक कंपनी आईडेंटिफाई प्लस डिलीवर सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड गुरुग्राम में एमआईएस एग्जीक्यूटिव के पद पर चयन हुआ है, दोनों ही छात्रों का पैकेज आकर्षक है। विद्यार्थियों की इस उपलब्धि पर संस्थान की चेयरमैन विमला गुड़िया ने हर्ष व्यक्त किया।

संस्कार महेश्वरी।

अंगद सिंह।

कार्यक्रम

ग्राम पंचायत बरहैनी में जनजागरूकता शिविर का आयोजन किया

आपदा प्रबंधन को लेकर ग्रामीणों को जागरूक किया

संवाददाता, बाजपुर

अमृत विचार: ग्राम पंचायत बरहैनी में आपदा प्रबंधन को लेकर ग्रामीणों को जागरूक करने के उद्देश्य से एक विस्तृत जनजागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्देश्य आपदा की स्थिति में घबराहट के बजाय सतर्कता और सही निर्णय के माध्यम से जान-माल की सुरक्षा सुनिश्चित करना रहा।

ग्राम पंचायत घर में आयोजित इस शिविर में ग्राम प्रधान मनप्रीत कौर के सहयोग से राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) की टीम ने ग्रामीणों को भूकंप, बाढ़, आग लगने तथा अन्य प्राकृतिक आपदाओं के दौरान अपनाए जाने वाले सुरक्षा उपायों की जानकारी दी। एनडीआरएफ के सब इंस्पेक्टर अमृत लाल मीणा व सहायक अभिषेक अरविंद ने बताया कि आपदा के समय संयम बनाए रखना, सुरक्षित स्थानों की पहचान करना और अफवाहों से दूर रहना बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि सही समय पर सही निर्णय लेने से बड़े नुकसान से बचा जा सकता है। शिविर के दौरान प्राथमिक उपचार, घायलों को सुरक्षित स्थान तक पहुंचाने, बच्चों व बुजुर्गों की विशेष देखभाल तथा आपातकालीन नंबरों के उपयोग के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी गई। साथ ही आपदा से पहले और बाद में बरती जाने वाली सावधानियों पर भी चर्चा की गई। ग्रामीणों को यह भी समझाया गया कि सामूहिक प्रयास और आपसी सहयोग से आपदा के प्रभाव को काफी हद तक कम किया जा सकता है। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भाग लिया और अधिकारियों से प्रश्न पूछकर अपनी शंकाओं का समाधान किया। ग्रामीणों ने कहा कि इस प्रकार के शिविर उन्हें आत्मनिर्भर बनाते हैं और संकट के समय सही कदम उठाने में सहायक होते हैं। वहीं ग्राम प्रधान मनप्रीत कौर ने एनडीआरएफ टीम का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे जागरूकता कार्यक्रम ग्रामीण क्षेत्रों के लिए अत्यंत आवश्यक हैं। उन्होंने भविष्य में भी इस तरह के शिविर आयोजित कराने की बात कही। इस मौके पर नरेंद्र शर्मा, राजू, बृजेश, कंचन, मुन्नी, कपिल, मंगल, मोहन आदि मौजूद रहे।

ग्राम बरहैनी में आपदा प्रबंधन को लेकर ग्रामीणों को जागरूक करते एनडीआरएफ के अधिकारी-कर्मचारी।

आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को दिया गया प्रशिक्षण

काशीपुर: बाल विकास परियोजना और अजीम प्रेमजी फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों के लिए दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। बीआरसी सभागार में आयोजित इस कार्यक्रम में काशीपुर ब्लॉक की 37 कार्यकत्रियों ने हिस्सा लिया।

कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य आंगनबाड़ी केंद्रों पर बच्चों को खेल विधि से शिक्षा प्रदान करना और उन्हें कुपोषण से मुक्त रखना है। प्रशिक्षण के दौरान पौष्टिक भोजन, अक्षर ज्ञान, पूर्व संख्या अवधारणा और समावेशी शिक्षा जैसे महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा की गई। शहरी सीडीपीओ मोहिनी बिष्ट और ग्रामीण सीडीपीओ विमल बाराकोटी ने कहा कि ऐसी कार्यशालाओं से केंद्रों पर बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित की जा सकेगी।

जसपुर की जामा मस्जिद में नमाज पढ़ते लोग। ● अमृत विचार

रमजान के पहले जुमे पर मांगीं रहमत की दुआएं

जसपुर : रमजान के पहले जुमे को रोजेदारों ने दूसरा रोजा रख नमाज में खुदा से रहमत की दुआएं मांगी। शुक्रवार को रमजान का पहला जुमा और दूसरा रोजा था। नमाज को लेकर लोग सुबह से ही तैयार दिखे। अज़ान की आवाज़ सुनते ही रोज़ेदार मस्जिदों की ओर रूख कर गये। छीपीयान जामा मस्जिद में कारी साजिद एवं मोहल्ला चौहनान जामा मस्जिद में शहर इमाम मौलाना अयूब ने नमाज पढ़ाई। नमाज के बाद उलेमाओं ने खुदा से देश में रहमत बरसाने की दुआयें की। बता दें कि रमज़ान के महीने को तीन हिस्सों में बांटा गया है। जिसमें पहला रहमत, दूसरा मगफिरत और तीसरा हिस्सा जहन्नुम से निजात का है। शहर इमाम मौलाना अयूब ने लोगों से रोजे रखकर इबादत करने की अपील की।

वर्ल्ड ब्रीफ

23 को संवाद कार्यक्रम

बनबसा : सैनिक आराम गृह टनकपुर में पूर्व सैनिकों की समस्याओं को सुनकर समाधान किया जाएगा। गौरव सेनानी कल्याण समिति के अध्यक्ष कैप्टन भानी चंद ने बताया कि 23 फरवरी को पूर्व सैनिकों की समस्याओं के निराकरण के लिए संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया है। उन्होंने कहा की सेवारत सैनिकों के परिवारों, पूर्व सैनिकों और पड़ोसी देश नेपाल के पूर्व सैनिकों से अपील की है कि संवाद कार्यक्रम में शामिल हो।

मासूम से की छेड़छाड़

शक्तिफार्म : क्षेत्र में एक फूफा द्वारा अपनी ही 9 वर्षीय भतीजी के साथ छेड़छाड़ का शर्मनाक मामला सामने आया है। पीड़िता की मां, जो काम के सिलसिले में मध्य प्रदेश में थी, ने बताया कि मासूम ने फोन पर आपबीती सुनाई। हैरानी की बात है कि शिकायत करने पर दादी ने बच्ची को चुप रहने को कहा, जबकि आरोपी की पत्नी (बुआ) विवाद के बाद घर छोड़कर चली गई। पुलिस क्षेत्राधिकारी बीएस धौनी के अनुसार, आरोपी के खिलाफ पॉक्सो एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। फिलहाल आरोपी फरार है और पुलिस उसकी तलाश में जुटी है।

स्मैक के साथ एक दबोचा

बागेश्वर : कोतवाली पुलिस व एसओजी की टीम ने एक व्यक्ति को लगभग चार ग्राम स्मैक के साथ गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार चेकिंग के दौरान कठायतबाड़ा निवासी अजय कुमार उर्फ अतुल पुत्र प्रकाश चंद्र के पास से 3.53 ग्राम स्मैक बरामद की गई।

लोक संस्कृति और परंपराओं को किया जीवंत

सरस कॉर्बेट महोत्सव 2026: 'खुशहाल किसान, समृद्ध राष्ट्र' की थीम पर सजा तीसरा दिन

संवाददाता, टनकपुर

अमृत विचार : चम्पावत सरस कॉर्बेट महोत्सव 2026' का तीसरा दिन नई ऊर्जा, उत्साह और जनभागीदारी के साथ आयोजित हुआ। शुक्रवार का दिन "खुशहाल किसान, समृद्ध राष्ट्र" की थीम को समर्पित रहा, जिसमें ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ बनाने, आधुनिक कृषि तकनीकों को बढ़ावा देने तथा स्थानीय उत्पादों को व्यापक बाजार उपलब्ध कराने पर विशेष बल दिया गया।

प्रातः 11 बजे कृषि, पशुपालन, मत्स्य एवं सहकारिता विषयक गोष्ठी के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। गोष्ठी में कृषि वैज्ञानिकों एवं विभागीय अधिकारियों ने किसानों को आधुनिक खेती, जैविक उत्पादन, मूल्य संवर्धन तथा स्वरोजगार के प्रभावी मॉडल की जानकारी दी।

कृषक गोष्ठी में केवीके से डॉ. आरके शर्मा एवं डॉ. अनुराधा दत्ता ने उन्नत कृषि पद्धतियों पर प्रकाश डाला। उद्यान विभाग की गुनिता जोशी (ज्योलीकोट) ने बागवानी एवं उच्च मूल्य फसलों की संभावनाओं पर विस्तार से जानकारी दी। मत्स्य विभाग से

दीप जलाकर कार्यक्रम का शुभारंभ करते मुख्य अतिथि। ● अमृत विचार

डॉ. अवधेश कुमार एवं डॉ. राजेश कुमार ने मत्स्य पालन के नवीन आयाम साझा किए। पशुपालन विभाग से विजयपाल प्रजापति, प्रीति विष्ट, जीएस राणा एवं वसुन्धरा गर्ब्याल सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

दोपहर में ऊर्जा संरक्षण विषयक कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें युवाओं को पर्यावरण संरक्षण, वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों और सतत विकास के महत्व के प्रति जागरूक किया गया। दोपहर 1:45 बजे से विद्यालयी छात्र-छात्राओं ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से उत्तराखंड की समृद्ध लोक संस्कृति और परंपराओं को जीवंत किया। लोक नृत्य, समूह गान एवं नाट्य प्रस्तुतियों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

पर्यटन गतिविधियों ने भी महोत्सव को विशेष आकर्षण प्रदान किया है। डंडा ककनई में पैराग्लाइडिंग, उचौलीगोठ में हॉट एयर बैलूनिंग तथा एबॉट माउंट में बर्ड वॉचिंग जैसी गतिविधियाँ पर्यटकों को रोमांच और प्रकृति से जुड़ने का अनूठा अवसर दे रही हैं।

टनकपुर स्थित मेला परिसर में महिला स्वयं सहायता समूहों द्वारा लगाए गए स्टॉल के संकल्प को साकार कर रहे हैं। स्थानीय हस्तशिल्प, पारंपरिक उत्पाद एवं ऑर्गेनिक सामग्री की भारी मांग देखने को मिल रही है, जिससे ग्रामीण महिलाओं की आय में वृद्धि और आत्मनिर्भरता को प्रोत्साहन मिल रहा है।

कल होगा 'स्वस्थ बेबी शो' का आयोजन

टनकपुर : चम्पावत सरस कॉर्बेट महोत्सव 2026 के अंतर्गत 22 फरवरी को नन्हें बच्चों के लिए 'स्वस्थ बेबी शो' का विशेष आयोजन किया जाएगा। इस पहल का उद्देश्य बच्चों के समग्र स्वास्थ्य, पोषण एवं व्यक्तिगत स्वच्छता के प्रति अभिभावकों को जागरूक करना तथा स्वस्थ बाल्यावस्था को प्रोत्साहित करना है। यह प्रतियोगिता 3 वर्ष से 6 वर्ष आयु वर्ग (बालक एवं बालिका) के बच्चों के लिए आयोजित की जाएगी। आयु की गणना 1 फरवरी 2026 के आधार पर की जाएगी। इच्छुक अभिभावक अपने बच्चों का पंजीकरण कार्यक्रम स्थल पर 22 फरवरी को प्रातः 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक करा सकते हैं। दोपहर 12 बजे के बाद किसी भी प्रकार का पंजीकरण स्वीकार नहीं किया जाएगा। पंजीकरण के समय बच्चे का जन्म प्रमाण पत्र, आधार कार्ड अथवा एम.सी.पी. कार्ड प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा। विशेषज्ञ चिकित्सकों एवं स्वास्थ्य कर्मियों की टीम द्वारा बच्चों का मूल्यांकन निम्न प्रमुख मानकों पर किया जाएगा। प्रतियोगिता में बालक एवं बालिका वर्ग में पृथक-पृथक प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को आकर्षक पुरस्कारों से सम्मानित किया जाएगा। जिला कार्यक्रम अधिकारी, बाल विकास पीएस बृजवाल ने जिले के सभी अभिभावकों से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में अपने बच्चों के साथ इस आयोजन में सहभागिता सुनिश्चित कर स्वस्थ एवं सशक्त भविष्य की दिशा में कदम बढ़ाएं।

बूम रिवर राफ्टिंग प्रतियोगिता 21 से 24 तक

टनकपुर : चम्पावत सरस कॉर्बेट महोत्सव 2026 के अंतर्गत टनकपुर क्षेत्र में 21 फरवरी से 24 फरवरी तक चरण मंदिर से बूम तक रिवर राफ्टिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। यह प्रतियोगिता जनपद चम्पावत में साहसिक पर्यटन को बढ़ावा देने तथा क्षेत्र की समृद्ध प्राकृतिक धरोहर को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने के उद्देश्य से आयोजित की जा रही है। शारदा नदी की मनोहारी धाराओं के मध्य आयोजित यह प्रतियोगिता रोमांच, अनुशासन एवं कौशल का अद्वितीय संगम प्रस्तुत करेगी। आयोजन के सफल, सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित संचालन के लिए सभी संबंधित विभागों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं।

तू घास काटेली मैं पुआ बाधुलो...गीत पर झूमे लोग

संवाददाता, टनकपुर

अमृत विचार: चम्पावत सरस कॉर्बेट महोत्सव 2026 के दूसरे दिन टनकपुर में आयोजित सांस्कृतिक संध्या सुरों, ताल और उत्साह से सराबोर रही। टनकपुर में सजे भव्य मंच पर देर रात तक गीत-संगीत की ऐसी महफिल जमी कि पूरा पंडाल झूम उठा। दर्शक लोकधुनों पर थिरकते नजर आए और पूरा वातावरण संगीतमय हो गया।

कार्यक्रम की शुरुआत उत्तराखंड के लोकप्रिय हिमनाद बैंड की दमदार प्रस्तुति से हुई। बैंड ने कुमाउनी और गढ़वाली लोकगीतों को आधुनिक संगीत संयोजन के साथ प्रस्तुत कर युवाओं से लेकर बुजुर्गों तक सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। पारंपरिक धुनों और आधुनिक बीट्स के अनूठे संगम ने पहाड़ की सांस्कृतिक आत्मा को जीवंत कर दिया।

स्थानीय लोकगायक हरु जोशी ने भी अपनी भावपूर्ण प्रस्तुति से समां बांध दिया। उनकी सुमधुर आवाज और पहाड़ी अंदाज़ ने श्रोताओं को लोक संस्कृति से गहराई से जोड़ दिया। इसके बाद मंच पर लोक गायक गोविंद सिंह दिगारी व लोक गायिका खुशी जोशी दिगारी की जोड़ी ने कुमाउनी झोड़ा-चांचरी और

प्रस्तुति देते लोक गायक गोविंद दिगारी।

प्रस्तुति देतीं लोक गायिका खुशी जोशी।

सुपरहिट गीतों की शानदार प्रस्तुति देकर दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दिया। 'तू घास काटेली मै पुआ बाधूलो', 'गोविंदी', 'ओ लाली हो' और 'फ्वा बगा रे' जैसे लोकप्रिय कुमाउनी गीतों की धुन बजते ही पूरा पंडाल ताल और लय में डूब गया। युवाओं ने खास उत्साह दिखाया और मंच के सामने नृत्य करते नजर आए। शैरी के नेतृत्व में हिमनाद बैंड की ऊर्जावान प्रस्तुति ने कार्यक्रम में नई ऊर्जा भर दी। लोकसंस्कृति की रंगत, आधुनिक साउंड इफेक्ट्स और आकर्षक प्रकाश व्यवस्था ने सांस्कृतिक संध्या को और भी भव्य बना दिया। कार्यक्रम का सफल संचालन भैरव दत्त राय ने किया।

पेयजल निगम कर्मियों में आक्रोश

- पेयजल निगम कर्मचारी संघ का सरकार के खिलाफ प्रदर्शन
- निगम को राजकीय विभाग घोषित करने की उठाई मांग

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचार: वेतन भुगतान समेत तमाम मांगों के निराकरण को लेकर पेयजल निगम कर्मचारियों ने मोर्चा खोल दिया है। शुक्रवार को अधिकारियों और कर्मचारियों ने सरकार के खिलाफ धरना देकर जमकर प्रदर्शन किया। पेयजल निगम को राजकीय विभाग घोषित करने की मांग उठाई।

धरना स्थल पर आयोजित सभा में वक्ताओं ने कहा कि निगम के अधिकारी व कर्मचारी अपने कार्यों का निर्वहन पूरी निष्ठा के साथ कर रहे हैं, लेकिन इसके बावजूद उनको समय से वेतन का भुगतान नहीं किया जा रहा है। कहा कि दो

अल्मोड़ा में सरकार के खिलाफ धरना देते पेयजल निगम कर्मचारी। ● अमृत विचार

माह से निगम के अधिकारियों और कर्मचारियों को वेतन का भुगतान नहीं किया गया है। जिससे उनके समक्ष आर्थिक संकट गहरा गया है। वहीं, कर्मचारियों ने निगम को राजकीय विभाग घोषित करने, वेतन का भुगतान समय पर करने समेत कई मांगों को उठाया। जल्द मांग पूरी नहीं होने पर उग्र आंदोलन की चेतावनी दी। अधिशासी अभियंता संजीव वर्मा, अधिशासी अभियंता सुनील कुमार, राजेंद्र सिंह बिष्ट, दिनेश चंद्र तिवारी, अर्जुन सिंह बिष्ट, अनिल बिष्ट, शुभम जोशी, निर्मला रावत, रंजीत सिंह, महेन्द्र सिंह मेहरा, आलोक कुमार, आशा जोशी, हरीश सतवाल, देवेंद्र आर्या, दीप चन्द्र, अरविंद्र सिंह नेगी, दीपक जोशी, राहुल बिष्ट, दीपक तिवारी, कुंदन सिंह अधिकारी, पंकज कुमार आर्या, अरूण कठैत, डीएस रावत, साहिल पंत, पंकज जीना, राजू बिष्ट, गंगा देवी समेत कई लोग मौजूद रहे।

अस्पताल में बेहतर सुविधा के लिए लगेंगे एग्जॉस्ट फैन

संवाददाता, बागेश्वर

अमृत विचार: जिलाधिकारी आकांक्षा कोंडे की अध्यक्षता में शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिला चिकित्सा प्रबंधन समिति की बैठक हुई। जिसमें चालू वित्तीय वर्ष की आय व्यय के विवरण पर चर्चा के साथ वित्तीय वर्ष 2026-27 के प्रस्तावों के पर चर्चा की गई।

अध्यक्षता करते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि सरकारी अस्पताल में आने वाले मरीजों के लिए जैनरिक नाम के साथ दवाइयां लिखी जाएं तथा बाहर से महंगी दवाइयां न लिखी जाएं। उन्होंने मुख्य चिकित्सा अधीक्षक को अस्पताल की कैंटीन में पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराने के साथ ही गर्मियों में अस्पताल में भीड़ के कारण होने वाली घुटन एवं अव्यवस्था को दूर करने हेतु एग्जॉस्ट फैन लगाने सहित अन्य व्यवस्थाएं दुरुस्त करने तथा स्पष्ट साइनेज लगाने के निर्देश दिए।अस्पताल के तृतीय तल पर निर्मित क्रिटिकल केयर यूनिट का थर्ड पार्टी निरीक्षण कराने और सोलर पैनल स्थापित करने की कार्यवाही सुनिश्चित करने को कहा। सफाई व्यवस्था पर नाराजगी व्यक्त करते हुए बिना अनुमति ब्लीचिंग एवं अन्य सामग्री के उपयोग पर संबंधित ठेकेदार से वसूली की जाए तथा उसे चेतावनी जारी की जाए। अस्पताल परिसर में स्वच्छता व्यवस्था चाक-चौबंद रखने और बायो-मेडिकल वेस्ट के सुरक्षित, नियमानुसार निस्तारण एवं परिवहन की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए।

पिकअप खाई में गिरी, पांच घायल

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचार: विकासखंड सल्ट में सड़क हादसे थमने का नाम नहीं ले रहा है। शुक्रवार सुबह डोटियाल से सराईखेत मार्ग पर लमखाल के पास एक पिकअप वाहन अनियंत्रित होकर लगभग 50 मीटर गहरी खाई में जा गिरी। हादसे में पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। जिन्हें हायर सेंटर रेफर किया गया।

मिली जानकारी के अनुसार डोटियाल से करीब एक किलोमीटर आगे सड़क की हालत बेहद खराब है। इसी दौरान सामने से आ रही एक बस को पास देने के प्रयास में पिकअप वाहन का टायर एक गहरे गड्ढे में जाने से चालक वाहन पर नियंत्रण खो बैठा और पिकअप सीधे खाई में समा गई। दुर्घटना के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। स्थानीय लोगों ने तुरंत राहत एवं बचाव कार्य शुरू करते हुए

सल्ट के डोटियाल के पास दुर्घटनाग्रस्त पिकअप वाहन। ● अमृत विचार

घायलों को खाई से बाहर निकाला पुलिस को भी सूचना दी। पुलिस ने हादसे में चालक साकम सिंह (35) निवासी सराईखेत, राजेंद्र सिंह (36) निवासी केलाखेड़ा ऊधमसिंह नगर, सुभाष (19) निवासी नेपाल, चंद्रसेन (41) निवासी फतेहपुर बिजनौर यूपी और विजेंद्र सिंह (36) निवासी हिदायतपुर बिजनौर यूपी को प्राथमिक उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र देवायल भेजा। जहां डॉक्टरों ने घायलों की गंभीर हालत को देखते हुए हायर सेंटर रेफर कर दिया। जबकि वाहन से छिटकने से चंदन सिंह निवासी नेपाल और मोबिन निवासी सवालदेव रामनगर बच गए। इधर, घटना की सूचना मिलते ही एसडीएम सल्ट रिंकू बिष्ट समेत अन्य अधिकारियों ने अस्पताल पहुंच घायलों की जानकारी ली।

अल्मोड़ा में एसएसपी को ज्ञापन सौंपते देवभूमि उद्योग व्यापार मंडल के पदाधिकारी।

त्योहारी सीजन में बाजार में गश्त बढ़ाने की मांग

अल्मोड़ा, अमृत विचार : देवभूमि उद्योग व्यापार मंडल पदाधिकारियों ने शुक्रवार को नवनियुक्त एसएसपी चंद्रशेखर घोडके से मुलाकात की। इस दौरान तमाम समस्याओं को लेकर व्यापारियों ने ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में कहा कि होली और रमजान जैसे पवित्र त्योहार निकट हैं। सांस्कृतिक नगरी अल्मोड़ा अपनी सांस्कृतिक सौहार्द परंपरा के लिए जाना जाता है। दोनों पर्व एक साथ होने के कारण असामाजिक तत्वों द्वारा माहौल बिगाड़ने की आशंका बनी रहती है। ऐसे में त्योहारी सीजन में शहर में पुलिस गश्त बढ़ाने, मंदिरों व पार्कों में सघन चेकिंग अभियान चलाने समेत कई मांगों को रखा। यहां ज्ञापन सौंपने वालों में व्यापार मंडल जिलाध्यक्ष मनोज सिंह पवार, नगर अध्यक्ष संजय साह 'रिक्खू', महिला जिला उपाध्यक्ष वंदना वर्मा, कार्यकारी जिलाध्यक्ष प्रमोद पवार, मनु गुप्ता, दीप चंद्र जोशी, नीरज थापा, हिमांशु बिष्ट, हिमांशु काण्डपाल, कमल बिष्ट, गणेश जोशी, हरि कृष्ण खत्री, सुधीर गुप्ता, मनीष मल्होत्रा, दिनेश काण्डपाल, दीपक जोशी, आनंद सिंह भोज, जयप्रकाश पांडे, अमन टकवाल समेत कई व्यापारी मौजूद रहे।

राष्ट्रीय दलों के हाथों राज्य का भविष्य सुरक्षित नहीं: आशीष

संवाददाता, बागेश्वर

अमृत विचार: उक्रांद की कुमाऊं संवाद यात्रा शुक्रवार को बागेश्वर पहुंची तो केंद्रीय युवा प्रकोष्ठ के अध्यक्ष आशीष नेगी ने कहा है कि किसी भी राष्ट्रीय दल के हाथों राज्य का भविष्य सुरक्षित नहीं है। उन्होंने कहा कि राज्य की जनता का दुर्भाग्य है कि 25 साल बीतने के बाद भी पहाड़ियों के पास स्थायी राजधानी तक नहीं है। इससे पूर्व उनके यहां पहुंचने पर ढोल नगाणों के साथ विभिन्न स्थानों में भव्य स्वागत किया गया। नुमाइश मैदान में कई लोगों ने उक्रांद की सदस्यता भी ली।

इसके बाद वे काफिले के रूप में नगर के विभिन्न मार्गों से होते हुए नुमाइश मैदान पहुंचे जहां आयोजित

उक्रांद की जनसभा में मौजूद पदाधिकारी। ● अमृत विचार

सभा में आशीष नेगी ने कहा कि उत्तराखंड की भाषा यहां रोजगार दे सकती है। कहा कि अगर हम समय पर नहीं चेते तो आने वाले समय में हम अपने ही राज्य में पराये हो जाएंगे। केंद्रीय उपाध्यक्ष कुलदीप रावत ने कहा कि गुजरात में प्रधानमंत्री शराब बंदी कर रहे हैं और यहां नशा परोस रहे हैं। इस दौरान सीए वरुण चंदोला ने जाग पहाड़ी जाग का उक्रांद में विलय करने की घोषणा की। इस दौरान पूर्व आइएएस विनोद रतूड़ी, पूर्व विधायक पुष्पेश त्रिपाठी, दिनेश बिष्ट, हीरा बल्लभ भटट, दीप जोशी आदि दर्जनों लोग उपस्थित थे। संचालन महिला प्रकोष्ठ की जिलाध्यक्ष पूजा मेहरा व केंद्रीय कार्यकारिणी सदस्य भुवन कांडपाल ने किया। इस दौरान कई लोगों ने भाजपा व कांग्रेस छोड़कर उक्रांद की सदस्यता ली।

स्मैक के साथ एक युवक गिरफ्तार

अल्मोड़ा : चेकिंग के दौरान बेस तिराहा के पास पुलिस टीम ने एक युवक को स्मैक के साथ दबोच लिया। पुलिस ने युवक पर एनडीपीएस एक्ट में कार्रवाई की है।

जानकारी के अनुसार अल्मोड़ा पुलिस और एसओजी की संयुक्त टीम ने युवक को संदिग्ध प्रतीत होने पर रोका गया। तलाशी लेने पर आरोपी दीपक सिह बिष्ट पुत्र गोविन्द सिंह बिष्ट, निवासी ग्राम स्यालीधार, अल्मोड़ा के कब्जे से 6.20 ग्राम स्मैक बरामद की गई। बरामद स्मैक की कीमत करीब 1 लाख 86 हजार रुपये आंकी गई। पुलिस ने स्मैक को सील कर एनडीपीएस एक्ट में मुकदमा दर्ज कर युवक को गिरफ्तार किया। एसओजी प्रभारी सुनील धानिक ने बताया कि युवक पूर्व में भी एनडीपीएस एक्ट में कई बार जेल जा चुका है।

रानीखेत में हिन्दू सम्मेलन का किया गया आयोजन

संवाददाता, रानीखेत

अमृत विचार: शुक्रवार को स्थानीय शिव मंदिर परिसर में हिंदू सम्मेलन का आयोजन किया गया। इससे पूर्व निकाली यात्रा केएमयू स्टेशन से सदर बाजार, जरूरी बाजार से होते हुए रानीखेत शिव मंदिर पहुंची। यात्रा में महिलाओं, बच्चों, बुजर्गों, युवाओं, और दूर-दूर से आये कई सगठनों के कार्यकर्ताओं ने बढ़-चढ़ कर भाग लिया।

मुख्य अतिथियों और संचालन समिति के सदस्यों ने दीप प्रज्वलित कर सभा का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में मुख्य प्रवक्ता विभाग प्रचारक कमल जीत, कथा वाचक चंद्र शेखर अधिकारी और प्रोफेसर सरिता चौहान थे। वक्ताओं ने कहा कि हिंदू धर्म अनादि काल से चलते आ रहा है। हिंदू धर्म हमेशा वसुधैव कुटुंबकम पर विश्वास करता है। आज विश्व के कल्याण के लिए फिर से हिंदुओं को एकजुट होकर सर्वधर्म समभाव के मार्ग को प्रशस्त कर उठने की जरूरत है।

कार्यक्रम में कमल जीत, चंद्र शेखर अधिकारी, सरिता चौहान, धर्मा नन्द जोशी, दीप पांडे, रवि मोहन अग्रवाल, जगदीश अग्रवाल, रमेश बिष्ट, रोहित शर्मा, धन सिंह रावत, दीपक करकैती, मोहन नेगी, दीप भगत, गुड्डू भगत, चंदन भगत, विमल भट्ट, ललित मेहरा, उमेश पंत, रामेश्वर गोयल मीडिया प्रभारी, दर्शन बिष्ट, हर्ष वर्धन पंत, देवकी उपाध्याय, विमला रावत, तनुजा शाह, जानकी आदि मौजूद रहे।

निरीक्षण | श्रद्धालुओं को मिलेगी सुगम, सुरक्षित एवं त्वरित यात्रा की आधुनिक सुविधा

डीएम ने किया पूर्णागिरि रोपवे परियोजना का निरीक्षण

संवाददाता, टनकपुर

अमृत विचार : जनपद चम्पावत के प्रसिद्ध तीर्थ स्थल मां पूर्णागिरि धाम क्षेत्र में निर्माणाधीन रोपवे परियोजना का जिलाधिकारी मनीष कुमार ने स्थलीय निरीक्षण कर कार्य प्रगति की विस्तृत समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान उन्होंने निर्माण कार्य की गुणवत्ता, सुरक्षा मानकों एवं समयबद्ध क्रियान्वयन पर विशेष बल दिया।

दिल्ली स्थित कार्यदायी संस्था केआर आनंद कंस्ट्रक्शन लिमिटेड द्वारा इस महत्वाकांक्षी परियोजना का निर्माण किया जा रहा है। प्रोजेक्ट मैनेजर महेन्द्र राठौर ने डीएम को रोपवे के तकनीकी

पूर्णागिरि रोपवे परियोजना का निरीक्षण करते डीएम मनीष कुमार। ● अमृत विचार

पहलुओं, संरचनात्मक विशेषताओं एवं वर्तमान प्रगति की विस्तृत जानकारी प्रदान की।

प्रोजेक्ट मैनेजर ने बताया कि रोपवे की कुल लंबाई 950 मीटर होगी, जिसमें दो ट्रालियां संचालित होंगी। प्रत्येक ट्राली में एक समय में 65 श्रद्धालु सवार हो सकेंगे। यह रोपवे एक टर्मिनल से दूसरे टर्मिनल तक लगभग 250 मीटर की ऊंचाई को मात्र 7 मिनट में पार करेगा, जिससे प्रति घंटे 800 से अधिक श्रद्धालुओं की सुगम आवाजाही सुनिश्चित हो सकेगी।

रोपवे के संचालन से हनुमानचट्टी से काली मंदिर तक का लगभग 6 किलोमीटर का पैदल एवं सड़क मार्ग कम हो जाएगा, जिससे विशेषकर वृद्धजन, महिलाएं एवं दिव्यांग श्रद्धालुओं को बड़ी राहत मिलेगी। उन्होंने बताया कि परियोजना की विशेषता यह है कि हनुमानचट्टी एवं काली मंदिर टर्मिनल स्टेशनों के मध्य 950 मीटर की दूरी में किसी प्रकार का मध्य पोल नहीं लगाया जाएगा, जिससे प्राकृतिक सौंदर्य एवं पर्यावरणीय संतुलन सुरक्षित रहेगा। डीएम ने निर्देश दिए कि आवश्यक सामग्री का शीघ्र स्थानांतरण सुनिश्चित करते हुए निर्माण कार्य में तेजी लाई जाए, ताकि परियोजना निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण हो सके। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने आगामी पूर्णागिरि मेले की तैयारियों की भी समीक्षा की तथा संबंधित विभागों को सभी व्यवस्थाएं समय से पूर्ण करने के निर्देश दिए। साथ ही लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता को बाटनगाड़ क्षेत्र में सड़क सुधारीकरण के लिए विभिन्न विकल्पों पर शीघ्र कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश प्रदान किए।

इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी कृष्णनाथ गोस्वामी सहित अन्य संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

कांग्रेस के हिन्दू सम्मेलन को लेकर सवाल

संवाददाता, रानीखेत

अमृत विचार : कांग्रेस नेता पूर्व प्रदेश अध्यक्ष करन माहरा के निर्देशानुसार अंकिता भंडारी हत्याकांड सहित अनेक मुद्दों को जनता के बीच लेकर पहुंचे। नगर में जनसंपर्क कर महिलाओं को संबोधित पर्चा बांटकर कांग्रेस नेताओं ने राज्य सरकार से तमाम सवाल पूछे तथा कहा कि हिंदू सम्मेलन करने वाले व हिंदूवादी संगठन आखिर पीड़ितों के हिंदू होने के बावजूद चुप्पी क्यों साध लेते हैं।

कांग्रेस नेताओं ने जनसंपर्क के दौरान कहा कि संतरेसा में 14 साल की बच्ची के साथ बलात्कारी भाजपा के ओबीसी सेल का व्यक्ति पाया जाता है। बांग्लादेश में हिन्दू भाइयों की मौत पर ये संगठन बांग्लादेश का पुतला तो फूंकते

नगर में जनसंपर्क कर पर्चा बांटते कांग्रेस कार्यकर्ता। ● अमृत विचार

है मगर अपने ही देश व राज्य में जब भाजपा के विधायक, मंत्री, मंडल अध्यक्ष व अन्य मोर्चों के पदाधिकारियों द्वारा हमारी हिन्दू बेटियों के साथ किये गए जघन्य अपराधों पर इन अपराधियों के पुतले दहन पर सनातनी प्रेम व एकता उस वक्त क्यों नही जागती?

कांग्रेस नेताओं ने मांग की कि यदि विराट हिन्दू सम्मेलन आयोजित किए जा सकते हैं, तो उत्तराखंड की बेटियों की सुरक्षा, न्याय और सम्मान के लिए भी एक बड़ा सामाजिक सम्मेलन आयोजित किया जाना चाहिए। कार्यक्रम में महिला जिलाध्यक्ष गीता पवार, महिला नगर अध्यक्ष नेहा माहरा, अंकिता पंत, कुलदीप कुमार, पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष गोपाल सिंह देव, पंकज गुरुरानी, दीप उपाध्याय, विजय तिवारी, रुद्र माहरा आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बाजार	सेंसेक्स ↑	निफ्टी ↑
बंद हुआ	82,814.71	25,571.25
बढ़त	316.57	116.90
प्रतिशत में	0.38	0.46

सोना 1,58,650 प्रति 10 ग्राम

चांदी 2,64,000 प्रति किलो

अमृत विचार

हल्द्वानी, शनिवार, 21 फरवरी 2026

www.amritvichar.com

बरेली मंडी

वनस्पति तेल तिलहन : तुलसी 2565, राज श्री 1880, फ़ॉर्चून कि. 2390, रविन्द्रा 2490, फॉर्चुन 13 किग्रा 2110, जय जवान 2080, सचिन 2090, सूरज 2080, अवसर 1940, उजाला 2060, गृहणी 13 किग्रा 1945, क्लासिक (किग्रा) 2280, मोर 2275, चक्र टिन 2330, ब्लू 2185, आशीर्वाद मस्टर्ड 2380, स्वास्तिक 2520

किराना : महाराष्ट्र हल्दी 17300, जीरा 28000, लाल मिर्च 19000-21000, धनिया 11000-12000, अजवाइन 14000-20000, मेथी 7000-8000 सौंफ 10000-20000, सोंठ 37000, **प्रति किलो :** लौंग 850-1000, बादाम 800-1080, काजू 2 पीस 880, किशमिश पीली 350-400, मखाना 950-1100

चावल प्रति कुंटल : डबल चाबी सेला 9700, स्पाइस 6500, शरबती कच्ची 5250, शर्बती स्टीम 5350, मंसूरी 4000, महबूब सेला 4050, गौरी रॉयल 8400, राजभोग 6850, हरी पत्ती (1 किग्रा ,5 किग्रा) 10100, हरी पत्ती नेचुरल 9100, गौरी स्पेशल 8500, गौरी प्रीमियम 10200, सूमो 4000, गौरी रॉयल 8600, मंसूरी पनघट 4200,लाडली 4200

दाल दलहन : मूंग दाल इंदौर 9800, मूंग धोवा 10000, राजमा चित्रा 11200-12000, राजमा भूटान नया 10100, मलका काली 7250-7450, मलका दाल 7350-9200, मलका छांटी 7250, दाल उड़द बिलासपुर 8800-9800, मसूर दाल छोटी 10000-11600, दाल उड़द दिल्ली 11200, उड़द साबुत दिल्ली 10500, उड़द धोवा इंदौर 12700, उड़द धोवा 9800-11500,चना काला 7150, दाल चना 7250, दाल चना मोटी 7100, मलका विदेशी 7200, रूपकिशोर बेसन 7500, चना अकोला 6600, डबरा 6800-8400, सच्चा हीरा 8700, मोटा हीरा 9800, अरहर गोला मोटा 8800, अरहर पटका मोटा 9500, अरहर कोरा मोटा 9800, अरहर पटका छोटा 11100-11800, अरहर कोरी छोटी 13100

चीनी : पीलीभीत 4430, बहेड़ी 4270

हल्द्वानी मंडी

चावल : शरबती 3200, मसूरी 1000, बासमती 8000-9400, परमल 2200-4000

दाल दलहन : काला चना 2000-3200, साबुत चना दाल 1000, मूंग साबुत 5000, राजमा 9200-12200, दाल उड़द 6800, साबुत मसूर दाल 3200, मसूर दाल 1000, उड़द साबुत 10200, काबुली चना 6800-10400, अरहर दाल 10000 -12200, लोबिया/करमानी 2100-4000

एआई से 0.8 प्रतिशत बढ़ेगी वैश्विक वृद्धि मगर नौकरियों के लिए भारी जोखिम भी

आईएमएफ प्रमुख ने कहा- एआई को अत्यधिक सकारात्मक दिखाने से सावधान रहे दुनिया

नई दिल्ली, एजेंसी

अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष (आईएमएफ) की प्रबंध निदेशक क्रिस्टलिना जॉर्जीवा ने शुक्रवार को कहा कि एआई वैश्विक आर्थिक वृद्धि को 0.8 प्रतिशत तक बढ़ा सकती है विकसित भारत बनने के लक्ष्य को हासिल करने में मदद कर सकती है। जार्जीवा ने इसके साथ यह चेतावनी भी दी कि एआई से नौकरियां कम होने और वित्तीय स्थिरता पर भारी जोखिम भी पैदा हो सकते हैं।

जॉर्जीवा ने यहां आयोजित ''एआई इम्पैक्ट समिट 2026'' में कहा कि वह एआई को लेकर आशावादी हैं, लेकिन इसके प्रभाव को अत्यधिक सकारात्मक दिखाने से सावधान रहने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि एआई को अच्छाई की ताकत या बुराई की ताकत के रूप में इस्तेमाल किए जाने के बीच संतुलन बनाए रखना जरूरी है। जॉर्जीवा ने कहा, एआई वैश्विक आर्थिक वृद्धि को लगभग एक प्रतिशत अंक तक बढ़ा सकता है। हमारा अनुमान 0.8 प्रतिशत है। इसका मतलब है कि दुनिया की अर्थव्यवस्था कोविड महामारी से पहले की तुलना में तेजी से बढ़ेगी। यह नए अवसर और अधिक रोजगार सृजित करने के लिए शानदार है।

उन्होंने कहा कि एआई उन देशों के लिए अधिक अवसर पैदा करता है जो डिजिटल बुनियादी ढांचा, कौशल विकास और एआई को तेजी से अपनाने में आगे हैं। उन्होंने कहा कि देशों को जोखिमों के प्रति सचेत रहते हुए अवसरों को अपनाना चाहिए। कहा, मैं एआई को लेकर बहुत आशावादी हूं। हालांकि मैं बहुत भोली भी नहीं हूं, इससे काफी जोखिम भी जुड़े हैं।

अमेरिका के बाजार में पड़ने लगा असर

आईएमएफ के एक अध्ययन के मुताबिक एआई के कारण अमेरिकी श्रम बाजार पर असर पड़ रहा है। अमेरिका में हर दस में से एक नौकरी के लिए अब अतिरिक्त कौशल की जरूरत है और इस कौशल से लैस लोगों को बेहतर वेतन मिलता है। जॉर्जीवा ने कहा, जब लोगों के पास ज्यादा पैसे होंगे, तो वे रेस्तरां, मनोरंजन आदि में जाएंगे, जिससे कम कौशल वाले कर्मचारियों की मांग बढ़ेगी। एआई से एक नई नौकरी बनने पर कुल रोजगार में 1.3 नौकरियां बनती हैं। इसका मतलब है कि कुछ लोगों को ज्यादा अवसर मिलते हैं।

आईएमएफ प्रमुख क्रिस्टलिना जॉर्जिवा और अन्य वैश्विक संस्थाओं के प्रतिनिधियों के साथ प्रधानमंत्री मोदी।

एआई से जुड़े तीन बड़े जोखिम गिनाए

- जॉर्जीवा ने कहा कि सबसे पहले एआई से कुछ देशों के पास प्रौद्योगिकी होने और कुछ देशों के पास न होने के कारण वैश्विक असमानता बढ़ने का खतरा है।
- यह पूरी दुनिया में वित्तीय स्थिरता के लिए जोखिम पैदा कर सकता है, क्योंकि एआई अनियंत्रित होने पर वित्तीय बाजारों में संकट पैदा कर सकता है।
- एआई आने से नौकरियों के जाने का भी खतरा है, अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है कि लोग नई एआई अर्थव्यवस्था में अपनी जगह किस तरह बना सकेंगे।

> आईएमएफ देशों के साथ मिलकर यह समझने का काम जारी रखेगा कि एआई में क्या बदलाव हो रहे हैं और भविष्य की नीतियों के लिए इसे कैसे आकार दिया जा सकता है। हमें एआई को देखने और समझने में लचीला रुख अपनाना होगा। - **क्रिस्टलिना जॉर्जीवा**

जल्द ही श्रम बाजार में आने वाली है सुनामी

जॉर्जीवा ने कहा, हमने इस जोखिम को बहुत ऊपर आंका है। हम वास्तव में श्रम बाजार पर एआई के प्रभाव को एक 'सुनामी' की तरह देख रहे हैं। वैश्विक स्तर पर लगभग 40 प्रतिशत नौकरियां एआई से प्रभावित होंगी, कुछ में सुधार होगा और कुछ खत्म हो जाएंगी। उभरते बाजारों में 40 प्रतिशत प्रभावित होंगे जबकि विकसित अर्थव्यवस्थाओं में यह आंकड़ा 60 प्रतिशत तक है। और यह बदलाव अपेक्षाकृत कम समय में ही होने जा रहा है।

बाजार में लौटी तेजी, सेंसेक्स में 316 अंक का उछाल, निफ्टी भी 25,550 के पार

मुंबई। शेयर बाजारों में शुक्रवार को तेजी लौटी और बीएसई सेंसेक्स 316 अंक की बढ़त के साथ जबकि निफ्टी 25,550 के पार बंद हुआ। बैंकिंग और धातु शेयरों में खरीदारी, व्यापार समझौते में प्रगति को लेकर आशावाद के साथ 'पैक्स सिलिका' में भारत की भागीदारी की खबरों से बाजार को समर्थन मिला।

बीएसई का 30 शेयरों पर आधारित मानक सूचकांक सेंसेक्स 316.57 अंक यानी 0.38 प्रतिशत चढ़कर 82,814.71 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 633.94 अंक बढ़कर 83,132.08 अंक तक पहुंच गया था। एनएसई का 50 शेयरों वाला मानक सूचकांक निफ्टी 116.90 अंक यानी 0.46 प्रतिशत की बढ़त के साथ 25,571.25 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 209.2 अंक उछलकर 25,663.55 अंक के उच्च स्तर तक पहुंच गया था। भूराजनीतिक चिंताओं के बीच निवेशकों द्वारा शेयर की अंधाधुंध बिकवाली से बृहस्पतिवार को सेंसेक्स 1,236.11 अंक और एनएसई निफ्टी 365 अंक टूट गया था।

आठ बुनियादी क्षेत्रों की वृद्धि दर घटकर चार प्रतिशत पर

नई दिल्ली। देश के आठ प्रमुख बुनियादी क्षेत्रों की उत्पादन वृद्धि दर जनवरी में घटकर चार प्रतिशत रह गई। शुक्रवार को जारी आधिकारिक आंकड़ों से यह साफ किया। इन बुनियादी उद्योगों की वृद्धि दर एक साल पहले जनवरी, 2025 में 5.1 प्रतिशत थी जबकि दिसंबर, 2025 में यह 4.7 प्रतिशत रही थी। आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक, जनवरी 2026 में कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस के उत्पादन में नकारात्मक वृद्धि दर्ज की गई। चालू वित्त वर्ष 2025-26 की अप्रैल-जनवरी अवधि में इन आठ बुनियादी उद्योगों का उत्पादन 2.8 प्रतिशत बढ़ा जबकि 2024-25 की समान अवधि में वृद्धि दर 4.5 प्रतिशत रही थी।

विदेशी मुद्रा भंडार 725.72 अरब डॉलर के रिकॉर्ड पर

मुंबई। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 13 फरवरी को समाप्त सप्ताह में 8.66 अरब डॉलर बढ़कर 725.72 अरब डॉलर के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया।

भारतीय रिजर्व बैंक के मुताबिक इससे पहले छह फरवरी को समाप्त सप्ताह में कुल विदेशी मुद्रा भंडार 6.71 अरब डॉलर घटकर 717.06 अरब डॉलर रह गया था। इससे पहले का सर्वोच्च स्तर जनवरी में 723.774 अरब डॉलर का रहा था। आरबीआई की तरफ से जारी आंकड़ों के मुताबिक 13 फरवरी को समाप्त सप्ताह में मुद्रा भंडार का अहम हिस्सा माने जाने वाली विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियां 3.55 अरब डॉलर बढ़कर 573.60 अरब डॉलर हो गईं। रिजर्व बैंक ने कहा कि समीक्षाधीन सप्ताह के दौरान स्वर्ण भंडार मूल्य 4.99 अरब डॉलर बढ़कर 128.46 अरब डॉलर हो गया।

- **समाप्त सप्ताह में 8.66 अरब डॉलर की हुई वृद्धि**

एल्यूमीनियम के लिए ब्राजील की कंपनी का हिंडाल्को से करार

नई दिल्ली। ब्राजील की विमान बनाने वाली कंपनी एम्ब्रेयर ने खनन क्षेत्र की भारतीय कंपनी हिंडाल्को के साथ भारत में साझा व्यावसायिक अवसरों की तलाश के लिए शुक्रवार को एक सहमति पत्र पर हस्ताक्षर किए।

एम्ब्रेयर ने बताया कि इस संयुक्त पहल का उद्देश्य विमानन में इस्तेमाल होने वाले विशेष एल्यूमीनियम से बने कच्चे माल के निर्माण में संभावनाओं की पहचान करना है। कंपनी ने महिंद्रा और अडानी समूहों के साथ भारत में विमान निर्माण संयंत्र की स्थापना के लिए समझौते किए हैं। एम्ब्रेयर में वैश्विक खरीद के कार्यकारी उपाध्यक्ष रॉबर्ट चेव्स ने कहा, यह पहल स्थानीय साझेदारों की पहचान करने पर हमारे फोकस को और मजबूत करती है।

अति उत्साही न बनें, विश्वसनीय होने पर ही एआई का इस्तेमाल करें संस्थान

नई दिल्ली। संस्थानों को एआई आधारित समाधानों के इस्तेमाल को लेकर तब तक अत्यधिक उत्साह नहीं दिखाना चाहिए, जब तक उनका पूर्ण परीक्षण न हो और वे विश्वसनीय न हों। सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के 'डेटा इन्फॉर्मेटिक्स एंड इनोवेशन' प्रभाग के उपमहानिदेशक रोहित भारद्वाज ने समिट में 'एआई-समक्ष डेटा : नवाचार के लिए साझा अवसंरचना' विषयक सत्र में यह बात कही।

उन्होंने कहा कि सरकारी विभागों को आंकड़ों

सांख्यिकी मंत्रालय ने दी सलाह

को मशीन-रीडेबल बनाना चाहिए। कॉन्टेक्स्ट फाइल और सिमैंटिक्स होनी चाहिए और मेटाडेटा होना चाहिए। कॉन्टेक्स्ट फाइल में किसी जानकारी को समझने के लिए आवश्यक विवरण होता है। सिमैंटिक्स शब्दों या डेटा के वास्तविक अर्थ और संदर्भ को समझने की प्रक्रिया है। मेटाडेटा डेटा के बारे में दी गई अतिरिक्त जानकारी, जैसे उसकी तारीख, स्रोत या संरचना को कहते हैं।

भारत का जोर सभी को किफायती कंप्यूटिंग क्षमता उपलब्ध कराने पर

नई दिल्ली। सांख्यिकी सचिव सुमित गर्ग ने शुक्रवार को कहा कि भारत एक ऐसे मॉडल पर ध्यान केंद्रित कर रहा है जहां सरकार, परोपकारी संस्थाएं और निजी क्षेत्र मिलकर यह सुनिश्चित कर सकें कि किफायती 'कंप्यूटिंग' क्षमताएं सभी के लिए सुलभ हों।

गर्ग ने 'एआई इम्पैक्ट समिट' में एक सत्र को संबोधित करते हुए कहा, हमारा ध्यान कंप्यूटिंग क्षमता तक पहुंच को सीमित करने पर नहीं, बल्कि बुद्धिमानी से प्राथमिकता तय करने पर है। उन्होंने कहा कि इसमें परोपकारी संगठनों की अहम भूमिका होगी, क्योंकि उनका मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि एआई का लाभ सभी तक पहुंचे। इस उद्देश्य के साथ सरकार, परोपकारी संस्थाएं और निजी क्षेत्र सहयोग कर सकते हैं ताकि सभी को किफायती कंप्यूटिंग क्षमताएं मिल सकें। हम इसी तरह के मॉडल पर विचार कर रहे हैं।

राष्ट्रीय

अमेरिका से व्यापार समझौते के खिलाफ युवा कांग्रेस का एआई समिट में प्रदर्शन

शर्ट उतारकर प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ की नारेबाजी, पुलिस ने चार को गिरफ्तार किया

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय युवा कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने शुक्रवार को एआई इम्पैक्ट समिट के आयोजन स्थल पर अमेरिका के साथ व्यापार समझौते के विरोध में प्रदर्शन किया और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ नारे लगाए, जिसके बाद पुलिस ने चार लोगों को गिरफ्तार कर लिया। भाजपा ने इसके बाद कांग्रेस पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि मुख्य विपक्षी दल ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की छवि धूमिल की है।

युवा कांग्रेस के कार्यकर्ता हॉल नंबर-5 के अंदर मार्च करते हुए पहुंचे। इनमें कुछ सफेद टीशर्ट पहने हुए थे और कुछ ने ये टीशर्ट हाथों में ले रखी थी। इन पर प्रधानमंत्री मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की तस्वीरें छपी थीं तथा उन पर इंडिया यूएस ट्रेड डील, एपस्टीन फाइल्स और पीएम इज कम्प्रोमाइज्ड यानी प्रधानमंत्री झुक गए जैसे नारे लिखे थे। कुछ प्रदर्शनकारियों ने टीशर्ट भी उतार दीं। उनके विरोध प्रदर्शन के कारण वहां अफरातफरी मच गई। इस दौरान कार्यक्रम में मौजूद कुछ प्रतिभागियों और कुछ प्रदर्शनकारियों के बीच तीखी बहस भी हुई।

इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट के दौरान भारत मंडपम में प्रदर्शन करते युवक कांग्रेस कार्यकर्ता।

समिट नहीं, किसान विरोधी व्यापार समझौते के खिलाफ

युवा कांग्रेस के अध्यक्ष उदयभानु चिब ने एक बयान में कहा, युवा कांग्रेस के साथियों ने स्पष्ट कर दिया कि देश का युवा अब चुप नहीं बैठेगा। पीएम इज कंप्रोमाइज्ड यानी प्रधानमंत्री झुक गए सिर्फ एक नारा नहीं, बल्कि करोड़ों बेरोजगार युवाओं का आक्रोश है। अमेरिका के साथ यह व्यापार समझौता हमारे किसानों और जनता के हितों के साथ खिलवाड़ है, जिससे सिर्फ अमेरिका को फायदा होगा। लोकतंत्र में शांतिपूर्ण विरोध हमारा अधिकार है और हम युवाओं की आवाज बुलंद करते रहेंगे। चिब ने कहा, हम एआई इम्पैक्ट समिट के खिलाफ नहीं हैं। हम भारत के हितों के साथ हो रहे समझौते के खिलाफ हैं, इसलिए हमने ये प्रदर्शन किया है।

पुलिस के मुताबिक जिन लोगों को हिरासत में लिया गया, उनमें युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव कृष्णा हरि भी शामिल हैं। मौके पर तैनात एक पुलिसकर्मी ने कहा कि इस घटना के बाद हॉल के अंदर सुरक्षा और कड़ी की जाएगी। यह विरोध प्रदर्शन कुछ ही मिनटों तक चला, जिसके बाद समूह को हॉल से बाहर निकाल दिया गया।

भाजपा ने कहा- प्रदर्शन विश्व में भारत की छवि खराब करने का प्रयास

भाजपा के वरिष्ठ नेता और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने घटना की निंदा करते हुए कहा कि यह भारत की प्रतिष्ठा को धूमिल करने का प्रयास है। उन्होंने एक्स पर पोस्ट किया, जब भी भारत वैश्विक मंच पर आगे बढ़ता है, कांग्रेस राष्ट्रहित के साथ खड़े होने के बजाय राजनीतिक लाभ लेने को प्राथमिकता देती दिखाई देती है। दलगत राजनीति को देश की प्रतिष्ठा और सम्मान से ऊपर रखना अत्यंत दुखद है। राजनाथ ने कहा कि भारत की जनता भली-भांति समझती है कि कौन भारत को सशक्त और समर्थ बनाने में जुटा है और कौन बार-बार भारत की छवि को धूमिल करने का प्रयास करता है। भाजपा प्रवक्ता संबित पात्रा ने आरोप लगाया कि यह घटना कांग्रेस के शीर्ष नेताओं के कहने पर अंजाम दी गई है। उन्होंने कहा, यह साजिश राहुल गांधी, सोनिया गांधी और प्रियंका गांधी की मौजूदगी में राहुल गांधी के निवास स्थान पर रची गई थी। यह प्रयोग है, संयोग नहीं।

इस अप्रत्याशित घटना ने अतिथियों और आगंतुकों को हैरान कर दिया, क्योंकि 'एआई इम्पैक्ट समिट' के मद्देनजर यह व्यापार समझौता विरोधी प्रदर्शन अप्रत्याशित था।

बाबर के नाम पर धर्मस्थल का नामकरण रोकने की याचिका पर सुनवाई करने से इन्कार

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने मुगल शासक बाबर या बाबरी मस्जिद के नाम पर किसी भी मस्जिद या धार्मिक संरचना के निर्माण या नामकरण पर रोक लगाने का निर्देश देने के अनुरोध वाली याचिका पर विचार करने से शुक्रवार को इन्कार कर दिया। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ द्वारा याचिका पर विचार करने में अनिच्छा व्यक्त करने के बाद याचिकाकर्ता की ओर से पेश हुए वकील ने इसे वापस ले लिया।

याचिकाकर्ता की ओर से पेश हुए वकील ने निलंबित तृणमूल कांग्रेस विधायक हुमायूं कबीर द्वारा पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में बाबरी मस्जिद की प्रतिकृति बनाने की घोषणा का हवाला दिया। उन्होंने कहा कि याचिकाकर्ता देश में आक्रांताओं के नाम पर मस्जिदों के निर्माण के खिलाफ है। हुमायूं कबीर ने इस तथ्य के बावजूद मुर्शिदाबाद में बाबरी मस्जिद के निर्माण की घोषणा की थी कि बाबर एक आक्रमणकारी था। कबीर के खिलाफ भी कार्रवाई की जानी चाहिए। पीठ ने याचिका खारिज

- **निलंबित टीएमसी विधायक मुर्शिदाबाद में बनवा रहे हैं बाबरी मस्जिद की प्रतिकृति**

करने की घोषणा की तो वकील ने याचिका वापस लेने की अनुमति मांगी। याचिका में केंद्र, राज्यों और अन्य सरकारों को याचिकाकर्ता के मामले पर विचार करने और समूचे भारत में बाबर या बाबरी मस्जिद या उनसे मिलते-जुलते नामों पर किसी भी मस्जिद या धार्मिक संरचना के निर्माण, नामकरण पर रोक लगाने या प्रतिबंध लगाने का निर्देश देने का अनुरोध किया गया था। यह निर्देश देने की भी मांग की गई कि वे बाबर या भारत पर आक्रमण करने वाले किसी भी व्यक्ति के नाम पर धार्मिक संरचना के निर्माण पर प्रतिबंध के लिए उचित दिशा-निर्देश तैयार करने पर विचार करें।

प्रमाणन रद्द करने संबंधी याचिका पर हाईकोर्ट ने दिया 'द केरल स्टोरी 2' के निर्माता और सीबीएफसी को नोटिस

कोच्चि। केरल हाईकोर्ट ने कन्नूर के एक व्यक्ति द्वारा दायर याचिका पर फिल्म 'द केरल स्टोरी 2 - गोज बियॉन्ड' के निर्माताओं, केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) और केंद्र सरकार को नोटिस जारी किया है। याचिका में अदालत से फिल्म के प्रमाणन को रद्द करने और इसके शीर्षक पर पुनर्विचार सहित संशोधनों का निर्देश देने का अनुरोध किया गया है।

- **दूसरे राज्यों की घटनाओं पर फिल्म बनाकर भ्रम फैलाने का आरोप**

कन्नूर के कन्नवम निवासी श्रीदेव नंबूदरी ने याचिका में सूचना प्रसारण मंत्रालय, सीबीएफसी और निर्माता विपुल अमृतलाल शाह को प्रतिवादी बनाया है। न्यायमूर्ति बेचू कुरियन थॉमस की अध्यक्षता वाली पीठ ने अगली सुनवाई 24 फरवरी को तय की। याचिका में कहा गया है कि सीबीएफसी ने सिनेमाटोग्राफ अधिनियम, 1952 के तहत वैधानिक जनादेश का उचित अनुपालन किए बिना फिल्म को प्रमाण पत्र प्रदान किया है। याचिका के अनुसार, फिल्म के टीजर और ट्रेलर में कई राज्यों की महिलाओं से जुड़ी कहानियों को दर्शाया गया है लेकिन सामग्री को 'द केरल स्टोरी' के रूप में ब्रांड किया गया है, साथ ही आतंकवाद, जबरन धर्मांतरण और जनसांख्यिकीय षड्यंत्र की घटनाओं को विशेष रूप से केरल राज्य से जोड़ा गया है।

पहलवान सुशील की जमानत याचिका पर हाईकोर्ट ने पुलिस से पूछा रुख

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने शुक्रवार को पूर्व जूनियर राष्ट्रीय कुश्ती चैंपियन सागर धनकर की हत्या के मामले में ओलंपिक पदक विजेता सुशील कुमार की जमानत याचिका पर दिल्ली पुलिस से अपना रुख स्पष्ट करने को कहा है। न्यायमूर्ति अनूप जे भंभानी ने मृतक के परिजनों को भी नोटिस जारी कर जवाब दाखिल करने को कहा है।

- **मृतक सागर धनकर के परिजनों को भी नोटिस जारी कर मांगा जवाब**

अदालत ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने पिछले साल अगस्त में हाईकोर्ट से सुशील कुमार को दी गई जमानत रद्द कर दी थी। न्यायाधीश ने टिप्पणी की, मुझे लगता है कि आप कुछ ज्यादा ही उम्मीद कर रहे हैं। जब सुप्रीम कोर्ट ने अपना फैसला सुना दिया है तो आप मुझसे क्या उम्मीद करते हैं। अभियुक्त के वकील ने कहा कि जमानत याचिका पर विचार किया जाना चाहिए क्योंकि सभी सार्वजनिक गवाहों से पूछताछ हो चुकी है। दिल्ली पुलिस और मृतक के परिजनों के वकीलों ने कहा कि सभी सार्वजनिक गवाहों से पूछताछ अभी बाकी है। कोर्ट ने कहा, अगली सुनवाई से पहले स्थिति रिपोर्ट/विस्तृत जवाब दाखिल किया जाए।

भारत-अमेरिका समझौते के खिलाफ किसान सम्मेलन करेगी कांग्रेस

नई दिल्ली। कांग्रेस ने शुक्रवार को फैसला किया कि अमेरिका के साथ हुए व्यापार समझौते के खिलाफ वह अलग-अलग राज्यों में किसान सम्मेलन करेगी, जिनमें किसानों को बताया जाएगा कि इस समझौते का उनकी आजीविका पर नकारात्मक असर पड़ने वाला है। पार्टी के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश, राजस्थान और महाराष्ट्र के पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के साथ बैठक की, जिसमें यह फैसला किया गया। इस बैठक में इन राज्यों के प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष और विधायक दल के नेता शामिल हुए। बैठक के बाद कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने बताया कि पहला किसान सम्मेलन 24 फरवरी को भोपाल और दूसरा सात मार्च को महाराष्ट्र के यवतमाल में आयोजित किया जाएगा।

कर्नाटक के बागलकोट में निषेधाज्ञा के बावजूद मांस की दुकानों पर पथराव

बागलकोट। बागलकोट में शुक्रवार को तनावपूर्ण स्थिति बनी रही क्योंकि निषेधाज्ञा लागू होने के बावजूद कई लोग सड़कों पर उतर आए और मांस की दुकानों पर पथराव किया, जिसके चलते पुलिस को हल्का लाठीचार्ज करना पड़ा।

पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ गोयल ने बताया कि शोभायात्रा बृहस्पतिवार को अपराह्न करीब 3:30 बजे पुराने कस्बे से शुरू हुई थी और लगभग पूरी होने वाली थी, तभी नवनागर क्षेत्र के किला ओनी में एक मस्जिद के पास रात करीब 9:30 बजे पथराव की घटना हुई। उन्होंने कहा, ''मस्जिद में जूता रखने का एक स्टैंड था और उसे खड़ा रखने के लिए उसके नीचे दो पत्थर रखे गए थे। उन्हीं पत्थरों में से एक का इस्तेमाल हुआ और वह हमारे पुलिसकर्मियों पर गिरा।

तमिलनाडु के मंत्री के खिलाफ भ्रष्टाचार का केस दर्ज करने का आदेश

चेन्नई, एजेंसी

मद्रास हाईकोर्ट ने स्थानांतरण, नियुक्तियों और निविदा आवंटन में अनियमितताओं को लेकर तमिलनाडु के नगर प्रशासन एवं जल आपूर्ति मंत्री केएन नेहरू के खिलाफ शुक्रवार को सतर्कता और भ्रष्टाचार निरोधक निदेशालय को आपराधिक मामला दर्ज करने के निर्देश दिए।

मुख्य न्यायाधीश मनिंद्र मोहन श्रीवास्तव और न्यायमूर्ति जी अरुल मुरुगन की पीठ ने आदेश पारित करते हुए कहा कि मंत्री के खिलाफ लगाए गए आरोपों के प्रथमदृष्टया साक्ष्य मौजूद हैं।

- **साक्ष्य मौजूद, प्रारंभिक जांच की जरूरत नहीं : मद्रास हाईकोर्ट**

पीठ ने माना कि ईडी ने जो सामग्री रखी है, वह संज्ञेय अपराधों का खुलासा करती है इसलिए इस मामले में किसी प्रारंभिक जांच की आवश्यकता नहीं है और प्राथमिकी तुरंत दर्ज की जानी चाहिए। ईडी ने निदेशालय को एक पत्र लिखकर आरोप लगाया था कि नगर प्रशासन विभाग में सहायक इंजीनियर, जूनियर इंजीनियर और स्वच्छता निरीक्षक जैसे 2,538 पदों पर नियुक्तियों के बदले लगभग 634 करोड़ रुपये की रिश्वत ली गई थी। ईडी के इसी पत्र के आधार पर अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्ना द्रमुक) सांसद आईएस इनबादुरई और मदुरै के एक सामाजिक संगठन के अध्यक्ष के अथि नारायणन ने हाईकोर्ट में याचिका दायर कर तमिलनाडु के पुलिस महानिदेशक को मामला दर्ज करने का निर्देश देने की मांग की थी। राज्य सरकार की ओर से पेश महाधिवक्ता ने अदालत को सूचित किया कि ईडी के पत्र को पहले ही निदेशालय के अधिकारियों को भेज दिया गया था और जांच की अनुमति मिल गई थी।

बलूच आर्मी ने दी समय सीमा खत्म होने पर पाकिस्तानी सैनिकों को मार देने की धमकी

क्वेटा, एजेंसी

- पाकिस्तान की सरकार को बातचीत को दिए हैं सात दिन

बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने पाकिस्तान सरकार को चेतावनी दी है कि यदि 21 फरवरी के बाद उसके लड़ाकों को रिहा करने के लिए बातचीत शुरू नहीं हुई, तो वह अपनी हिरासत में लिए गए पाकिस्तानी सैनिकों को मार देगा। बीएलए ने 14 फरवरी को कुछ तस्वीरें और वीडियो जारी कर दावा किया था कि उसने सात पाकिस्तानी सैनिकों को पकड़ लिया है।

इस समूह ने सात दिन की समय सीमा देते हुए मांग की है कि पकड़े गए सैनिकों के बदले हिरासत में लिए गए उसके लड़ाकों को रिहा किया जाए। पाकिस्तानी सेना ने हालांकि इन दावों को खारिज कर दिया था। उनकी ओर से यह तर्क दिया गया कि वीडियो में दिखने वाले लोग पाकिस्तानी सैनिक नहीं हैं और वीडियो के साथ छेड़छाड़ की गई है। बीएलए की ओर से इसके बाद जारी एक नए वीडियो में, सातों बंदी एक साथ नजर आ रहे हैं और वे अपने आधिकारिक आर्मी सर्विस कार्ड दिखा रहे हैं। उनमें से एक सिपाही मोहम्मद शहराम अपने सैन्य और राष्ट्रीय पहचान पत्र को लेकर बोल रहा है।

पत्नी-बच्चों को पीट सकेंगे अफगानी

काबुल। अफगानिस्तान की तालिबान सरकार का नया कानून पत्नियों और अपने बच्चों की पिटाई की अनुमति देता है बशर्ते कि पिटाई के कारण हड्डियां नहीं टूटें और खुले जख्म नहीं हों। दे महाकुमु जज़ाई उसूलनामा नामक 90 पन्नों के इस आपराधिक प्रक्रिया संहिता को तालिबान के सर्वोच्च नेता हिबतुल्लाह अखुंदज़ादा ने मंजूरी दी है। दस अध्यायों और 119 अनुच्छेदों वाले दस्तावेज़ में घरेलू हिंसा को कुछ शर्तों के साथ वैध किया गया है।

आर्थिक जबरदस्ती पर लगेगी लगाम

नई दिल्ली में आयोजित इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट के दौरान भारत ने 20 फरवरी को औपचारिक रूप से अमेरिका के नेतृत्व वाली पैक्स सिलिका पहल में शामिल होने के लिए घोषणापत्र पर हस्ताक्षर किए। यह समझौता न केवल भारत और अमेरिका के बीच तकनीकी सहयोग के नए अध्याय की शुरुआत है बल्कि वैश्विक स्तर पर एआई और सेमीकंडक्टर की आपूर्ति श्रृंखला को सुरक्षित करने की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम भी है। वर्तमान में सेमीकंडक्टर और महत्वपूर्ण खनिजों लिथियम, कोबाल्ट और रेयर अर्थ एलिमेंट्स की आपूर्ति पर चीन जैसे कुछ ही देशों का एकाधिकार है। यह निर्भरता आर्थिक जोखिम पैदा करने के साथ राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए भी खतरा है। पैक्स सिलिका इसी आर्थिक जबरदस्ती को समाप्त करने का वैश्विक प्रयास है।

पैक्स सिलिका पहल

रणनीतिक गठबंधन

- शुरुआत : अमेरिका के नेतृत्व वाला एक रणनीतिक गठबंधन है जो सेमीकंडक्टर, महत्वपूर्ण खनिजों और एआई ढांचे की पूरी सिलिकॉन स्टैक को सुरक्षित करने पर केंद्रित है। इसकी शुरुआत 2025 में वाशिंगटन में हुई थी।
- आपूर्ति श्रृंखला बनाना : एआई और चिप निर्माण के लिए आवश्यक कच्चे माल से लेकर अंतिम उत्पाद तक एक बाधा रहित आपूर्ति श्रृंखला बनाना।
- चीन पर निर्भरता कम करना : महत्वपूर्ण खनिजों और सेमीकंडक्टर विनिर्माण में चीन के प्रभुत्व और आर्थिक दबाव को कम करना। डेटा सेंटर, क्लाउड इंफ्रास्ट्रक्चर और एआई मॉडल के लिए देशों का एक समूह तैयार करना।

भारत को होगा लाभ

- सेमीकंडक्टर हब बनना : भारत को अत्याधुनिक चिप विनिर्माण तकनीक और निवेश प्राप्त होगा, जिससे इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन को गति मिलेगी।
- महत्वपूर्ण खनिजों तक पहुंच : लिथियम, कोबाल्ट और सिलिकॉन जैसे खनिजों की सुरक्षित आपूर्ति सुनिश्चित होगी, जो ईवी और रक्षा उपकरणों के लिए अनिवार्य हैं।
- एआई निवेश : अमेरिकी कंपनियों द्वारा भारतीय एआई बुनियादी ढांचे में बड़े निवेश की संभावना है, जिससे रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे।
- रणनीतिक स्वायत्तता : भारत बिना अपनी स्वायत्तता खोए वैश्विक उच्च-तकनीकी समूह का हिस्सा बनकर चीन की विस्तारवादी नीतियों का मुकाबला कर सकेगा।
- शेयर बाजार पर असर : विशेषज्ञों के अनुसार, माइनिंग, मेटल और टेक सेक्टर की कंपनियों को इससे दीर्घकालिक लाभ होगा।

एआई सप्लाई चेन की सुरक्षा

- सुरक्षा के लिए अहम : एआई को चलाने के लिए उन्नत चिप्स, विशाल डेटा सेंटर और निरंतर ऊर्जा की जरूरत होती है। पैक्स सिलिका निम्न तरीकों से सुरक्षा तय करता है।
- खनिजों का सुरक्षित स्रोत : सेमीकंडक्टर के लिए जरूरी रेयर अर्थ एलिमेंट्स की माइनिंग से लेकर प्रोसेसिंग तक सदस्य देशों के बीच सहयोग सुनिश्चित करना
- संवेदनशील तकनीक का संरक्षण : उन्नत एआई एल्गोरिदम और हार्डवेयर डिजाइन को गलत हाथों (विशेषकर प्रतिद्वंद्वी देशों) में जाने से रोकना।
- डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर : फाइबर-ऑप्टिक केबल, डेटा सेंटर और एआई फाउंडेशनल मॉडल के लिए सुरक्षित और पारदर्शी मानक स्थापित करना।

वर्ल्ड ब्रीफ

अमेरिका में 57 वर्षीय सिख का अपहरण

न्यूयॉर्क। कैलिफोर्निया के सैन जोकिन काउंटी के ट्रेसी इलाके से 57 वर्षीय सिख व्यक्ति का अपहरण कर लिया गया है। सैन जोकिन काउंटी शेरिफ कार्यालय ने फेसबुक पोस्ट में पीड़ित की पहचान अवतार सिंह के रूप में की है, जिनकी लंबाई पांच फुट सात इंच है और वजन लगभग 200 पाउंड है। घटना के समय उन्होंने हल्के रंग के पारंपरिक सिख वस्त्र पहने हुए थे। पुलिस ने बताया कि निगरानी फुटेज में मंगलवार को अपराह्न लगभग ढाई बजे सिंह को गहरे रंग के कपड़े पहने तीन अज्ञात व्यक्ति एक सफेद एसयूवी में बिठाते हुए दिख रहे हैं। पुलिस ने बताया कि फुटेज से प्रतीत होता है कि पीड़ित अपनी मर्जी के बिना कार में बैठा।

पाकिस्तान ने कश्मीर में संघर्ष विराम तोड़ा

श्रीनगर। पाकिस्तान ने जम्मू कश्मीर के कुपवाड़ा जिले में नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास शुक्रवार को संघर्ष विराम का उल्लंघन किया। अधिकारियों ने बताया कि उत्तरी कश्मीर के कुपवाड़ा जिले के नौगाम सेक्टर में स्थित टीएमजी (टूट मार गली) में दोपहर के आसपास पीओके (पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर) की चौकियों ने भारतीय चौकियों पर छोटे हथियारों से गोलीबारी करते हुए संघर्ष विराम का उल्लंघन किया। उन्होंने बताया कि कुछ समय बाद गोलीबारी बंद हो गई, जिसमें कोई हताहत नहीं हुआ है।

सजा के बाद भी यून अपने रुख पर अडिग

सियोल। दक्षिण कोरिया के अपदस्थ राष्ट्रपति यून सुक येओल ने सियोल की एक अदालत द्वारा विद्रोह के लिए सुनाई गई आजीवन कारावास की सजा पर शुक्रवार को प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि वह अपने रुख पर अडिग हैं। येओल के वकीलों द्वारा जारी बयान के मुताबिक उनके मुवक्किल ने कहा कि दिसंबर 2024 में सैन्य कानून (मार्शल लॉ) लागू करने की उनकी अचानक और अल्पकालिक घोषणा पूरी तरह से राष्ट्र और हमारे लोगों के हित में थी।

वेनेजुएला ने कैदियों को माफी की मंजूरी दी

काराकस। वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज ने गुरुवार को आम माफी से संबंधित एक विधेयक पर हस्ताक्षर किए जिससे हिरासत में लिए गए नेताओं, कार्यकर्ताओं, वकीलों और कई अन्य लोगों की रिहाई हो सकती है। इस विधेयक पर हस्ताक्षर के साथ ही राष्ट्रपति ने यह स्वीकार किया कि सरकार ने सैकड़ों लोगों को राजनीतिक कारणों से जेल में रखा है। रोड्रिगेज के इस कदम को बड़े बदलाव के संकेत के रूप में देखा जा रहा है।

ट्रंप ने ईरान को फिर दी चेतावनी, तय की परमाणु समझौते की समय सीमा

अमेरिकी राष्ट्रपति ने चेताया, समझौता नहीं हुआ तो ईरान के साथ होगा बुरा बर्ताव

वॉशिंगटन, एजेंसी

- ईरान पर 10 से 15 दिन के भीतर कोई फैसला लेंगे ट्रंप

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गुरुवार को ईरान को चेतावनी दी कि यदि वह अपने परमाणु कार्यक्रम पर समझौता करने में विफल रहा तो बुरी चीज़ें होंगी और उन्होंने ईरान पर फैसले के लिए अपनी समय सीमा 10-15 दिन तक बढ़ा दी। ट्रंप का यह बयान पश्चिम एशिया में अमेरिका की भारी सैन्य तैयारी के बीच आया है, जिससे बड़े युद्ध की चिंताएं बढ़ गई हैं।

अमेरिका के राष्ट्रपति ने कहा कि ईरान के साथ बातचीत अच्छी चल रही है, लेकिन उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि ईरान को एक अर्थपूर्ण समझौता करना होगा। इस बीच, अमेरिका इस सप्ताह के अंत तक ईरान पर हमला करने के लिए तैयार है, हालांकि ट्रंप ने अभी तक कोई आखिरी फैसला नहीं लिया है। एयर फोर्स वन में संवाददाताओं से बात करते हुए, ट्रंप ने कहा, 10-15 दिन, ज़्यादा से ज़्यादा। या तो हम समझौता कर लेंगे या यह उनके लिए बुरा होगा। अमेरिका के राष्ट्रपति ने कहा कि उन्हें 10 दिनों के अंदर पता चल जाएगा कि ईरान के साथ समझौता मुमकिन है या नहीं। उन्होंने बोर्ड ऑफ़ पीस की पहली बैठक में कहा, हमें इसे एक कदम और आगे ले जाना पड़ सकता है, या शायद नहीं भी। शायद हम एक समझौता कर लें। आपको अगले शायद 10 दिनों में पता चल जाएगा। ट्रंप ने दोहराया कि ईरान के पास परमाणु हथियार नहीं हो सकता। अगर उनके पास परमाणु हथियार हैं तो आप पश्चिम एशिया में शांति नहीं ला सकते। ट्रंप ने कहा कि अब ईरान के लिए हमारे साथ उस रास्ते पर चलने का समय है, जो हम कर रहे हैं, उसे पूरा करे।

तो अमेरिकी ठिकानों पर वैध होगा ईरानी हमला

न्यूयॉर्क। ईरान ने शुक्रवार को संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस और सुरक्षा परिषद के अध्यक्ष को एक पत्र लिखकर चेतावनी दी है कि यदि अमेरिका अपनी सैन्य धमकियों पर अमल करता है, तो अमेरिकी ठिकानों और संपत्तियों पर ईरानी हमले वैध होंगे। संयुक्त राष्ट्र में ईरान के राजदूत अमीर सईद इरवानी ने पत्र में कहा कि ईरान किसी भी हमले का निर्णायक जवाब देगा। साथ ही उन्होंने क्षेत्र में सैन्य आक्रामकता के गंभीर परिणामों की चेतावनी भी दी। यह घटनाक्रम अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा ईरान को दी गई उस धमकी के बाद आया है, जिसमें उन्होंने परमाणु मुद्दे पर समझौते के लिए अधिकतम 10-15 दिन का समय दिया है।

बोर्ड ऑफ पीस को 10 अरब अमेरिकी डॉलर देंगे ट्रंप

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गाजा के पुनर्निर्माण के लिए बनाए गए अंतर्राष्ट्रीय निकाय बोर्ड ऑफ पीस में चीन और रूस के भी शामिल होने की उम्मीद जताई। ट्रंप ने कहा कि कई देश बोर्ड में शामिल होने की प्रक्रिया में हैं। मैं चाहूंगा कि चीन और रूस भी इसमें शामिल हों। ट्रंप ने घोषणा की कि बोर्ड के नौ सदस्यों ने कुल सात अरब अमेरिकी डॉलर देने का वादा किया है, जबकि अमेरिका 10 अरब अमेरिकी डॉलर का योगदान देगा। उन्होंने कहा, युद्ध की लागत की तुलना में यह राशि बहुत कम है। उन्होंने अमेरिका के 10 अरब डॉलर देने को काफी छोटी रकम बताया।

असम में बोले अमित शाह, देश से सभी घुसपैठियों को बाहर करेंगे

- पूर्वोत्तर राज्य में शुरू किया वाइब्रेंट विलेज का दूसरा चरण

गुवाहाटी, एजेंसी

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा है कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली असम सरकार ने पिछले दस वर्षों में घुसपैठियों को राज्य में प्रवेश करने से रोका है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे एक बार फिर भाजपा को वोट दें ताकि असम से आखिरी घुसपैठिए को बाहर किया जा सके। केंद्रीय गृह मंत्री ने शुक्रवार को असम के कछार जिले के नाथनपुर गांव में विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए 'वाइब्रेंट विलेजेज प्रोग्राम-द्वितीय' की शुरुआत करते हुए यह बात कही।

इस पहल का उद्देश्य सीमा पर स्थित समुदायों को सुरक्षित, मजबूत और समृद्ध बनाना है, जो विकसित भारत के दृष्टिकोण के अनुरूप है। वीवीपी-द्वितीय एक 6,839 करोड़ रुपये की योजना है, जिसे 15 राज्यों और दो केंद्र शासित प्रदेशों में से लागू किया जाना है। शाह ने कहा कि कांग्रेस सरकारों ने असम में पहले अवैध घुसपैठ के लिए सीमा खुले छोड़ दिए थे, जिससे जनसांख्यिकीय बदलाव आया है। उन्होंने कहा, सीमावर्ती क्षेत्रों के लोग असुरक्षा के कारण अपनी जमीन छोड़ने लगे और घुसपैठियों ने उन क्षेत्रों पर कब्जा कर लिया। स्थानीय लोगों और युवाओं ने अवसर खो दिए, क्योंकि घुसपैठियों की आबादी लगातार बढ़ती गई। उन्होंने कहा, असम में भाजपा सरकार ने अपने पहले कार्यकाल में घुसपैठ को पूरी तरह से रोक दिया था और दूसरे में मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार ने घुसपैठियों को उन जमीनों से उखाड़ फेंका, जिन पर उन्होंने अवैध तरीके से कब्जा किया था।

गृहमंत्री अमित शाह ने असम के कछार जिले में वाइब्रेंट विलेज के द्वितीय का शुभारंभ किया। इस मौके पर सीएम हिमंत बिस्वा सरमा और मंत्री अतुल बोरा भी उपस्थित रहे।

हिंदी के साथ मजबूत होती हैं सभी भाषाएं

अगरतला। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कहा कि जब हिंदी को बढ़ावा दिया जाता है, तो अन्य सभी भाषाएं भी मजबूत होती हैं। अगरतला में राजभाषा सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि यह दुष्प्रचार किया जा रहा था कि हिंदी लोगों पर थोपी जा रही है लेकिन पिछले 10 वर्षों में इस बात को गलत साबित किया गया है। उन्होंने कहा कि हिंदी और अन्य स्थानीय भाषाओं के बीच कोई विवाद नहीं हो सकता क्योंकि वे एक ही मां की दो बेटियां हैं, जिन्होंने साथ-साथ प्रगति की है। शाह ने कहा कि लिपि और भाषा विवाद का मुद्दा नहीं हो सकतीं। उन्होंने लोगों से यह भी आग्रह किया कि वे घर पर अपने बच्चों से उनकी मातृभाषा में बात करें। गृह मंत्री ने कहा कि अगर आप ऐसा नहीं कर सकते, तो आपके बच्चे अपनी मातृभाषा के साहित्य, परंपरा और संस्कृति से वंचित रह जाएंगे। हमें घर में जितना हो सके अपनी मातृभाषा में बात करनी चाहिए।

किंग चार्ल्स-3 के भाई पूर्व प्रिंस एंड्रयू किए गए रिहा

लंदन। सार्वजनिक पद पर रहते हुए कदाचार के संदेह में गिरफ्तार किए गए ब्रिटने के पूर्व राजकुमार व किंग चार्ल्स तृतीय के भाई एंड्रयू को रिहा कर दिया गया है। पुलिस ने बताया कि पूर्व राजकुमार को गुरुवार शाम को रिहा किया गया। एंड्रयू माउंटबेटन-विंडसर को उनकी गिरफ्तारी के लगभग 11 घंटे बाद पूर्वी ब्रिटेन स्थित उनके घर के पास स्थित थाने से कार में निकलते हुए देखा गया। एंड्रयू को उनके खिलाफ जांच जारी रहने के बीच रिहा किया गया है। एंड्रयू को गुरुवार तड़के घर से उन जांचकर्ताओं ने गिरफ्तार किया था, जो जेफ्री एप्स्टीन से उनके संबंधों की जांच कर रहे हैं। पुलिस ने बताया कि उसने एंड्रयू माउंटबेटन-विंडसर के घर की तलाशी पूरी कर ली है।

अमेरिका में हिरासत में लिए जा सकते हैं हजारों वैध शरणार्थी

मिनियापोलिस, एजेंसी

- डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन के नए आदेश से बढ़ीं मुश्किलें

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन ने एक नया आदेश जारी किया है जिससे देश में मौजूद उन हजारों शरणार्थियों को गिरफ्तार किया जा सकता है जो यहां वैध रूप से रह तो रहे हैं लेकिन अब तक उनका कोई स्थायी आवास नहीं है।

मिनिसोटा में गुरुवार को होने वाली संघीय अदालत की सुनवाई से पहले गृह मंत्रालय द्वारा दाखिल एक मेमो में कहा गया है कि ग्रीन कार्ड के लिए आवेदन करने वाले शरणार्थियों को अपने आवेदनों की समीक्षा के लिए अमेरिका में प्रवेश किए जाने के एक साल बाद संघीय हिरासत में रहना होगा। बुधवार को दाखिल मेमो में कहा गया है कि निरीक्षण और जांच प्रक्रिया की अवधि के लिए आव्रजकों को हिरासत में रखा जा सकता है। मानवाधिकार कार्यकर्ता और पुनर्वास समूहों ने इस आदेश की कड़ी आलोचना की है। इस आदेश से पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन के प्रशासन के दौरान अमेरिका आए लगभग 2 लाख शरणार्थियों के बीच भ्रम और भय पैदा हो सकता है। यह आदेश ट्रंप प्रशासन द्वारा आव्रजन पाबंदियों की श्रृंखला में हालिया कार्रवाई है। पिछले साल के अंत में एक मेमो में कहा गया था कि ट्रंप प्रशासन बाइडन प्रशासन के दौरान अमेरिका में प्रवेश पाने वाले सभी शरणार्थियों की समीक्षा करने की योजना बना रहा है।

रूस की सीमा पर बारूदी सुरंग बिछाएगा पोलैंड

वॉरसॉ। पोलैंड अपनी पूर्वी सीमा पर रूस के बढ़ते खतरे के मद्देनजर बारूदी सुरंग बिछाएगा। यह जानकारी देश के उप रक्षामंत्री पावेल जालेव्स्की ने शुक्रवार को दी। पोलैंड विवादास्पद हथियारों के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगाने वाले अंतर्राष्ट्रीय समझौते से अलग हो गया है। वर्ष 1997 में बारूदी सुरंग पर प्रतिबंध संबंधी संधि को मंजूरी दी गई थी, जिसे ओटावा संधि के नाम से भी जाना जाता है। यह संधि हस्ताक्षरकर्ताओं को बारूदी सुरंग रखने या बिछाने से रोकती है। कंबोडिया, अंगोला और बोस्निया और हर्जेगोविना सहित देशों के पूर्व संघर्ष क्षेत्रों में इन बारूदी सुरंगों की वजह से नागरिकों को हुई क्षति के मद्देनजर यह संधि अस्तित्व में आई।

खुफिया विफलता को लेकर नौसेना को कोर्ट की फटकार

मुंबई, एजेंसी

- आईएनएस शिकरा के पास इमारत निर्माण का मामला

बंबई उच्च न्यायालय ने दक्षिण मुंबई में नौसेना के प्रमुख हवाई ठिकाने आईएनएस शिकरा के आसपास एक बहुमंजिला इमारत के निर्माण को लेकर शुक्रवार को नौसेना को खुफिया विफलता के लिए कड़ी फटकार लगाई और सवाल किया कि इमारत के बनते समय कैसे इस पर किसी की नजर नहीं पड़ी।

न्यायमूर्ति रवींद्र घुगे और न्यायमूर्ति अभय मंत्री की पीठ ने कहा कि नौसेना की ओर से खुफिया चूक हुई है, क्योंकि वह अपने प्रतिष्ठान के आसपास एक गगनचुंबी इमारत के निर्माण पर ध्यान देने में विफल रही। पीठ आईएनएस शिकरा के कमांडिंग ऑफिसर की याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें संवेदनशील सैन्य प्रतिष्ठान के लिए महत्वपूर्ण सुरक्षा जोखिमों का हवाला देते हुए परियोजना पर रोक लगाने का निर्देश जारी करने का अनुरोध किया गया है। पीठ ने नौसेना के सिर्फ इसी इमारत के निर्माण का विरोध करने पर भी सवाल उठाया, जबकि आसपास कई अन्य बहुमंजिला आवासीय इमारतें मौजूद हैं। याचिकाकर्ता के वकील आरवी गोविलकर ने दलील दी कि अन्य इमारतों का निर्माण साल 2011 में रक्षा प्रतिष्ठानों के आसपास ऊंचे निर्माण के लिए एनओसी को अनिवार्य बनाने से पहले किया गया था।

यूएफओ से जुड़ीं फाइलें सार्वजनिक करेगा अमेरिका

वॉशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गुरुवार को कहा कि वह पेंटागन और अन्य सरकारी एजेंसियों को परग्रही जीवों (एलियन्स) और यूएफओ से संबंधित फाइल की पहचान करके उन्हें सार्वजनिक करने का निर्देश दे रहे हैं, क्योंकि इन विषयों में लोगों की गहरी रुचि है।

ट्रंप ने यह घोषणा एक सोशल मीडिया पोस्ट में की। कुछ घंटे पहले ही उन्होंने पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा पर हाल में एक पॉडकास्ट साक्षात्कार में परग्रही जीवों के वास्तव में होने का संकेत देकर गोपनीय जानकारी उजागर करने का आरोप लगाया था। एयर फोर्स वन विमान में संवाददाताओं से ट्रंप ने कहा, मुझे नहीं पता कि परग्रही जीव वास्तव में हैं या नहीं।

आज का भविष्यफल

-पं.मनोज कुमार द्विवेदी

आज की ग्रह स्थिति : 21 फरवरी, शनिवार 2026 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- फाल्गुन, पक्ष-शुक्ल पक्ष, चतुर्थी 13.00 तक तत्पश्चात पंचमी।

आज का पंचांग

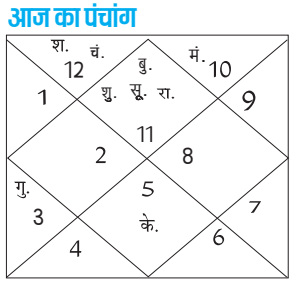

दिशाशूल- पूर्व, **ऋतु**- वसंत।
चन्द्रबल- वृषभ, मिथुन, कन्या, तुला, मकर, मीन।
ताराबल- अश्विनी, भरणी, रोहिणी, आर्द्रा, पुष्य, आश्लेषा, मघा, पूर्वा फाल्गुनी, हस्त, स्वाति, अनुराधा, ज्येष्ठा, मूल, पूर्वाषाढ़ा, श्रवण, शतभिषा, उत्तराभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र- रेवती 19.07 तक तत्पश्चात अश्विनी।

मेष — आज विवाहेतर संबंधों को लेकर थोड़े आकर्षित हो सकते हैं। यद्यपि आपका विवेक सदैव आपके पक्ष में रहेगा। कार्यक्षेत्र में आपको गलत लोगों के कारण परेशानी उठानी पड़ सकती है। स्वभाव में विनम्रता का भाव बनाकर रखें।

वृष — आज रुके हुए काम तेजी से पूरे कर लेंगे। अपनी कार्यक्षमता को सिद्ध कर पाएंगे। कार्यक्षेत्र में आपको अच्छी सफलता मिलेगी। लोग आपकी विचारधारा से बहुत शीघ्र प्रभावित हो जाएंगे। बड़े भाई-बहनों के जीवन में कुछ सकारात्मक परिवर्तन हो सकते हैं।

मिथुन — आज व्यवसाय में सहयोगियों से सहायता ले सकते हैं। आर्थिक समस्याओं का निराकरण होगा। निर्माण कार्यों में गति आएगी। अधीनस्थ कर्मचारियों पर अधिक विश्वास न करें। स्वादिष्ट भोजन का आनंद उठाएंगे।

कर्क — आज भाग्य आपका साथ देगा। महिलाओं को अत्यधिक प्रशंसा मिलेगी। विदेश यात्रा के योग बन रहे हैं। पिता और गुरुओं का मार्गदर्शन लेते रहें। अपनी योग्यता को सिद्ध करने का अवसर मिलेगा। किसी पुराने मित्र से मुलाकात हो सकती है।

सिंह — आज अनावश्यक बातों पर त्वरित प्रतिक्रिया न दें। लोग आप से अत्यंत प्रभावित रहेंगे। कार्यक्षेत्र को लेकर थोड़े तनाव में हो सकते हैं। अपनी बातों को अच्छी तरह रख नहीं पाएंगे। व्यर्थ के कार्यों में धन खर्च हो सकता है।

कन्या — आज अल्प परिश्रम से ही आपको अधिक अच्छे परिणाम मिल जाएंगे। पैतृक कारोबार में विस्तार हो सकता है। घर में कोई मांगलिक कार्यक्रम हो सकता है। रूठे मित्रों को मनाने के लिए दिन अनुकूल है। सरकारी कार्यों में आपको सफलता मिलेगी।

तुला — आज आयात-निर्यात संबंधी कारोबार में वृद्धि होगी। अधिकारी आपसे अप्रसन्न हो सकते हैं। आप गुप्त शत्रुओं से सावधान रहें। परिजन आपकी बातों का गलत मतलब निकाल सकते हैं। कार्यक्षेत्र में किसी महिला सहकर्मी से झगड़ा हो सकता है।

वृश्चिक — आज व्यापार में नए समझौतों को लेकर सावधानी रखें। प्रेमीजन से अपने दिल की बात शेयर कर सकते हैं। उच्च शिक्षा में उत्तम परिणाम मिलने से मन उत्साहित रहेगा। आयात-निर्यात से जुड़े व्यवसाय में बड़ा धन लाभ होगा। अपनी गलतियों में सुधार करेंगे।

धनु — आज गूढ़ अध्यात्मिक चर्चाओं में सम्मिलित हो सकते हैं। छोटे उद्योगों में घाटा हो सकता है। दांपत्य संबंध काफी रोमांटिक हो सकते हैं। अनजाने लोगों से ऑनलाइन लेनदेन सावधानी पूर्वक करें। दूसरों के मामलों में टांग न अड़ाएं।

मकर — आज बुजुर्ग लोग पुराने अनुभवों का स्मरण कर प्रसन्न रहेंगे। वैवाहिक जीवन सुखमय रहेगा। आय के वैकल्पिक स्रोत विकसित कर सकते हैं। व्यवसाय में अच्छे ग्राहकों के कारण आपके कारोबार में स्थिरता रहेगी।

कुंभ — आज कारोबार को स्थिर रखने के लिए उधार लेना पड़ सकता है। आपकी सामाजिक छवि काफी अच्छी रहेगी। तनाव युक्त परिस्थितियों से बचें। उटपटांग कार्यों में आपका मन उलझेगा। बेरोजगार लोगों को जॉब की चिंता हो सकती है।

मीन — आज का दिन कला-जगत से जुड़े लोगों के लिए विशेष है। कार्य थोड़े विलंब से पूर्ण होंगे। लव लाइफ काफी रोमांटिक रहेगी। कार्यक्षेत्र में अनुकूल परिस्थितियां रहेंगी। वित्तीय स्थिति मजबूत रहेगी। परिजनों के साथ अच्छा समय बिताएंगे।

सुडोकू-68

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

		9	3	2				7
				9			4	
	8		5			9		
7		5			9	1		
								5
		2	7			4		9
		7		5	6		9	
5	6			7				
				4	8	7		

सुडोकू - 67 का हल

3	4	6	2	8	9	5	1	7
5	2	7	1	3	6	8	4	9
9	8	1	4	5	7	3	6	2
7	9	8	3	2	1	4	5	6
6	5	2	7	4	8	9	3	1
4	1	3	6	9	5	7	2	8
1	3	4	9	7	2	6	8	5
2	7	5	8	6	4	1	9	3
8	6	9	5	1	3	2	7	4

जब टीम के तौर पर चीजें हमारी योजना के मुताबिक नहीं होतीं, तो देश में होने वाली प्रतिक्रियाओं का हम सम्मान करते हैं। हमें पता है कि ऐसा होगा और हम इसे स्वीकार करते हैं। आगे बेहतर करने के तरीकों पर हम जरूर विचार करेंगे।

-मिचेल मार्श, ऑस्ट्रेलियाई कप्तान

स्टेडियम

हल्द्वानी, शनिवार, 21 फरवरी 2026

अमृत विचार

www.amritvichar.com

अभ्यास सत्र के दौरान अभिषेक शर्मा (बीच में), वरुण चक्रवर्ती (दाएं) और अन्य। एजेंसी

मार्करम या लिंडे करेंगे अभिषेक के खिलाफ गेंदबाजी की शुरुआत

अहमदाबाद, एजेंसी

टी20 विश्व कप में सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा लगातार तीन बार शून्य के स्कोर पर आउट हुए, लेकिन भारत का अभियान बिना रुके पटरी पर चल रहा है लेकिन इस खिलाड़ी का बल्ले का नहीं चलना चर्चा का विषय बना हुआ है।

इसका कारण या तो पेट के संक्रमण से उनका कमजोर होना है या फिर धीमे विकेट पर स्पिनरों के खिलाफ तकनीकी कमजोरी का उभरना है। लेकिन जिन्होंने इस प्रारूप और इस खिलाड़ी को करीब से देखा है उनका कहना है कि फॉर्म अस्थायी है, उसका आत्मविश्वास

एडेन मार्करम

जॉर्ज लिंडे

- सुपर-8 में भारत और दक्षिण अफ्रीका का मुकाबला कल

स्थायी है। अभिषेक का स्ट्राइक रेट 192 से ज्यादा का है लेकिन अचानक उनकी फॉर्म खराब हो गई जिसका मुख्य कारण पेट के संक्रमण के कारण अस्पताल में भर्ती होने के एक हफ्ते से भी कम समय बाद प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में उनकी वापसी हो सकती है। फिर धीमी पिचों ने भी उनकी मदद नहीं की है। अब तक टीम के एकजुट प्रयास ने पक्का किया है कि नतीजों पर कोई असर नहीं पड़े। लेकिन शनिवार से सुपर आठ चरण शुरु होने वाला है इसलिए यह जरूरी होगा कि उनका बल्ला चले।

भारत सुपर आठ चरण के पहले मैच में 22 फरवरी को दक्षिण अफ्रीका से भिड़ेगा। और उनके पिछले आउट होने के तरीके को ध्यान से देखने के बाद दक्षिण अफ्रीका के कप्तान एडेन मार्करम पावरप्ले के अंदर दोनों छोर से कागिसो रबाडा या लुंगी एनगिडी को गेंदबाजी कराने के बजाय खुद ऑफ-ब्रेक गेंदबाजी करने के बारे में सोच सकते हैं या फिर जॉर्ज लिंडे से गेंदबाजी करने को कह सकते हैं। अभिषेक का टी20 विश्व कप में अपना खाता नहीं खोल पाना चिंता की बात नहीं है। हो सकता है वह दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे या वेस्टइंडीज के खिलाफ मैच में लय हासिल कर लें।

अभिषेक को एक अच्छी पारी की जरूरत : मोर्केल

अहमदाबाद। भारत की पहले सुपर-आठ मुकाबले में रविवार को दक्षिण अफ्रीका से भिड़ंत से पहले गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्केल ने स्पष्ट किया कि टी20 विश्व कप में अब तक अभिषेक शर्मा के खराब प्रदर्शन को लेकर टीम के अंदर कोई चर्चा नहीं हुई है। मोर्केल ने कहा कि अभिषेक को बस एक अच्छी शुरुआत की जरूरत है और उसके बाद वह लय पकड़ लेंगे। भारत का यह सलामी बल्लेबाज तीन मैचों में अब तक खाता खोलने में नाकाम रहा है।

सुपर-8 में आज

टीम	समय
पाकिस्तान-न्यूजीलैंड	शाम 7 बजे

हाईलाइट

भारतीय हॉकी टीम की नजरें वापसी करने पर

होबार्ट। भारतीय पुरुष हॉकी टीम घरेलू मैदान पर बुरी तरह हारने के बाद शनिवार को यहां स्पेन के खिलाफ मैच के साथ एफआईएच प्रो लीग के विदेशी चरण की शुरुआत में नए कप्तान हार्दिक सिंह के नेतृत्व में वापसी करने और एक नयी शुरुआत करने के लिए बेताब होगी। सीरीज का होबार्ट चरण 25 फरवरी तक तस्मानिया हॉकी सेंटर में होगा जिसमें मेजबान ऑस्ट्रेलिया भी शामिल है।

अल्काराज सेमीफाइनल में, सिनर हारकर बाहर

दोहा। स्पेन के दिग्गज टेनिस खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज ने रूस के करेन खाचानोव को हराकर कतर ओपन के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। वहीं इटली के स्टार टेनिस खिलाड़ी जैनिक सिनर को जैकब मेन्सिक के हाथों हार का सामना करना पड़ा। जैकब मेन्सिक ने गुरुवार को खेले गये क्वार्टर फाइनल मुकाबले में दुनिया के दूसरे नंबर के खिलाड़ी जैनिक सिनर को 7-6(7-3) 2-6 6-3 से हारकर कतर ओपन से बाहर कर दिया। चेक रिपब्लिक के छठे सीड वाले खिलाड़ी जैकब मेन्सिक ने पहला सेट जीता। हालांकि सिनर ने बराबरी कर ली। मेन्सिक ने अखिरी गेम जीत कर जीत दर्ज मुकाबला अपने नाम किया। इसी के साथ सिनर का 23 मैचों में 22 जीत का सिलसिला समाप्त हो गया।

न्यूजीलैंड के बल्लेबाजों का लक्ष्य पाकिस्तानी स्पिनरों को काबू करना

टी-20 विश्व कप : सुपर-8 के मुकाबले आज से, शाम 7 बजे से होगी शुरुआत

कोलंबो, एजेंसी

न्यूजीलैंड की टीम शनिवार को यहां टी-20 विश्व कप के सुपर-8 चरण ग्रुप दो के शुरुआती मैच में पाकिस्तान का सामना करेगी तो जीत के लिए सबसे अहम कारक होगा कि उसका मजबूत मध्यक्रम प्रतिद्वंद्वी टीम की स्पिन विविधता का माकूल जवाब दे सके।

न्यूजीलैंड के बल्लेबाज आईसीसी के इस बड़े टूर्नामेंट में अभी तक शीर्ष स्तर का खेल नहीं दिखा सके हैं जिसमें बस सलामी बल्लेबाज टिम सिफर्ट और फिन एलेन ही हैं जिन्होंने मिलकर तीन अर्धशतक लगाए हैं। लेकिन मध्यक्रम के बल्लेबाज इन दोनों का ठीक से साथ नहीं दे पाए हैं। ग्लेन फिलिप्स, रचिन रविंद्र, मार्क चैपमैन और डेरिल मिचेल जैसे बल्लेबाज निरंतर अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं। फिलिप्स और रविंद्र ने हालांकि एक-एक अर्धशतक लगाया है, लेकिन कुल मिलाकर उनका प्रदर्शन फीका ही रहा है। चार मैचों में रविंद्र ने 72 रन बनाए हैं, लेकिन इनमें से 59 रन कनाडा के खिलाफ एक ही मैच में आए। न्यूजीलैंड इस टूर्नामेंट में पहली बार कोलंबो में खेलेगा जिससे यह और मुश्किल हो सकता है। इसके विपरीत पाकिस्तान ने विश्व कप की शुरुआत से ही यहां की है और वह पहले प्रेमदासा में दो मैच खेल चुका है। पाकिस्तान के गेंदबाज, खासकर स्पिनर इस धीमी पिच पर असरदार होने के लिए लेंथ और रफ्तार जानते हैं जहां शॉट लगाने के लिए हिम्मत से ज्यादा समझदारी की जरूरत होती है। इसलिए एलेन और सिफर्ट की पावरप्ले की धमाकेदार बल्लेबाजी में न्यूजीलैंड के मध्यक्रम का साथ चाहिए ताकि वे अपनी टीम को लगभग 180 या इससे ज्यादा के स्कोर तक पहुंचा सकें।पाकिस्तान के स्पिनर उस्मान तारिक, अबरार अहमद, सैम अयूब, मोहम्मद नवाज और शादाब खान उसे बढ़त दिलाते हैं, लेकिन बल्लेबाजी में उनकी भी अपनी चिंता हैं। टूर्नामेंट में पाकिस्तान के लिए सर्वाधिक रन बनाने वाले साहिबजादा फरहान (220) के बाद शादाब खान (88) दूसरे नंबर पर हैं।

पाकिस्तान के बल्लेबाजों को न्यूजीलैंड जैसी अनुभवी टीम के खिलाफ मिलकर बड़ा योगदान देना होगा। लेकिन पाकिस्तान प्रबंधन को बाबर आजम (चार मैचों में 66 रन) से ज्यादा चिंता किसी और बात की नहीं है क्योंकि यह पूर्व कप्तान टी20 बल्लेबाजों की जरूरतों को समझने में जूझ रहा है।

अगर बाबर एक बार और लड़खड़ाते हैं तो पाकिस्तान प्रबंधन फखर जमां जैसे किसी और खिलाड़ी को ला सकता है जो ग्रुप चरण के मैच में बेंच पर ही बैठे रहे। टीम बाएं हाथ के तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी को शामिल करने पर भी सोचेंगे जिन्हें नामीबिया के खिलाफ जरूरी मैच के लिए बाहर कर दिया गया था। अफरीदी ने दो मैच में तीन विकेट लिए हैं जो धीमी पिच पर 'वैरिएशन' इस्तेमाल करने में उनकी नाकामी का सबूत है। न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज लॉकी फर्ग्यूसन, मैट हेनरी, जैकब डफी और जेम्स नीशम अब तक लगभग महंगे रहे हैं और उन्हें यहां अपनी रणनीति पर फिर से सोचना होगा। वहीं स्पिनर मिचेल सैंटनर, ईश सोढ़ी और कामचलाऊ रविंद्र और फिलिप्स पर से दबाव कम करना जरूरी है।

न्यूजीलैंड के कप्तान मिचेल सैंटनर व कोच रॉब वाल्टर। पाकिस्तान के गेंदबाज उस्मान तारिक।

टीम

पाकिस्तान : सलमान अली आगा (कप्तान), अबरार अहमद, बाबर आज़म, फहीम अशरफ, फखर जमां, ख्वाजा नफे, मोहम्मद नवाज, मोहम्मद सलमान मिर्जा, नसीम शाह, साहिबजादा फरहान, सैम अयूब, शाहीन शाह अफरीदी, शादाब खान, उस्मान खान, उस्मान तारिक।

न्यूजीलैंड : मिचेल सैंटनर (कप्तान), फिन एलेन, मार्क चैपमैन, डेवोन कॉनवे, जैकब डफी, लॉकी फर्ग्यूसन, मैट हेनरी, काइल जैमीसन, डेरिल मिचेल, जेम्स नीशम, ग्लेन फिलिप्स, रचिन रविंद्र, टिम सिफर्ट, ईश सोढ़ी, कोल मैककॉन्ची।

टीम के साथ जश्न मनाते ऑस्ट्रेलिया के लेग स्पिनर एडम जम्पा।

आस्ट्रेलिया ने ओमान को हराकर ली विदाई

पल्लेकल, एजेंसी

- ऑस्ट्रेलिया के लेग स्पिनर एडम जम्पा ने चार विकेट चटकाए

टूर्नामेंट से जल्दी बाहर होने का अपमान झेल रही आस्ट्रेलियाई टीम ने टी20 विश्व कप के अपने आखिरी लीग मैच में शुक्रवार को ओमान को नौ विकेट से हराकर विदा ली। जिम्बाब्वे और श्रीलंका से अप्रत्याशित हार के बाद आस्ट्रेलिया ग्रुप चरण से ही बाहर हो गया है।

प्रतिष्ठा के लिए खेल रही आस्ट्रेलियाई टीम ने औपचारिकता के इस मैच में ओमान को 16 .2 ओवर में ही 104 रन पर आउट कर दिया था। लेग स्पिनर एडम जम्पा ने चार विकेट चटकाए।

जवाब में कप्तान मिचेल मार्श के 33 गेंद में नाबाद 64 रन और ट्रेविस हेड के 19 गेंद में 32 रन की मदद से आस्ट्रेलिया ने 9 . 4 ओवर में जीत दर्ज की। यह सौ रन से अधिक के लक्ष्य का पीछा करते हुए टूर्नामेंट के इतिहास में सबसे तेजी से दर्ज की गई जीत है।

मार्श ने अपनी पारी में सात चौके और चार छक्के लगाए। वहीं हेड ने छह चौके लगाए। दोनों ने 93 रन की साझेदारी की। इससे पहले जम्पा के चार विकेट की मदद से आस्ट्रेलिया ने ओमान को 104 रन पर आउट कर दिया। जम्पा ने 21 रन देकर चार विकेट लिये जबकि जेवियर बार्टलेट और ग्लेन मैक्सवेल को दो दो विकेट मिले। ओमान की टीम 16.2 ओवर में आउट हो गई। वसीम अली ने ओमान के लिये 33 गेंद में 32 रन बनाए। आस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला लिया।

भारत ए की टीम वुमैन्स राइजिंग स्टार्स एशिया कप के फाइनल में

बैंकॉक, एजेंसी

- कप्तान राधा यादव ने किया हरफनमौला प्रदर्शन

कप्तान राधा यादव ने शानदार हरफनमौला प्रदर्शन करते हुए भारत ए की टीम को शुक्रवार को यहां श्रीलंका ए पर पांच विकेट से जीत दिलाकर वुमैन्स राइजिंग स्टार्स टी20 एशिया कप के फाइनल में पहुंचा दिया।

श्रीलंका ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया लेकिन यह उस पर भारी पड़ गया। राधा की अगुआई में भारतीय गेंदबाजों ने उसके बल्लेबाजी लाइन-अप को तहस-नहस कर उन्हें 118 रन पर आउट कर दिया। बाएं हाथ की स्पिनर राधा ने 19 रन देकर चार विकेट लिए। राधा को एक और बाएं हाथ की स्पिनर तनुजा कंवर (दो विकेट) और लेग स्पिनर प्रेमा रावत (दो विकेट) का अच्छा साथ मिला। श्रीलंका के लिए सलामी बल्लेबाज संजना कविंदी (31 रन) शीर्ष स्कोरर रहीं। 10वें ओवर में श्रीलंका का स्कोर दो विकेट पर 71 रन था। लेकिन इसके बाद वे भारतीय स्पिनरों का सामना नहीं कर सकीं और बचे हुए आठ विकेट नौ ओवर में 47 रन के अंदर गंवा दिए। श्रीलंका के लिए सबसे बड़ी भागीदारी कविंदी और साथी हंसिमा करुणारत्ने (14) के बीच 36 रन की साझेदारी रही।

राधा यादव।

ऑस्ट्रेलिया से सीरीज जीतना चाहेगी महिला टीम

एडिलेड, एजेंसी

भारतीय महिला टीम को अगर ऑस्ट्रेलियाई सरजमीं पर पहली बार ऐतिहासिक श्रृंखला जीतनी है तो उसकी बल्लेबाजों को यहां शनिवार को तीसरे और आखिरी महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में मेजबान टीम की अनुभवी गेंदबाजी इकाई के खिलाफ एकजुट होकर आक्रामक प्रदर्शन करना होगा। भारतीय महिला टीम अभी तक ऑस्ट्रेलिया में तीनों प्रारूपों में कोई द्विपक्षीय सीरीज नहीं जीत पाई है। इसे बदलने के लिए भारत को यहां बेहतर बल्लेबाजी

की जरूरत है, जिसकी शुरुआत सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना और शेफाली वर्मा से होगी। स्मृति और शेफाली दोनों ने शुरुआत तो की है लेकिन बड़ी पारी नहीं खेल पाईं जिससे दूसरे मैच में भारत 164 रन के आसान से लक्ष्य का पीछा नहीं कर सका। किम गार्थ, अनाबेल सदरलैंड और सोफी मोलिनू की अनुभवी ऑस्ट्रेलियाई तिकड़ी ने इस मौके का फायदा उठाया। इन्होंने भारत की पांच बल्लेबाजों को सिर्फ सात रन के अंदर आउट कर दिया। लेकिन एडिलेड की पिच कैनबरा की पिच के मुकाबले अलग है और भारतीय बल्लेबाजों को यहां अपने पिक-अप शॉट्स पर भरोसा करना चाहिए। एक बेहतरीन आउटफील्ड भी बल्लेबाजी के लिए बेहतर है। कप्तान हरमनप्रीत कौर, जेमिमा रोड्रिग्स और ऋचा घोष को बल्ले पर आती गेंद पसंद है और उन्हें यहां कुछ मदद मिलने की उम्मीद है। हालांकि मैदान की सतह चिकनी होने से जिम्मेदारी भारतीय तेज गेंदबाजों रेणुका सिंह, अरुंधति रेड्डी, क्रांति गौड़ और अमनजोत कौर पर होगी कि वे अपनी लाइन एवं लेंथ में स्थिर रहें।

मलाल अफगानिस्तान के कप्तान राशिद खान ने सुपर-8 में न पहुंचने के बताए कारण, दोहरे सुपर ओवर में दक्षिण अफ्रीका से मिली थी हार

बड़ी टीमों से द्विपक्षीय शृंखला खेलने से ही आता है अनुभव

चेन्नई, एजेंसी

अफगानिस्तान के कप्तान राशिद खान ने बृहस्पतिवार को यहां अपने आखिरी ग्रुप मैच में कनाडा को हराकर टी-20 विश्व कप से शानदार तरीके से विदा लेने के बाद कहा कि क्रिकेट खेलने वाले मजबूत देशों के साथ और द्विपक्षीय शृंखलाएं होनी चाहिए क्योंकि इनसे अनुभव मिलता है। अफगानिस्तान ने टूर्नामेंट रोमांचक क्रिकेट खेला और एक मुकाबले में स्कोर बराबर होने के बाद दूसरे सुपर ओवर में दक्षिण अफ्रीका से हार गया। हालांकि स्पिन गेंदबाजी के इस दिग्गज ने कहा कि अगर अफगानिस्तान को नियमित रूप से क्रिकेट खेलने वाले मजबूत देशों के खिलाफ मौके मिलते हैं तो वह काफी आगे बढ़ सकता है।

अफगानिस्तान के कप्तान राशिद खान।

राशिद ने बृहस्पतिवार रात को कनाडा को 82 रन से हराने के बाद कहा कुछ विभाग में सुधार की जरूरत है। बड़ी टीमों के खिलाफ मध्यक्रम बल्लेबाजी बिखर गई और डेथ ओवर में गेंदबाजी में भी सुधार चाहिए। पर यह सुधार तब होता है जब आप द्विपक्षीय सीरीज में बड़ी टीमों के साथ खेलते हैं। उन्होंने मैच में 19 रन देकर दो विकेट लेकर शानदार प्रदर्शन किया। इस दिग्गज खिलाड़ी ने कहा कि टीम टूर्नामेंट के लिए अच्छी तैयारी के साथ आई थी और उसने जबरदस्त क्रिकेट खेला। लेकिन उन्होंने स्वीकार किया कि दक्षिण अफ्रीका से मिली करीबी हार महंगी पड़ी।

राशिद ने कहा हम (टूर्नामेंट के लिए) अच्छी तरह तैयार थे। हमने जबरदस्त क्रिकेट खेला। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मैच ने सच में सभी को दुखी किया। हमें उन (पहले दो) मैचों में से एक में जीत दर्ज करनी थी और देखना था कि टूर्नामेंट कैसा होता है। हम इस विश्व कप से सकारात्मक चीजें लेकर आगे बढ़ेंगे। मुख्य कोच जोनाथन ट्रॉट का कार्यकाल खत्म हो गया और राशिद ने इसे टीम के लिए भावुक पल बताया। उन्होंने कहा मुझे लगता है कि हमने उसके साथ कुछ बहुत अच्छे पल बिताए। हम अभी जहां हैं, वहां उन्होंने मुख्य भूमिका निभाई है।

अफगानिस्तान के कोच ट्रॉट ने टी20 विश्व कप से बाहर होने के बाद भावुक विदाई ली

चेन्नई। अफगानिस्तान की टीम के साथ बनाई गई यादों से संतुष्ट लेकिन भावनाओं से अभिभूत कोच जोनाथन ट्रॉट ने चार साल के कार्यकाल के बाद अपनी भूमिका को अलविदा कहा। इस पद की पेशकश पहले इंग्लैंड के उनके साथी ग्राहम थोर्प को की गई थी लेकिन उस समय वह इसे स्वीकार नहीं कर सके और सौभाग्य से 44 वर्षीय ट्रॉट इस पद पर काबिज हुए। अफगानिस्तान ने सुपर आठ चरण की दौड़ से बाहर होने के बाद अपने अंतिम ग्रुप मैच में कनाडा को 82 रन से हराकर अपना अभियान समाप्त किया। इंग्लैंड के ट्रॉट ने अपनी भावनाओं को नियंत्रित करते हुए उस टीम के साथ अपने कार्यकाल को याद किया जो अब सफेद गेंद के प्रारूप में एक कड़ी प्रतिद्वंद्वी बन चुकी है। ट्रॉट के नेतृत्व में अफगानिस्तान की टीम 2023 वनडे विश्व कप सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई करने के काफी करीब पहुंची और 2024 टी20 विश्व कप के नॉकआउट चरण में जगह बनाई। उन्होंने मैच के बाद बातचीत में कहा, शायद समय सही है, शायद नहीं। मुझे नहीं पता, लेकिन मैं भविष्य में सभी को शुभकामनाएं देता हूं। मैं इस मौके के लिए बहुत आभारी हूं। ग्राहम थॉर्प को कोच बनना था और दुर्भाग्य से वह यह भूमिका स्वीकार नहीं कर सके। ट्रॉट ने कहा फिर मुझे यह पद पेश किया गया और मैंने इसे पूरे जोश के साथ स्वीकार किया। तो मैं यहां वास्तव में सौभाग्य से आया। मैंने पूरी कोशिश की। मैं उम्मीद करता हूं कि खिलाड़ी देख सकें कि मुझे इस खेल से कितना प्यार है।

पाकिस्तान सरकार ने हॉकी कप्तान बट पर लगा दो साल का प्रतिबंध हटाया

लाहौर, एजेंसी

ऑस्ट्रेलिया टूर विवाद

पाकिस्तान सरकार ने शुक्रवार को राष्ट्रीय हॉकी टीम के कप्तान अम्माद शकील बट पर राष्ट्रीय महासंघ (पीएचएफ) द्वारा लगाया गया दो साल का प्रतिबंध हटा दिया और इस कदम को 'अवैध और असंवैधानिक' करार दिया।

पाकिस्तान हॉकी महासंघ (पीएचएफ) के अध्यक्ष पद से इस्तीफा देने से ठीक पहले बृहस्पतिवार को तारिक बुगती ने हाल में ऑस्ट्रेलिया दौरे के दौरान कुप्रबंधन के खिलाफ कप्तान के पीएचएफ की आलोचना करने के लिए बट पर दो साल का प्रतिबंध लगा दिया था। लेकिन पीएचएफ के सरंक्षक प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ द्वारा नियुक्त अंतरिम अध्यक्ष मुहुयदीन अहमद वानी ने इस फैसले को पलट दिया और कहा कि यह

बुगती का 'अवैध और असंवैधानिक कदम' था।

राष्ट्रीय टीम के ऑस्ट्रेलिया से लौटने के बाद हुए विवाद के मद्देनजर बुगती ने बृहस्पतिवार को इस्तीफा दे दिया था। ऑस्ट्रेलिया में टीम को लॉजिस्टिक की दिक्कतों का सामना करना पड़ा था और उन्हें एयरबीएनबी के घरों में रहना पड़ा था जबकि सरकार द्वारा संचालित पाकिस्तान खेल बोर्ड (पीएसबी) ने कैनबरा में एफआईएच प्रो लीग मैचों के दौरान टीम के पांच सितारा होटल में रहने के लिए पीएचएफ को एक करोड़ रुपये दिए थे। खेल से जुड़े सभी मामलों को देखने वाली अंतर-प्रांतीय समन्वयक मंत्रालय के एक सीनियर अधिकारी ने पुष्टिक की कि प्रधानमंत्री शरीफ ने तुरंत बुगती का इस्तीफा स्वीकार कर लिया और वानी को पीएचएफ का तदर्थ अध्यक्ष और ब्रिगेडियर मुसरतुल्लाह को महानिदेशक नियुक्त किया।

उन्होंने कहा दोनों तदर्थ आधार पर हॉकी के मामलों को देखेंगे और नुकसान को ठीक करने की कोशिश करेंगे। बुधवार सुबह टीम के घर लौटने के तुरंत बाद बट और कुछ अन्य सीनियर खिलाड़ियों ने हवाई अड्डे पर इंतजार कर रही मीडिया से कहा कि वे पीएचएफ के मौजूदा प्रबंधन और टीम प्रबंधन के साथ आगे काम नहीं कर सकते। बट ने बताया कि खिलाड़ियों को किस तरह झूठ बोला गया और मीडिया से बात न करने की धमकी दी गई।